MONTHLY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Index

सामान्य अध्ययन I.....11

1. IIA की वेधशाला ने हेनले, मेराक से लाल रंग के अरोरा की छवि को कैप्चर किया - टाइम्स ऑफ इंडिया.....11
2. ऊर्जा के भारी विस्फोट का पृथ्वी पर प्रभाव - इंडिया टुडे.....11
3. भारत के प्रसिद्ध कला इतिहासकार बीएन गोस्वामी अब हमारे बीच नहीं रहे - इंडियन एक्सप्रेस.....12
4. केरल जीआई-टैग प्राप्त तिल की एक किस्म ओनाटुकारा की खेती का विस्तार करेगा - द हिंदू.....13

सामान्य अध्ययन II.....14

5. यूपीएससी ने राज्य पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश कड़े किए - द हिंदू.....14
6. चीन का सबसे बड़ा अंटार्कटिक बेड़ा अनुसंधान स्टेशन बनाने के लिए रवाना हुआ - इंडियन एक्सप्रेस.....15
7. राज्यसभा विशेषाधिकार पैनल सदस्यों के खिलाफ याचिकाओं की समीक्षा करेगा - द हिंदू.....16
8. पशुधन योजनाओं के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग हेतु सरकार राष्ट्रीय स्तर पर मॉनिटर तैनात करेगी - इंडियन एक्सप्रेस.....17
9. एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन '2+2' वार्ता हेतु अगले सप्ताह नई दिल्ली का दौरा करेंगे - द हिंदू/ ब्लिंकन और ऑस्टिन अगले सप्ताह 2+2 बैठक के लिए भारत आएंगे - इंडियन एक्सप्रेस.....18
10. भूटान के राजा एक सप्ताह की आधिकारिक यात्रा के लिए भारत पहुंचे - इंडियन एक्सप्रेस.....19
11. सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तीन उच्च न्यायालयों के लिए नए मुख्य न्यायाधीशों का प्रस्ताव रखा - द हिंदू.....19
12. NCERT पाठ्यपुस्तकों में चुनावी साक्षरता से सम्बंधित सामग्री शामिल करेगा - द हिंदू.....20
13. यह स्वीकार करना मुश्किल है कि मतदाता को फंडिंग का स्रोत जानने का कोई अधिकार नहीं है: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस.....21
14. पुतिन ने रूस के CTBT के अनुसमर्थन को वापस ले लिया - इंडियन एक्सप्रेस/ पुतिन ने रूस के वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के अनुसमर्थन को वापस ले लिया-इंडिया टुडे.....21
15. भारत श्रीलंका के साथ उसके ऋण समस्या के समाधान पर काम करेगा: निर्मला - द हिंदू.....22
16. लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के आरक्षण को लागू करना: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू.....23
17. ब्रिटिश पीएम सुनक और पीएम मोदी ने इजराइल-गाजा संघर्ष, FTA प्रगति पर चर्चा की - इंडियन एक्सप्रेस...24
18. मुफ्त राशन योजना को पांच साल और बढ़ाया जाएगा: प्रधानमंत्री - द हिंदू/ पांच साल तक मुफ्त राशन, लोगों को भूखा नहीं सोने दिया जायेगा: मोदी - इंडियन एक्सप्रेस.....24
19. भारत और चिली CEPA या FTA के लिए एक रूपरेखा बनाने पर काम कर रहे हैं- इंडियन एक्सप्रेस.....25
20. FATF समीक्षा से पहले, केंद्र ने सुझावों को लागू करने के लिए उपाय किए - द हिंदू.....26
21. दुर्लभ मृदा खनिजों पर 'अल्पाधिकार' का नियंत्रण हरित परिवर्तन में प्रमुख बाधा है -द हिंदू.....27
22. संसदीय स्थायी समिति ने आपराधिक कानूनों पर रिपोर्ट को अपनाया - इंडियन एक्सप्रेस.....27
23. भारत, भूटान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के नए मार्गों पर चर्चा करेंगे - द हिंदू/ भारत, भूटान ऊर्जा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर साझेदारी का विस्तार करेंगे - इंडियन एक्सप्रेस.....28
24. साधारण स्पर्श पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट नहीं है: दिल्ली उच्च न्यायालय - द हिंदू.....29
25. कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए तीन उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की सिफारिश की - द हिंदू 29
26. क्वाड की IPMDA पहल, मुक्त इंडो पैसिफिक के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण - द हिंदू.....30

27. हीरालाल सामरिया को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया - द हिंदू....30
28. इज़राइल-हमास युद्ध का एक महीना- इंडियन एक्सप्रेस....31
29. रूस के हटने के बाद नाटो ने औपचारिक रूप से शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि को निलंबित कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस....33
30. वर्ष 2022 में टीबी के 75 लाख नए मामले: WHO- द हिंदू/ वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर भारत में टीबी के सबसे ज्यादा मामले: WHO- इंडियन एक्सप्रेस....34
31. ब्राजील भारत को G-20 की अध्यक्षता में निरंतरता देगा - द हिंदू....35
32. 2+2 भारत-अमेरिका मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले INDUS-X निवेशकों की पहली बैठक आयोजित की गई - इंडियन एक्सप्रेस....36
33. QS एशिया रैंकिंग में 148 विश्वविद्यालयों के साथ, भारत का प्रतिनिधित्व चीन से अधिक है- इंडियन एक्सप्रेस.37
34. बिहार सदन ने जाति आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65% करने वाला विधेयक पारित किया - द हिंदू/बिहार सदन ने कोटा सीमा 50% से बढ़ाकर 65% करने का विधेयक पारित किया - इंडियन एक्सप्रेस....37
35. नागालैंड ने शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33% कोटा को मंजूरी दी- द हिंदू/ नागालैंड ने ULB चुनावों के लिए 33% महिला आरक्षण बरकरार रखने वाला विधेयक पारित किया- इंडियन एक्सप्रेस....38
36. अवैध प्रवासियों के लिए शरण के अधिकार को खारिज करते हुए भारत ब्रिटेन के सुरक्षित राज्यों की सूची में शामिल होने के लिए तैयार है -इंडियन एक्सप्रेस....39
37. राज्यपाल सदन द्वारा पारित विधेयकों को रोक कर नहीं रख सकते: सुप्रीम कोर्ट - द हिन्दू....40
38. भारत ने इजरायल-फिलिस्तीनी संकट को खत्म करने के लिए टू स्टेट सॉल्यूशन पर जोर दिया - द हिन्दू....41
39. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रसारण सेवा विधेयक का मसौदा जारी किया - द हिन्दू....41
40. ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोविड वैक्सीन को कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है: रिपोर्ट-द इंडियन एक्सप्रेस....42
41. नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को विनियमित करने का निर्णय लिया -इंडियन एक्सप्रेस....42
42. भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक ने शहरी सेवाओं को समर्थन हेतु $400 मिलियन के ऋण पर हस्ताक्षर किए- पीआईबी....43
43. ईवी विनिर्माण को उच्च स्तर में लाने हेतु केंद्र सरकार सीधी छूट दे सकती है-इंडियन एक्सप्रेस....45
44. ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारत आने के लिए 'इच्छुक' है: ब्रिटिश राजदूत- द हिंदू....46
45. चुनाव आयोग ने पार्टियों को चुनावी बॉन्ड से प्राप्त धन का ब्योरा देने के निर्देश दिए - द हिंदू....47
46. मोदी ने अनुसूचित जनजाति के सर्वाधिक पिछड़े लोगों के लिए मिशन शुरू किया-द हिंदू....47
47. FATF टीम भारत में ऑन-साइट समीक्षा बैठकें आयोजित करेगी-द हिंदू....48
48. ऋषि सुनक सरकार को बड़ा झटका, यूके सुप्रीम कोर्ट ने रवांडा प्रवासन योजना को खारिज कर दिया-लाइवमिंट 49
49. जेल कानून के मसौदे में फोन रखने पर तीन साल की जेल का प्रावधान - इंडियन एक्सप्रेस....50
50. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा पट्टी में 'मानवीय ठहराव' का आग्रह किया - द हिंदू/ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में 'मानवीय ठहराव और गलियारों' के लिए एक प्रस्ताव पारित किया - इंडियन एक्सप्रेस....51
51. रिजिजू मालदीव में मुइज्ज़ू के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे - द हिंदू....51
52. नौवहन की अबाधित स्वतंत्रता महत्वपूर्ण: राजनाथ - द हिंदू/राजनाथ ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अबाधित वैध वाणिज्य पर जोर दिया - इंडियन एक्सप्रेस....52

53. भारत, यूरोपीय संघ 600 मिलियन डॉलर के विश्व व्यापार संगठन विवाद को सुलझाने के करीब - इंडियन एक्सप्रेस 53
54. भारत के द्वारा 2nd वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी - इंडियन एक्सप्रेस 53
55. उच्च न्यायालय ने निजी क्षेत्र में हरियाणा के 75% स्थानीय कोटा को रद्द कर दिया - द हिंदू/ उच्च न्यायालय ने निजी नौकरियों में निवासियों के लिए 75% आरक्षण वाले कानून को रद्द कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस 54
56. जापान के प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में सैन्य गतिविधि पर गंभीर चिंता व्यक्त की - द हिंदू 55
57. ओडिशा सरकार ने आदिवासियों को अपनी जमीन गैर-आदिवासियों को बेचने की योजना पर रोक लगा दी - द हिंदू/ओडिशा ने आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को बेचने के फैसले को रोक दिया - इंडियन एक्सप्रेस. 56
58. विश्व बैंक के शासन संकेतकों को पारदर्शी बनाने की आवश्यकता: सीईए - इंडियन एक्सप्रेस 56
59. भारत में 11 लाख बच्चे 'वर्ष 2022 में खसरे का पहला टीका लगाने से चूक गए: विश्व स्वास्थ्य संगठन - इंडियन एक्सप्रेस 57
60. केरल सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया- द हिंदू 58
61. ओडिशा सरकार ने खेल आधारित युवा आउटरीच शुरू की - द हिंदू 58
62. आईएमए और ट्रेंड नर्स एसोसिएशन को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया-द हिंदू 59
63. प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक मसौदे में स्व-नियमन प्रावधानों पर विशेषज्ञों के मध्य मतभेद - द हिंदू 59
64. मालदीव में 77 भारतीय सैन्यकर्मी, समझौतों की समीक्षा - द हिंदू 60
65. पीएम मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई: वित्त मंत्री -बिजनेस स्टैंडर्ड 61
66. भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए चीन सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता - द हिंदू 62
67. केंद्र के चुनिंदा तबादलों, नियुक्तियों के नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं: सुप्रीम कोर्ट- द हिंदू 62
68. भारत के बिजली ग्रिडों को कोयला मुक्त बनाने हेतु अधिक वित्त की आवश्यकता- द हिंदू 63
69. आम चुनाव तक सब्सिडी से विकास को गति मिलेगी,चुनाव के बाद निजी निवेश में तेजी आएगी- द हिंदू 64
70. आदिवासी कार्यकर्ताओं ने एफआरए भूमि के लिए दिए गए मुआवजे को स्वीकार किया - द हिंदू 64
71. दाता युग्मकों का उपयोग करके सरोगेसी को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है: उच्च न्यायालय - द हिंदू 65
72. सुप्रीम कोर्ट ने सीसीआई से गोद लेने के लिए बच्चों की पहचान करने हेतु सहयोगात्मक प्रयासों का आह्वान किया- द हिंदू 66
73. मंत्रालय ने राज्यों से SATHEE पोर्टल के उपयोग को प्रोत्साहित करने को कहा -द हिंदू 67
74. एक साथ चुनाव से देश को मदद मिलेगी: पूर्व राष्ट्रपति -द हिंदू 67
75. ब्रिटेन ने सिकल सेल एनीमिया हेतु जीन थेरेपी को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस 68
76. इज़राइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया-द हिंदू 70
77. COP28 से पहले जलवायु वित्त के बारे में OECD रिपोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस 71
78. सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के दौरान मुफ्त सुविधाएं देने वाली पार्टियों के खिलाफ याचिका पर सुनवाई शुरू की - द हिंदू 72
79. सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून को बरकरार रखने वाले फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत है या नहीं - इंडियन एक्सप्रेस 73
80. बिहार कैबिनेट ने राज्य के लिए विशेष दर्जे की मांग वाले प्रस्ताव को मंजूरी दी - द हिंदू 74
81. IMF, FSB, FATF और क्रिप्टो परिसंपत्तियों रोडमैप हेतु G-20 देशों और अन्य को अपडेट करेंगे: वित्त मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस 74

82. राज्यपाल के पास विधेयकों पर कोई वीटो शक्ति नहीं है: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू / राज्यपाल विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते: सुप्रीम कोर्ट- इंडियन एक्सप्रेस....75
83. सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को नए सिरे से परिसीमन आयोग गठित करने की सलाह दी - इंडियन एक्सप्रेस....76
84. केवल छह राज्यों में ही 50% से अधिक स्थानीय निकायों में मनरेगा ऑडिट का कार्य पूरा हुआ - द हिंदू....77
85. केंद्र ने CERT-In को आरटीआई अधिनियम के दायरे से छूट दी- द हिंदू/ सरकार ने सर्वोच्च साइबर सुरक्षा एजेंसी को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस....78
86. प्रधानमंत्री ने मडिगा जाति के उप-वर्गीकरण के लिए प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू की - द हिंदू....78
87. सट्टेबाजी की चिंताओं का हवाला देते हुए, GoM ने ऑनलाइन गेमिंग नियमों को सख्त करने की तैयारी की - इंडियन एक्सप्रेस....79
88. भारत, ऑस्ट्रेलिया के बीच आपसी विश्वास से इंडो पैसिफिक क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी - द हिंदू....79
89. भारत, ईयू ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए - द हिंदू/ भारत, यूरोपीय संघ ने सेमीकंडक्टर समझौते पर हस्ताक्षर किए - इंडियन एक्सप्रेस....80
90. चुनाव आयोग ने तेलंगाना किसान सहायता योजना पर रोक लगाईं - द हिंदू/ EC ने मॉडल कोड का हवाला देते हुए KCR सरकार से कृषि सहायता रोकने को कहा- इंडियन एक्सप्रेस....81
91. सीएए का अंतिम मसौदा मार्च 2024 तक आने की उम्मीद: केंद्रीय मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस....81
92. शादी से निजता का अधिकार प्रभावित नहीं होता: कर्नाटक उच्च न्यायालय - द हिंदू....82
93. सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों में दर्ज 30 FIRs को एक साथ जोड़ने की अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने की विचाराधीन कैदी की याचिका खारिज कर दी - द हिंदू....83
94. डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वित्त मंत्रालय और अन्य हितधारकों की बैठक - इंडियन एक्सप्रेस....83
95. राज्यसभा विशेषाधिकार पैनल सांसदों को अपना पक्ष रखने के लिए बैठक करेगा - द हिंदू/राघव चड्ढा अपने खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत पर राज्यसभा पैनल के समक्ष पेश हुए - द प्रिंट....84
96. वर्ष 2020-21 में उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों में 1.79 लाख से अधिक की गिरावट - द हिंदू....85
97. भारत ने सीरियाई गोलान नहीं छोड़ने के लिए इजराइल के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन किया - द हिंदू....86
98. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव को छह महीने के विस्तार की अनुमति दी - द हिंदू....87
99. गरीबों को अगले 5 वर्षों तक मुफ्त अनाज मिलेगा - इंडियन एक्सप्रेस....87
100. सरकार ने चार जम्मू-कश्मीर विधेयक, आपराधिक कानून कानून सूचीबद्ध किए -द हिंदू....88
101. पीएमएलए के तहत साजिश का मामला केवल तभी मान्य है जब सूचीबद्ध अपराध शामिल हो'-द हिंदू....89
102. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आदिवासी कल्याण के लिए पीएम-जनमन योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस....89
103. सरकार ने 16वें वित्त पैनल के लिए मार्ग प्रशस्त किया-द हिंदू/ सरकार ने 16वें वित्त पैनल की शर्तों को मंजूरी दे दी, आपदा प्रबंधन निधि की समीक्षा जारी- इंडियन एक्सप्रेस....90
104. कुकी, मैतेई से बातचीत के माध्यम से विश्वास बनाने का आग्रह: रक्षा मंत्री - द हिंदू....91
105. अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह बढ़कर ₹1.72 लाख करोड़ हो गया - द हिंदू/ अक्टूबर में जीएसटी राजस्व में 13% की वृद्धि हुई - इंडियन एक्सप्रेस....92
106. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) सूचकांक में बड़े राज्यों के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई - इंडियन एक्सप्रेस....93
107. CBAM यूरोपीय संघ के विनिर्माण को खत्म कर देगा:भारत कार्बन टैक्स लगाएगा - द हिंदू....94

108. विकासशील देशों को जलवायु प्रभावों के प्रबंधन हेतु अधिक धन की आवश्यकता: संयुक्त राष्ट्र - इंडियन एक्सप्रेस 95
109. वित्त मंत्रालय ने जीएसटी मांग आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने के लिए एमनेस्टी योजना शुरू की - इंडियन एक्सप्रेस/ वित्त मंत्रालय ने जीएसटी मांग आदेश अपील के लिए एमनेस्टी की घोषणा की- द हिंदू 96
110. राष्ट्रीय बांध सुरक्षा टीम ने तेलंगाना में कालेश्वरम बैराज की योजना, डिजाइन में खामियां निकालीं- द हिंदू 96
111. DPIIT ने राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ पीएम गतिशक्ति वेबिनार आयोजित किया - पीआईबी 97
112. भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.57 बिलियन डॉलर बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस 98
113. NICED के द्वारा दवा-प्रतिरोधी हेलिकोबैक्टर पाइलोरी का शीघ्र पता लगाना संभव - द हिंदू 99
114. वर्ष 2100 तक भारत की सतह का तापमान 5.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है: IIT-खड़गपुर - इंडियन एक्सप्रेस 100
115. नीति आयोग 5 साल पहले लॉन्च की गई प्रमुख जल रिपोर्ट को बंद करने पर विचार कर रहा है - इंडियन एक्सप्रेस 101
116. पृथ्वी के अंदरूनी हिस्से में चंद्रमा के निर्माण से सम्बंधित अवशेष होने के संकेत मिले हैं. - द हिंदू 102
117. वायरल डीपफ़ेक वीडियो के बाद, आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया साइटों को चेतावनी जारी की - द हिंदू 102
118. ब्राज़ील में सोया उत्पादन में वृद्धि बच्चों में कैंसर से होने वाली अधिक मौतों से सम्बन्धित - डाउन टू अर्थ 103
119. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संबन्धित मामला - इंडियन एक्सप्रेस 104
120. आदित्य-L1 ने सौर ज्वाला की तस्वीरे खींची - द हिंदू/इसरो के आदित्य-L1 ने सौर ज्वालाओं का पहला उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर किया - इंडियन एक्सप्रेस 105
121. केरल ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती मिशन बनाया - द हिंदू 106
122. विश्व वर्ष 2030 तक जीवाश्म ईंधन की सीमा को दोगुना कर देगा: रिपोर्ट - द हिंदू 107
123. खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने पर आरबीआई वर्ष 2024-25 में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है - द हिंदू 107
124. कृषि 24/7 स्वचालित कृषि समाचार निगरानी और विश्लेषण के लिए पहला AI संचालित समाधान - पीआईबी 108
125. 'खाद्य पदार्थों की कीमतों में उतार-चढ़ाव , मुद्रास्फीति के लिए खतरा' - द हिंदू/ भारत बार-बार होने वाले, अतिव्यापी खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना हुआ है: दास - इंडियन एक्सप्रेस 109
126. ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध पोकर, रम्मी पर लागू नहीं होगा: उच्च न्यायालय - द हिंदू/मद्रास उच्च न्यायालय ने ऑनलाइन रम्मी और पोकर पर तमिलनाडु के प्रतिबंध को खारिज किया - इंडियन एक्सप्रेस 110
127. स्वास्थ्य क्षेत्र गर्मी के खतरों और अन्य चरम मौसम की घटनाओं के प्रभावों को रोकने के लिए तेयार नहीं : WMO - डाउन टू अर्थ 111
128. दिल्ली में बारिश के कारण वायु गुणवत्ता में सुधार - द हिंदू 112
129. वैश्विक आवास मूल्य वृद्धि में मुंबई चौथे स्थान पर -इंडियन एक्सप्रेस 113
130. अमरनाथ सड़क परियोजना से तीर्थयात्रियों की आवाजाही में मदद मिलेगी: BRO - द हिन्दू 114
131. भारत के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में पर्याप्त वृद्धि - द हिन्दू 114
132. संसदीय पैनल ने मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के लिए न्यूनतम छह महीने की कैद की सिफारिश की: - इंडियन एक्सप्रेस 115
133. विश्व ग्रह के ताप उत्सर्जन को सीमित करने के लक्ष्य से बहुत दूर: यूएन-द हिंदू 116

134. छोटे शहरों की यात्रा की मांग से बेंगलुरु हवाई अड्डे पर यातत्रियों में वृद्धि- द हिंदू..... 116
135. सितंबर के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक डेटा के सम्बन्ध में विकास विरोधाभास - द हिंदू..... 117
136. FATF समीक्षा से पहले, केंद्र ने सुझावों को लागू करने के लिए उपाय किए - द हिंदू..... 118
137. सोने के आयात के कारण व्यापार घाटे में वृद्धि-द हिंदू..... 119
138. इंस्पायर फैकल्टी फेलो ने हरे शैवाल के पीछे के आणविक तंत्र को डिकोड किया - DST..... 120
139. भारत, अमेरिका, 12 अन्य IPEF सदस्यों ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन समझौते पर हस्ताक्षर किए..... 120
140. दवाओं को शुरू से अंत तक ट्रैक करने के लिए नया आईटी प्लेटफॉर्म - इंडियन एक्सप्रेस..... 122
141. RBI ने बैंकों, NBFC के उपभोक्ता ऋण एक्सपोजर पर जोखिम भार को बढ़ाकर 125% किया - द हिंदू/असुरक्षित क्रेडिट में वृद्धि, RBI ने व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड पर मानदंड कड़े किए - इंडियन एक्सप्रेस..... 123
142. भारत ने विभिन्न देशों को जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया - इंडियन एक्सप्रेस/ भारत ने ग्लोबल साउथ को जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया - द इकोनॉमिक टाइम्स..... 124
143. बैंकिंग उद्योग को 84,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता है: आरबीआई - इंडियन एक्सप्रेस..... 125
144. डीपफेक मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की बैठक बुलाई जाएगी-द हिंदू..... 126
145. एआई-संचालित केमिस्ट मंगल ग्रह के उल्कापिंडों से ऑक्सीजन उत्पन्न कर सकता है - द हिंदू..... 127
146. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम उत्सर्जन गैप रिपोर्ट जारी - द हिंदू..... 128
147. मवेशियों में फ्रीमार्टिन क्या है? - द हिंदू..... 128
148. डीएसटी योजना की अधिसूचना रद्द होना शोधकर्ताओं के लिए चिंता का विषय - द हिंदू..... 129
149. यमन के हूती विद्रोहियों ने इज़रायल से जुड़े जहाज़ को अगवा किया - द हिंदू..... 129
150. आईपीईएफ के व्यापार स्तंभ में शामिल होने के लाभ अस्पष्ट: अधिकारी - इंडियन एक्सप्रेस..... 130
151. आरबीआई गवर्नर ने मॉडल-आधारित ऋण सुविधा का मुद्दा उठाया , बैंकों, एनबीएफसी को अनुचित जोखिम बढ़ने की चेतावनी दी - द हिंदू/ बैंक, एनबीएफसी सभी प्रकार के अतिउत्साह से बचे:आरबीआई गवर्नर - इंडियन एक्सप्रेस..... 131
152. पश्चिमी विरोध के बावजूद भारत को कोयला आधारित बिजली संयंत्रों हेतु निजी धन की आवश्यकता - द हिंदू..... 132
153. CoP-28 में मीथेन उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित - द हिंदू..... 132
154. इंटरनेशनल ट्रॉपिकल टिम्बर काउंसिल की बैठक प्रमुख निर्णयों के साथ संपन्न हुई - डाउन टू अर्थ..... 133
155. आरबीआई की सख्ती:बैंकर छोटे असुरक्षित ऋणों के लिए 'उच्च' एनबीएफसी जोखिम को जिम्मेदार मानते हैं -द हिंदू..... 134
156. एआई के लिए सेबी जैसे रेगुलेटर की जरूरत - द हिंदू..... 135
157. डीपफेक से निपटने हेतु जल्द ही नया नियम; आई टी मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के साथ बैठक की - द हिंदू/ डीपफेक से निपटने के लिए जल्द ही नए नियम: आईटी मंत्री वैष्णव - इंडियन एक्सप्रेस..... 135
158. प्रधानमंत्री ने डीपीआई को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी और सोशल इम्पैक्ट फंड की घोषणा की- पीआईबी..... 136
159. 'कम होती रिकवरी, समाधान में देरी ने IBC की सफलता को नुकसान पहुंचाया' - द हिंदू..... 137
160. अधिशेष तरलता का सामान्यीकरण, 'मजबूत क्रेडिट वृद्धि ने मौद्रिक नीति संचरण को बढ़ावा दिया - इंडियन एक्सप्रेस..... 138

161. काम से सम्बंधित मौतों में बढ़ोतरी के बीच, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने देशों से सुरक्षा जाल को मज़बूत करने की अपील की है - द हिंदू 138
162. रैट-होल खनन: सुरंग बचाव में इस्तेमाल किया जा रहा जोखिम भरा तरीका - इंडियन एक्सप्रेस 140
163. नासा के बिल नेल्सन ने केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात की, अंतरिक्ष स्टेशन के मिशन पर चर्चा - द हिंदू/आईएसएस मिशन के लिए नासा एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को प्रशिक्षण देगा - इंडियन एक्सप्रेस 140
164. रक्षा मंत्री ने नौसेना के उन्नत युद्धपोत 'इम्फाल' का अनावरण किया - इंडियन एक्सप्रेस 141
165. नवंबर में ऋण बाजार में एफपीआई का निवेश दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया - इंडियन एक्सप्रेस/नवंबर में ऋण बाजार में FPI का निवेश 2 साल के उच्चतम स्तर - द इकोनॉमिक टाइम्स 142
166. सेबी ने एमएफ के निष्क्रिय फंडों को नियंत्रित करने वाले नियमों को आसान बनाने की योजना बनाई - द हिंदू 142
167. भारत के एस्ट्रोसैट ने अपने 600वें गामा-रे बर्स्ट का पता लगाया - इंडिया टुडे 143

फैक्ट फटाफट 144

1. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर रिपोर्ट 144
2. क्रय प्रबंधक सूचकांक 144
3. स्केबीज 144
4. वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (FATF) 145
5. ब्लैक स्टॉर्क 145
6. ब्रिटिश एकेडमी पुस्तक पुरस्कार 145
7. क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क 145
8. हीमोग्लोबिन का एक नया परिप्रेक्ष्य 146
9. मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA) 146
10. अवौस मोटला 146
11. श्वेत हाइड्रोजन 147
12. प्रोपेन 147
13. बैलेचली पार्क: आधुनिक कंप्यूटिंग की जन्मस्थली 147
14. क्रय प्रबंधक सूचकांक 147
15. जीका वायरस 148
16. कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई प्रणाली 148
17. गैर-निष्पादित परिसंपत्ति 148
18. ट्रोजन क्षुद्रग्रह 149
19. व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 149
20. आईएल-38 विमान 149
21. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) 149
22. रोगाणुरोधी प्रतिरोध 150
23. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) 150
24. विट्रीमर 150

25. पर्यावरण डीएनए (eDNA) 151
26. पैंकोरियस सेबेस्टियानी 151
27. मृत सागर 151
28. एनकोर सॉफ्टवेयर 152
29. अधिकारियों के समान महिला सैनिकों को भी मातृत्व अवकाश 152
30. कवच प्रणाली 152
31. एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (AoR) 152
32. बैलिस्टिक मिसाइल 153
33. एलिसियस हिमालय 153
34. काड 153
35. ग्रीन क्रैकर (ग्रीन पटाखे) 154
36. जीका वायरस 154
37. मिग-21 विमान 155
38. चेतक 155
39. ऊर्जा संरक्षण भवन कोड (ECBC) 155
40. e-FIR 155
41. पूसा-44 156
42. ग्रीन क्रैकर्स 156
43. स्टेबल ऑरोरल आर्क 156
44. भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग 156
45. अर्धचालक 157
46. उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना 157
47. सीबीआई 157
48. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 157
49. काली टाइगर रिजर्व 158
50. कड़कनाथ मुर्गे 158
51. भौगोलिक संकेत (GI) टैग 158
52. क्रस्टेशियंस परजीवी 159
53. माउंट एटना 159
54. वधावन बंदरगाह 159
55. बिरसा मुंडा 159
56. MQ-4C ट्राइटन 160
57. इग्ला-एस 160
58. कांगड़ी 160
59. त्रिशक्ति प्रहार 161

60. अप्रत्याशित कर 161
61. व्यापार घाटा 162
62. यमुना नदी 162
63. छठ पूजा 162
64. निर्भय मिसाइल 162
65. नारियल विकास बोर्ड 162
66. एक्सरसाइज मित्र शक्ति, 2023 163
67. लियोनिड उल्कापात 163
68. वास्प-107B 163
69. म्यांमार में गृहयुद्ध 164
70. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना 164
71. C-130J सुपर हरक्यूलिस 164
72. कॉस्मिक वाइन 164
73. वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (GTCI) 165
74. वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी (PGII) 165
75. नेस्ट (NEST) पहल 165
76. ई प्राइम लेयर 165
77. चिमेरास 166
78. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड 166
79. नाइट्रोजन-9 नाभिक 166
80. अग्रिम जमानत 166
81. जोखिम भार 166
82. वायुमंडलीय तरंग प्रयोग (AWE) 167
83. टैंटलम 167
84. वज्र प्रहार 168
85. गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) 168
86. राजद्रोह कानून (धारा 124A आईपीसी) 168
87. एयरग्लो 169
88. वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) 169
89. जोखिम भार 169
90. घोल मछली 170
91. हलाल प्रमाणीकरण 170
92. एशियाई विकास बैंक (ADB) 170
93. अंगकोरवाट 170
94. भारत में 4 दुर्लभ बीमारियों के लिए जेनेरिक दवाएं उपलब्ध 171

95. मिथिम्ना पृथक्करण 171
96. AGNI पहल 171
97. ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (PSLV) 172
98. क्यासनूर वन रोग 172
99. H9N2 172
100. कंबाला 173
101. एमिलॉयडोसिस 173
102. बुकर पुरस्कार 173
103. e-SCR पोर्टल 174
104. हॉरिजॉन्टल ऑगर मशीन 174
105. फाइबर ऑप्टिक केबल 174
106. पूँजी पर्याप्तता अनुपात 174
107. ज़ोजिला दर्रा 175
108. ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से निपटना 175
109. ग्रीन लीफ वोलेटाइल्स (जीएलवी) 175
110. सैगिटेरियस C (SGR C) 176
111. शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 176
112. फतह 2 176
113. अंतर्राष्ट्रीय चीनी संगठन (आईएसओ) 177
114. धूमकेतु P12/पोंस-ब्रूक्स 177
115. राष्ट्रीय कैडेट कोर 177

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन I

1. IIA की वेधशाला ने हेनले, मेराक से लाल रंग के अरोरा की छवि को कैप्चर किया - टाइम्स ऑफ इंडिया

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव।

समाचार:

- लद्दाख में हानले और मेराक वेधशालाएं, जिन्हें रात के आकाश की घटनाओं को कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ने हाल ही में भारत में एक तीव्र लाल उरोरा की एक दुर्लभ घटना देखी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अरोड़ा

अरोरा अवलोकन

- ऑरोरा आकाश में चमकदार पैटर्न हैं जो **पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र** के साथ सौर कणों की परस्पर क्रिया के कारण बनते हैं।
- आमतौर पर ध्रुवों के पास देखी जाने वाली इस घटना को लद्दाख में भूमध्य रेखा के करीब कैप्चर किया गया।

वेधशाला विवरण

- **हानले वेधशाला** ने **उत्तरी क्षितिज** की ओर **लाल उरोरा** को रिकॉर्ड किया।

वैज्ञानिक व्याख्या

- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के सौर खगोलशास्त्री वेमारेड्डी ने बताया कि **सौर ज्वालाओं** का प्लाज्मा **पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के** साथ संपर्क करके **अरोरा** का कारण बनता है।
- जबकि भारत जैसे **भूमध्यरेखीय क्षेत्रों** में अक्सर दिखाई नहीं देता, **तीव्र घटनाओं** के कारण इसे देखा जा सकता है।

आगामी अरोरा गतिविधि

- **सौर चक्र** के वर्तमान चरण के कारण **सौर ज्वालाओं** में वृद्धि के कारण अगले **दो वर्षों** में **अरोरा घटनाओं** में वृद्धि का अनुमान है।
- यह चक्र **वर्ष 2025 में चरम** पर पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद गतिविधि में कमी आएगी।

हैनले का अनोखा फायदा

- हानले भारत का एकमात्र **डार्क स्काई रिज़र्व** है, जिसे **प्रकाश प्रदूषण** को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो इसे **अरोरा के अवलोकन** के लिए एक **आदर्श स्थान** बनाता है।

सौर गतिविधि के साथ सहसंबंध

- हालिया अरोरा घटना सूर्य की बाहरी परत से **कोरोनल मास इजेक्शन (CME)** से जुड़ी थी।

2. ऊर्जा के भारी विस्फोट का पृथ्वी पर प्रभाव - इंडिया टुडे

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ

समाचार

- एक **अभूतपूर्व घटना घटी जब भारत में आकाशीय विद्युत डिटेक्टरों ने ऊर्जा के** एक बड़े विस्फोट का पता लगाया।
- यह **विशाल विस्फोट** अब अलौकिक उत्पत्ति का माना जाता है और इसकी **उत्पत्ति** हमारे सौर मंडल के बाहर हुई थी।
- एक दूर के विस्फोटित तारे से **तीव्र गामा-किरण विस्फोट (GRB)** के कारण पृथ्वी के आयनमंडल में एक महत्वपूर्ण गड़बड़ी का अनुभव हुआ।
- इस **ब्रह्मांडीय घटना** को GRB 221009A नाम दिया गया है।
- विस्फोट **लगभग दो अरब प्रकाश वर्ष दूर एक आकाशगंगा से हुआ** , जिससे यह अब तक दर्ज किए गए सबसे शक्तिशाली जीआरबी में से एक बन गया।

प्रीलिम्स टेक अवे
- आयनमंडल
- गामा-किरण विस्फोट
- वेला 4ए उपग्रह

महत्व

- **अरबों प्रकाश वर्ष दूर** होने वाली ब्रह्मांडीय घटनाएं अभी भी पृथ्वी पर ठोस प्रभाव डाल सकती हैं।

- **प्रमुख सौर ज्वाला** के प्रभाव के समान, पृथ्वी के आयनमंडल की निचली परतों को प्रभावित किया।
- **निचले हिस्से के आयनमंडल** में **आयनीकरण** में वृद्धि ने बहुत कम आवृत्ति वाले रेडियो संकेतों को प्रभावित किया, जिससे वे **आयनमंडल** के साथ अलग-अलग तरह से उछलने लगे।
- हमारी अपनी **आकाशगंगा के भीतर** होने वाले ऐसे जीआरबी के निहितार्थ गंभीर हो सकते हैं, संभावित रूप से ओजोन **परत को नुकसान** पहुंचा सकते हैं और **हानिकारक पराबैंगनी विकिरण** को पृथ्वी की सतह तक पहुंचने की अनुमति दे सकते हैं।
- इस परिदृश्य को पृथ्वी पर **पिछले बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की घटनाओं** के संभावित कारण के रूप में अनुमान लगाया गया है।

गामा-किरण विस्फोट क्या हैं?

- **गामा-किरण विस्फोट (GRB)** ज्ञात ब्रह्मांड में सबसे **शक्तिशाली और हिंसक विस्फोट हैं।**
- **उच्च-ऊर्जा प्रकाश** की ये संक्षिप्त **चमक** ब्रह्मांड की कुछ **सबसे विस्फोटक घटनाओं के परिणामस्वरूप होती है** , जिसमें ब्लैक होल का जन्म और न्यूट्रॉन सितारों के बीच टकराव शामिल है।
- कुछ **मिलीसेकंड से लेकर कई मिनट तक चलने वाले, GRB एक औसत सुपरनोवा** की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक चमकीले हो सकते हैं , जिससे वे दस लाख ट्रिलियन सूर्य के समान चमकदार हो जाते हैं।
- इस प्रकार, जब एक **GRB विस्फोट** होता है , तो यह संक्षेप में अवलोकनीय ब्रह्मांड में **विद्युत चुम्बकीय विकिरण** का सबसे **चमकीला स्रोत** बन जाता है ।
- GRB का पहला अवलोकन 1967 में वेला 4ए उपग्रह के माध्यम से हुआ , जो **सोवियत संघ** या अन्य देशों द्वारा किसी भी परमाणु परीक्षण की निगरानी के लिए डिज़ाइन किए गए **एक्स-रे, गामा-रे और न्यूट्रॉन-डिटेक्टिंग अंतरिक्ष यान की श्रृंखला** का हिस्सा था।

गामा-किरण विस्फोट का क्या कारण है?

- **गामा-किरण विस्फोट** का कारण इस बात पर निर्भर करता है कि यह कितने समय तक रहता है।
- दो सेकंड से कम समय तक चलने वाले **GRB दो न्यूट्रॉन सितारों** के विलय या न्यूट्रॉन स्टार और ब्लैक होल के विलय के कारण होते हैं ।
- **लंबे जीआरबी** , जो घंटों तक चल सकते हैं, तब शुरू होते हैं जब एक विशाल तारा ढह जाता है और एक **ब्लैक होल** का जन्म होता है।

गामा-किरण विस्फोट कितने शक्तिशाली हैं?

- कुछ ही सेकंड में, एक **गामा -किरण विस्फोट** उतनी **ऊर्जा उत्सर्जित** कर सकता है जितनी सूर्य अपने **पूरे 9 अरब साल** के जीवनकाल में देगा ।

3. भारत के प्रसिद्ध कला इतिहासकार बीएन गोस्वामी अब हमारे बीच नहीं रहे - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कला रूपों के मुख्य पहलू

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- लघु चित्रकला

- **लघु चित्रकला** के प्राकृतिक कलाकार **बीएन गोस्वामी** का हाल ही में निधन हो गया है।

बीएन गोस्वामी की विशिष्टता

- वह **पहाड़ी चित्रकला शैली** के विशेषज्ञ थे।
- उन्होंने पहली बार इस विचार को **वर्ष 1968** में मार्ग पत्रिका में प्रकाशित अपने निबंध **"पहाड़ी पेंटिंग: द फैमिली एज बेसिस ऑफ स्टाइल"** में पेश किया था।
- संरक्षण के विभिन्न केंद्रों के बीच गतिशीलता का मतलब था कि **कांगड़ा, गुलेर, बसोहली, चंबा** आदि अदालतों के अनुसार **लघुचित्रों को वर्गीकृत** करने की मौजूदा प्रणाली उचित नहीं थी।
- उन्होंने माना कि चित्रकारी परिवारों के पास अदालतों के बजाय पहचानने योग्य तकनीकें और शैलीगत विशिष्टताएँ थीं।
- उन्होंने राजपूत और **पहाड़ी दरबारों** की **पारिवारिक कार्यशालाओं** और **मुगल अटेलियरों** में निर्मित चित्रों के बीच अंतर का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया।

बीएन गोस्वामी के कार्य

- वह कला और संस्कृति पर **25 से अधिक पुस्तकों** के लेखक हैं, जिनमें हाल ही में जारी **इंडियन कैट स्टोरीज़, पेंटिंग्स, पोएट्री और कहावतें** शामिल हैं।
- यह **पुस्तक कला इतिहास** में उनके प्रमुख योगदानों में से एक है, जिसमें भारत में **लघु चित्रकला** के विकास में **परिवार और वंश** की भूमिका को उजागर करने की उनकी क्षमता शामिल है।
- अपनी **वर्ष 2011** की पुस्तक **नैनसुख ऑफ गुलेर: ए ग्रेट इंडियन पेंटर फ्रॉम ए स्मॉल हिल-स्टेट (नियोगी बुक्स) में मास्टर मिनिएचरिस्ट नैनसुख** को गुमनामी से बचाया गया।
- **द स्पिरिट ऑफ इंडियन पेंटिंग** (वर्ष 2014 में पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया) में उन्होंने सेलिब्रेट किया
  - अपनी संघर्ष के माध्यम से भूले हुए कलाकारों के वंश
  - वर्ष 1100 और वर्ष 1900 के बीच चित्रित **101 महान कला कृतियों** का वाचन ,
  - **जैन** पांडुलिपियों से **लेकर राजस्थानी** , **मुगल** , **पहाड़ी** और **दक्कनी** लघुचित्रों से लेकर **पेंटिंग** के **कंपनी** स्कूल तक।
- वह ज्यूरिख के म्यूजियम रिटबर्ग और न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में आयोजित वर्ष 2011 की ऐतिहासिक प्रदर्शनी "द वे ऑफ द मास्टर्स: द ग्रेट आर्टिस्ट्स ऑफ इंडिया, 1100-1900" के सह-क्यूरेटर थे।

बीएन गोस्वामी की उपलब्धियां

- **फ़ारसी** , **उर्दू** और **हिंदी** में कविताएँ सुनाते थे और एक **अद्भुत वक्ता** थे जो अपने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते थे
- वह **पद्म श्री** और **पद्म भूषण** पुरस्कार विजेता थे।
- **आनंद कुमारस्वामी** की तरह , उनके लेखन में **गहन शोध** शामिल था और **जटिल विचार प्रक्रियाओं** को सरल तरीके से व्यक्त किया गया था।
- गोस्वामी ने पीढ़ियों को **लघु चित्रों की कृतियों** को पढ़ना भी सिखाया है।

4. केरल जीआई-टैग प्राप्त तिल की एक किस्म ओनाटुकारा की खेती का विस्तार करेगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: दुनिया भर में प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप सहित); विश्व के विभिन्न हिस्सों (भारत सहित) में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों की स्थिति के लिए जिम्मेदार कारक।

समाचार:

- भौगोलिक संकेत (जीआई)-टैग **ओनाटुकारा तिल की खेती** का विस्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं

प्रीलिम्स टेकअवे
- जीआई-टैग

मुख्य बिंदु

- अधिकारियों ने **थेक्केकारा कृषि भवन सीमा** में **खेतों** और **घरों में तिल उगाने** के लिए एक **प्रोत्साहन योजना** की घोषणा की है।
- **तिल की खेती** के लिए किसानों को **प्रति एकड़ 40 रुपये** की **वित्तीय सहायता** दी जाएगी।
- बीज **थेक्केकारा कृषि भवन** से वितरित किए जाएंगे और योजना के तहत **उत्पादित तिल को ओवीए द्वारा बाजार मूल्य का भुगतान** करके खरीदा जाएगा।
- इसका लक्ष्य **तिल की खेती** के तहत क्षेत्र को बढ़ाना है।
- तिल की खेती करने के लिए **व्यक्तियों, कृषक समूहों, कुदुम्बश्री समूहों, स्वयं सहायता समूहों और संयुक्त देयता समूहों** को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- ओनाटुकारा तिल वर्तमान में **अलाप्पुझा, कोल्लम** और **पथानामथिट्टा** के **तीन जिलों में 43 स्थानीय निकायों** में फैले **लगभग 600 हेक्टेयर** में उगाया जाता है।
- **जीआई-टैग तिल** के पंजीकृत **मालिक ओवीए** ने क्षेत्र में **तिल की खेती** का **क्षेत्रफल 2,000 हेक्टेयर** तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

- **केरल कृषि विश्वविद्यालय** के एक विश्लेषण से पता चला है कि तिलहनों ने **औषधीय महत्व** बढ़ा दिया है।
- अन्य स्थानों की तुलना में, इस क्षेत्र में उगाए जाने वाले तिल में **विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट उच्च स्तर** के होते हैं।
- इसमें **ओलिक एसिड, लिनोलिक एसिड, पामिटोलिक एसिड** आदि भी होते हैं जो अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।
- पारंपरिक **अयाली किस्म** के अलावा, क्षेत्र के **किसान ORARS** द्वारा विकसित **कायमकुलम-1, थिलक, थिलाथारा और थिलारानी** किस्मों की खेती कर रहे हैं।

सामान्य अध्ययन II

5. यूपीएससी ने राज्य पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश कड़े किए - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली

प्रीलिम्स टेकअवे
- पंजाब पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2023
- राज्य पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति के लिए यूपीएससी दिशानिर्देश

समाचार :
- यूपीएससी ने राज्य पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति के नियम कड़े कर दिए हैं

नियम
- किसी राज्य के **पुलिस महानिदेशक** के रूप में नियुक्ति के लिए केवल उन पुलिस अधिकारियों पर विचार किया जाएगा जिनकी **सेवानिवृत्ति से पहले कम से कम छह महीने की सेवा** शेष है
- इस संबंध में **यूपीएससी के दिशानिर्देशों** में संशोधन किया गया है।
- यूपीएससी द्वारा गठित **पैनलबद्ध समिति** राज्य के **डीजीपी** पद के लिए **केंद्रीय प्रतिनियुक्ति** पर **भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस)** अधिकारियों का मूल्यांकन नहीं करेगी-
  - यदि केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) राज्य सरकार को सूचित करता है कि अधिकारियों को कार्यमुक्त करना संभव नहीं होगा।
- दिशानिर्देश **25 साल के अनुभव** वाले अधिकारियों को **डीजीपी के रूप में नियुक्त** करने की अनुमति देते हैं
- पहले इस पद के लिए **न्यूनतम 30** वर्ष की सेवा की आवश्यकता थी।
- शॉर्टलिस्ट किए गए अधिकारियों की संख्या तीन से अधिक नहीं हो सकती, लेकिन "**असाधारण परिस्थितियों**" में तीन से कम अधिकारी शामिल हो सकते हैं।
- अधिकारियों को पैनल में तब तक शामिल नहीं किया जाएगा, जब तक वे खुद इच्छुक न हों

नियमों में परिवर्तन क्यों?
- संशोधन उन चीज़ों को स्पष्ट करते हैं जिन्हें **अलिखित मानदंड** माना गया है
- कुछ राज्यों में सेवानिवृत्ति के कगार पर मौजूद **पुलिस महानिदेशकों** की नियुक्ति की गई है
- कई राज्यों ने यूपीएससी द्वारा **चयनित योग्य अधिकारियों** के पैनल से बचने के लिए कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किए हैं।
- राज्यों को उनके कार्यकाल को बढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त होने वाले "**पसंदीदा अधिकारियों**" को नियुक्त करने से हतोत्साहित करने के लिए **दिशानिर्देशों को संशोधित** किया गया था।
- राज्य पैनल में शामिल होने के लिए अधिकारियों के नाम भेजते हैं, कभी-कभी यूपीएससी द्वारा चुने गए नाम उन्हें स्वीकार्य नहीं होते हैं।
- केंद्र की सहमति के खिलाफ यूपीएससी पैनल में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों के नाम शामिल नहीं करने का खंड हमेशा निहित रहा है लेकिन इसे पहले कभी परिभाषित नहीं किया गया था।

राज्यों द्वारा यूपीएससी को दरकिनार करना
- उत्तर प्रदेश, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों ने सभी **"प्रभारी"** डीजीपी, या "**पूर्ण अतिरिक्त प्रभार**" के साथ डीजीपी नियुक्त किए हैं।
- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022 के बाद से **कोई पूर्णकालिक** डीजीपी नहीं है।
- पंजाब में पूर्व डीजीपी ने राज्य में नए कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति के खिलाफ **केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण** का रुख किया है।

- उन्हें उनके कार्यकाल के बीच में ही स्थानांतरित कर दिया गया था, हालांकि यूपीएससी के नियम राज्य के डीजीपी के लिए **दो साल** का **निश्चित कार्यकाल** निर्धारित करते हैं।

- जून 2023 में, पंजाब ने राज्य के **डीजीपी** को **स्वतंत्र रूप** से **नियुक्त करने** के लिए एक कानून पारित किया ।
  - हालाँकि, **पंजाब पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2023** को अभी तक **राज्यपाल** की सहमति नहीं मिली है, जिसके बिना यह कानून नहीं बन सकता है।
- हालाँकि पुलिस एक राज्य का विषय है, लेकिन **आईपीएस अधिकारी** जो **अखिल भारतीय सेवाओं** के घटक हैं, उन्हें केंद्र सरकार की ओर से **यूपीएससी** द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - उनकी सेवाओं को **राज्य कैडर** के अंतर्गत रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश

- यूपीएससी ने पहली बार वर्ष 2009 में राज्य के **पुलिस महानिदेशकों** के पद पर नियुक्ति के लिए एक पैनल तैयार करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए थे।
- ये दिशानिर्देश वर्ष 2006 के पुलिस सुधार मामले में **सुप्रीम कोर्ट** के फैसले के बाद आए।
- सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा गया -
  - डीजीपी का चयन **राज्य सरकार** द्वारा विभाग के **तीन वरिष्ठतम अधिकारियों** में से किया जाएगा
  - अधिकारियों को यूपीएससी द्वारा उस रैंक पर पदोन्नति के लिए सूचीबद्ध किया गया है
  - **पैनल में शामिल करने का आधार है**
    - उनकी सेवा अवधि के आधार पर,
    - बहुत अच्छा सर्विस रिकॉर्ड
    - पुलिस बल का नेतृत्व करने के लिए अनुभव की सीमा।
- राज्य के पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए गठित समिति की अध्यक्षता **यूपीएससी अध्यक्ष** करते हैं
- इस समिति में निम्न लिखित शामिल हैं
  - केंद्रीय गृह सचिव,
  - राज्य के मुख्य सचिव
  - राज्य के डी.जी.पी
  - गृह मंत्रालय द्वारा नामित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रमुखों में से एक जो समान राज्य कैडर से नहीं है।

अनुभव को परिभाषित करना

- संशोधित दिशानिर्देश **राज्य पुलिस विभाग** का नेतृत्व करने के लिए एक **आईपीएस अधिकारी** के अनुभव की सीमा का आकलन करने के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों का संकेत देते हैं।
- निम्न लिखित क्षेत्रों में **दस वर्षों** का अनुभव आवश्यक है
  - कानून व्यवस्था
  - क्राइम ब्रांच
  - आर्थिक अपराध शाखा
  - खुफिया विंग,
  - जैसे **केंद्रीय निकायों** में प्रतिनियुक्ति
    - इंटेलिजेंस ब्यूरो
    - अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग,
    - केंद्रीय जांच ब्यूरो

6. चीन का सबसे बड़ा अंटार्कटिक बेड़ा अनुसंधान स्टेशन बनाने के लिए रवाना हुआ - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
• जुएलॉन्ग 1
• तियानहुई

- दो चीनी **आइसब्रेकर अनुसंधान जहाज** और **एक मालवाहक जहाज** अंटार्कटिका के लिए रवाना होने के लिए तैयार हैं।
- इस जहाज का उद्देश्य दुनिया के सबसे **दक्षिणी महाद्वीप** पर **चीन के पांचवें स्टेशन** का निर्माण करना है।

अंटार्कटिका में अब तक चीन का विकास

- प्रशांत क्षेत्र में पहले चीनी स्टेशन पर काम वर्ष 2018 में शुरू हुआ ।
- राज्य टेलीविजन ने बताया कि इसका उपयोग क्षेत्र के **पर्यावरण पर शोध** करने के लिए किया जाएगा।
- चीन के अंटार्कटिक में **वर्ष 1985 से वर्ष 2014** तक निर्मित **चार अनुसंधान स्टेशन** हैं।
- अमेरिका स्थित **एक थिंक टैंक** का अनुमान है कि **पाँचवाँ भाग अगले वर्ष समाप्त** हो सकता है।

अंटार्कटिका में चीन के नए अनुसंधान स्टेशन की जानकारी

- अंटार्कटिक में तैनात चीन के **अनुसंधान जहाजों** का सबसे बड़ा बेड़ा **रॉस सागर** के पास गहरे दक्षिणी महासागर की खाड़ी में स्टेशन के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- इस सुविधा में **सैटेलाइट ग्राउंड स्टेशन** के साथ एक **वेधशाला** शामिल होने की उम्मीद है।
- इस स्टेशन से चीन को अपनी पहुंच की क्षमता में एक बड़ी कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी
- **सेंटर फ़ॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ (CSIS**) इन घटनाक्रमों पर नज़र रख रहा है।
- **संग्रहण के लिए स्टेशन भी अच्छी स्थिति में है**
  - ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड पर खुफिया जानकारी का संकेत देता है
  - ऑस्ट्रेलिया के नए अर्नहेम अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किए गए रॉकेटों पर टेलीमेट्री डेटा
- पांच महीने के मिशन में **जलवायु परिवर्तन** के प्रभाव पर **एक सर्वेक्षण** शामिल होगा।
- **अंटार्कटिक** के लिए चीन का **40वां मिशन** रसद आपूर्ति पर **संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और रूस** सहित देशों के साथ भी सहयोग करेगा।

दो आइस ब्रेकरों का समर्थन

- दो आइसब्रेकर, **ज़ुएलॉन्ग 1** और **ज़ुएलॉन्ग 2,** नाम का चीनी में अर्थ है "**स्नो ड्रैगन**", शंघाई से अंटार्कटिका के लिए रवाना हुए है।
- मालवाहक जहाज **"तियानहुई**", या " **डीविने ब्लेस्सिंग्स**" स्टेशन के लिए निर्माण सामग्री लेकर **झांगजीगांग** के पूर्वी बंदरगाह से रवाना हुआ।
- दो आइसब्रेकर पर्यावरणीय सर्वेक्षण भी करेंगे
  - प्राइडेज़ खाड़ी, दक्षिणपूर्व अंटार्कटिक में अंतरिक्ष यात्री सागर
  - पश्चिम में रॉस सागर और अमुंडसेन सागर में।

7. राज्यसभा विशेषाधिकार पैनल सदस्यों के खिलाफ याचिकाओं की समीक्षा करेगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संसदीय विशेषाधिकार
- विशेषाधिकार समिति

समाचार:

- राज्यसभा की **विशेषाधिकार समिति ने** सदन के सदस्यों के खिलाफ लंबित शिकायतों की समीक्षा के लिए हाल ही में एक बैठक बुलाई ।
- यह बैठक सांसदों के **अनिश्चितकालीन निलंबन** पर चिंता व्यक्त करने वाली **सुप्रीम कोर्ट** की टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में हो रही है।

संसदीय विशेषाधिकार

- ये संसद के **दोनों सदनों,** उनकी समितियों और उनके सदस्यों द्वारा प्राप्त **विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ और छूट** हैं।
- इन विशेषाधिकारों को **भारतीय संविधान** के **अनुच्छेद 105** में परिभाषित किया गया है।
- संसद ने सभी **विशेषाधिकारों** को विस्तृत रूप से **संहिताबद्ध** करने के लिए कोई विशेष कानून नहीं बनाया है।
- बल्कि **पाँच स्रोतों पर** आधारित हैं
  - संवैधानिक प्रावधान
  - संसद द्वारा बनाये गये विभिन्न कानून
  - दोनों सदनों के नियम
  - संसदीय सम्मेलन
  - न्यायिक व्याख्याएँ

विशेषाधिकार का उल्लंघन

- विशेषाधिकार का उल्लंघन **सांसदों/संसद** के किसी भी **विशेषाधिकार** का उल्लंघन है।
- इसमें **समाचार आइटम, संपादकीय या अखबार/पत्रिका/टीवी साक्षात्कार या सार्वजनिक भाषणों** में दिए गए बयानों का प्रकाशन शामिल हो सकता है।

विशेषाधिकार समिति

- इस समिति में **पीठासीन अधिकारी** द्वारा नामित **लोकसभा के 15 सदस्य** (राज्यसभा के मामले में 10) होते हैं।
- राज्यसभा में **उपसभापति विशेषाधिकार समिति** का अध्यक्ष होता है।

शक्तियाँ और कार्य

- यह सदन या उसके सदस्यों या उसे सौंपी गई किसी **समिति के विशेषाधिकार के उल्लंघन** से जुड़े हर **प्रश्न की जांच** करता है ।
- यह निर्धारित करता है कि **विशेषाधिकार का उल्लंघन** शामिल है या नहीं और अपनी **रिपोर्ट में उपयुक्त** सिफारिशें करता है।
- इसमें सदन द्वारा अपनी सिफ़ारिशों को प्रभावी बनाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया भी बताई गई है।
- जब विशेषाधिकार का कोई **प्रश्न** समिति को सौंपा जाता है
  - **सदन द्वारा:** समिति की रिपोर्ट अध्यक्ष द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में समिति के किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत की जाती है।
  - **अध्यक्ष द्वारा:** समिति की रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाती है जो उस पर अंतिम आदेश पारित कर सकता है या निर्देश दे सकता है कि इसे सदन के पटल पर रखा जाए।
- अध्यक्ष/सभापति **दल-बदल के आधार** पर किसी **सदस्य** की **अयोग्यता के संबंध** में कोई भी याचिका समिति को भेज सकते हैं।

निलंबन की शर्तें

- निलंबन की **अधिकतम अवधि सत्र** के **शेष भाग** के लिए है।
- निलंबित सदस्य न तो **सदन में प्रवेश** कर सकते हैं और न ही **समितियों की बैठकों** में भाग ले सकते हैं।
- वह **चर्चा या प्रस्तुतीकरण** के लिए नोटिस देने के पात्र नहीं होंगे।
- वह अपने प्रश्नों का **उत्तर पाने** का **अधिकार** खो देता है।

8. पशुधन योजनाओं के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग हेतु सरकार राष्ट्रीय स्तर पर मॉनिटर तैनात करेगी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- राष्ट्रीय स्तर के मॉनिटर्स
- राष्ट्रीय पशुधन मिशन
- राष्ट्रीय गोकुल मिशन

समाचार:

- भारत सरकार **पशुधन योजनाओं** के कार्यान्वयन की **मॉनिटरिंग** के लिए **राष्ट्रीय स्तर** के **मॉनिटर (NLM)** तैनात करेगी ।
- मॉनिटरिंग की गई योजनाओं में **राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशन** समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं।

मॉनिटरिंग के प्रकार

- NLMs दो प्रकार की **मॉनिटरिंग** करेंगे अर्थात **नियमित** और **विशेष**
- मॉनिटरिंग के उद्देश्यों में कार्यक्रम कार्यान्वयन सुनिश्चित करना शामिल है
  - मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप है
  - निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करता है
  - ग्रामीणों से फीडबैक एकत्रित करता है
  - लाभार्थी चयन में पारदर्शिता बनाए रखता है
  - प्रोत्साहनों के वितरण और डेटा अपलोड को मान्य करता है।
- धन के **दुरुपयोग** या **अनियमितताओं** के संबंध में **जन प्रतिनिधियों** और **किसानों** की **गंभीर शिकायतों** के जवाब में **तथ्यों** को **सत्यापित** करने या **प्रारंभिक जांच** करने के लिए **NLM को तैनात** किया जा सकता है।

वर्तमान मॉनिटरिंग के तरीके

- वर्तमान में, विभाग भाग लेने वाले राज्यों के साथ **योजना कार्यान्वयन** की मॉनिटरिंग करता है
  - प्रगति रिपोर्ट
  - प्रबंधन सूचना प्रणाली
  - समीक्षा बैठकें
  - वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सत्र

मॉनिटरिंग का महत्व

- अर्थव्यवस्था में क्षेत्र के बढ़ते योगदान के कारण **ऐसी योजनाओं की मॉनिटरिंग पर** सरकार का ध्यान महत्वपूर्ण है ।
- NLMs का उद्देश्य **निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ मॉनिटरिंग प्रदान** करना है, जिसमें **सेवानिवृत्त सिविल/रक्षा सेवा अधिकारियों और शिक्षाविदों** से व्यक्तिगत NLMs का चयन किया जाता है।

पशुधन क्षेत्र का आर्थिक योगदान

- कृषि उत्पादन में पशुधन क्षेत्र का योगदान **वर्ष 2014-2015** में **24.32%** से बढ़कर **वर्ष 2020-21** में **30.87%** हो गया है।
- पशुधन क्षेत्र **वर्ष 2014-15** से **वर्ष 2020-21** तक **7.93%** की **चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि** दर से बढ़ा है ।
- पशुधन क्षेत्र के उत्पादन का मूल्य अकेले दूध के साथ महत्वपूर्ण है, जो **धान और गेहूं** के **संयुक्त मूल्य** से अधिक है।

9. एंटनी ब्लिंकन और लॉयड ऑस्टिन '2+2' वार्ता हेतु अगले सप्ताह नई दिल्ली का दौरा करेंगे - द हिंदू/ ब्लिंकन और ऑस्टिन अगले सप्ताह 2+2 बैठक के लिए भारत आएंगे - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

समाचार :

- अमेरिकी विदेश मंत्री और रक्षा सचिव **भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय** वार्ता के लिए भारत आएंगे।
- यह यात्रा **इज़रायल-हमास युद्ध** की पृष्ठभूमि में है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र
- 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

- 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता विभिन्न प्रकार के मुद्दों को शामिल करने वाला **सर्वोच्च स्तर** का **स्टॉक-टेकिंग** है
  - परमाणु रक्षा
  - साइबर सुरक्षा के लिए स्थान
  - स्वास्थ्य के लिए वीजा

यात्रा से संबंधित अन्य घटनाक्रम

- **विदेश मंत्री** और **रक्षा मंत्री** दोनों दौरे पर आए **अमेरिकी कैबिनेट मंत्रियों** की मेजबानी करेंगे।
- **अमेरिकी विदेश मंत्री** निर्धारित अवधि में **तेल अवीव**, **अम्मान, टोक्यो, सियोल** और **नई दिल्ली** की यात्रा करेंगे
- **इंडो-पैसिफिक में भारत और अमेरिका की चिंताएँ**
  - रूस-यूक्रेन युद्ध
  - इज़रायल-हमास युद्ध संघर्ष का बढ़ना
  - इंडो-पैसिफिक में चीन की आक्रामकता जारी है

अन्य भारत-अमेरिका दौरे

- **G20 नेताओं** के **शिखर सम्मेलन** के लिए **अमेरिकी राष्ट्रपति** जो **बाइडन** के भारत दौरे के बाद भारत **अमेरिकी कैबिनेट मंत्रियों** की मेजबानी करेगा ।
- भारत ने गणतंत्र दिवस समारोह के लिए **बाइडन** को आमंत्रित किया है।

- **बाइडन** की यात्रा **जनवरी 2023** में **क्वाड नेताओं** के **शिखर सम्मेलन** की मेजबानी करने की भारत की योजना का हिस्सा होगी ।

चीन- भारत-अमेरिका संबंधों का एक परिप्रेक्ष्य

- दोनों देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती **बीजिंग** की आक्रामकता है
  - भारत और चीन के बीच **मई 2020** से सीमा पर गतिरोध चल रहा है।
- **अमेरिका** के भी **चीन** के साथ **तनावपूर्ण संबंध** हैं।
- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ने **वॉशिंगटन** में **चीन** के **CCP सेंट्रल फॉरेन अफेयर्स कमीशन** के **निदेशक** और **विदेश मंत्री** के साथ **द्विपक्षीय बैठक** की।

10. भूटान के राजा एक सप्ताह की आधिकारिक यात्रा के लिए भारत पहुंचे - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

समाचार:

- भूटान नरेश **आधिकारिक यात्रा** पर भारत आ रहे हैं
- यात्रा के दौरान वह भारत के **प्रधानमंत्री** और **विदेश मंत्री** से मुलाकात करेंगे।
- वह **असम** और **महाराष्ट्र** का भी दौरा करेंगे .

प्रीलिम्स टेकअवे

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
- भारत-भूटान सीमा

यात्रा का महत्व

- यह यात्रा **चीन और भूटान** के बीच **बीजिंग** में **25वें दौर** की **सीमा वार्ता** आयोजित होने के कुछ हफ्तों बाद हो रही है।
- दोनों देशों ने "**भूटान-चीन सीमा** के **परिसीमन** और **निर्धारण** पर **संयुक्त तकनीकी टीम** की **जिम्मेदारियों** और **कार्यों**" पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- भूटान के राजा ने इससे पहले **अप्रैल 2023** में भी **भारत** की **आधिकारिक यात्रा** की थी।

भूटान-असम विकास

- यह पड़ोसी देश के किसी राजा की **पूर्वोत्तर राज्य** की **पहली यात्रा** है।
  - भूटान नरेश अपना पहला पड़ाव **असम** में रखेंगे।
- अपनी असम यात्रा के दौरान भूटान नरेश **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान** का दौरा करेंगे
  - यह एक **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** जो अपने एक **सींग वाले गैंडों** के लिए प्रसिद्ध है।
- यात्रा से पहले **असम सरकार** ने राज्य के **मेडिकल कॉलेजों** में **भूटानी नागरिकों** के लिए **पांच सीटें आरक्षित** करने को मंजूरी दे दी।
- असम भूटान के साथ **265.8 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा** साझा करता है।

11. सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तीन उच्च न्यायालयों के लिए नए मुख्य न्यायाधीशों का प्रस्ताव रखा - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

समाचार:

- भारत के **मुख्य न्यायाधीश** की अध्यक्षता में **सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम** ने हाल ही में **उत्तराखंड, उड़ीसा** और **मेघालय** के **उच्च न्यायालयों** में **तीन नए मुख्य न्यायाधीशों** की नियुक्ति की सिफारिश की है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
- कोलेजियम प्रणाली
- तृतीय न्यायाधीश मामला, 1998

संवैधानिक प्रावधान: संविधान का अनुच्छेद 217

- इसमें कहा गया है कि **उच्च न्यायालय** के **न्यायाधीश** की नियुक्ति **राष्ट्रपति** द्वारा भारत के **मुख्य न्यायाधीश (CJI),** राज्य के **राज्यपाल** के **परामर्श** से की जाएगी।

- उच्च न्यायालय के **मुख्य न्यायाधीश** के अलावा किसी अन्य **न्यायाधीश** की नियुक्ति के मामले में उच्च **न्यायालय** के **मुख्य न्यायाधीश** से परामर्श किया जाता है।

परामर्श प्रक्रिया

- **उच्च न्यायालय** के **न्यायाधीशों** की सिफारिश एक **कॉलेजियम** द्वारा की जाती है जिसमें **उच्च न्यायालय** के **मुख्य न्यायाधीश** और **दो वरिष्ठतम न्यायाधीश** शामिल होते हैं।।
- हालाँकि, यह प्रस्ताव संबंधित **उच्च न्यायालय** के **मुख्य न्यायाधीश** द्वारा **दो वरिष्ठतम सहयोगियों** के परामर्श से शुरू किया गया है।
- सिफारिश **मुख्यमंत्री** को भेजी जाती है जो **राज्यपाल** को **प्रस्ताव केंद्रीय कानून मंत्री** को भेजने की सलाह देते हैं।
- **उच्च न्यायालय** के **मुख्य न्यायाधीश** की नियुक्ति **संबंधित राज्यों के बाहर** के **मुख्य न्यायाधीशों** की नीति के अनुसार की जाती है ।

12.NCERT पाठ्यपुस्तकों में चुनावी साक्षरता से सम्बंधित सामग्री शामिल करेगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- स्वीप
- सतत चुनावी और लोकतंत्र शिक्षा (CEDE)

- **NCERT** पाठ्यपुस्तकों में **चुनावी साक्षरता** पर सामग्री शामिल करने के लिए **पाठ्यपुस्तकों** को पेश और अद्यतन करेगा।
- यह **राज्य शिक्षा बोर्डों** और **अन्य बोर्डों** को भी इसका पालन करने की सलाह देगा।
- यह **युवा भारतीयों** के बीच **मतदाताओं** की **उदासीनता** को संबोधित करने का एक प्रयास है।

शिक्षा और चुनावी साक्षरता

- यह पहल सभी स्कूलों में **कक्षा 6 से 12** तक शुरू होगी ।
- यह एकीकरण सभी **कॉलेजों और विश्वविद्यालयों** के **पाठ्यचर्या ढांचे** तक भी विस्तारित होगा।
- पाठ्यक्रम को विभिन्न विषयों के अनुरूप तैयार किया जाएगा और उसी के अनुसार श्रेय दिया जाएगा।

चुनावी साक्षरता का शासन

- इस संबंध में **भारतीय चुनाव आयोग** और **शिक्षा मंत्रालय** के बीच एक **समझौता ज्ञापन** पर हस्ताक्षर किए गए।
- इसका उद्देश्य **स्कूलों** और **कॉलेजों** में **ECI** के प्रमुख **सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (SVEEP)** का विस्तार करना है।
- समझौता ज्ञापन का उद्देश्य **शहरी** और **युवा भारतीयों** के बीच **मतदाताओं की उदासीनता** जैसे मुद्दों का समाधान करना है।

चुनावी साक्षरता का महत्व

- लगभग **297 मिलियन मतदाता** (910 मिलियन में से) ऐसे थे जिन्होंने **वर्ष 2019** में **लोकसभा** के **आम चुनाव** में अपना वोट नहीं डाला।
- **शैक्षणिक संस्थानों** के माध्यम से युवाओं में चुनावी **साक्षरता** पैदा करने के **दीर्घकालिक दृष्टिकोण** के साथ इस **समझौता ज्ञापन** पर **हस्ताक्षर** किए गए हैं।
- इस पहल से **शहरी** और **युवा उदासीनता** को दूर करने के चुनाव आयोग के प्रयास में मदद मिलने की उम्मीद है।
- इससे अगले **आम चुनावों** में बेहतर **चुनावी भागीदारी** को बढ़ावा मिलेगा।
- यह 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के तुरंत बाद प्रत्येक छात्र को **मतदाता पहचान पत्र** सौंपने में मदद करेगा।

चुनावी साक्षरता योजना का क्रियान्वयन

- कक्षाओं में **चुनावी साक्षरता** को प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए **शिक्षकों का उन्मुखीकरण** और **प्रशिक्षण** करना
- स्कूलों और कॉलेजों में **चुनावी साक्षरता क्लब (ELCs)** की स्थापना करना
- विद्यार्थियों में **मतदाता जागरूकता** को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- **वयस्क साक्षरता** और **बुनियादी शिक्षा** के **पाठ्यक्रम** में **चुनावी साक्षरता अनुभाग** को शामिल करना
- **मतदाता शिक्षा सामग्री** के नियमित प्रदर्शन के लिए प्रत्येक **वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय** में एक कमरे को **'लोकतंत्र कक्ष'** के रूप में नामित करना
- वर्ष भर **सतत चुनावी और लोकतंत्र शिक्षा (CEDE)** गतिविधियों का संचालन करना

13. यह स्वीकार करना मुश्किल है कि मतदाता को फंडिंग का स्रोत जानने का कोई अधिकार नहीं है: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चुनावी बॉन्ड योजना
- भारत में जानने का अधिकार

समाचार :
- सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने हाल ही में **चुनावी बॉन्ड योजना, 2018** की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है ।
- इसने राय दी कि यह स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल है कि म**तदाताओं को राजनीतिक दलों** के **धन** के **स्रोत** को जानने का अधिकार नहीं है।

चुनावी मामलों में न्यायिक सक्रियता
- खंडपीठ ने सुझाव दिया कि वर्तमान योजना में गंभीर कमियों को ध्यान में रखते हुए एक बेहतर **पोल बॉन्ड योजना** तैयार की जा सकती है।
- इसने चुनाव आयोग को **30 सितंबर, 2023 तक चुनावी बॉन्ड** के माध्यम से राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त योगदान का विवरण दो सप्ताह में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।
- अदालत का आदेश यह है कि अगर किसी **राजनीतिक दल** को **दानकर्ता** की **पहचान** के बारे में पता है तो मतदाता को भी दानकर्ता के बारे में जानकारी पाने का **वैध अधिकार** है।

चुनावी बॉन्ड पर सरकार का रुख
- इसका तर्क है कि **चुनावी बॉन्ड** में पारदर्शिता दानदाता को उत्पीड़न से बचाने के लिए योजना में जानबूझकर बनाई गई गोपनीयता को खत्म कर देगी।
- यह भी तर्क दिया गया कि बहुत अधिक पारदर्शिता **नकदी प्रवाह** को बढ़ावा देगी और बदले में काले धन को बढ़ावा देगी।

14. पुतिन ने रूस के CTBT के अनुसमर्थन को वापस ले लिया - इंडियन एक्सप्रेस/ पुतिन ने रूस के वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के अनुसमर्थन को वापस ले लिया-इंडिया टुडे

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सीटीबीटी
- रूस की संघीय सभा

समाचार :
- हाल ही में रूस ने **CTBT** का अपना **अनुसमर्थन** वापस ले लिया ।

आगे बढ़ने पर रूस का रुख
- रूस का दावा है कि व्यापक **परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT)** का उसका अनुसमर्थन केवल रूस को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लाने के लिए किया गया है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने संधि पर **हस्ताक्षर** किए हैं लेकिन कभी इसकी पुष्टि नहीं की है।
- रूस ने आश्वासन दिया कि वह **परमाणु परीक्षण** फिर से शुरू नहीं करेगा ।

व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT)
- संधि ने अवलोकन चौकियों का एक वैश्विक नेटवर्क स्थापित किया जो परमाणु विस्फोट से ध्वनि शॉकवेव्स या रेडियोधर्मी गिरावट का पता लगा सकता है।
- CTBT का उद्देश्य अपनी सत्यापन व्यवस्था का निर्माण करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी परमाणु परीक्षण बिना पहचाने न हो सके।

रूस-अमेरिका संबंधों पर प्रभाव
- इससे **संयुक्त राज्य अमेरिका** और **रूस** के बीच कड़वाहट और बढ़ने की आशंका है।
- वर्ष 1962 के **क्यूबा मिसाइल संकट** के बाद से **अमेरिका** और **रूस** के बीच संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर हैं।
- सर्दी का मुख्य कारण यूक्रेन में युद्ध **है**
- **रूस** ने **बहुध्रुवीयता** को कम करने के लिए **अस्थिरता पैदा करने** हेतु **अमेरिका** को **दोषी** ठहराया।

परमाणु शक्ति के रूप में रूस की वर्तमान स्थिति

- रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार है।
- रूस परमाणु हथियार के बारे में अपना ज्ञान साझा करता रहेगा
- ऐसी आशंका जताई जा रही है कि रूस परमाणु परीक्षण की ओर बढ़ सकता है.
- यह परीक्षण यूक्रेन युद्ध के बीच डराने और डर पैदा करने के लिए होगा।
- इस तरह का कदम बड़ी शक्ति वाले परमाणु परीक्षण के एक नए युग की शुरुआत कर सकता है।

परमाणु परीक्षण इतिहास

- सोवियत काल के बाद **रूस ने परमाणु परीक्षण नहीं** किया है ।
- सोवियत संघ ने **आखिरी बार वर्ष 1990 में** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने **वर्ष 1992** में परीक्षण किया था।
- इस सदी में **उत्तर कोरिया** को छोड़कर **किसी भी देश** ने **परमाणु विस्फोट** से **जुड़ा परीक्षण** नहीं किया है।
- **रूस की संसद** पहले ही **इस कदम** को **मंजूरी** दे चुकी है.

15.भारत श्रीलंका के साथ उसके ऋण समस्या के समाधान पर काम करेगा: निर्मला - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

समाचार:

- भारत **ऋण समाधान** पर **श्रीलंका के साथ सहयोग** जारी रखेगा।
- श्रीलंका **वर्ष 2022** के **गंभीर आर्थिक संकट** से उभरने का प्रयास कर रहा है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता
- विस्तारित निधि सुविधा
- NAAM 200

श्रीलंकाई अपने ऋणों को कम करने का प्रयास कर रहा है

- चीन, भारत और जापान, संकट के दौरान श्रीलंका के प्रमुख ऋणदाता हैं।
- श्रीलंका सभी के लिए एक साझा समझौते की योजना तैयार कर रहा है.
- इससे श्रीलंका को **IMF** की **विस्तारित फंड सुविधा (EFF)** की **दूसरी किश्त** हासिल करने में मदद मिलेगी।
- हाल ही में श्रीलंका ने फंड के **48-महीने** के **EFF समर्थित कार्यक्रम** की पहली समीक्षा की थी।
- यदि **श्रीलंका** अपने **प्रमुख ऋणदाताओं** के साथ समझौता करता है तो उसे **IMF से 330 मिलियन डॉलर** तक पहुंच प्राप्त होगी।

भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग के क्षेत्र

- अंतर-ग्रिड कनेक्टिविटी
- विमानन
- विद्युत परियोजनाएँ
- उत्तरी शहर मन्नार में तेल की खोज

भारतीय विदेश मंत्री की श्रीलंका दौरा

- भारतीय वित्त मंत्री ने द्वीप के उत्तर और पूर्व में **त्रिंकोमाली और जाफना** का दौरा किया।
- यात्रा के दौरान कोई नया समझौता नहीं हुआ।
- पहले से चर्चा की गई कुछ परियोजनाओं को अंतिम रूप दिया गया।
- **भारत** और **श्रीलंका** ने देशों के बीच **बौद्ध संबंधों** को बढ़ावा देने के लिए भारत से **15 मिलियन डॉलर** की अनुदान सहायता पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया
- इस राशि में से **10 मिलियन डॉलर धार्मिक स्थलों** के **सौर विद्युतीकरण** के लिए वित्त पोषित होंगे।
- श्रीलंका के राष्ट्रपति ने **आर्थिक मंदी** के दौरान **श्रीलंका** को लगभग **4 अरब डॉलर** की **भारतीय सहायता** के लिए **भारत को धन्यवाद** दिया।

''Naam 200''

- श्रीलंका ने **'Naam 200'** कार्यक्रम की मेजबानी की, जो **श्रीलंका** के **मलैयाहा तमिलों** के आगमन के दो शताब्दियों के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।
- इस कार्यक्रम में **भारतीय वित्त मंत्री सम्मानित अतिथि** थे।
- उन्हें **ब्रिटिश बागान मालिकों** द्वारा **श्रीलंका के कॉफी** और **चाय बागानों** में काम करने के लिए लाया गया था।

श्रीलंका में आवास, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी समझौते

- दोनों देशों ने **भारतीय अनुदान सहायता** से **पहाड़ी देश** में बनाए जा रहे **10,000 घरों** का **शिलान्यास** समारोह शुरू किया।
- भारत ने इससे पहले वर्ष **2016 में श्रीलंका में 4000 घरों** की परियोजना शुरू की थी।
- श्रीलंका और भारत के बीच रुकी हुई **आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते (ETCA)** पर **12वें दौर** की बातचीत भी हुई।

16.लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के आरक्षण को लागू करना: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता : भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना

समाचार :

प्रीलिम्स टेकअवे
- 106वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम
- मूल संरचना सिद्धांत

- सुप्रीम कोर्ट ने **संसद**, **राज्य विधानसभाओं** और **दिल्ली विधानसभा** में महिलाओं के लिए **एक तिहाई सीटें आरक्षित** करने वाले **संवैधानिक संशोधन** का स्वागत किया।
- न्यायालय ने राजनीति में **लैंगिक समानता** प्राप्त करने के लिए इसकी प्रासंगिकता को मान्यता दी।
- अदालत को **वर्ष 2024** में **आम चुनाव** से पहले **आरक्षण कानून** के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की आशंका है।

याचिकाकर्ता की मांगें

- सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका में कानून के एक खंड पर सवाल उठाया गया है.
  - आरक्षण **अगली जनगणना** और उसके बाद **परिसीमन प्रक्रिया** के बाद ही लागू किया जाना चाहिए।
- याचिकाकर्ता ने अदालत से **"अपमानजनक"** खंड को **"शुरुआत से शून्य"** घोषित करने का आग्रह किया।
- उन्होंने तर्क दिया कि संसद द्वारा पारित **संवैधानिक संशोधन** को **अनिश्चित काल** तक इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए।
- यह स्थापित कानून है कि किसी **संवैधानिक संशोधन** को तब तक रोका नहीं जा सकता जब तक कि यह **संविधान** के **दायरे से बाहर न पाया** जाए।

विधेयक के शीघ्र निष्पादन के लिए तर्क

- याचिका में इसका हवाला दिया गया है
  - **वर्ष 1993 का 73वाँ और 74वाँ संवैधानिक संशोधन।**
    - इन संवैधानिक संशोधनों ने महिलाओं को स्थानीय निकाय चुनावों में **एक तिहाई** प्रतिनिधित्व दिया।
  - **77वां संवैधानिक संशोधन अनुसूचित जाति** और **जनजाति** के लिए **नौकरियों** में पदोन्नति के लिए **आरक्षण का विस्तार** करता है।
  - **शैक्षणिक संस्थानों** और **सार्वजनिक रोजगार** में **10% EWS आरक्षण।**
- उन्होंने तर्क दिया कि ये सभी संशोधन **जनगणना डेटा** मांगे बिना लागू किए गए थे।
- साथ ही, वर्तमान संशोधन में, जनगणना के **आंकड़ों या परिसीमन अभ्यास** के संचालन की कोई आवश्यकता नहीं है।
  - ऐसा इसलिए है क्योंकि **आरक्षित सीटों** की संख्या **33%** पहले ही घोषित की जा चुकी है और यह मौजूदा सीटों में से ही होगी।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस **अधिनियम को आम चुनाव** से **ठीक पहले** और इसकी **मूल भावना** के साथ **तुरंत लागू किया जाना** चाहिए।

17. ब्रिटिश पीएम सुनक और पीएम मोदी ने इजराइल-गाजा संघर्ष, FTA प्रगति पर चर्चा की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

समाचार :

- भारत के **प्रधानमंत्री और उनके ब्रिटिश समकक्ष** के बीच हाल ही में टेलीफोन पर बातचीत हुई।

प्रीलिम्स टेकअवे

- द्विपक्षीय व्यापक सामरिक साझेदारी
- मुक्त व्यापार समझौता
- भारत और ब्रिटेन संबंध

भारत और ब्रिटेन के बीच चर्चा

- उन्होंने **पश्चिम एशिया** के **घटनाक्रम** और **इजराइल और हमास** के बीच **संघर्ष** पर चर्चा की
- **उन्होंने निम्न लिखित बिन्दुओं पर गहरी चिंता जताई**
  - आतंक
  - बिगड़ती सुरक्षा स्थिति
  - नागरिक जीवन की हानि.
- **निम्न लिखित बिन्दुओं पर सहमत हुए**
  - क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा, स्थिरता की आवश्यकता
  - मानवीय सहायता जारी रखी

भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक विकास

- दोनों देश **पारस्परिक रूप** से लाभप्रद **मुक्त व्यापार समझौते** के **शीघ्र समापन** की उम्मीद कर रहे हैं।
- बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई
- द्विपक्षीय **व्यापक सामरिक साझेदारी** को मजबूत करना ।

मुक्त व्यापार समझौता (FTA)

- भारत और ब्रिटेन के बीच **FTA** की उम्मीद है
- आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ाना
- आयात और निर्यात प्रवाह में वृद्धि
- निवेश प्रवाह में वृद्धि
- उत्पादकता बढ़ाना
- संसाधनों का अधिक कुशल आवंटन
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के प्रति अधिक खुलापन।

18.मुफ्त राशन योजना को पांच साल और बढ़ाया जाएगा: प्रधानमंत्री - द हिंदू/ पांच साल तक मुफ्त राशन, लोगों को भूखा नहीं सोने दिया जायेगा: मोदी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन

समाचार:

- **81 करोड़ भारतीयों** को **प्रति माह 5 किलो मुफ्त अनाज** उपलब्ध कराने वाली **केंद्र सरकार की योजना** को अगले **पांच साल** के लिए **बढ़ाया** जाएगा।
- मुफ़्त राशन योजना, **दिसंबर, 2023** में समाप्त होने वाली है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC)
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

योजना की पृष्ठभूमि

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना **वर्ष 2020** में पेश की गई थी।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) की विशेषताएं

- **योजना** -
  - एक **महामारी राहत उपाय** के रूप में शुरू की गई थी।
  - प्रति लाभार्थी **प्रति माह 5 किलोग्राम निःशुल्क खाद्यान्न** उपलब्ध कराना
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत वे **5 किलोग्राम सब्सिडी** वाले खाद्यान्न के हकदार थे।

- **दिसंबर 2022** में, कई विस्तारों के बाद **PMGKAY** समाप्त हो गई
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **NFSA** राशन को एक साल यानी **दिसंबर, 2023** तक मुफ्त करने का फैसला किया।
- अब इसे इस समय सीमा के अलावा अगले **पांच साल** के लिए बढ़ा दिया गया है।
- इसका नोडल मंत्रालय **वित्त मंत्रालय** है।
- **मुफ्त राशन** का लाभ **पोर्टेबिलिटी** के माध्यम से उठाया जा सकता है।
- इसका लाभ कोई भी प्रवासी श्रमिक या लाभार्थी **वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC)** के तहत ले सकता है।
- इसके दायरे में देश भर की लगभग **5 लाख राशन दुकानें** आती हैं।

19. भारत और चिली CEPA या FTA के लिए एक रूपरेखा बनाने पर काम कर रहे हैं- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

समाचार:

- भारत और चिली **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA)** या **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** के लिए एक नई रूपरेखा बनाने पर काम कर रहे हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे

- चिली की राष्ट्रीय लिथियम रणनीति
- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता

चिली के साथ CEPA या FTA का दायरा

- समझौते में निम्न लिखित बिंदु शामिल होंगे
  - वस्तुएं और सेवाएं
  - ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना
  - वाणिज्य सुविधा
  - तकनीकी
  - नवाचार,
  - पर्यावरण
- **भारत** और **चिली** के बीच **वर्ष 2006** में **द्विपक्षीय व्यापार समझौते** पर हस्ताक्षर किये गये थे **।**
- समझौते का इरादा **CEPA या FTA** की दिशा में आगे बढ़ना था।
- दोनों देश **निम्न क्षेत्रों** में सहयोग के अवसर देखते हैं
  - लिथियम उत्खनन
  - खनिज भण्डारों की खोज
  - फार्मास्युटिकल उद्योग

लिथियम कूटनीति से संबंधित अन्य विकास

- **CEPA** या **FTA** की समयसीमा समझौते के लिए स्थापित ढांचे पर निर्भर करेगी ।
- यह समझौता विशेष रूप से **लिथियम** पर **ऊर्जा परिवर्तन** में सहयोग के रूप में अपेक्षित है
- **बैटरी के निर्माण** में **लिथियम** का उपयोग किया जाएगा।
- भारत **लिथियम की खोज** और **खनन** में रुचि रखता है और इस पर चर्चा चल रही है।
- सहयोग का विस्तार **कृषि** और **वाइन उद्योग** जैसे अन्य क्षेत्रों तक भी है।

लिथियम भंडार का अन्वेषण

- दोनों देशों के पास **लिथियम** सहित **महत्वपूर्ण खनिजों** पर सहयोग की खोज करने वाला एक कार्य समूह है।
- कार्य समूह में **चिली** और **भारत** दोनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- संभावित सहयोग पारस्परिक लाभ के लिए कई संभावनाएं प्रदान करते हैं।

चिली की राष्ट्रीय लिथियम रणनीति

- चिली की राष्ट्रीय लिथियम रणनीति का लक्ष्य है
- लिथियम का पता लगाना , निकालना और उत्पादन करना
- उत्पादन **टिकाऊ** और **पर्यावरण के अनुकूल** तरीके से होना चाहिए।
- सार्वजनिक - निजी सहयोग और अनुबंध
- दुनिया भर के **निवेशकों** के साथ अनुबंध
- लिथियम और **इलेक्ट्रिक वाहनों** में भारत की रुचि

लिथियम और ईवी में भारत की रुचि

- भारत में **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) उद्योग** के कारण **लिथियम** की बढ़ती मांग है
- यह चिली के साथ साझेदारी को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है।
- **चीन की वृद्धि धीमी** होने के साथ, भारत-चिली साझेदारी **इलेक्ट्रिक वाहनों** के संदर्भ में प्रमुखता प्राप्त कर रही है।

व्यापार समझौते का विस्तार

- व्यापार समझौते विस्तार में निम्न सेवा क्षेत्र शामिल होंगे
  - डिजिटल सेवाएँ
  - निवेश
  - अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र
- **बैटरी** और **इलेक्ट्रिक वाहन** जैसे क्षेत्रों का समावेश चल रही बातचीत पर निर्भर करेगा।

20.FATF समीक्षा से पहले, केंद्र ने सुझावों को लागू करने के लिए उपाय किए - द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- FATF द्वारा भारत के **पारस्परिक मूल्यांकन** से पहले **केंद्र सरकार** ने **अंतर सरकारी निकाय** की सिफारिशों को लागू करने के लिए कई उपाय किए हैं।
- वे सिफ़ारिशें **वर्ष 2010 की समीक्षा** के बाद की गई थीं ।

प्रीलिम्स टेकअवे
• धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) • वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

FATF का मूल्यांकन और भारत का मूल्यांकन:

- FATF सदस्य देशों के उपायों के अनुपालन का आकलन करने के लिए समीक्षा करता है
  - **मनी लॉन्ड्रिंग पर** अंकुश लगाना
  - आतंक का वित्तपोषण।
- इन उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए भारत **नवंबर, 2023** में **ऑन-साइट मूल्यांकन** के लिए निर्धारित है।

FATF समीक्षा का दायरा

- भारत के वित्त मंत्रालय ने **चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव** और **लागत** और **प्रबंधन अकाउंटेंट** को नामित किया है
  - धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत निर्दिष्ट **व्यवसाय** या **पेशा** चलाने वाले व्यक्ति।
- इन पेशेवरों को अब **रिपोर्टिंग दायित्वों** के साथ रिपोर्टिंग इकाई माना जाता है।
- सरकार ने **व्यावसायिक संस्थाओं** से **संबंधित विभिन्न गतिविधियों** को शामिल करने का दायरा बढ़ा दिया है, जैसे कि **फॉर्मेशन एजेंट, निदेशक** या **कंपनियों के सचिव** के रूप में कार्य करना आदि।

रिपोर्टिंग इकाई जिम्मेदारियाँ:

- **रिपोर्टिंग संस्थाओं को निम्न दायित्व बनाए रखना**
  - लेन-देन के रिकॉर्ड
  - ग्राहक की पहचान
  - लाभकारी मालिक
  - खाता फ़ाइलें
  - पाँच वर्षों के लिए व्यावसायिक पत्राचार ।
- PMLA की **धारा 12AA** अतिरिक्त जिम्मेदारियों की रूपरेखा बताती है, जैसे -
  - ग्राहक सत्यापन
  - वित्तीय स्थिति का आकलन करना
  - लेनदेन के उद्देश्य और प्रकृति की जांच करना ।
- गैर-अनुपालन पर प्रत्येक विफलता के लिए **₹10,000 से ₹1 लाख** तक का **मौद्रिक दंड** हो सकता है।

वकीलों के लिए चुनौतियाँ:

- FATF की सिफारिशों के अनुसार वकीलों को भी रिपोर्टिंग संस्थाओं के रूप में शामिल करने पर विचार किया गया।

- साक्ष्य अधिनियम की **धारा 126 और 129** वकीलों को अपने ग्राहकों के साथ **विशेषाधिकार** प्राप्त **संचार** प्रदान करती है जिससे यह समावेशन जटिल हो जाता है।

21.दुर्लभ मृदा खनिजों पर 'अल्पाधिकार' का नियंत्रण हरित परिवर्तन में प्रमुख बाधा है -द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और संसाधनों की योजना, जुटाना, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।
समाचार :

- भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने **दुर्लभ मृदा खनिजों** के **खनन** और **प्रसंस्करण** पर अल्पाधिकार के बारे में आशंका व्यक्त की है।
- इस संरचना ने भारत के **ऊर्जा परिवर्तन प्रयासों** के लिए समस्याएँ पैदा कर दी हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- दुर्लभ मृदा खनिज
- भारत की ऊर्जा परिवर्तन साझेदारी

दुर्लभ मृदा खनिजों की आवश्यकता
- हरित प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए **दुर्लभ मृदा खनिज** महत्वपूर्ण हैं।
- खनन और प्रसंस्करण में **अल्पाधिकारवादी नियंत्रण ऊर्जा संक्रमण प्रयासों** में अनिश्चितता पैदा करता है।

दुर्लभ मृदा खनिजों का वित्तपोषण और उनका नियंत्रण
- विकासशील देशों के **ऊर्जा परिवर्तन** के लिए बाहरी **फंडिंग** का उपयोग **रणनीतिक उद्देश्यों** के लिए किया जा सकता है।
- **हरित परिवर्तन** में **निवेशकों** को अत्यधिक लालच के बजाय **सार्वजनिक वस्तुओं** के **निर्माण** को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- इस क्षेत्र में अपेक्षित विस्तार के लिए सार्वजनिक निवेश अपरिहार्य है।
- कार्बन उत्सर्जन के **बाज़ार-आधारित समाधानों** की सीमाएँ हैं।
- **आर्थिक विकास** पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।
- **पूंजी बाजार का उदारीकरण** आर्थिक विकास से पहले नहीं होना चाहिए।
- कोई भी कदम उठाने से पहले **अति-वित्तीयकरण** का आकलन किया जाना चाहिए।
- **जलवायु सुरक्षा** के लिए **आर्थिक विकास** को **प्राथमिकता** देने में देशों का समर्थन करना आवश्यक है ।
- अल्पाधिकार के स्थान पर विकेन्द्रीकृत नियंत्रण की आवश्यकता है।

दुर्लभ मृदा खनिज
- दुर्लभ मृदा तत्वों की **आवर्त सारणी** में **17 धात्विक तत्व** शामिल हैं।
- इनमें 15 **लैंथेनाइड्स** , **स्कैंडियम** और **येट्रियम शामिल** हैं।
- वे भी उन्हीं **अयस्क भंडारों** में पाए जाते हैं।
- नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और एयरोस्पेस सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके विविध अनुप्रयोग हैं।
- इन खनिजों को निकालना खतरनाक हो सकता है और विश्व स्तर पर केवल कुछ ही स्थान इनका उत्पादन करते हैं।
- दुर्लभ मृदा क्षेत्र का अनुमानित आकार **$10 बिलियन से $15 बिलियन** के बीच है
- दुनिया भर में लगभग 1**00,000-110,000 टन** का वार्षिक उत्पादन।
- इन्हें **'दुर्लभ मृदा खनिज'** इसलिए कहा जाता है क्योंकि पहले इन्हें **तकनीकी रूप** से इनके **ऑक्साइड रूपों** से **निकालना कठिन** था।

22.संसदीय स्थायी समिति ने आपराधिक कानूनों पर रिपोर्ट को अपनाया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संसद और राज्य विधानमंडल-संरचना, कामकाज, कामकाज का संचालन, शक्तियां और विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।
समाचार:

- **तीन नए आपराधिक कानूनों** पर **गृह मामलों** की **संसदीय स्थायी समिति ने** इसके मसौदे को अपना लिया है।
- इन तीन विधेयकों का मसौदा **भारतीय दंड संहिता (IPC), CrPC** और **साक्ष्य अधिनियम** को बदलने की मांग करता है।
- विधेयकों पर कई बदलाव प्रस्तावित हैं.

प्रीलिम्स टेकअवे
- नये आपराधिक कानून विधेयक
- धारा-124-A

विधेयकों पर आपत्तियाँ

- संसद के कुछ सदस्यों ने **विधेयकों** के विस्तृत विश्लेषण के लिए **कुछ और समय मांगा** है।
- सदस्य असहमति नोट्स प्रस्तुत करने के लिए समय चाहते हैं।
- पैनल में **सभी 10 विपक्षी सदस्य** अलग-अलग असहमति नोट्स प्रस्तुत करेंगे।
- कई **सदस्यों ने विधेयकों पर** कई सुझाव दिये।
- कुछ सदस्यों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि विधेयकों में **हिंदी का प्रयोग** संविधान की भावना के विरुद्ध है।
- पैनल विधेयकों को दिए गए **हिंदी नामों पर अड़ा** हुआ है।

भारतीय न्याय संहिता में परिवर्तन

- भारतीय न्याय संहिता ने **सामुदायिक सेवा** को कुछ अपराधों के लिए सजा के वैकल्पिक रूप के रूप में निर्धारित किया है
  - छोटी-मोटी चोरी
  - मानहानि
  - आत्महत्या का प्रयास
- संहिता में **सामुदायिक सेवा की परिभाषा** एवं **कार्यक्षेत्र का निर्धारण** नहीं किया गया है।

भारतीय न्याय संहिता में प्रस्तावित परिवर्तन

- **संसदीय समिति** ने व्यभिचार को अपराध मानने वाले **लैंगिक तटस्थ प्रावधान** को शामिल करने की सिफारिश की है।
- समिति पुरुषों, महिलाओं या ट्रांसपर्सन के बीच **गैर-सहमति वाले यौन संबंधों** के साथ-साथ पाशविकता के कृत्यों को अपराध मानने के लिए एक खंड पर विचार कर रही है।
- समिति ने विधेयक में **"सामुदायिक सेवा"** और **"आजीवन कारावास"** जैसे शब्दों के लिए बेहतर परिभाषाएँ सुझाई हैं।
- नए ड्राफ्ट कोड में **धारा 124-A (राजद्रोह)** को हटाने को शामिल किया गया है।
- इसमें विदेशों में किए गए अपराधों पर मुकदमा चलाने के प्रावधानों को हटाने का भी प्रस्ताव दिया गया है।

23.भारत, भूटान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के नए मार्गों पर चर्चा करेंगे - द हिंदू/ भारत, भूटान ऊर्जा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर साझेदारी का विस्तार करेंगे - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- गेलेफू SEZ
- दारंगा-समद्रुप जोंगखार

- **भारत** और **भूटान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी** के नए मार्गों पर चर्चा करने और **सीमा** व **आव्रजन चौकियों** को उन्नत करने पर सहमत हुए
- यह **भूटान** और **असम की सीमा पर गेलेफू** में एक **स्मार्ट शहर** के लिए **भूटान के 5वें राजा की योजनाओं** का समर्थन करेगा।
- चीन के साथ भूटान की **सीमा परिसीमन समझौते** की प्रक्रिया पर भारत की बढ़ती चिंताओं का कोई उल्लेख नहीं किया गया।

दो देशों से संबंधित द्विपक्षीय विकास

- असम में **गेलेफू** और **कोकराझार** के बीच **भारत द्वारा** बनाए जाने वाले **58 किमी लंबे सीमा पार रेल लिंक** के लिए **अंतिम सर्वेक्षण पर** सहमति बनी ।
- दोनों पक्ष भूटान के **समत्से** और **पश्चिम बंगाल** के **चाय बागान क्षेत्र** के **बानरहाट** के बीच लगभग **18 किमी** तक **दूसरे रेल लिंक** की **संभावना तलाशने** पर सहमत हुए।
- **भारत भूटानी व्यापार वस्तुओं** को **पश्चिम बंगाल** के **हल्दीबाड़ी** से **बांग्लादेश के चिल्हाटी तक** ले जाने की अनुमति देने पर भी सहमति व्यक्त की।
- रेल कनेक्टिविटी भविष्य में **पूर्वोत्तर में भारतीयों** के लिए **हवाई कनेक्टिविटी** में भी मदद कर सकती है
  - चूँकि **भूटान बड़े सर्पांग** जिले **विशेष आर्थिक क्षेत्र** के हिस्से के रूप में **गेलेफू** में एक **अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा** बनाने की योजना बना रहा है।
- भारत - भूटान, **असम व भूटान** के कम विकसित **दक्षिण पूर्वी जिले** के बीच **दरंगा-समद्रुप जोंगखार** सीमा को एक **आव्रजन जांच चौकी** के रूप में नामित करने पर सहमत हुए।

- ताकि **"कनेक्टिविटी बढ़ाने** और **पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए**" तीसरे देश के नागरिकों को प्रवेश करने और बाहर निकलने की अनुमति दी जा सके।

- दोनों पक्षों ने **दादगिरी (असम)** में मौजूदा **भूमि सीमा शुल्क स्टेशन** को आधुनिक "**एकीकृत चेक पोस्ट**" (ICP) में अपग्रेड करने के साथ-साथ **"गेलेफू में भूटानी पक्ष** पर सुविधाओं के विकास" पर सहमति व्यक्त की।।
  - यह **भूटानी SEZ परियोजना** को भारत के समर्थन का संकेत देता है।

भारत की ओर से भूटान को विकास सहायता

- भारत ने **शाही सरकार** की **प्राथमिकताओं** के आधार पर **भूटान में सामाजिक आर्थिक विकास** के लिए निरंतर और पूर्ण समर्थन दोहराया
- **भूटानी राजा** ने **31 अक्टूबर 2023** को समाप्त होने वाली **भूटान** की **12वीं पंचवर्षीय योजना (2018-2023)** के लिए **विकास सहायता** के लिए भी **सरकार को धन्यवाद** दिया।
- भारत ने नई **13वीं पंचवर्षीय योजना** का भी समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।
- भूटान के बुनियादी ढांचे के लिए **निवेश और सहयोग** का पता लगाने के लिए **भूटान के राजा मुंबई का दौरा** कर रहे हैं।

भूटान की आर्थिक प्रतिज्ञाएँ

- भूटान की अर्थव्यवस्था, निम्न लिखित उम्मीद कर रही है
  - उप-क्षेत्रीय औसत से कम, **4.3% की मामूली वृद्धि** के साथ,
  - **कम विदेशी मुद्रा भंडार**
  - **वर्ष 2022** में अनुमानित **125% सरकारी ऋण** और **सकल घरेलू उत्पाद** अनुपात के साथ एक प्रमुख सार्वजनिक ऋण

24. साधारण स्पर्श पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट नहीं है: दिल्ली उच्च न्यायालय - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

- हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि **"साधारण स्पर्श"** को एक नाबालिग पीड़िता के शरीर के साथ **"छेड़छाड़"** नहीं माना जा सकता है और **यौन अपराधों से बच्चों** के **संरक्षण (POCSO) अधिनियम के** तहत पेनेट्रेटिव सेक्सुअल उत्पीड़न का अपराध नहीं है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफ़ेंसेस (POCSO) अधिनियम

प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफ़ेंसेस (POCSO) अधिनियम

- यह विशेष रूप से बच्चों के यौन शोषण से निपटने वाला देश का **पहला व्यापक कानून** (वर्ष 2012 में अधिनियमित) है
- इसका संचालन **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** द्वारा किया जाता है ।
- इसका उद्देश्य बच्चों को **यौन उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न** और **अश्लील उल्लंघनों** से बचाने के साथ-साथ ऐसे परीक्षणों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करना था।
- **दुर्व्यवहार करने वालों** को **रोकने** और **सम्मानजनक परवरिश** को **बढ़ावा** देने के लिए निर्दिष्ट अपराधों के लिए दंड को मजबूत करने के लिए **वर्ष 2019** में **अधिनियम में संशोधन** किया गया था।

25. कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए तीन उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की सिफारिश की - द हिंदू

प्रासंगिकता: प्रासंगिकता: कार्यकारी और न्यायपालिका मंत्रालयों और सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के विभागों की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली और राजनीति में उनकी भूमिका।

समाचार:

- हाल ही में, **भारत** के **मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता** वाले **कॉलेजियम** ने **शीर्ष अदालत** में नियुक्ति के लिए **तीन उच्च न्यायालयों** के **मुख्य न्यायाधीशों** की सिफारिश की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- कोलेजियम प्रणाली

कोलेजियम प्रणाली

- यह **न्यायाधीशों** की **नियुक्ति** और **स्थानांतरण की प्रणाली** है जो **सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों** के **माध्यम** से **विकसित** हुई है, न कि **संसद** के **किसी अधिनियम** या **संविधान के प्रावधान** द्वारा।

पृष्ठभूमि

- **फर्स्ट जजेज केस (वर्ष 1981)** में घोषित किया गया कि **न्यायिक नियुक्तियों** और **तबादलों** पर **भारत के मुख्य न्यायाधीश** की सिफारिश की "**प्रधानता**" को **"ठोस कारणों"** से अस्वीकार किया जा सकता है।
- इस फैसले ने **न्यायिक नियुक्तियों** में **न्यायपालिका** पर **कार्यपालिका** को **प्रधानता** प्रदान की।
- **द्वितीय न्यायाधीश मामले (वर्ष 1993)** में सुप्रीम कोर्ट ने **कॉलेजियम प्रणाली** की शुरुआत करते हुए कहा कि **"परामर्श"** का वास्तव में मतलब **"सहमति"** है।
- इसमें कहा गया है कि यह **भारतीय मुख्य न्यायाधीश** की **व्यक्तिगत राय** नहीं थी, बल्कि **सुप्रीम कोर्ट** के **दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों** के **परामर्श** से बनाई गई एक **संस्थागत राय** थी।
- **तृतीय न्यायाधीश मामले (वर्ष 1998)** में, राष्ट्रपति के संदर्भ (अनुच्छेद 143) पर **सुप्रीम कोर्ट** ने **कॉलेजियम** का विस्तार **पांच सदस्यीय निकाय** में कर दिया, जिसमें **भारतीय मुख्य न्यायाधीश** और उनके **चार वरिष्ठतम सहयोगी** शामिल थे।

26.क्वाड की IPMDA पहल, मुक्त इंडो पैसिफिक के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

समाचार:

- हाल ही में नौसेना प्रमुख एडमिरल ने कहा, **क्वाड ग्रुपिंग** द्वारा घोषित **इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (IPMDA)** पहल से नेटवर्क बनाने में मदद करेगी
- ये साझेदारियाँ **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** की **सुरक्षा** और **स्थिरता सुनिश्चित** करने में सहायक होंगी।

प्रीलिम्स टेकअवे

- इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (IPMDA)

इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (IPMDA)

- यह पहल टोक्यो में आयोजित वर्ष 2022 **क्वाड लीडर्स समिट** के दौरान पेश की गई थी।

उद्देश्य

- इसका प्राथमिक उद्देश्य **अपारदर्शी शिपिंग** की निगरानी करना है
- इंडो-पैसिफिक में **तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों** में **भागीदार देशों** के जल के भीतर वास्तविक समय की घटनाओं की **अधिक तीव्र, व्यापक** और **सटीक समझ विकसित** करना
- IPMDA पहल का उद्देश्य **उन्नत तकनीक** और **प्रशिक्षण कार्यक्रमों** को नियोजित करना है
  - **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** के भीतर **समुद्री स्थिति संबंधी जागरूकता** बढ़ाने के लिए
- अपने महत्वपूर्ण स**मुद्री मार्गों** की **पारदर्शिता** बढ़ाना ।
- यह पहल **वाणिज्यिक उपग्रहों** से **रेडियो फ्रीक्वेंसी डेटा** के संग्रह जैसी नवीन तकनीकों का लाभ उठाती है
- पूरे द**क्षिण पूर्व एशिया**, **हिंद महासागर क्षेत्र** और **प्रशांत क्षेत्र** के देशों को उनके **समुद्री क्षेत्रों** के भीतर होने वाली गतिविधियों के बारे में समय पर और अद्यतन जानकारी प्रदान करना।

27.हीरालाल सामरिया को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया - द हिंदू

प्रासंगिकता: वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

समाचार:

- **मुख्य सूचना आयुक्त** के पद पर **हीरालाल सामरिया** का चयन किया गया है
- उन्होंने **7 नवंबर, 2020** को **केंद्रीय सूचना आयोग** में **सूचना आयुक्त** के रूप में शपथ ली ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सूचना का अधिकार अधिनियम
- मुख्य सूचना आयोग

नियुक्ति से पहले CIC पद की पृष्ठभूमि

- **मुख्य सूचना आयुक्त** का पद **3 अक्टूबर, 2023** से खाली पड़ा था
- **वाईके सिन्हा** उस समय CIC के पद से रिटायर हुए थे .
- **30 अक्टूबर 2023** को **सुप्रीम कोर्ट** ने **केंद्र** और **राज्य दोनों सरकारों** से CIC में शीर्ष पद भरने के लिए कदम उठाने को कहा था।
- अदालत ने कहा कि इस नियुक्ति में विफल रहने पर **वर्ष 2005** में लाया गया सूचना का अधिकार अधिनियम एक **"मृत पत्र"** बन जाएगा।

भारत के मुख्य सूचना आयोग के कार्यालय में कार्मिक

- शपथ लेने के बाद **हीरालाल सामरिया** ने **दो सूचना आयुक्तों** को पद की शपथ दिलायी
  - आनंदी रामलिंगम
  - विनोद कुमार तिवारी
- इन नियुक्तियों के बाद अब CIC में **छह पद खाली** हैं।

केंद्रीय सूचना आयोग

- CIC का कार्यालय केंद्र सरकार द्वारा 2005 में स्थापित किया गया था।
- CIC का निर्माण सूचना का **अधिकार अधिनियम (2005)** के प्रावधानों के तहत किया गया था।
- यह कोई **संवैधानिक संस्था** नहीं है बल्कि **एक वैधानिक संस्था** है।
- इसमें एक मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) और **दस से अधिक** सूचना आयुक्त (आईसी) शामिल होते हैं।
- इनकी नियुक्ति **राष्ट्रपति द्वारा एक समिति** की अनुशंसा पर की जाती है ।
- **समिति में निम्न लिखित प्रमुख शामिल हैं**
  - अध्यक्ष के रूप में प्रधान मंत्री
  - लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता
  - प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ।
- आयोग का **अधिकार क्षेत्र** सभी **केंद्रीय सार्वजनिक प्राधिकरणों** तक फैला हुआ है।
- **मुख्य सूचना आयुक्त** और एक **सूचना आयुक्त** ऐसे कार्यकाल के लिए **पद पर** तब तक बने रहेंगे
  - जब केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया हो या
  - जब तक वे **65 वर्ष की** आयु प्राप्त नहीं कर लेते, जो भी पहले हो।
- वे **पुनर्नियुक्ति** के पात्र नहीं हैं ।

28.इज़राइल-हमास युद्ध का एक महीना- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

समाचार :

- इज़राइल-हमास युद्ध शुरू हुए **एक महीना** बीत चुका है ।
- विभिन्न **हितधारकों** ने अपनी-अपनी रुचि के अनुसार प्रयास किये।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मघाजी शरणार्थी शिविर
- मध्य पूर्व में शांति के लिए रूपरेखा

इज़राइल-हमास संघर्ष का सारांश

युद्ध की शुरुआत

- गाजा पट्टी में **फ़िलिस्तीनी लड़ाके** 7 अक्टूबर, 2023 को सीमा पार करके **दक्षिणी इज़राइल** में घुसपैठ कर गए थे
- उन्होंने देश में हजारों रॉकेट दागे, क्योंकि सत्तारूढ़ हमास ने एक नए ऑपरेशन की शुरुआत की घोषणा की।
- इज़राइल ने गाजा में लक्ष्यों पर अपने रॉकेट दागे और **"युद्ध की स्थिति की चेतावनी"** घोषित की।

युद्ध में मानव क्षति

- फ़िलिस्तीन में मरने वालों की **संख्या 10,000** से अधिक हो गई है , **जिसमें 4,100 से अधिक बच्चे** भी शामिल हैं।

- इज़राइल में 7 अक्टूबर के हमले में **1,400 से अधिक** लोग **मारे गए** हैं और **242 लोगों** को **आतंकवादी समूह ने बंधक बना लिया** है।
- इज़राइल ने गाजा पट्टी के उत्तरी आधे हिस्से में सभी नागरिकों से, जिनकी आबादी 1 मिलियन से अधिक है, संभावित जमीनी हमले से पहले 24 घंटे के भीतर दक्षिण में स्थानांतरित होने का आह्वान किया।
- **दक्षिणी लेबनान** में सीमा पर संघर्ष को कवर कर रहे **अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों** की एक सभा पर एक इजरायली गोला गिरा, जिसमें रॉयटर्स के **वीडियोग्राफर इस्साम अब्दुल्ला** की **मौत हो गई** और **छह अन्य पत्रकार घायल हो** गए।

इज़राइल-हमास युद्ध पर भारत का रुख

- भारत ने माना कि "**अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** का पालन करना एक **सार्वभौमिक दायित्व** है"।
- भारत ने **इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष** पर अपनी पारंपरिक स्थिति दोहराई है।
- भारत ने **"संप्रभु, स्वतंत्र** और व्यवहार्य **फ़िलिस्तीन राज्य** की स्थापना के लिए "सीधी बातचीत" फिर से शुरू करने का आह्वान किया।
- **27 अक्टूबर,2023** को भारत ने **संयुक्त राष्ट्र महासभा** में एक **प्रस्ताव पर मतदान** में भाग नहीं लिया, जिसमें **इज़राइल-हमास** संघर्ष में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया था।
- **भारत** के **प्रधानमंत्री** ने **06 नवंबर, 2023** को **इज़राइल-हमास संघर्ष** से **उत्पन्न पश्चिम एशिया** की **स्थिति** पर **ईरानी राष्ट्रपति** से बात की ।
  - दोनों नेताओं ने तनाव कम करने, **मानवीय सहायता** जारी रखने और **शांति की शीघ्र** बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

संयुक्त राष्ट्र का रुख

- 16 अक्टूबर, 2023 को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस
  - हमास से सभी बंधकों को बिना किसी शर्त के तुरंत रिहा करने का आह्वान किया
  - इजराइल से गाजा पट्टी में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता तक त्वरित और अबाधित पहुंच की अनुमति देने का आग्रह किया है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने **इजराइल** और **हमास** के बीच संघर्ष में **मानवीय युद्धविराम** का **आह्वान** करने वाले एक **रूसी प्रस्ताव** को खारिज कर दिया क्योंकि मसौदे को पारित होने के लिए **न्यूनतम संख्या** में वोट नहीं मिले।

अस्पताल और शरणार्थी शिविर पर हमला

- गाजा के अल-अहली अस्पताल में हुए भीषण विस्फोट में सैकड़ों महिलाएं, बच्चे और नागरिक मारे गए।
- हमास ने इस विस्फोट के लिए **इजरायली हवाई हमले** को जिम्मेदार ठहराया है ।
- **5 नवंबर, 2023** को **इजरायली हवाई हमलों** ने **मध्य गाजा पट्टी** में **मघाज़ी शरणार्थी शिविर** पर हमला किया, जिसमें कम से कम 40 लोग मारे गए ।

युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप

- **इज़राइल** ने **दक्षिण गाजा पट्टी** में नागरिक आबादी के लिए **मिस्र से सीमित सहायता** की अनुमति दी।
- **20 अक्टूबर,2023** को **हमास ने** गाजा में बंधक बनाई गई एक **अमेरिकी महिला** और **उसकी किशोर बेटी** को रिहा कर दिया।
- यह **7 अक्टूबर,2023** को **उग्रवादी समूह** द्वारा **इज़राइल** से अपहरण किए गए लगभग 200 व्यक्तियों की रिहाई का पहला उदाहरण है।
- मिस्र और गाजा के बीच राफा सीमा को **21 अक्टूबर, 2023** को फिर से खोल दिया गया ताकि **इजरायल द्वारा** क्षेत्र को सील करने के बाद पहली बार **फिलिस्तीनियों** तक बहुत जरूरी सहायता पहुंचाई जा सके।

- **फ्रांसीसी राष्ट्रपति, अमेरिकी राष्ट्रपति** की यात्रा के बाद **"समर्थन और एकजुटता"** व्यक्त करने के लिए **तेल अवीव** पहुंचे

युद्ध में इजराइल का दूसरा मोर्चा

- इंटरनेट और मोबाइल सेवा बंद कर दी गई है.
- इज़रायली युद्धक विमानों ने हमास की सुरंगों और भूमिगत बंकरों पर बमबारी की।
- 28 अक्टूबर को ग्राउंड फोर्स को उत्तरी गाजा पट्टी पर भेजा गया था।
- इजराइल ने जमीन, हवा और समुद्र से हमले तेज कर दिए .

हिजबुल्लाह का आगमन

- **लेबनान** के **हिजबुल्लाह** ने **4 नवंबर 2023** को **लेबनानी सीमा** पर **इजरायली ठिकानों** पर एक साथ हमले किए।
- लेबनान में भी इज़रायल हमलों की सूचना मिली है ।

युद्ध पर फ़िलिस्तीन और इज़राइल के समकालीन रुख

- **फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति** ने **अमेरिकी विदेश मंत्री** के साथ बैठक में तत्काल **इज़रायली युद्धविराम** की मांग की।
- इज़रायली प्रधान मंत्री ने **7 नवंबर, 2023** को कहा कि हमास के खिलाफ युद्ध समाप्त होने के बाद **"अनिश्चित काल के लिए"** गाजा पट्टी पर उनके देश की **"समग्र सुरक्षा जिम्मेदारी"** होगी।
- उम्मीद की जाती है कि **इज़राइल गाजा** में सहायता के प्रवेश या बंधकों को बाहर निकालने की सुविधा के लिए लड़ाई में **"सामरिक छोटे विराम"** पर विचार करेगा, लेकिन फिर से सामान्य युद्धविराम के आह्वान को खारिज कर दिया।

29.रूस के हटने के बाद नाटो ने औपचारिक रूप से शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि को निलंबित कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

समाचार:

- हाल ही में, **नाटो** ने **रूस के सौदे से बाहर निकलने** के जवाब में **शीत युद्ध-युग** की एक **प्रमुख सुरक्षा संधि** को औपचारिक रूप से निलंबित करने की घोषणा की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- नाटो

शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि

- नाटो के **31 सहयोगियों** में से अधिकांश ने **यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बलों** की संधि पर हस्ताक्षर किए हैं
- **उद्देश्य** : इसका उद्देश्य शीत युद्ध के प्रतिद्वंद्वियों को आपसी सीमाओं पर या उसके निकट सेना एकत्र करने से रोकना था।
- इस पर **नवंबर 1990 में हस्ताक्षर** किए गए थे**,** लेकिन **दो साल बाद** तक इसे पूरी तरह से अनुमोदित नहीं किया गया था।

शीत युद्ध

- यह **संयुक्त राज्य अमेरिका** और **सोवियत संघ** और **उनके संबंधित सहयोगियों, पश्चिमी ब्लॉक और पूर्वी ब्लॉक** के बीच **भूराजनीतिक तनाव** का दौर था।
- **दोनों महाशक्तियों** के बीच सीधे तौर पर **कोई बड़े पैमाने पर लड़ाई नहीं** हुई , लेकिन उनमें से प्रत्येक ने **प्रमुख क्षेत्रीय संघर्षों में विरोधी पक्षों का समर्थन किया** , जिन्हें **छद्म युद्ध** के रूप में जाना जाता है।
- यह संघर्ष **द्वितीय विश्व युद्ध** के सहयोगियों के रूप में उनकी भूमिकाओं के बाद, इन **दो महाशक्तियों** द्वारा **वैश्विक प्रभाव** के लिए वैचारिक और **भू-राजनीतिक संघर्ष** पर आधारित था।

- शीत युद्ध **द्वितीय विश्व युद्ध की** समाप्ति के तुरंत बाद शुरू हुआ, जो **सीनों-सोवियत विभाजन** के साथ धीरे-धीरे ख़त्म होने लगा और **वर्ष 1991** में **सोवियत संघ** के पतन के साथ समाप्त हुआ।

30.वर्ष 2022 में टीबी के 75 लाख नए मामले: WHO- द हिंदू/ वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर भारत में टीबी के सबसे ज्यादा मामले: WHO- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- WHO कि ग्लोबल टीबी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में टीबी से पीड़ित और इलाज किए गए लोगों की संख्या में बड़ी वैश्विक रिकवरी हुई।
- 2 साल के COVID- संबंधी व्यवधानों के बाद**, टीबी रिवर्स या मध्यम** होना शुरू हो गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- WHO वैश्विक टीबी रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

टीबी पर इतना ध्यान क्यों?

- **टीबी दुनिया** में किसी एक **संक्रामक एजेंट** से होने वाली मौत का **दूसरा प्रमुख कारण** बनी हुई है।
- **वैश्विक टीबी लक्ष्य** या तो **चूक गए हैं** या राह से उतर गए हैं।
- वर्ष 2015 से वर्ष 2022 तक शुद्ध कमी 8.7% थी ,
- यह **वर्ष 2025** तक **50%** की कमी के **WHO समाप्ति टीबी** रणनीति मील के पत्थर से नीचे है।

वर्ष 2022 में टीबी के मामलों में वृद्धि

- **वर्ष 2022 में टीबी** से पीड़ित नए निदान वाले लोगों की **वैश्विक संख्या 7.5 मिलियन** थी।
- **वर्ष 1995** में WHO द्वारा **वैश्विक टीबी निगरानी** शुरू करने के बाद से यह सबसे अधिक संख्या है
- यह **वर्ष 2019** में **7.1 मिलियन** के **प्री-कोविड बेसलाइन** (और पिछले ऐतिहासिक शिखर) से भी ऊपर है।
- यह **वर्ष 2020** में **5.8 मिलियन** और **वर्ष 2021** में **6.4 मिलियन** से अधिक है।
- **वर्ष 2022** की संख्या में संभवतः उन लोगों का एक बड़ा **बैकलॉग** शामिल है जिन्हें पिछले वर्षों में **टीबी** हुआ था,
  - रिपोर्ट के अनुसार, जिनके **निदान** और **उपचार** में **कोविड** से संबंधित व्यवधानों के कारण देरी हुई, जिससे **स्वास्थ्य सेवाओं** तक **पहुंच** और **प्रावधान** प्रभावित हुए।

टीबी का वर्त्तमान मृत्यु रिकॉर्ड

- **वर्ष 2022** में अनुमानित 1.30 मिलियन मौतें हुईं
- यह स्तर लगभग **वर्ष 2019** के स्तर पर वापस आ गया है।
- अनुमान है कि **कोविड** से संबंधित व्यवधानों के परिणामस्वरूप **वर्ष 2020-2022** तीन वर्षों में **टीबी** से लगभग **पांच लाख अ**तिरिक्त मौतें हुईं।
- **भारत** , **इंडोनेशिया** और **फिलीपींस** वर्ष 2022 में वर्ष 2019 के स्तर से ऊपर पहुंच गए।
- **वर्ष 2020 और वर्ष 2021** में टीबी से पीड़ित नए लोगों की संख्या में सामूहिक रूप से **लगभग 60% की कमी** इन देशों के के कारण हुई।

टीबी के उपचार की सफलता दर

- रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उपचार की सफलता दर में सुधार हुआ है
  - दवा-संवेदनशील टीबी के लिए इलाज कराने वाले लोगों में से 88%
  - MDR/RR-टीबी वाले लोगों के लिए 63%

31.ब्राजील भारत को G-20 की अध्यक्षता में निरंतरता देगा - द हिंदू

प्रासंगिकता : भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

समाचार :

प्रीलिम्स टेकअवे
- लीडर्स की घोषणा
- G-4 ग्रुपिंग

- भारत **नवंबर, 2023** में दो अलग-अलग **वर्चुअल शिखर सम्मेलनों** के साथ अपनी **G-20 अध्यक्षता** समाप्त करने की तैयारी कर रहा है
  - वैश्विक दक्षिण शिखर सम्मेलन की दूसरी आवाज़
  - G-20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन
- G-20 **ब्राज़ील** के अगले अध्यक्ष को **नई दिल्ली** की प्राथमिकताओं को **"निरंतरता"** देने की उम्मीद है।
- G-20 **वैश्विक दक्षिण** और **विकासशील दुनिया** पर फोकस को आगे बढ़ाने की एक उम्मीद बन रहा है।

G-20 में ब्राज़ील से उम्मीदें

- ब्राज़ीलियाई **G-20 की अध्यक्षता** इस पर अपना विशेष जोर देने की कोशिश करेगी
  - **भूख** और **गरीबी** से लड़ना
  - **जलवायु परिवर्तन बहस** में **सतत विकास** के विचार को **केंद्र स्तर** पर लाना ,
  - **बहुपक्षीय प्रणाली** में सुधार के लिए प्रयास करना
  - निम्नलिखित समूहों में भागीदारों के **लक्ष्यों को** आगे बढ़ाना
    - BRICS (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका)
    - IBSA (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका),
    - G-4 समूह (ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान) जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए एक दूसरे का समर्थन करते हैं।
- ब्राजील निम्न लिखि**त सम्मेलनों की मेजबानी** कर रहा है
  - वर्ष 2023 में IBSA
  - वर्ष 2024 में G-20,
  - वर्ष 2025 में COP-30 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन,
- **ब्राजील को भारत, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया** जैसे साझेदारों के साथ मिलकर काम करने की उम्मीद है
  - ये सभी विकासशील देश हैं जो **"विस्तारित ट्रोइका"** या समूह का हिस्सा हैं जो **G-20 के क्रमिक शिखर सम्मेलन** की मेजबानी कर रहे हैं।

भारत-इंडोनेशिया-ब्राज़ील-दक्षिण अफ़्रीका

- **सितंबर, 2023** में दिल्ली में **G-20 शिखर सम्मेलन** के दौरान **भारत-इंडोनेशिया-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका** ने **यूक्रेन युद्ध** पर अपने रुख पर एकजुटता दिखाई।।
- प्रस्ताव में रूस के आलोचनात्मक संदर्भों को हटा दिया गया लेकिन **यूक्रेन में युद्ध** के ख़िलाफ़ भाषा को बरकरार रखा गया।
- इस समूह द्वारा **इज़राइल-हमास संघर्ष** पर कोई **संयुक्त बयान** देने की उम्मीद नहीं है।
- उम्मीद है कि समूह **नई दिल्ली में G-20 शिखर सम्मेलन** में अपनाए गए लीडर्स की घोषणा को अपना समर्थन देगा।

32.2+2 भारत-अमेरिका मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले INDUS-X निवेशकों की पहली बैठक आयोजित की गई - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे
- INDUS-X
- 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद

समाचार :
- भारत के रक्षा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग के तहत **इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (iDEX)** ने पहली बार **INDUS-X निवेशकों** की बैठक का आयोजन किया।
- कार्यक्रम के दौरान **INDUS-X शैक्षिक सीरीज़** (गुरुकुल) भी लॉन्च की गई।

आगामी 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता:
- भारत के रक्षा मंत्री और भारत के **विदेश मंत्री** पांचवें **भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता** के लिए अपने अमेरिकी समकक्षों से मिलेंगे।
- संवाद में प्रगति की **उच्च स्तरीय समीक्षा** शामिल होगी
  - **रक्षा** और **सुरक्षा** सहयोग
  - **प्रौद्योगिकी** सहयोग
  - लोगों के आपस में संबंध।

रक्षा नवाचार में प्रगति:
- **INDUS-X** ने पानी के भीतर **संचार और तेल रिसाव** का पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दो रक्षा नवाचार चुनौतियां पेश कीं।
- दोनों देशों के **स्टार्टअप्स** के आवेदनों की समीक्षा जारी है।
- **297 स्टार्ट अप्स** ने **iDEX** के माध्यम से **पंजीकरण** कराया है, जिनमें से 30 को आवश्यकता की स्वीकृति (AoN) प्रदान की गई है और **10 अनुबंधों पर हस्ताक्षर** किए गए हैं।

INDUS-X निवेशकों की बैठक:
- इस आयोजन में **भारत और अमेरिका** सहित अन्य हितधारक एक साथ आए
  - स्टार्टअप
  - MSMEs
  - निवेशकों
  - इनक्यूबेटर
  - उद्योग प्रतिनिधि.

स्टार्टअप्स के लिए अवसर:
- **स्टार्टअप्स और इनोवेटरों** को **आवेदन** करने के लिए **प्रोत्साहित** किया गया
  - संयुक्त प्रभावित चुनौतियाँ
  - गुरुकुल शैक्षिक सीरीज़ में भाग लेंना ।

INDUS-X की पृष्ठभूमि:
- भारत और अमेरिका के बीच **रणनीतिक, प्रौद्योगिकी साझेदारी** और **रक्षा औद्योगिक सहयोग** को मजबूत करने के लिए **INDUS-X को जून 2023** में लॉन्च किया गया था।
  - इसमें **सरकारें, व्यवसाय और शैक्षणिक संस्थान** शामिल हैं
- **2+2 भारत-अमेरिका मंत्रिस्तरीय संवाद** से पहले **इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (iDEX)** ने पहली बार **INDUS-X निवेशकों** की बैठक का आयोजन किया।
- जहां **INDUS-X एजुकेशनल सीरीज़ (गुरुकुल)** भी लॉन्च किया गया।

33.QS एशिया रैंकिंग में 148 विश्वविद्यालयों के साथ, भारत का प्रतिनिधित्व चीन से अधिक है- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **आईआईटी बॉम्बे** ने **भारत** में **शीर्ष स्थान** बरकरार रखा है, जबकि **चीन ने अपना सर्वोच्च स्थान** बरकरार रखा है।
- QS **वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2024** में रैंकिंग वाले **विश्वविद्यालयों** की संख्या के मामले में **भारत ने चीन को पीछे छोड़** दिया है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)

रैंकिंग में भारत का दबदबा

- **148 विशिष्ट विश्वविद्यालयों** के साथ "**भारत अब सबसे अधिक प्रतिनिधित्व** वाली **उच्च शिक्षा प्रणाली** है"
- चीन की सात की तुलना में भारत के लिए **37 नई प्रविष्टियों** की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मुख्य निष्कर्ष

- **शीर्ष 100** में सात **भारतीय संस्थान,** जिनमें पांच **आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु और दिल्ली विश्वविद्यालय** शामिल हैं।
- आधे से अधिक **भारतीय विश्वविद्यालयों** ने **37 नई प्रविष्टियों** के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है या उसे बरकरार रखा है।

वर्ष 2024 में शीर्ष भारतीय संस्थान

- **आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली और आईआईटी मद्रास शीर्ष** तीन स्थान पर कायम हैं।
- **आईआईटी खड़गपुर** और **कानपुर** की **एशिया रैंक** में सुधार हुआ है।

शीर्ष 100 में गैर-आईआईटी संस्थान

- **भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर** और **दिल्ली विश्वविद्यालय शीर्ष 100** में दो **गैर-आईआईटी संस्थान** हैं।
- दोनों को **एशिया रैंक** में मामूली गिरावट का अनुभव हुआ है**, IISc बैंगलोर 58वें** और **दिल्ली विश्वविद्यालय 94वें स्थान** पर है।

रैंकिंग में माने जाने वाले बिंदु

- **QS 10** संकेतकों के आधार पर **संस्थानों को रैंक** करता है, जिसमें **शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, संकाय-छात्र अनुपात, अंतर्राष्ट्रीय संबंध** और **प्रति पेपर उद्धरण** शामिल हैं।

भारत का प्रदर्शन

- भारत **प्रति संकाय** और **पीएचडी** वाले **कर्मचारियों के पेपर** जैसे **मेट्रिक्स में उत्कृष्टता** प्राप्त करता है, जो मजबूत **अनुसंधान आउटपुट** और **उच्च योग्य संकाय** का संकेत देता है।
- भारत का **अनुसंधान उत्पादन वैश्विक औसत** से आगे निकल गया है और **चीन** के साथ **विकास का अंतर** कम हो गया है।

34.बिहार सदन ने जाति आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 65% करने वाला विधेयक पारित किया - द हिंदू/बिहार सदन ने कोटा सीमा 50% से बढ़ाकर 65% करने का विधेयक पारित किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार :

- बिहार विधानसभा ने शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में कुल कोटा **50% से बढ़ाकर 65%** करने के लिए सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया ।
  - अनुसूचित जाति (SCs)
  - अनुसूचित जनजाति (STs)
  - अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBCs)

प्रीलिम्स टेकअवे
- इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

- अन्य पिछड़ा वर्ग (OBCs)

विधेयक की विशेषताएं

- मुख्य लाभार्थी **EBC और OBC** हैं, जिनका कोटा क्रमशः **12% से बढ़ाकर 25%** और **8% से 18%** करने का प्रस्ताव है।
- राज्य के जाति सर्वेक्षण के अनुसार **, 36.01% आबादी EBC है, और 27.13% आबादी OBC** है।
- **अनुसूचित जाति** के लिए, प्रस्तावित नया कोटा मौजूदा **14% से बढ़ाकर 20%** है।
- अनुसूचित जाति की आबादी 19.65% **अनुमानित है।**
- हालाँकि, **ST** के लिए कोटा 10% **से घटाकर** 2% करने का प्रस्ताव है।
- बिहार से झारखंड के विभाजन के बाद **बिहार में आदिवासी आबादी 2%** से भी कम है ।
- आर्थिक रूप से **कमजोर वर्गों (EWS)** के लिए मौजूदा 10% कोटा के साथ, **प्रभावी कोटा 75%** होगा ।

इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

- 1992 में 'इंद्रा साहनी बनाम **यूनियन ऑफ इंडिया'** मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में **आरक्षण की सीमा 50%** तय की थी।
- सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पिछड़े वर्गों के लिए **27% कोटा** को बरकरार रखा है
  - लेकिन **उच्च जातियों** के बीच आर्थिक रूप से **पिछड़े वर्गों** के लिए सरकारी नौकरियों में **10% आरक्षित** करने की सरकारी अधिसूचना को अमान्य कर दिया ।
- अदालत ने कहा कि संयुक्त आरक्षण के **कुल लाभार्थियों की संख्या** भारत की आबादी के **50% से** अधिक नहीं होनी चाहिए ।
- फैसले ने **'क्रीमी लेयर'** की अवधारणा पेश की ।
- फैसले में भी यही माना गया की
  - पिछड़े वर्गों के लिए **आरक्षण प्रारंभिक नियुक्तियों** तक सीमित होना चाहिए और **पदोन्नति** तक इसका विस्तार नहीं होना चाहिए।

35.नागालैंड ने शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33% कोटा को मंजूरी दी- द हिंदू/ नागालैंड ने ULB चुनावों के लिए 33% महिला आरक्षण बरकरार रखने वाला विधेयक पारित किया- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- नागालैंड नगरपालिका अधिनियम 2001
- नागालैंड नगरपालिका विधेयक 2023

- नागालैंड विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया जिसमें शहरी **स्थानीय निकायों** में **महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण** बरकरार रखा गया है
  - एक विवादास्पद कारक जिसने **लगभग दो दशकों से राज्य में नागरिक चुनावों** को रोक रखा है।
- लेकिन **नागालैंड नगरपालिका विधेयक 2023** ने नगर निकायों में **अध्यक्ष पद के लिए महिला आरक्षण** को खत्म कर दिया है।

महिला आरक्षण की पृष्ठभूमि

- 2017 में राज्य द्वारा 3**3% आरक्षण लागू** करने और **शहरी स्थानीय निकाय चुनाव** कराने के प्रयास को हिंसक विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।
- इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दे दिया .

नागालैंड में चुनावी विकास

- मार्च 2023 में **राज्य चुनाव आयोग (SEC)** ने पिछले **अधिनियम** के आधार पर नगर निकायों के चुनावों को अधिसूचित किया था

- राज्य में नगरपालिका चुनाव **आखिरी बार 2004** में हुए थे, जिसके बाद से यह मामला लंबे समय से लंबित है।
- हालाँकि, **नागरिक समाज संगठनों** और **आदिवासी निकायों** के विरोध और बहिष्कार के आह्वान एक बार फिर सामने आए।
- परिणामस्वरूप, नागालैंड विधानसभा **नागालैंड नगरपालिका अधिनियम 2001** को पूरी तरह से निरस्त करने के लिए चली गई।
- **शीर्ष जनजातीय निकायों,** जिन्होंने पहले इस तरह के **आरक्षण का विरोध** किया था, उन्होंने अब इसे स्वीकार कर लिया है
- SEC जल्द ही **नगर निगम चुनावों** की तारीखों की घोषणा करेगा ।

अचल संपत्ति पर कर समाप्त

- नए विधेयक में एक **महत्वपूर्ण बदलाव अचल संपत्ति** पर कर के प्रावधानों को खत्म करना है।
- राज्य सरकार ने **नागा लोगों** द्वारा कराधान के **ऐतिहासिक विरोध** का उल्लेख किया।
- अब अचल संपत्तियों पर कोई कर नहीं है, लेकिन अन्य राजस्व जो जनता को **शुल्क , सेवा शुल्क, रखरखाव** शुल्क के रूप में देना पड़ता है।

36.अवैध प्रवासियों के लिए शरण के अधिकार को खारिज करते हुए भारत ब्रिटेन के सुरक्षित राज्यों की सूची में शामिल होने के लिए तैयार है -इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

समाचार:

- यूके सरकार ने **भारत को सुरक्षित राज्यों** की विस्तारित सूची में जोड़ने की योजना पेश की है
- इससे **अवैध रूप से देश** से यात्रा करने वाले **भारतीयों की वापसी** की प्रक्रिया तेज हो जाएगी।
- इससे ब्रिटेन में शरण मांगने की उनकी संभावना भी खत्म हो जाएगी।

प्रीलिम्स टेकअवे

- यूके की सुरक्षित राज्यों की विस्तारित सूची
- मानवाधिकार कन्वेंशन

विधान की विशेषता और अपेक्षित परिणाम

- **हाउस ऑफ कॉमन्स** में रखे गए मसौदा कानून में **भारत और जॉर्जिया** को सूची में जोड़े जाने वाले देशों के रूप में शामिल किया गया है।
- 2022 में ब्रिटेन में **भारतीय और जॉर्जियाई** छोटी नावों की आमद बढ़ गई है।
  - इसके बावजूद कि इन देशों के व्यक्तियों पर उत्पीड़न का स्पष्ट जोखिम नहीं है।
- **भारत और जॉर्जिया** को **धारा 80AA सूची** में जोड़ने वाला मसौदा कानून इसके अनुसार बनाया जाएगा
  - ऐसा करने की क्षमता **यूके** के **राष्ट्रीयता, आप्रवासन** और **शरण अधिनियम 2002** के बाद अवैध प्रवासन अधिनियम 2023 के माध्यम से लागू की गई थी।
- इस कदम का उद्देश्य देश की **आप्रवासन प्रणाली** को मजबूत करना और **निराधार सुरक्षा** दावे करने वाले लोगों द्वारा दुरुपयोग को रोकने में मदद करना है।
- इस सूची का विस्तार करने से हम उन लोगों को **अधिक तेजी से हटा सकेंगे जिनके पास यूके** में रहने का कोई अधिकार नहीं है।
- यह **अवैध प्रवासन अधिनियम** को आगे बढ़ाने में होगा, जो **अवैध प्रवासन** के खिलाफ लड़ाई में एक भूमिका निभाएगा।
- यूके का **अवैध प्रवासन अधिनियम गिरोहों** द्वारा **शोषण के चक्र को तोड़ने** और **जीवन की और हानि** को **रोकने** का एक प्रयास है।
- इससे ब्रिटेन को नाव रोकने के परिप्रेक्ष्य में **इंग्लिश चैनल के पार अवैध आप्रवासन** में मदद मिलेगी।
  - ब्रिटेन सरकार इस संबंध में फ्रांस सरकार के साथ भी काम कर रही है।

यूके की सुरक्षित राज्यों की सूची

- यूके द्वारा सुरक्षित समझे गए अन्य देशों में शामिल हैं

- अल्बानिया
- स्विट्ज़रलैंड
- यूरोपीय संघ (EU)
- यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (EEA) बताता है।

- किसी देश को यूके की **सुरक्षित राज्यों** की सूची में तभी जोड़ा जा सकता है, जब **गृह सचिव** इस बात से संतुष्ट हो कि,,
  - इसके नागरिकों पर उत्पीड़न का कोई गंभीर खतरा नहीं है
  - नागरिकों को उस देश में हटाना **मानवाधिकार कन्वेंशन** के तहत **यूके के दायित्वों** के विरुद्ध नहीं जा सकता।
- प्रावधान सूची की **धारा 80AA** के तहत प्रदान किये गये हैं।

37.राज्यपाल सदन द्वारा पारित विधेयकों को रोक कर नहीं रख सकते: सुप्रीम कोर्ट - द हिन्दू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली, सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के मंत्रालयों और विभागों और राजनीति में उनकी भूमिका।

समाचार:

- सुप्रीम कोर्ट ने **तमिलनाडु में विधानमंडल** द्वारा पारित **12 महत्वपूर्ण विधेयकों** पर राज्यपाल की देरी या विचार करने में विफलता के कारण उत्पन्न **"संवैधानिक गतिरोध"** पर चिंता व्यक्त की।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राज्यपाल

भारत संघ को कानूनी नोटिस

- न्यायालय ने **तमिलनाडु** के इस दावे का जवाब देने के लिए **भारत संघ** को एक औपचारिक नोटिस जारी किया कि राज्यपाल के **कार्य कल्याणकारी कानूनों और लोगों** के अधिकारों पर आघात कर रहे हैं।

अनुच्छेद 200 का उल्लंघन

- न्यायालय ने **अनुच्छेद 200** के उल्लंघन पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि जब विधेयक प्रस्तुत किए जाते हैं तो **राज्यपाल** को "जितनी जल्दी हो सके" कार्रवाई करनी चाहिए, और उन पर **अनिश्चित काल** तक रोक कर रखने की अनुमति नहीं है।

लंबित विधेयक और प्रशासनिक प्रभाव

- **सार्वजनिक स्वास्थ्य** और **उच्च शिक्षा** से संबंधित विधेयक **जनवरी 2020** से लंबित हैं।
- देरी से अभियोजन स्वीकृति, नियुक्तियों की फाइलों और कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे विधेयकों के साथ रोजमर्रा के शासन पर असर पड़ता है।

समय सीमा के लिए अनुरोध

- राज्य ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह लंबित **विधेयकों** और **सरकारी आदेशों** पर विचार करने के लिए राज्यपाल के लिए एक **"बाहरी समय सीमा"** निर्धारित करे , जिससे नियुक्तियों और अभियोजन मंजूरी पर समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जा सके।

राजनीति से प्रेरित आचरण के आरोप

- राज्यपाल पर **राजनीति से प्रेरित आचरण** का आरोप है, प्रथम दृष्टया साक्ष्य के बावजूद भ्रष्टाचार की जांच के लिए मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया है। राज्य **संवैधानिक मानदंडों** का पालन सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय से हस्तक्षेप चाहता है।

38.भारत ने इजरायल-फिलिस्तीनी संकट को खत्म करने के लिए टू स्टेट सॉल्यूशन पर जोर दिया - द हिन्दू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र.

समाचार:
- 10 नवंबर को **भारत** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** के बीच एक **मंत्रिस्तरीय बैठक** के दौरान, भारत ने वर्तमान **इज़राइल-फिलिस्तीनी** संकट को समाप्त करने के लिए **टू स्टेट सॉल्यूशन** की आवश्यकता दोहराई।

बैठक की मुख्य बातें

भारत का प्रस्ताव
- विदेश सचिव ने संकट से निपटने के लिए एक रचनात्मक दृष्टिकोण के रूप में " **टू स्टेट सॉल्यूशन** और **वार्ता की शीघ्र बहाली**" के भारत के प्रस्ताव पर प्रकाश डाला।

'2+2' बैठक की मुख्य बातें
- संबंधित **विदेश** और **रक्षा मंत्रियों** के नेतृत्व में, **'2+2' बैठक में भारत-कनाडा विवाद,** आगामी **बांग्लादेश चुनाव** और **भारत-प्रशांत** स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों को शामिल किया गया।

इंडो-पैसिफिक स्थिरता
- भारत स्थिर **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** के लिए **अमेरिका** के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी पर जोर देता है।।
- दोनों देश **भारत-प्रशांत क्षेत्र** में सहयोग, **तकनीकी साझाकरण** और **अंतरसंचालनीयता** को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं।

39.सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रसारण सेवा विधेयक का मसौदा जारी किया - द हिन्दू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रसारण सलाहकार परिषद

समाचार:
- **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** ने मौजूदा **केबल** और **टीवी अधिनियम** को बदलने के लिए **प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक** का मसौदा पेश किया है ।
- **प्रस्तावित विधेयक** का उद्देश्य **भारत में प्रसारण क्षेत्र** के लिए **नियामक ढांचे** को आधुनिक बनाना है।

विधेयक का दायरा:
- नए विधेयक का दायरा व्यापक होगा, इसके शासन का विस्तार **डायरेक्ट-टू-होम (DTH)**, **ओवर-द टॉप (OTT)**, **डिजिटल मीडिया** और **इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन (IPTV)** तक होगा।
- यह विस्तार **मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य** की बदलती गतिशीलता को दर्शाता है।

आधुनिकीकरण लक्ष्य
- सूचना और प्रसारण मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक पुराने **कानूनों और दिशानिर्देशों** को प्रतिस्थापित करते हुए **नियामक ढांचे को आधुनिक बनाने** के लिए बनाया गया है।
- इसका उद्देश्य उभरती **प्रसारण प्रौद्योगिकियों** को नियंत्रित करने के लिए एक **एकीकृत और दूरदर्शी** दृष्टिकोण अपनाना है।।

प्रमुख नवाचार
- **सामग्री मूल्यांकन समितियाँ:** विधेयक उद्योग के भीतर मजबूत स्व-नियमन की सुविधा के लिए इन समितियों का परिचय देता है।

- **प्रसारण सलाहकार परिषद:** समावेशी निर्णय लेने को प्रोत्साहित करने के लिए मौजूदा अंतर-विभागीय समिति को एक व्यापक परिषद में बदल दिया जाएगा।

अभिगम्यता दिशानिर्देश

- मसौदा विधेयक में **प्रसारण पारिस्थितिकी तंत्र** में समावेशिता सुनिश्चित करते हुए, दिव्यांग उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए **"व्यापक पहुंच दिशानिर्देश"** शामिल हैं।

40.ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोविड वैक्सीन को कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है: रिपोर्ट-द इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- **ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका COVID-19** वैक्सीन को **लंदन के उच्च न्यायालय** में **कानूनी चुनौती** का सामना करना पड़ रहा है।
- **वैक्सीन**
  - यूरोप में वैक्सजेवरिया के नाम से जाना जाता है
  - भारत में कोविशील्ड के रूप में लाइसेंस प्राप्त है

प्रीलिम्स टेकअवे

- वैक्सीन प्रेरित प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और थ्रोम्बोसिस
- वैक्सज़ेवरिया
- कोविशील्डप्रसारण सलाहकार परिषद

मुद्दा क्या है ?

- **'द डेली टेलीग्राफ'** के अनुसार, यूके स्थित **फार्मास्युटिकल दिग्गज एस्ट्राजेनेका** को **परीक्षण मामलों** के परिणाम के आधार पर कई ओर दावों का सामना करना पड़ सकता है।
- विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रतिकूल स्थितियों की पहचान वैक्सीन प्रेरित प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और थ्रोम्बोसिस (VITT) के रूप में की गई।
- ऐसा माना जाता है कि यह COVID jab के दुष्प्रभावों से संबंधित है।
- याचिका में टीके के कारण **खून का थक्का जमने और मस्तिष्क** में चोट लगने का दावा किया गया है।

मुद्दे में कानून के प्रश्न

- इस कानूनी लड़ाई का तथ्य बुनियादी सवाल खड़ा करता है।
- ऐसी परिस्थितियों में जहां सरकार द्वारा **अनुशंसित टीकाकरण** के कारण व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं या मर जाते हैं
  - क्या राज्य को पर्याप्त **मुआवजे तक पहुंच प्रदान करनी चाहिए** , या
  - क्या **शोक संतप्त** और **घायलों** को **वैक्सीन निर्माता** के खिलाफ अदालतों में मुआवजे के लिए लड़ना होगा?

ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का दावा

- फर्म ने यह भी बताया कि उसने **180 से अधिक देशों को वैक्सीन की 3 बिलियन** खुराक की आपूर्ति की।
- इसका दावा है कि एक स्वतंत्र अध्ययन में पाया गया कि यह **6 मिलियन लोगों** की जान बचाने के लिए जिम्मेदार था।

41.नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को विनियमित करने का निर्णय लिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों एवं राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव

समाचार:

- नेपाल सरकार ने **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक** पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।
- इसने अन्य प्लेटफार्मों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उन्हें विनियमित करने का निर्णय लिया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म
- सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021

मामला

- टिकटॉक नेपाल में **सबसे लोकप्रिय** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है।
- अनुवर्ती कार्रवाई में, **नेपाल सरकार** ने **टिकटॉक** पर **पूर्ण प्रतिबंध** लगा दिया।
- सरकार ने आरोप लगाया कि **टिकटॉक** का इस्तेमाल **सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पक्षों के राजनीतिक नेताओं** को **बदनाम करने** के लिए किया जा रहा है
- **अधिकांश उपयोगकर्ता** इस उद्देश्य के लिए **फर्जी आईडी** का उपयोग कर रहे थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नेपाल सरकार के नियम

- नेपाल सरकार ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के **नियमन को लेकर एक घोषणा पत्र जारी किया है.**
- सरकार ने सभी **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों** को शिकायतों के समाधान के लिए **नेपाल कार्यालय स्थापित** करने के लिए **तीन महीने** का समय दिया है।
- **सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं** के लिए सरकार के निर्देशों ने **फर्जी आईडी** के उपयोग पर रोक लगा दी है।
- इसने प्लेटफार्मों को मानहानिकारक गतिविधियों में शामिल होने की भी चेतावनी दी है।
- प्लेटफॉर्म्स को **उपयोगकर्ताओं** की **वास्तविक पहचान** उजागर करने के लिए भी कहा गया
- उन्हें **जांच में सहयोग करने** का आदेश दिया गया है

भारत के सोशल मीडिया नियमों में हालिया घटनाक्रम

- भारत में **सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021** में एक संशोधन पेश किया गया था ।
- यह संशोधन **पिछले दिशानिर्देशों को बदलने के लिए** पेश किया गया था।
- संशोधन में **मध्यस्थों** और **डिजिटल समाचार मीडिया** को विनियमित करने की मांग की गई।
- **मीडिया प्लेटफ़ॉर्म** को **गोपनीयता को खतरे में डालने वाली** किसी भी जानकारी के पहले **प्रवर्तक** की **पहचान** करने के लिए **तकनीकी समाधान प्रदान** करने के लिए बाध्य किया गया है।
- **अप्रैल 2023** में पेश किए गए **संशोधन सरकार** को शक्ति प्रदान करते हैं
  - ताकि वह स्वयं निर्णय ले सके कि कौन सी जानकारी फर्जी है
  - सेंसरशिप की व्यापक शक्तियों का प्रयोग करना
  - नकली या गलत समझे जाने वाले पोस्ट को हटाने के लिए बिचौलियों को मजबूर करना।

42.भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक ने शहरी सेवाओं को समर्थन हेतु $400 मिलियन के ऋण पर हस्ताक्षर किए- पीआईबी

प्रासंगिकता: विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों एवं राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव

समाचार:

- एशियाई विकास बैंक (एशियाई विकास बैंक) के साथ 400 मिलियन डॉलर के **नीति-आधारित ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।**
  - उच्च गुणवत्ता वाले शहरी **बुनियादी ढांचे का निर्माण करना**
  - **सेवा वितरण** में सुधार करना
  - कुशल **शासन प्रणालियों को बढ़ावा देना**

प्रीलिम्स टेकअवे

- अमृत- 2.0
- एशियाई विकास बैंक

एशियाई विकास बैंक के साथ एकीकृत योजना सुधार

कार्यक्रम में **एकीकृत योजना सुधारों** की भी परिकल्पना की गई है

- **शहरी फैलाव को** नियंत्रित करना
- **व्यवस्थित** और **नियोजित शहरीकरण** को बढ़ावा देना
- **कानूनी, नियामक** और **संस्थागत सुधारों** के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाना।

एशियाई विकास बैंक के एकीकृत योजना सुधार का उपप्रोग्राम-1

- उप-कार्यक्रम **1 को वर्ष 2021** में मंजूरी दी गई थी

- इसका लक्ष्य था
  - **$ 350 मिलियन** का वित्तपोषण
  - शहरी सेवाओं में सुधार के लिए राष्ट्रीय स्तर की **नीतियां** और **दिशानिर्देश स्थापित करना।**

एशियाई विकास बैंक के एकीकृत योजना सुधार का उपप्रोग्राम-2

- उप-कार्यक्रम **2 राज्य** और **शहरी स्थानीय निकाय (ULB)** स्तरों पर निवेश योजना और सुधार कार्यों का समर्थन करता है ।
- **उप-कार्यक्रम 2** के लिए ऋण समझौते पर हाल ही में **भारत और एशियाई विकास बैंक** द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे
- **उपप्रोग्राम-2** सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सरकार की **शहरी क्षेत्र** की रणनीति का समर्थन करता है
  - शहरों को रहने योग्य और आर्थिक विकास का केंद्र बनाना
  - **समावेशी** , **लचीले** और **टिकाऊ** बुनियादी ढांचे का प्रावधान ।
  - **कायाकल्प** और **शहरी परिवर्तन** के लिए **अटल मिशन (अमृत) 2.**0 के **राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रम** का संचालन
    - जल **आपूर्ति** और **स्वच्छता** तक **सार्वभौमिक पहुंच** का लक्ष्य रखा गया।
- **उप-कार्यक्रम** सुनिश्चित करने के लिए निम्न **मिशन उद्देश्यों** का भी समर्थन करता है
  - **जल हानि को कम** करके शहरी जल सुरक्षा
  - **गैर-घरेलू** उपयोग के लिए उपचारित सीवेज का पुनर्चक्रण
  - जल निकायों का पुनर्जीवन
  - स्थायी भूजल स्तर बनाए रखना
- **ULB निम्न बिन्दुओं को बढ़ावा देंगे**
  - बिल्डिंग बायलॉज का आधुनिकीकरण
  - भूमि पूलिंग
  - शहरी संकुलन
  - व्यापक शहरी गतिशीलता योजना
  - पारगमन-उन्मुख विकास
  - आर्थिक विकास के सुनियोजित शहर केंद्र।
- **निम्न एकीकृत योजना प्रक्रियाओं को शामिल किया जाएगा**
  - जलवायु और आपदा लचीलापन
  - प्रकृति आधारित समाधानों को बढ़ावा देना
  - शहरी पर्यावरण में सुधार
  - अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करके शहरों की वित्तीय स्थिरता में सुधार करना।
- **अपना राजस्व बढ़ाने** के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा
  - सम्पत्ति कर
  - उपयोगकर्ता शुल्क
  - उनकी कार्यकुशलता में सुधार करें
  - अपने खर्चों को तर्कसंगत बनाएं।
- इससे शहरों को **वाणिज्यिक उधार** जैसे **नवीन वित्तपोषण** जुटाने में काफी मदद मिलेगी
  - नगरपालिका बॉन्ड जारी करना
  - उप संप्रभु ऋण
  - शहरी बुनियादी ढांचे के निवेश में महत्वपूर्ण घाटे को पाटने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी।

43.ईवी विनिर्माण को उच्च स्तर में लाने हेतु केंद्र सरकार सीधी छूट दे सकती है-इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

- केंद्र इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए **एक नई नीति पर विचार कर रहा है जो निर्माता को प्रोत्साहित करेगी।**
- नीति में विदेशी मूल उपकरण निर्माता (OEMs) शामिल होंगे
  - **सनराइज सेक्टर** के लिए एक व्यापक नीति के हिस्से के रूप में भारत में एक आधार स्थापित करने पर विचार कर रहा है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- फेम योजना
- प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजनाएं
- चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम

भारत में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल

सरकार फिलहाल **ईवी प्रमोशन** के लिए अलग-अलग योजनाएं चला रही है

- **फेम**
  - भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और **विनिर्माण (फेम) योजना** ईवी निर्माताओं और खरीदारों दोनों को **वित्तीय प्रोत्साहन** प्रदान करती है।
  - यह योजना **1.3 बिलियन डॉलर** के **कुल बजट** के साथ **वर्ष 2024** तक चलेगी ।
- **प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) योजनाएं**
  - **ऑटोमोटिव सेक्टर** के लिए **प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI)** योजना का **परिव्यय 3.1 बिलियन डॉलर है** ।
  - यह ईवी सहित **उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (AAT**) उत्पादों के **निर्माताओं** को प्रोत्साहन प्रदान करता है।
  - **उन्नत रसायन विज्ञान सेल (ACC) बैटरी भंडारण** के लिए एक और **प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI)** ACC बैटरी के निर्माताओं को प्रोत्साहन प्रदान करता है, जो ईवी का एक प्रमुख घटक हैं।
  - इस योजना का बजटीय परिव्यय **$2.1 बिलियन** है।
- **चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (PMP)**
  - सरकार के **चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (PMP)** का उद्देश्य भारत में **ईवी उत्पादन** के **स्थानीयकरण** को **बढ़ावा देना** है।
  - **वर्ष 2030** तक **भारत** को **ईवी उत्पादन** में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ, PMP में ईवी के विभिन्न घटकों के लिए अलग-अलग समयसीमा है।
  - हालाँकि बैटरियों के लिए PLI **अभी शुरू नहीं हुई है,** भारतीय ईवी विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर नई नीति पर वर्तमान विकास

- नई नीति पर चर्चा प्रक्रिया का नेतृत्व **उद्योग** और **आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT)** द्वारा किया जा रहा है।
- प्रस्तावित नीति इनसे भिन्न होगी क्योंकि यह उपभोक्ता **सब्सिडी** की पेशकश के बजाय **निवेश** की मात्रा से जुड़े प्रत्यक्ष प्रोत्साहन पेश करेगी।
- इस नीति का लक्ष्य **ईवी पारिस्थितिकी तंत्र** में **घरेलू मूल्यवर्धन** को कम से कम **50%** तक बढ़ाना होगा।
- यह नीति देश में **ईवी को अपनाने** में तेजी लाने का प्रयास करती है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की वर्तमान स्थिति

- **वर्ष 2022-23** में, **भारत ने 450,000** से अधिक ईवी का उत्पादन किया , जो पिछले **वर्ष में 230,000** लाख से अधिक था।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में भविष्यवाणी की गई है कि भारत के **घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन बाजार** में **वर्ष 2022 और वर्ष 2030** के बीच **49% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर** (CAGR) देखी जाएगी।
- सर्वेक्षण में **वर्ष 2030** तक **10 मिलियन** की **वार्षिक बिक्री** का आकलन किया गया है।

44.ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भारत आने के लिए 'इच्छुक' है: ब्रिटिश राजदूत- द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सिख फॉर जस्टिस ग्रुप
- सुरक्षित राज्यों की सूची

समाचार:
- भारत के विदेश मंत्री लंदन दौरे पर हैं.
- **भारत-यूनाइटेड किंगडम मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** के लिए बातचीत वर्तमान में दोनों देशों के बीच संबंधों का मुख्य फोकस है।
- **ब्रिटिश प्रधान मंत्री भारत** आने के लिए "उत्सुक" हैं, लेकिन **FTA वार्ता** पर ध्यान पहले दिया गया।

FTA वार्ता
- **अक्टूबर-नवंबर, 2023** में प्रस्तावित **द्विपक्षीय यात्रा** FTA वार्ता में देरी के कारण टाल दी गई है।
- जनवरी **2022 में ब्रेक्सिट** के बाद शुरू हुई वार्ता अब **14वें दौर** में है, जिसमें 26 में से लगभग पांच अध्याय अभी भी अनसुलझे हैं।
- **भारत के प्रधानमंत्री और ब्रिटिश प्रधानमंत्री** ने टेलीफोन पर बातचीत में **FTA वार्ता** की प्रगति पर भी चर्चा की है

भारत और यूके के बीच FTA से संबंधित वर्तमान विकास
- **विदेश मंत्री** रणनीतिक संबंधों पर चर्चा के लिए **लंदन** में कई **उच्च स्तरीय बैठकें** करेंगे।
- ब्रिटेन में **खालिस्तानी उग्रवाद** के मुद्दे पर भारत की चिंताओं को भी व्यक्त करेंगे
- राजनयिक सूत्रों ने कहा है कि **यूके FTA** इस समय **भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता** है।
- **दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों** को उम्मीद है कि **FTA वर्ष 2024 की शुरुआत** तक पूरा हो जाएगा , लेकिन उन्होंने अभी तक कोई समय सीमा तय नहीं की है।

भारत और ब्रिटेन के बीच FTA समस्याएं
- समस्याओं में निम्न लिखित बिंदु शामिल हैं
  - **उत्पत्ति के नियम** , यह देखते हुए कि यूके की यूरोपीय संघ के साथ एक एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला है।
  - भारत उन वस्तुओं को **प्राथमिकता** देना चाहता है जिनमें ब्रिटेन से ही अधिक **मूल्यवर्धन** शामिल हो।
- **इसके अलावा, वस्तुओं पर टैरिफ जैसे -**
  - यूके से स्कॉच व्हिस्की और ऑटोमोबाइल, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं
  - भाभारत का चमड़ा और कपड़ा आकर्षण के प्रमुख बिंदुओं में से एक हैं।
  - भारत ने अभी तक यूके की कानूनी और वित्तीय कंपनियों को भारतीय बाजार तक पहुंच देने के लिए प्रतिबद्धता नहीं जताई है।
  - भारतीयों के लिए गतिशीलता, या अधिक वीज़ा, समझौते में शामिल नहीं हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच 'अवैध' प्रवासन से निपटना
- यूके की सुरक्षित राज्यों की सूची एक ऐसा कदम है जो गैर-कानूनी आप्रवासियों के लिए नियमों को सख्त कर रही है।
- यह सूची भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे **वर्ष 2022** में **अफ़गानों के बाद** चैनल पार करने वाला **दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समूह** बन गए।
- **भारतीय -**
  - यूके के छात्र कार्य **वीज़ा के सबसे बड़े प्राप्तकर्ता** हैं
  - **आगंतुकों** और **कुशल पेशेवरों** को जारी किए गए **वीज़ा की कुल संख्या** का **एक तिहाई** प्राप्त हुआ

खालिस्तानी उग्रवाद का मुकाबला
- **लंदन** में **उच्चायोग** में **खालिस्तानी चरमपंथियों** के विरोध प्रदर्शन को लेकर **भारत-ब्रिटेन** में विवाद हो गया था
  - इसमें भारत द्वारा प्रतिबंधित **सिख फॉर जस्टिस समूह** का हालिया वीडियो भी शामिल है, जिसमें **19 नवंबर** को **एयर इंडिया की उड़ान** लेने वाले किसी भी यात्री को धमकी दी गई थी।
- अभी तक **ब्रिटेन सरकार** ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह **SFJ** को एक **आतंकवादी समूह** के रूप में प्रतिबंधित करेगी या नहीं।

45.चुनाव आयोग ने पार्टियों को चुनावी बॉन्ड से प्राप्त धन का ब्योरा देने के निर्देश दिए - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- चुनावी बांड

- **भारतीय चुनाव आयोग (ECI)** ने एक बार फिर **राजनीतिक दलों** से **चुनावी बॉन्ड** के माध्यम से प्राप्त धन का विवरण जमा करने को कहा है
- सुप्रीम कोर्ट ने **ECI को 30 सितंबर, 2023 तक चुनावी बॉन्ड** के माध्यम से पार्टियों द्वारा प्राप्त धन का **"अद्यतित"** डेटा सीलबंद कवर में पेश करने का निर्देश दिया था।

चुनावी बॉन्ड
- चुनावी बॉन्ड प्रणाली को **वर्ष 2017** में एक **वित्त विधेयक** के माध्यम से पेश किया गया था और **वर्ष 2018** में लागू किया गया था।
- वे दाता की गुमनामी बनाए रखते हुए **पंजीकृत राजनीतिक दलों** को दान देने के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए एक साधन के रूप में काम करते हैं।

मुख्य विशेषताऐं
- **भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अधिकृत** जारीकर्ता है और बॉन्ड नामित **SBI शाखाओं** के माध्यम से जारी किए जाते हैं।
- **SBI** 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के **मूल्यवर्ग में बांड** जारी करता है।
- **भारतीय नागरिकों** या **भारत में स्थापित संस्थाओं** द्वारा **डिजिटल रूप** से या **चेक** के माध्यम से खरीदा जा सकता है।
- खरीदा गया व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदा जा सकता है।
- धारक को **मांग पर देय** और **ब्याज मुक्त।**
- जारी होने की तारीख से **15 कैलेंडर दिनों** के लिए वैध।
- नकदीकरण केवल **राजनीतिक दल के अधिकृत बैंक** खाते के माध्यम से।

राजनीतिक दलों की पात्रता
- **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A** के तहत पंजीकृत राजनीतिक दल
- **लोक सभा या विधान सभा** के लिए पिछले **आम चुनाव** में डाले गए वोटों का **कम से कम 1% वोट** प्राप्त होना चाहिए

पारदर्शिता और जवाबदेही
- पार्टियों को **भारतीय चुनाव आयोग (ECI)** के साथ अपने **बैंक खाते** का खुलासा करना होगा।
- पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए **दान बैंकिंग चैनलों** के माध्यम से किया जाता है।
- राजनीतिक दल **प्राप्त धन** के **उपयोग** के बारे में बताने के लिए बाध्य हैं।

46.मोदी ने अनुसूचित जनजाति के सर्वाधिक पिछड़े लोगों के लिए मिशन शुरू किया-द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन

समाचार:

प्रीलिम्स टेक अवे
- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह
- पीएम-किसान

- भारत के प्रधानमंत्री ने ₹24,000 करोड़ का प्रधानमंत्री विशेष रूप से **कमजोर जनजातीय समूह (पीएम-PVTG) मिशन** शुरू किया।
- देश के लगभग **28 लाख PVTG** के समग्र विकास के लिए है।

मिशन के लॉन्च से सम्बंधित तथ्य
- प्रधानमंत्री ने **झारखंड के खूंटी जिले के बिरसा कॉलेज मैदान** से इस मिशन की शुरुआत की।
- **बिरसा मुंडा की जयंती** और **तीसरे 'जनजातीय गौरव दिवस'** के अवसर पर शुरू किया गया था।

मिशन की विशेषताएं

- मिशन के तहत पीवीटीजी बस्तियों को **बुनियादी सुविधाएं** प्रदान की जाएगी।
- इन **सुविधाओं** में निम्नलिखित शामिल हैं
  - सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी
  - बिजली
  - सुरक्षित आवास
  - स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता
  - शिक्षा तक बेहतर पहुंच
  - स्वास्थ्य और पोषण
  - स्थायी आजीविका के अवसर

पीएम किसान योजना के माध्यम से जनजातीय कल्याण

- प्रधान मंत्री ने पीएम किसान योजना की **15वीं किस्त के रूप में ₹18,000 करोड़** जारी किए, जिससे **आदिवासी समूहों** को भी मदद मिलेगी।
- देशभर के आठ करोड़ से अधिक **लाभार्थी किसानों को फायदा** होगा।
- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि** (पीएम-किसान) **दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण** (डीबीटी) योजनाओं में से एक है
- इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी **कृषि** और **अन्य आकस्मिक जरूरतों** को पूरा करने में सहायता करना है।
- योजना के तहत, लाभार्थी किसानों को **प्रति वर्ष ₹6,000 की वित्तीय सहायता** तीन समान किश्तों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है।

आदिवासी महानायक बिरसा मुंडा की जन्मस्थली का दौरा

- प्रधानमंत्री ने झारखंड के खूंटी जिले में आदिवासियों के आदर्श **बिरसा मुंडा** की **जन्मस्थली उलिहातु** का दौरा किया
- उनकी जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की, जिसे **जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- स्थानीय लोगों ने **ढोल और मांदर जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों** की धुन पर नृत्य करते हुए प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

47.FATF टीम भारत में ऑन-साइट समीक्षा बैठकें आयोजित करेगी-द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) की एक टीम **देश के पारस्परिक मूल्यांकन की प्रक्रिया** के हिस्से के रूप में भारत में है।
- **मूल्यांकन प्रक्रिया** यह सुनिश्चित करेगी कि क्या अधिकारियों ने इसके खिलाफ **आवश्यक कानूनी ढांचा** तैयार किया है और प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया है
  - काले धन को वैध बनाना
  - आतंकवादी वित्तपोषण

प्रीलिम्स टेक अवे

- प्रवर्तन निदेशालय
- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो
- राष्ट्रीय जांच एजेंसी
- FATF

दौरे का विवरण

- टीम **वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों** दोनों से मुलाकात करेगी।
- **वित्त मंत्रालय** के तहत राजस्व विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों और विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के निम्नलिखित अधिकारियों से मिल सकते हैं , जैसे कि
  - प्रवर्तन निदेशालय (ED)
  - नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB)
  - राष्ट्रीय जांच एजेंसी [क्योंकि यह आतंकवाद विरोधी गैरकानूनी (गतिविधियाँ) रोकथाम अधिनियम (NIA) लागू करती है
  - वित्तीय नियामक
- FATF, जिसके **मुंबई का भी दौरा** करने की संभावना है, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात कर सकता है।

- FATF के तहत आपसी मूल्यांकन सहकर्मी समीक्षाएं हैं जहां विभिन्न देशों के सदस्य **दूसरे देश का आकलन** करते हैं।
- प्रक्रिया मूल्यांकन टीम के लिए **कानूनी, वित्तीय और कानून प्रवर्तन विशेषज्ञों** के चयन के साथ शुरू होती है।
- संबंधित देश उन्हें **वित्तीय प्रणाली के आपराधिक दुरुपयोग** को रोकने के लिए मौजूद सभी प्रासंगिक कानून और विनियम प्रदान करता है।

FATF ऑन-साइट समीक्षा बैठकों की प्रक्रिया

- FATF मानकों की **तकनीकी आवश्यकताओं को** देखते हुए जानकारी का विश्लेषण करते हैं ।
- फिर साइट पर दौरे के लिए फोकस के क्षेत्रों की पहचान करते हुए **एक मसौदा रिपोर्ट तैयार की जाती है।**
- दौरे के बाद , तकनीकी अनुपालन और प्रभावशीलता दोनों तत्वों को शामिल करते हुए एक **मसौदा पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट** सामने लाई जाएगी।
- मूल्यांकन किए गए देश और स्वतंत्र समीक्षकों द्वारा **चर्चा और समीक्षा** के विभिन्न चक्रों से गुजरता है ।
- FATF की पूर्ण बैठक में रेटिंग सहित निष्कर्षों पर चर्चा की जाती है, और **प्रकाशन** के लिए अंतिम रिपोर्ट को अपनाया जाता है।
- भारत के मामले में, रिपोर्ट पर **जून 2024 की पूर्ण बैठक** के दौरान चर्चा हो सकती है।

48.ऋषि सुनक सरकार को बड़ा झटका, यूके सुप्रीम कोर्ट ने रवांडा प्रवासन योजना को खारिज कर दिया-लाइवमिंट

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

समाचार:

- ब्रिटेन सरकार को एक नया झटका लगा जब ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने **प्रवासियों को रवांडा भेजने की योजना को खारिज** कर दिया।
- पांच-न्यायाधीशों के पैनल ने कहा कि **शरण चाहने वालों** को उनके स्थानांतरण के बाद " **दुर्व्यवहार का वास्तविक जोखिम"** होगा।

प्रीलिम्स टेक अवे

- रवांडा प्रवासन योजना

फैसले से पहले का घटनाक्रम

- यह घटनाक्रम पूर्व गृह सचिव द्वारा प्रधानमंत्री पर यह आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद आया है कि अगर सरकार **सुप्रीम कोर्ट में केस हार जाती है तो उनके पास कोई "प्लान बी"** नहीं है।
- ब्रिटेन ने कुछ प्रवासियों के पुनर्वास के लिए अप्रैल 2022 में **रवांडा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर** किए थे।
- सरकार का तर्क है कि यह नीति लोगों को **दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग लेन** में से एक को पार करने के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालने से रोकेगी।
- इससे **मानव-तस्करी गिरोहों** की गतिविधियों पर रोक लगेगी।

नीति की योजना

- 1 जनवरी, 2022 के बाद **ब्रिटेन में अवैध रूप से पहुंचे** किसी भी व्यक्ति को इस योजना के तहत निर्वासन का सामना करना पड़ेगा।
- फिर उनके दावों का मूल्यांकन लगभग 6,400 किमी दूर **रवांडा** में किया जाएगा।
- हालाँकि, पहली निर्वासन उड़ान को जून 2022 में अंतिम समय में रोक दिया गया था जब **यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय** ने हस्तक्षेप किया था।

वर्तमान स्थिति में यूके सरकार के लिए विकल्प

- निम्नलिखित विकल्प मौजूद हैं
  - रवांडा के साथ एक नए समझौते पर बातचीत
  - समझौते को समझौता ज्ञापन के रूप में परिवर्तित करना
  - नए सुरक्षा उपाय शामिल करना।
  - संसद द्वारा पारित एक नई संधि से अदालतों के लिए हस्तक्षेप करना कठिन हो जाएगा।

49.जेल कानून के मसौदे में फोन रखने पर तीन साल की जेल का प्रावधान - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेक अवे
- आदर्श कारागार अधिनियम

समाचार

- केंद्रीय **गृह सचिव** ने **मई, 2023 में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों** को एक पत्र भेजा था जिसमें **'आदर्श जेल अधिनियम, 2023'** शामिल था।
- यह पत्र हाल ही में **केंद्रीय गृह मंत्रालय की वेबसाइट** पर अपलोड किया गया था।

जेल अधिनियम, 1894 और एक नये कानून की आवश्यकता:

- वर्तमान **'कारागार अधिनियम, 1894'** स्वतंत्रता-पूर्व का अधिनियम है और लगभग 130 वर्ष पुराना है।
- यह अधिनियम मुख्य रूप से **अपराधियों को हिरासत** में रखने और **जेलों में अनुशासन और व्यवस्था लागू** करने पर केंद्रित है ।
- अधिनियम में कैदियों के **सुधार एवं पुनर्वास का कोई प्रावधान नहीं** है ।
- पिछले कुछ दशकों में, विश्व स्तर पर **जेलों और जेल के कैदियों** के बारे में एक बिल्कुल नया दृष्टिकोण विकसित हुआ है।
- आज जेलों को प्रतिशोधात्मक निरोध के स्थानों के रूप में नहीं देखा जाता है, बल्कि **सुधारात्मक संस्थानों** के रूप में माना जाता है, जहां कैदियों को कानून का पालन करने वाले नागरिकों के रूप में समाज में वापस लाया जाता है और पुनर्वास किया जाता है।
- भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार, **'जेलें'/'उनमें निरुद्ध व्यक्ति'** एक **'राज्य' सूची का विषय** है ।
  - **जेल प्रबंधन और कैदियों के प्रशासन की जिम्मेदारी** पूरी तरह से राज्य सरकारों की है, जो अकेले ही इस संबंध में उचित विधायी प्रावधान करने में सक्षम हैं।
- हालाँकि, **आपराधिक न्याय प्रणाली** में कुशल जेल प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, **भारत सरकार इस संबंध में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** के समर्थन को उच्च स्तर पर महत्व देती है ।

आदर्श कारागार अधिनियम, 2023

- आधुनिक समय की जरूरतों और जेल प्रबंधन की आवश्यकताओं के अनुरूप अधिनियम को संशोधित और उन्नत करने की आवश्यकता महसूस की गई।
- इसलिए, केंद्र सरकार द्वारा समकालीन आधुनिक जरूरतों और सुधारवादी विचारधारा के अनुरूप, औपनिवेशिक युग के पुराने जेल अधिनियम की समीक्षा और संशोधन करने का निर्णय लिया गया।
- गृह मंत्रालय ने जेल अधिनियम, 1894 में संशोधन का कार्य पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को सौंपा ।
- ब्यूरो ने राज्य जेल अधिकारियों, सुधार विशेषज्ञों आदि के साथ व्यापक चर्चा के बाद एक मसौदा तैयार किया।
- कारागार अधिनियम, 1894 के साथ-साथ, 'कैदी अधिनियम, 1900' और 'कैदियों का स्थानांतरण अधिनियम, 1950' की भी गृह मंत्रालय द्वारा समीक्षा की गई है और इन अधिनियमों के प्रासंगिक प्रावधानों को 'आदर्श कारागार अधिनियम, 2023' में समाहित किया गया है।'
- ऐसे संशोधनों के साथ अपनाकर लाभ उठा सकते हैं जिन्हें वे आवश्यक समझ सकते हैं, और अपने अधिकार क्षेत्र में मौजूदा तीन अधिनियमों को निरस्त कर सकते हैं।

नए आदर्श कारागार अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

- सुरक्षा मूल्यांकन और कैदियों के पृथक्करण, व्यक्तिगत सजा योजना के लिए प्रावधान।
- शिकायत निवारण, जेल विकास बोर्ड, कैदियों के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन।
- महिला कैदियों, ट्रांसजेंडर आदि के लिए अलग आवास की व्यवस्था ।
- जेल प्रशासन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से जेल प्रशासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रावधान।
- अदालतों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग , जेलों में वैज्ञानिक और तकनीकी हस्तक्षेप आदि का प्रावधान ।
- जेलों में मोबाइल फोन आदि प्रतिबंधित वस्तुओं के उपयोग पर कैदियों और जेल कर्मचारियों के लिए सजा का प्रावधान।
- उच्च सुरक्षा जेल, खुली जेल (खुली एवं अर्ध खुली) आदि की स्थापना एवं प्रबंधन के संबंध में प्रावधान।
- दुर्दांत अपराधियों और आदतन अपराधियों आदि की आपराधिक गतिविधियों से समाज की रक्षा के लिए प्रावधान।
- कैदियों को कानूनी सहायता, पैरोल, फर्लो और समय से पहले रिहाई आदि का प्रावधान ।
- कैदियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास और समाज में उनके पुन:एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना।

50. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा पट्टी में 'मानवीय ठहराव' का आग्रह किया - द हिंदू/ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में 'मानवीय ठहराव और गलियारों' के लिए एक प्रस्ताव पारित किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इज़राइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से अपना प्रारंभिक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें गाजा में "तत्काल और विस्तारित मानवीय ठहराव" का आग्रह किया गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

मुख्य बिंदु

संकल्प अवलोकन

- प्रस्ताव में इज़रायल की सैन्य कार्रवाइयों के दौरान फिलिस्तीनी नागरिकों के संकट को दूर करने के लिए गाजा में मानवीय ठहराव का आह्वान किया गया है ।
- इज़राइल ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया।

बदलाव

- अंतिम मसौदे में भाषा को **मानवीय ठहराव** और **हमास** और **अन्य समूहों द्वारा बंधक** बनाए गए बंधकों की **रिहाई की मांग** से बदल दिया गया।
- संशोधनों के बावजूद, समाधान ने पिछली बाधाओं को पार करते हुए प्रगति को चिह्नित किया।

अमेरिका और ब्रिटेन की अनुपस्थिति

- इस्राइल पर हमास के सीमा पार हमलों की निंदा करने में प्रस्ताव की **विफलता** और **मानवीय संघर्ष विराम** की मांग करने में **असमर्थता** के कारण **अमेरिका** और **ब्रिटेन अनुपस्थित** रहे।

रूस का विरोध

- **प्रस्ताव की प्रभावशीलता** से असंतोष के कारण **रूस अनुपस्थित** रहा और **सुरक्षा परिषद** की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त की।

कानूनी बंधन व निगरानी

- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** के प्रस्ताव **कानूनी रूप से बाध्यकारी** हैं, और **इज़राइल की अस्वीकृति** के बावजूद, प्रस्तावक इसकी बाध्यकारी प्रकृति पर जोर देते हैं।
- इस प्रस्ताव को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है , जिससे **सुरक्षा परिषद** की **उदासीनता** के बारे में धारणा बदल रही है।
- आलोचकों का तर्क है कि **इज़राइल पर वास्तविक राजनीतिक** दबाव का अभाव है, और महत्वपूर्ण परिवर्तन **ज़मीनी तथ्यों** को बदलने पर निर्भर करता है।

51. रिजिजू मालदीव में मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

- **पृथ्वी विज्ञान मंत्री** ने मालदीव के **नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू** के **शपथ ग्रहण समारोह** में भाग लेने के लिए हाल ही में **मालदीव** का दौरा किया।
- यह द्विपक्षीय संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मानचित्र आधारित प्रश्न

मुख्य बिंदु:

- भारत की यात्रा **भारत और मालदीव** के बीच **दीर्घकालिक साझेदारी** पर जोर देती है।

यात्रा का उद्देश्य:

- यह मालदीव के साथ सहयोग और लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने की **भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक** है।

- भारत का लक्ष्य **उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधित्व** के माध्यम से **मालदीव के साथ ठोस सहयोग** को **गहरा करना** है ।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू

- उनके चुनाव ने **भारत-मालदीव संबंधों** के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि उन्होंने मालदीव में तैनात भा**रतीय सैन्य कर्मियों** को **हटाने के लिए बातचीत करने का वादा** किया है।

मालदीव में भारतीय सेना

- मालदीव में उपहार में दिए गए **विमानों और हेलीकॉप्टरों** को संचालित करने के लिए लगभग **75 भारतीय सैन्यकर्मी** तैनात हैं।
- **मुइज्जू** ने अपने **मुख्य चुनावी वादों** में से एक को पूरा करते हुए उन्हें हटाने के लिए **भारत के साथ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक वार्ता** में शामिल होने का वादा किया है।
- **भारतीय सैनिकों** को हटाने की मांग के बावजूद उन्होंने आश्वासन दिया कि इसका उद्देश्य अन्य देशों की **सैन्य उपस्थिति** के लिए जगह नहीं बनाना है।

52.नौवहन की अबाधित स्वतंत्रता महत्वपूर्ण: राजनाथ - द हिंदू/राजनाथ ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अबाधित वैध वाणिज्य पर जोर दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

- रक्षा मंत्री, इंडोनेशिया में आसियान रक्षा मंत्रियों की **मीटिंग -प्लस (ADMM-Plus)** को संबोधित किया
- उन्होंने **समुद्री सुरक्षा और आसियान** और उसके **संवाद भागीदारों** के साथ सहयोग के प्रति **भारत की प्रतिबद्धता** की पुष्टि की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- ADMM-Plus प्लेटफार्म

मुख्य बिंदु

- भारत की **समुद्री प्रतिबद्धता**
- **भारत समुद्री सिद्धांतों** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए **वर्ष 1982** के **संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS)** का समर्थन करता है।

आसियान की केंद्रीयता

- भारत **क्षेत्रीय सुरक्षा** और **रक्षा पहल** में एक **प्रमुख भागीदार** और **सहयोगी** के रूप में आसियान को महत्व देता है।

ADMM-Plus प्लेटफार्म

- **ADMM-Plus** आसियान सदस्य देशों और भारत सहित आठ संवाद भागीदारों के बीच **सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाने** के लिए **एक मंच के रूप** में कार्य करता है।
- भारत, **वर्ष 1992** से **आसियान संवाद भागीदार** के रूप में , **क्षेत्रीय सुरक्षा** में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

आसियान गतिविधियों में भारत की भूमिका

- भारत और इंडोनेशिया **मानवीय सहायता और आपदा राहत गतिविधियों** पर **आसियान** के **विशेषज्ञ कार्य समूह** की **सह-अध्यक्षता** करते हैं।

आतंकवाद विरोधी सहयोग

- भारत ने **ADMM-Plus** द्वारा समर्थित **आतंकवाद-निरोध** पर विशेषज्ञ कार्य समूह की **सह-अध्यक्षता** करने का प्रस्ताव रखा।

53. भारत, यूरोपीय संघ 600 मिलियन डॉलर के विश्व व्यापार संगठन विवाद को सुलझाने के करीब - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- **सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उत्पादों** के संबंध में **यूरोपीय संघ (EU)** के साथ एक **प्रमुख व्यापार विवाद** को सुलझाने की कगार पर है ।
- **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** में अपने सबसे बड़े व्यापार भागीदार, **अमेरिका** के साथ विवादों को सुलझाने में हालिया सफलता सकारात्मक विकास को बढ़ाती है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- विश्व व्यापार संगठन (WTO)
- WTO विवाद निपटान प्रणाली
- PLI योजना

विवाद की पृष्ठभूमि

- **वैश्विक व्यापार मानदंडों** के साथ असंगतता का दावा करते हुए विभिन्न **सूचना संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** उत्पादों पर **आयात शुल्क** को लेकर **वर्ष 2019** में **WTO में** भारत को चुनौती दी ।
- **यूरोपीय संघ** ने तर्क दिया कि ये **शुल्क भारत में उसके €600 मिलियन मूल्य** के **तकनीकी निर्यात** पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे थे।
- भारत ने **PLI योजना** के माध्यम से **इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण** को बढ़ावा देने के लिए **ICT उत्पादों** पर उच्च शुल्क लगाया।
- एक प्रतिकूल निर्णय **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI)** योजना को बाधित कर सकता है, जिससे भारत की प्रमुख उत्पादन पहल प्रभावित हो सकती है।
- **इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण** को बढ़ावा देने और **चीन पर निर्भरता कम** करने के **भारत के प्रयासों** के लिए यह विवाद महत्वपूर्ण है ।
- भारत **भारतीय इस्पात** पर **यूरोपीय संघ** के प्रतिबंधों के कारण होने वाले नुकसान का हवाला देता है, दोनों भागीदारों के बीच **व्यापार मुद्दों के व्यापक संदर्भ** पर जोर देता है।

उच्च स्तरीय व्यापार और तकनीकी परिषद (TTC) की बैठक

- **WTO** में एक **कार्यात्मक विवाद समाधान तंत्र** की अनुपस्थिति को देखते हुए**, भारत और यूरोपीय संघ** के बीच हाल ही में **TTC बैठक** में बकाया मुद्दों पर चर्चा हुई।
- **TTC** वैश्विक तनाव के बीच **प्रौद्योगिकी साझेदारी** को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है , विशेष रूप से **यूरोपीय संघ** के पास केवल **अमेरिका** के साथ एक समान परिषद है।

भारत द्वारा कानूनी चुनौती

- भारत ने **यूरोपीय संघ** के पक्ष में **WTO विवाद समाधान निकाय** के आदेश की वैधता पर सवाल उठाया।
- यह **टैरिफ लाइन** विस्तार की **भारत की पूर्व सूचना** को मानने में एक **कानूनी त्रुटि** को उजागर करता है।

54. भारत के द्वारा 2nd वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

- भारत के द्वारा **2nd वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन** की मेजबानी की जा रही है।
- शिखर सम्मेलन **वर्चुअल प्रारूप** में आयोजित किया जाएगा।
- यह शिखर सम्मेलन **जनवरी 2023** के बाद दूसरी बार है।
- दूसरा शिखर सम्मेलन **भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता** में उद्घाटन नेताओं के सत्र के साथ शुरू होगा।

प्रीलिम्स टेकअवे

- 1st वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट
- 2nd वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट

वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट की प्रासंगिकता

- भारत ने **12-13 जनवरी 2023** को उद्घाटन **वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (VOGSS)** की मेजबानी की थी।

- इस अनूठी पहल ने **ग्लोबल साउथ के 125 देशों** को **एक साझा मंच** पर अपने **दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं** को साझा करने के लिए एक साथ लाया।
- यहां तक कि **G-20 की अध्यक्षता** के दौरान भी **भारत ने ग्लोबल साउथ समिट** की चिंताओं को उठाया था।
- **शिखर सम्मेलन का उद्देश्य** अधिक **समावेशी, प्रतिनिधित्वपूर्ण** और **प्रगतिशील** विश्व व्यवस्था बनाना है।

शिखर सम्मेलन का विवरण

- दूसरे शिखर सम्मेलन को **10 सत्रों में संरचित** किया जाएगा।
- समापन सत्र **राज्य प्रमुख/सरकारी स्तर** पर होंगे और इसकी मेजबानी **पीएम मोदी** करेंगे।
- उद्घाटन नेताओं के सत्र का विषय **"एक साथ, सबके विकास के लिए, सबके विश्वास के साथ"** है **।**
- नेताओं के समापन सत्र का विषय " **ग्लोबल साउथ: टुगेदर फॉर वन फ्यूचर"** है।

शिखर सम्मेलन के दौरान मंत्रिस्तरीय सत्र

- इसमें **आठ मंत्रिस्तरीय सत्र** होंगे।
- **विभिन्न सत्रों** के **विषय** निम्न लिखित हैं
  - **विदेश मंत्रियों का सत्र** का विषय **"भारत** और **ग्लोबल साउथ**: **बेहतर भविष्य के लिए एक साथ उभरना"**
  - **शिक्षा मंत्रियों** का सत्र का विषय **"मानव संसाधनों को भविष्य के लिए तैयार करना"**
  - **वित्त मंत्रियों** का सत्र का विषय **"जन-केंद्रित विकास के वित्तपोषण"**
  - **पर्यावरण मंत्रियों** का सत्र का विषय **"जलवायु लचीलेपन और जलवायु वित्त के लिए सतत समाधान"**
- इसमें निम्न लिखित **मंत्रियों के सत्र भी** शामिल होंगे
  - "**ग्लोबल साउथ** और **एक विकास**" विषय पर **विदेश मंत्रियों** का सत्र
  - **"सतत विकास के लिए किफायती और समावेशी ऊर्जा परिवर्तन"** विषय पर **ऊर्जा मंत्रियों** का सत्र
  - **"एक स्वास्थ्य के लिए"ग्लोबल साउथ से समाधान"** विषय पर **स्वास्थ्य मंत्रियों** का सत्र
  - **"ग्लोबल साउथ और लचीली आपूर्ति श्रृंखला"** विषय पर **वाणिज्य / व्यापार मंत्रियों का सत्र।**
- **विश्व के विभिन्न देश शामिल होंगे**
  - **प्रशांत द्वीप समूह** से लेकर **पश्चिम** में **लैटिन अमेरिका तक** के कई देश।
- **मुख्य फोकस** भारत की **G-20 अध्यक्षता** के दौरान **ग्लोबल साउथ** की **चिंताओं/प्राथमिकताओं** में प्राप्त लाभकारी परिणामों और प्रगति को साझा करना होगा।

1st वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन का विवरण

- **1st वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन** का विषय **"आवाज की एकता,** उद्देश्य की एकता" था ।
- इसमें कुल **10 सत्र** थे
- भारत **G-20 शिखर सम्मेलन**' के एजेंडे के लिए **ग्लोबल साउथ** से इनपुट मांगा ।

55.उच्च न्यायालय ने निजी क्षेत्र में हरियाणा के 75% स्थानीय कोटा को रद्द कर दिया - द हिंदू/ उच्च न्यायालय ने निजी नौकरियों में निवासियों के लिए 75% आरक्षण वाले कानून को रद्द कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुच्छेद 19

- **पंजाब** और **हरियाणा उच्च न्यायालय** ने **हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों** के **रोजगार अधिनियम, 2020** को **असंवैधानिक घोषित** कर दिया है
- इसने उस प्रावधान को रद्द कर दिया जो राज्य के निवासियों के लिए **निजी नौकरियों में 75% आरक्षण** अनिवार्य करता था।

मुख्य बिंदु:

- अदालत ने **संवैधानिक सिद्धांतों** के उल्लंघन पर जोर देते हुए फैसला सुनाया कि कानून लागू होने की तारीख से अप्रभावी हो गया है।

- अदालत ने कहा कि **राज्य निजी नियोक्ताओं** को **प्रति माह 30,000 रुपये** से कम आय वाले विशिष्ट **कर्मचारी श्रेणियों** के लिए **खुले बाजार** से भर्ती करने से प्रतिबंधित नहीं कर सकता है।
- इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य किसी विशेष **राज्य में व्यक्ति के गैर-निवास** के आधार पर भेदभाव लागू नहीं कर सकता है।
- अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि **निजी नियोक्ताओं** को उनके **मूल राज्य की परवाह किए बिना, उनके कौशल और विशेषज्ञता** के आधार पर **व्यक्तियों को काम पर रखने की स्वतंत्रता** होनी चाहिए।
- इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से निर्माण कार्य में **विभिन्न कौशलों** के उदाहरणों का उपयोग किया गया।

56. जापान के प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में सैन्य गतिविधि पर गंभीर चिंता व्यक्त की - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं

समाचार:

- जापान के **प्रधान मंत्री फुमियो** ने **चीन के राष्ट्रपति** से कहा कि उन्हें **चीनी सैन्य गतिविधि** के बारे में **"गंभीर चिंताएँ"** हैं
  - इसमें एक वर्ष में अपनी पहली सीधी वार्ता के दौरान **रूस के साथ चीन का सहयोग** भी शामिल है
- जापानी पीएम ने अपने **समुद्री भोजन पर बीजिंग** के **प्रतिबंध** की आलोचना की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) मंच।
- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।
- फुकुशिमा परमाणु संयंत्र

जापान अपने सामरिक हित पर कायम है

- **जापान** के **पीएम** और **चीन के राष्ट्रपति** की **एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC)** फोरम के मौके पर मुलाकात की।
- जापान ने **ताइवान जलडमरूमध्य** की **शांति और स्थिरता** पर फिर से जोर दिया।
- जापान ने **पूर्वी चीन सागर में जापान के EEZ** में स्थापित (चीनी) प्लवों को तत्काल हटाने का आग्रह किया।

जापान और चीन के बीच समुद्री भोजन पर प्रतिबंध को लेकर विवाद

- चीन में अपने **समुद्री भोजन पर प्रतिबंध** लगाने के लिए **वैज्ञानिक सबूतों के** आधार पर शांत प्रतिक्रिया की मांग की
- जापान द्वारा प्रभावित **फुकुशिमा परमाणु संयंत्र** से **उपचारित अपशिष्ट जल** को **प्रशांत महासागर** में छोड़ना शुरू करने के बाद **चीन** ने सभी **जापानी समुद्री खाद्य आयात पर प्रतिबंध** लगा दिया।
- जापान का कहना है कि **डिस्चार्ज सुरक्षित** है, यह विचार **संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था**, **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी** द्वारा समर्थित है।

जापानी नागरिकों की रिहाई की मांग

- जापान ने वर्ष 2015 में **चीन के संशोधित जासूसी विरोधी कानून** के प्रभावी होने के बाद से चीन में हिरासत में लिए गए **जापानी नागरिकों** की शीघ्र रिहाई की मांग की।
- उक्त कानून के तहत **जापानी फार्मास्युटिकल कंपनी एस्टेलस** का एक कर्मचारी थे

जापानी तट के निकट चीनी गतिविधियाँ

- विवादित **दक्षिण चीन सागर** में **चीन की हरकतों** को लेकर **प्रशांत क्षेत्र में सैन्य तनाव** बढ़ गया है।
- **चीन स्व-शासित द्वीप ताइवान** के आसपास भी अभ्यास करता है, जिसे बीजिंग अपना क्षेत्र मानता है।
- चीनी जहाज भी तेजी से प्रशांत क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।
- जापान ने चीन के छह जहाजों का पता लगाया था जिनमें **फ्रिगेट, विध्वंसक जहाज, एक तेज लड़ाकू सहायता जहाज और शेडोंग विमान वाहक जहाज** शामिल थे।

- ताइवान के पूर्व में मियाकोजिमा द्वीप से लगभग 650 किमी दक्षिण में नौकायन।
- इसने पुष्टि की कि जेट और **हेलीकॉप्टरों को शेडोंग** से उड़ान भरते और उतरते हुए पाया गया था।

57.ओडिशा सरकार ने आदिवासियों को अपनी जमीन गैर-आदिवासियों को बेचने की योजना पर रोक लगा दी - द हिंदू/ओडिशा ने आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को बेचने के फैसले को रोक दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:
- ओडिशा सरकार ने **गैर-आदिवासियों** को **आदिवासी भूमि** की बिक्री पर विवाद पैदा करते हुए **67 साल पुराने विनियमन** में संशोधन करने की अपनी योजना रोक दी है।

मुख्य बिंदु

जनजातीय जनसांख्यिकी और राजनीतिक प्रभाव
- ओडिशा की **22% से अधिक आबादी आदिवासियों** की है ।
- राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिए **32 विधानसभा सीटें और 5 लोकसभा** सीटें आरक्षित हैं।

प्रस्तावित संशोधन का विवरण
- संसंशोधन का उद्देश्य **अनुसूचित जनजातियों** को **उप-कलेक्टर** के लिखित आदेश के साथ अपनी अचल संपत्तियों को **गैर-आदिवासियों** को हस्तांतरित करने की अनुमति देना था।
- इसने **जनजातीय भूमि** को **गैर-कृषि उद्देश्यों** के लिए **सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों** को गिरवी रखने की भी अनुमति दी।

पिछले विरोध और संवेदनशीलता
- ओडिशा में **आदिवासी भूमि अधिग्रहण, औद्योगीकरण और खनन** के खिलाफ विरोध का इतिहास रहा है।
- राज्य के **आदिवासी आंदोलनों** के **इतिहास** को देखते हुए, **आदिवासी समुदायों** के बीच विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए वापसी एक एहतियाती उपाय हो सकता है।

58.विश्व बैंक के शासन संकेतकों को पारदर्शी बनाने की आवश्यकता: सीईए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विश्व शासन सूचकांक

समाचार:
- **मुख्य आर्थिक सलाहकार** विशेष रूप से उभरती **अर्थव्यवस्थाओं** के लिए **क्रेडिट रेटिंग मूल्यांकन** में **विश्व बैंक** के **विश्वव्यापी शासन संकेतकों** के उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हैं।
- उन्होंने **क्रेडिट रेटिंग** आकलन में निष्पक्षता बढ़ाने के लिए **विश्व शासन सूचकांक** में पारदर्शिता बढ़ाने का आह्वान किया।

विश्व शासन सूचकांक में पारदर्शिता
- एक **अधिक पारदर्शी**, **कम व्यक्तिपरक** और **प्रासंगिक रूप** से **प्रासंगिक विश्व शासन सूचकांक** की वकालत की गई।
- विश्व बैंक को **सूचकांक** के निर्माण में **विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित** करनी चाहिए, जिससे यह विविध संदर्भों के लिए अधिक उपयुक्त हो सके।

- बेहतर क्रेडिट रेटिंग से इन अर्थव्यवस्थाओं के लिए **वैश्विक पूंजी बाजार** में महत्वपूर्ण लागत बचत हो सकती है।

विश्वव्यापी शासन संकेतक अवलोकन

- विश्व बैंक के विश्वव्यापी शासन संकेतक **छह शासन आयामों** के आधार पर **215 देशों** का आकलन करते हैं।
- **आयाम** :
  - आवाज और जवाबदेही
  - राजनीतिक स्थिरता और हिंसा का अभाव
  - सरकारी प्रभावशीलता
  - नियामक गुणवत्ता
  - कानून का शासन
  - भ्रष्टाचार पर नियंत्रण.'
- **विश्व शासन सूचकांक** में पारदर्शिता के मुद्दों को संबोधित करने से संभावित रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए **क्रेडिट रेटिंग आकलन** में क्रांति आ सकती है
- इससे पर्याप्त **वित्तीय लाभ** होगा और विकास के लिए **संसाधनों का बेहतर आवंटन** होगा।

59.भारत में 11 लाख बच्चे 'वर्ष 2022 में खसरे का पहला टीका लगाने से चूक गए: विश्व स्वास्थ्य संगठन - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- खसरा
- मिशन इंद्रधनुष
- विश्व स्वास्थ्य संगठन

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन** और **यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी)** की एक रिपोर्ट के अनुसार, **वर्ष 2022 में भारत में 11 लाख बच्चे खसरे के टीके की** अपनी महत्वपूर्ण पहली खुराक लेने से चूक गए।
- **भारत** उन शीर्ष **10 देशों** में शामिल है जहां खसरे की **प्रारंभिक खुराक** न लेने वाले बच्चों की संख्या सबसे अधिक है।
- **भारत** उन **37 देशों** में से एक है जो बड़े या **विघटनकारी खसरे** के **प्रकोप का सामना** कर रहा है, **वर्ष 2022 में 40,967 मामले दर्ज** किए गए हैं।

टीकाकरण पर महामारी का प्रभाव

- दुनिया भर में, **खसरा टीकाकरण** महामारी के दौरान **वर्ष 2008** के बाद से अपने **सबसे निचले स्तर पर** पहुच गया।
- इससे **वर्ष 2022** में मामलों में **18%** की वृद्धि और **मौतों में 43%** की वृद्धि हुई।
- **टीकाकरण** में **अंतराल, विशेष रूप से उपनगरीय क्षेत्रों** और **समूहों में, कमजोर आबादी को खसरे** के प्रकोप के प्रति संवेदनशील बना दिया।

खसरा टीका प्रभावकारिता

- खसरे के टीके की **दो खुराकें जीवन भर** के लिए **97% सुरक्षा प्रदान** करती हैं।
- **एकल-खुराक सुरक्षा** कमजोर है, जिससे टीका लगाए गए **व्यक्ति संक्रमण** के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं।
- वैश्विक स्तर पर **33 मिलियन बच्चे खसरे के टीके** की या तो दोनों **खुराक या दूसरी खुराक** लेने से चूक गए।

खसरा उन्मूलन लक्ष्य

- भारत ने, WHO के **दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र** के **अन्य देशों** के साथ, **वर्ष 2023 तक खसरा उन्मूलन** का लक्ष्य रखा है।
- टीकाकरण अंतराल को कवर करने के लिए शुरू किए गए **सघन मिशन इंद्रधनुष** ने **उन्मूलन लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिए **पांच साल** तक के **बच्चों के लिए कवरेज** का विस्तार किया।
- रिपोर्ट में भारत के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए **खसरा निगरानी संवेदनशीलता का मूल्यांकन** किया गया है।

भारत के समक्ष चुनौतियाँ

- **स्वास्थ्य मशीनरी मुख्य** रूप से **कोविड-19** पर केंद्रित होने के कारण **टीकाकरण कवरेज** में गिरावट आई है।
- पांच राज्यों में खसरे के मामले बढ़े, जिससे **प्रकोप प्रतिक्रिया टीकाकरण अभियान** शुरू हुआ, **नवंबर 2022 और मई 2023 के बीच 13 लाख बच्चों** को टीका लगाया गया।

60.केरल सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया- द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली, सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के मंत्रालयों और विभागों और राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुच्छेद 200

समाचार:

- **केरल सरकार** ने **सुप्रीम कोर्ट** में **राज्यपाल के खिलाफ** अपना मामला मजबूत किया है

संवैधानिक उल्लंघन का आरोप

- राज्यपाल पर पारित विधेयकों पर **राज्यपाल के कर्तव्यों** को रेखांकित करने वाले **अनुच्छेद 200** के अनुसार कार्य करने से इनकार करने का आरोप लगाया गया था।

रणनीतिक समय निर्धारण

- विधेयकों में देरी के लिए हाल ही में **सुप्रीम कोर्ट** द्वारा **पंजाब के राज्यपाल** को फटकार लगाना **केरल के रुख का** समर्थन करता है।

पावर डायनेमिक्स रिमाइंडर

- **सर्वोच्च न्यायालय** ने **संसदीय लोकतंत्र** में **राज्यपाल की नाममात्र** की **भूमिका पर** प्रकाश डालते हुए **निर्वाचित प्रतिनिधियों** के **अधिकार को रेखांकित** किया है।

स्वतंत्रता का दावा

- राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि वह रबर स्टांप नहीं हैं और सरकार द्वारा **अनुत्तरित प्रश्नों** का आरोप लगाने वाले **विधेयकों पर विचारशील** विचार की मांग करते हैं।

सरकार की प्रतिक्रिया

- हलफनामा स्पष्टीकरण मांगने के **राज्यपाल के अधिकार** का खंडन करता है, मंजूरी के लिए लंबित विधेयकों पर जोर देता है, जिन्हें पहले **अध्यादेश** के रूप में मंजूरी दी गई थी।

61.ओडिशा सरकार ने खेल आधारित युवा आउटरीच शुरू की - द हिंदू

प्रासंगिकता: प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

समाचार:

- **ओडिशा सरकार** ने मौजूदा **विधानसभा चुनावों** के दौरान **ओडिशा** में **एकीकृत युवा विकास कार्यक्रम (IYDP)** लॉन्च किया।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- **खेल, संस्कृति** और **सामाजिक प्रयासों** में **युवाओं की भागीदारी** को बढ़ावा देना है।

सहभागिता विवरण

- **13-35 आयु वर्ग** की **12,000 से अधिक टीमों** ने **क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल** सहित **छह विषयों में टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण** कराया है।

विभाग की सहभागिता

- छह विभाग **छात्रों** से लेकर **किसानों** तक **विभिन्न युवा वर्गों** को लक्षित करते हुए **समावेशिता सुनिश्चित** करने के लिए सहयोग करते हैं।

वित्त पोषण संरचना

- छात्र आबादी के आधार पर **शैक्षणिक संस्थानों को वित्तीय सहायता** आवंटित की गई, **खेल, संस्कृति, ब्रांडिंग और सामाजिक गतिविधियों** पर खर्च को प्रोत्साहित किया गया।

एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP)

- इसे **भारत सरकार** द्वारा **वर्ष 1978** के दौरान लॉन्च किया गया था और **वर्ष 1980** में लागू किया गया और **वर्ष 1999** तक जारी रहा।
- इनके बाद, **5 अन्य योजनाओं** के साथ, **IRDP** को **स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना** के रूप में पुनः ब्रांडेड किया गया।
- इसका उद्देश्य **ग्रामीण गरीबों का स्वरोजगार सुनिश्चित** करना है।

62.आईएमए और ट्रेंड नर्स एसोसिएशन को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया-द हिंदू

प्रासंगिकता: प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

प्रीलिम्स टेकअवे

- शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार

समाचार:

पुरस्कार प्रस्तुति

- पूर्व उपराष्ट्रपति ने **इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन को शांति**, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए **इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान** किया गया।

मुख्य बिंदु

प्रतिनिधियों ने स्वीकार किया:

- **डॉ. शरद कुमार अग्रवाल (IMA अध्यक्ष)** और **प्रोफेसर (डॉ.) रॉय के. जॉर्ज (TNAI अध्यक्ष)** ने भारत में **कोविड-19 योद्धाओं** की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया।

शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार

- इसे **वर्ष 1986** में **पूर्व प्रधान मंत्री की स्मृति** में उनके नाम पर एक ट्रस्ट **(इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट)** द्वारा स्थापित किया गया था।
- इसमें एक **प्रशस्ति पत्र** के साथ **25 लाख रुपये** का **मौद्रिक पुरस्कार** शामिल है।
- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है जो **अंतर्राष्ट्रीय शांति** और **विकास सुनिश्चित** करने की दिशा में काम करते हैं
    - यह सुनिश्चित करना कि **वैज्ञानिक खोजों** का **उपयोग स्वतंत्रता** और **बेहतर मानवता** के दायरे को आगे बढ़ाने और एक नई **अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था** बनाने के लिए किया जाता है।

63.प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक मसौदे में स्व-नियमन प्रावधानों पर विशेषज्ञों के मध्य मतभेद - द हिंदू

प्रासंगिकता: वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021।

समाचार:

- **प्रसारकों** और **प्रसारण नेटवर्क ऑपरेटरों** द्वारा **स्व-नियमन** से संबंधित **प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, 2023** का मसौदा प्रस्तुत किया गया है
- इस विधेयक पर विशेषज्ञों से विविध राय प्राप्त हुई हैं।

विनियमों का प्रभाव

- सबसे पहले **प्रसारण** के लिए एक **स्व-नियामक तंत्र** एक स्वागत योग्य कदम है।
- यह सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत मूल प्रस्ताव के समान है।
- इससे प्रसारकों और प्रसारण नेटवर्कों के लिए उत्तरदायित्व की अधिक समझ पैदा होगी

विधेयक में मुद्दे

- बिल में निम्न लिखित **संवेदनशील मुद्दे** हैं:
  - सरकार को **सूचना**
  - **आंतरिक प्रमाणन निकाय** के सदस्यों के व्यक्तिगत **विवरण सार्वजनिक** करना,
  - सामग्री **मूल्यांकन समिति (सीईसी)**, विशेष रूप से नए **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण** कानून की पृष्ठभूमि में
- इस तरह के अनिवार्य खुलासे संभावित रूप से **सीईसी** में शामिल व्यक्तियों को **नुकसान** और **चोट के व्यक्तिगत जोखिम** में डाल सकते हैं।
- विशेष रूप से बहुत **विविध दर्शकों** की **संवेदनशीलता** और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि जब कुछ सामग्री को **सनसनीखेज** बनाया जाता है तो दर्शक प्रतिक्रिया करते हैं (चाहे वैध कारणों के साथ या इसके बिना)।

स्व-नियामक संगठन का दायरा

- **स्व-नियामक संगठनों (SRO)** ने प्रस्तावित विधेयक के **विनियमन** और **अनुपालन** की देखरेख के कार्य में कदम बढ़ाया है।
- यह पूर्वाग्रह को ख़त्म करने की दिशा में एक **स्वागत योग्य** कदम था।
- अधिनियम के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करने में प्रसारण सलाहकार परिषद **की स्वतंत्रता** पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा।
- हालाँकि, **ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफार्मों** और **सैटेलाइट सेवाओं** की स्थिति के संबंध में विधेयक के मसौदे में कुछ अस्पष्ट क्षेत्र दिखाई देते हैं।

64.मालदीव में 77 भारतीय सैन्यकर्मी, समझौतों की समीक्षा - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते

समाचार:

- मालदीव के वरिष्ठ अधिकारी ने **मालदीव** में **77 भारतीय सैन्य कर्मियों** की उपस्थिति का खुलासा किया और **भारत के साथ 100 से अधिक समझौतों** की समीक्षा की है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मालदीव

मुख्य बिंदु

सैन्य कार्मिकों का विवरण:

- सैन्य कर्मियों का विवरण, जिसमें **हेलीकॉप्टर और विमान के प्रबंधन** जैसी भूमिकाएँ शामिल हैं।

नये प्रशासन का रुख

- राष्ट्रपति ने **द्विपक्षीय संबंधों** के भविष्य के बारे में चिंता जताते हुए **सभी 77 भारतीय सैन्य कर्मियों** को **निष्कासित** करने के प्रयास शुरू किए है।

द्विपक्षीय संबंधों की पृष्ठभूमि

- **भारत मालदीव संबंधों** का ऐतिहासिक संदर्भ **इब्राहिम मोहम्मद सोलिह** की **सरकार** के तहत **रक्षा और सुरक्षा सहयोग** की विशेषता है।

मालदीव की मुख्य स्थिति:

- **मालदीव** को **भारत** के **महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसियों** में से एक माना जाता है जो भारत की **पड़ोसी प्रथम नीति से महत्वपूर्ण रूप** से लाभान्वित हो रहा है।

निकासी के लिए आधिकारिक अनुरोध

- केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक के दौरान राष्ट्रपति मुइज़ू ने आधिकारिक तौर पर **भारतीय सैन्य कर्मियों की निकासी** का अनुरोध किया।

समझौतों की समीक्षा:

- नया प्रशासन 100 से अधिक समझौतों की जांच कर रहा है, जिसमें उथुरु थिला फाल्हू (यूटीएफ) समझौता जैसे रक्षा समझौते भी शामिल हैं।

सुरक्षा संबंधी चिंताएँ और गोपनीयता:

- पिछले प्रशासन ने मालदीव में तैनात **भारतीय सैन्यकर्मियों** की सही संख्या का खुलासा नहीं करने के लिए **राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं** का हवाला दिया था।

सामरिक महत्व:

- **मालदीव भारत** के **'सागर'** (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और **'पड़ोसी प्रथम नीति'** के दृष्टिकोण में एक विशेष स्थान रखता है।

65.पीएम मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई: वित्त मंत्री -बिजनेस स्टैंडर्ड

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

समाचार:

- हाल ही में, **केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री** ने कहा कि केंद्र की प्रमुख **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना** के तहत **महिला उद्यमियों** को **पहली प्राथमिकता** दी गई है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (PMMY)

प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (PMMY)

- यह **सूक्ष्म** और **लघु उद्यमों** को किफायती ऋण देने के लिए **भारत सरकार** की एक **प्रमुख योजना** है।
- इसे **उद्यमों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली** में लाने या "**बिना वित्तपोषित लोगों** को **वित्तपोषित** करने" के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह एक **छोटे उधारकर्ता** को उधार लेने में **सक्षम** बनाता है:
  - सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक जैसे PSU बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक
  - निजी क्षेत्र के बैंक
  - विदेशी बैंक
  - सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI),
  - गैर बैंकिंग वित्त कंपनियां (NBFC) **गैर कृषि आय** सृजन गतिविधियों के लिए **10 लाख रुपये** तक के ऋण के लिए।
- **पात्रता** :
  - कोई भी भारतीय नागरिक जिसके पास **गैर-कृषि क्षेत्र** की **आय-सृजन** गतिविधि जैसे विनिर्माण, प्रसंस्करण, के लिए व्यवसाय योजना है
  - **10 लाख रुपये** से कम की क्रेडिट आवश्यकता वाले लोग **PMMY** के तहत **माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड (MUDRA)** ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक, MFI या NBFC से संपर्क कर सकते हैं।
- **प्रदान किए गए ऋण के प्रकार:**
  - शिशु: **50,000/-** तक के ऋण को कवर करता है
  - किशोर: **50,000/-** से ऊपर और **5 लाख** तक के ऋण को कवर करता है

- तरूण: **5 लाख** से अधिक और **10 लाख** तक के ऋण को कवर करता है
- PMMY के तहत दिए जाने वाले लोन पर कोई **सब्सिडी नहीं मिलती** है

- PMMY के तहत दिए जाने वाले **लोन पर कोई सब्सिडी नहीं मिलती** है.

66.भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए चीन सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- 2+2 वार्ता

समाचार:
- **ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधान मंत्री** और **रक्षा मंत्री** तथा **ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री** ने **2+2 वार्ता** के दौरान **ऑस्ट्रेलिया - चीन - भारत** संबंधों के महत्व पर जोर दिया है।
- चीन **दोनों देशों** के सबसे बड़े **व्यापारिक साझेदार** और **प्रमुख सुरक्षा चिंता** के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक स्तंभ के रूप में रक्षा
- **भारतीय रक्षा मंत्री** ने मजबूत **भारत-ऑस्ट्रेलिया** साझेदारी के महत्व पर आम सहमति पर प्रकाश डाला गया है ।
- **रक्षा** उनकी **रणनीतिक साझेदारी** में एक **प्रमुख स्तंभ** बन गई है, जो **भारत-प्रशांत में समग्र शांति, सुरक्षा और समृद्धि** में योगदान दे रही है।

क्षेत्रीय प्रभाव
- **विदेश मंत्री** ने इस बात पर जोर दिया कि **द्विपक्षीय संबंध स्थिरता** और **सुरक्षा** के कारक के रूप में कार्य करते हुए क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव डालते हैं।
- बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच, साझेदारी का लक्ष्य **भारत-प्रशांत क्षेत्र** में नियमित स्थिरता सुनिश्चित करना है।

उच्च स्तरीय संलग्नताएँ:
- चालू वर्ष में दोनों प्रधानमंत्रियों की **पाँच बार बैठक** के साथ दोनों देशों के बीच लगातार उच्च-स्तरीय सहभागिताएँ हुई
- अपने चुनाव के बाद से ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा भारत की कुल **19 मंत्रिस्तरीय** यात्राएँ की गईं।

67.केंद्र के चुनिंदा तबादलों, नियुक्तियों के नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं: सुप्रीम कोर्ट- द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली, सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के मंत्रालयों और विभागों और राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कालेजियम

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने **उच्च न्यायालय** के न्यायाधीशों की चयनात्मक **नियुक्तियों और तबादलों** के माध्यम से **न्यायिक वरिष्ठता** में सरकार के हस्तक्षेप पर चिंता व्यक्त की है।

मुख्य बिंदु
- अदालत ने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयों से नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं, जिसमें नए न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण टालना या न्यायिक कार्य वापस लेना शामिल है।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय मामला
- पीठ ने **गुवाहाटी उच्च न्यायालय** में हाल की एक घटना का जिक्र किया जहां एक वरिष्ठ वकील का शपथ ग्रहण टाल दिया गया था।
- सरकार ने केवल **श्री गोस्वामी** को मंजूरी दी थी, जबकि **वकील एन उन्नी कृष्णन नायर** की नियुक्ति में देरी हुई थी।
- **कॉलेजियम** के रुख और उसके बाद की **सरकारी कार्रवाई** की अदालत ने सराहना की।

न्यायिक स्वतंत्रता और सरकार की सावधानी
- **सुप्रीम कोर्ट** ने पहले सरकार को **न्यायिक नियुक्तियों** के लिए **कॉलेजियम** की सिफारिशों को चुनिंदा तरीके से नजरअंदाज करने के खिलाफ आगाह किया था।

- इस बात पर जोर देते हुए कि इस तरह की कार्रवाइयों से **कॉलेजियम** की ओर से "**अरुचिकर**" प्रतिक्रिया का खतरा है।
- अदालत ने **उच्च न्यायालय** के **न्यायाधीशों की नियुक्ति** और **स्थानांतरण** दोनों में सरकार की **पिक एंड चूज़ नीति** के खिलाफ चेतावनी देते हुए इसे बड़ी चिंता का विषय बताया।

68. भारत के बिजली ग्रिडों को कोयला मुक्त बनाने हेतु अधिक वित्त की आवश्यकता- द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- G-20 शिखर सम्मेलन
- COP-28

समाचार:
- भारत अपने **हरित ऊर्जा परिवर्तन** के लिए **अंतर्राष्ट्रीय समुदाय** से पर्याप्त वित्त की मांग नहीं कर रहा है।
- दुबई में आगामी 28वें **संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP-28)** के **रोडमैप** की रूपरेखा पर एक सेमिनार में चर्चा हुई।

COP वार्ता में वित्त एक जटिल मामला
- **विकसित देशों** को अभी भी **विकासशील देशों** में **उत्सर्जन शमन** के लिए धन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धताओं को पूरा करना बाकी है।
- पर्यावरण संबंधी वादे **वर्ष 2030** तक **कार्बन उत्सर्जन** में आवश्यक **43% कटौती** से कम हैं, जिससे **1.5 डिग्री सेल्सियस** सुरक्षा चिह्न के उल्लंघन का जोखिम है।

भारत की हरित ऊर्जा प्रतिबद्धता और चुनौतियाँ
- भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक योगदान के रूप में **वर्ष 2030** तक लगभग **500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा** प्राप्त करने की प्रतिबद्धता रखता है।
- भारत ने पूरी तरह से **नवीकरणीय ऊर्जा** में बदलाव की चुनौतियों को पहचाना है, विशेष रूप से अ**साधारण परिस्थितियों** के दौरान मांग में बढ़ोतरी को संभालने के लिए 'चरम शक्ति' प्रदान करने में।

पीकिंग पावर के लिए कोयले पर निर्भरता
- यह स्वीकारोक्ति कि वर्तमान में केवल कोयला ही विश्वसनीय रूप से **'पीकिंग पावर'** की मांग को पूरा कर सकता है।
- यह सुनिश्चित करने में भारत को समर्थन देने के लिए **अंतर्राष्ट्रीय वित्त** की आवश्यकता पर जोर दिया गया कि उसका **इलेक्ट्रिक ग्रिड ब्लैकआउट** से बचने के लिए **नवीकरणीय ऊर्जा** के बड़े भार को संभाल सके।

भारत में मौजूदा ऊर्जा परिदृश्य
- वर्ष 2023 तक भारत ने **234 गीगावॉट** की अपनी अधिकतम मांग का **70% कोयले** से पूरा किया है।
- **अक्टूबर 2023** तक **भारत** की स्थापित क्षमता **425 गीगावॉट** है।

COP-28 में ग्लोबल स्टॉकटेक पर फोकस
- ऐसी आशंका है कि **COP-28** चर्चाएं वैश्विक स्तर पर **उत्सर्जन में कटौती** में वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन करते हुए **ग्लोबल स्टॉकटेक** पर काफी हद तक केंद्रित होंगी।
- **1.5 डिग्री सेल्सियस** की सीमा को तोड़ने से बचने के लिए देशों को अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित करने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया।

G-20 शिखर सम्मेलन प्रतिबद्धता और COP वार्ता
- वर्ष 2030 तक **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** को तीन गुना करने की **G-20 शिखर** सम्मेलन की प्रतिबद्धता का संदर्भ है।
- यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि यह प्रतिबद्धता **COP वार्ता** के अंतिम पाठ **में प्रतिबिंबित हो।**

69.आम चुनाव तक सब्सिडी से विकास को गति मिलेगी,चुनाव के बाद निजी निवेश में तेजी आएगी- द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे

प्रीलिम्स टेकअवे
- इंडिया आउटलुक रिपोर्ट

समाचार:
- भारत का **सब्सिडी** और **ग्रामीण रोजगार** गारंटी योजना पर खर्च हो रहा है
- संभवतः **सार्वजनिक पूंजीगत व्यय** की कीमत पर **लोकसभा चुनावों** से पहले उनके बढ़ने की उम्मीद है।
- **वर्ष 2024** के चुनाव के बाद **निजी निवेश** में फिर से उछाल आने की संभावना है।

भारतीय रिज़र्व बैंक का ब्याज दर अनुमान
- **गोल्डमैन सैश** के भारत **वर्ष 2024** आउटलुक से पता चलता है कि **भारतीय रिजर्व बैंक** दो चरणों में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है
  - वर्ष 2024 के अंत और वर्ष 2025 की शुरुआत में प्रत्येक **25 आधार अंकों** के साथ ।
- मुद्रास्फीति लगभग **5.1% पर** बनी रहने की उम्मीद है, जिससे **मौद्रिक सहजता** की गुंजाइश सीमित हो जाएगी।।

राजकोषीय नीति और बाधाएँ
- **राजकोषीय बाधाओं** के बावजूद, **सरकार को राजकोषीय घाटा** बढ़ने की उम्मीद नहीं है, जिससे **सार्वजनिक पूंजी व्यय** में संभावित गिरावट आएगी।
- **राजकोषीय बाधाओं** के बावजूद , सरकार को राजकोषीय घाटा बढ़ने की उम्मीद नहीं है, जिससे सार्वजनिक पूंजी व्यय में संभावित गिरावट आएगी।

भारत के लिए ग्रोथ आउटलुक
- **चालू वर्ष** में विकास दर **6.4%** से थोड़ी कम होकर **वर्ष 2024** में **6.3%** होने की उम्मीद है ।
- शुरुआती छमाही में **सब्सिडी** और **हस्तांतरण भुगतान उपभोग** तथा **विकास** के प्राथमिक चालक होने की उम्मीद है,
  - वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में आम चुनावों के साथ तालमेल बिठाना।
- चुनाव के बाद, विशेष रूप से **निजी क्षेत्र** से **निवेश वृद्धि** में फिर से तेजी आने की उम्मीद है।

जीडीपी वृद्धि अनुमान और सरकारी खर्च
- वर्ष 2023-24 में **6.2%** वास्तविक **जीडीपी वृद्धि** की उम्मीद, **वर्ष 2024-25** में बढ़कर **6.5%** हो जाएगी।
- वर्ष 2024 की **दूसरी तिमाही** में **आम चुनाव** से पहले, **सरकार ने ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों** के लिए आवंटन बढ़ा दिया है।
- नवंबर-दिसंबर में राज्य चुनावों से पहले **राज्य सरकारों** के **राजकोषीय परिव्यय** के साथ-साथ **केंद्र सरकार** की ओर से **रसोई गैस** के लिए **उच्च सब्सिडी** और **खाद्य सब्सिडी** कार्यक्रम के विस्तार का उल्लेख किया गया।

राजनीतिक अनिश्चितता और चुनाव प्रभाव
- वर्ष 2024 की **दूसरी तिमाही** में चुनाव नजदीक आने के साथ **राजनीतिक अनिश्चितता** बढ़ने की स्वीकृति है ।
- उल्लेखनीय तथ्य यह है कि **राजकोषीय उपाय** और **सब्सिडी आर्थिक** गतिशीलता को प्रभावित करने वाले संभावित कारकों के रूप में उजागर किए गए चुनाव चक्रों के अनुरूप हैं।

70.आदिवासी कार्यकर्ताओं ने एफआरए भूमि के लिए दिए गए मुआवजे को स्वीकार किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वन अधिकार अधिनियम (एफआरए), 2006

समाचार:

- आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता **अनुसूचित जनजाति** और **अन्य पारंपरिक वन निवासी** (वन अधिकारों की मान्यता) **अधिनियम 2006 (एफआरए)** के तहत नियमित की गई भूमि के लिए दिए गए मुआवजे पर संतुष्टि व्यक्त करते हैं।
  - यह **464 किलोमीटर लंबी भारतमाला सड़क परियोजना** के संबंध में है।

मुख्य बिंदु

- भारतमाला सड़क परियोजना विवरण

  यह **464 किलोमीटर** लंबा **एक्सप्रेसवे** है जो **ओडिशा** के **कोरापुट** और **नबरंगपुर** जिलों से गुजरता है।

भूमि अधिग्रहण और मुआवजा:

- **एक्सप्रेसवे** के लिए आवश्यक **एफआरए 2006** के तहत **आदिवासियों** के **पक्ष में भूमि का निपटारा** किया जाना आवश्यक है।
- राज्य सरकार ने **एफआरए-नामित भूमि** के मुआवजे के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए।
- वनभूमि परिवर्तन पर पिछले भ्रम को दूर करते हुए **एफआरए भूमि** के मुआवजे का स्वागत किया गया।

एफआरए कार्यान्वयन और अधिकार

- **एफआरए 2006** में कहा गया है कि **व्यक्तिगत वन अधिकार केवल विरासत** में मिल सकते हैं, बिक्री द्वारा हस्तांतरित नहीं।
- **वनभूमि अधिग्रहण** के **मुआवजे** पर **ओडिशा सरकार** द्वारा स्पष्टता प्रदान की गई।
- वन अधिकार धारक **वन भूमि अधिग्रहण** के मामले में मुआवजे के हकदार हैं।

चिंताएँ और स्पष्टीकरण

- **एफआरए-2006** के तहत **सामुदायिक वनभूमि** के अधिग्रहण में स्पष्टता ।
- अधिग्रहण के दौरान **एफआरए भूमि का मूल मुआवजा निजी भूमि से कम पाया** गया।

क्षेत्रीय तुलना

- **वन** भूमि **डायवर्जन** में ओडिशा **13,304.79 हेक्टेयर** के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि **मध्य प्रदेश 19,730.36 हेक्टेयर** के **उच्चतम डायवर्जन** के साथ दूसरे स्थान पर है।

71.दाता युग्मकों का उपयोग करके सरोगेसी को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है: उच्च न्यायालय - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

समाचार:

- **कर्नाटक उच्च न्यायालय** ने **12 जोड़ों** को **दाता मादा युग्मकों** के साथ **सरोगेसी** से गुजरने की अनुमति दी है ।
- इसने **सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021** और **नियमों** द्वारा पेश किए गए **सहमति फॉर्म** में एक खंड को चुनौती दी है ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021

सरोगेसी विनियमों के साथ विरोधाभास

- अदालत ने नोट किया कि **14 मार्च, 2023** को **संशोधित फॉर्म नंबर-2 का खंड (1)(D)**, दाता युग्मकों के माध्यम से सरोगेसी की अनुमति नहीं देना, **सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम** और **नियमों** के विपरीत है।
- इस बात पर जोर दिया गया है कि कोई भी फॉर्म कानून को खत्म नहीं कर सकता है और इसकी अनुमति देना अनावश्यकता को बढ़ाता है

संशोधन पर न्यायिक अवलोकन

- हालांकि कोर्ट ने **फॉर्म नंबर-2 के क्लॉज** को पूरी तरह से कानून के विपरीत पाया है, लेकिन शीर्ष अदालत में विचाराधीन होने के कारण वह **संशोधन को अवैध घोषित** करने से बच रही है।

संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाएँ

- 14 मार्च, 2023 को **फॉर्म-2** में संशोधन की वैधता पर सवाल उठाते हुए **तेरह जोड़ों** ने याचिकाएं दायर कीं और **दाता मादा युग्मकों** के साथ **सरोगेसी** की अनुमति मांगी।

न्यायालय का निर्णय और प्राधिकारियों की भूमिका

- अदालत का नियम है कि अधिकारी **दाता युग्मकों** का उपयोग करने के खिलाफ **याचिकाकर्ताओं** पर जोर नहीं दे सकते या निर्देश नहीं दे सकते।
- प्राधिकारियों **से याचिकाकर्ताओं** के आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई करने और अन्य सभी शर्तें पूरी होने पर **पात्रता प्रमाण पत्र** जारी करने का आग्रह किया गया है।

72. सुप्रीम कोर्ट ने सीसीआई से गोद लेने के लिए बच्चों की पहचान करने हेतु सहयोगात्मक प्रयासों का आह्वान किया-द हिंदू

प्रासंगिकता: प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट अयोग्य** या अनुपस्थित माता-पिता वाले बच्चों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, **चाइल्ड केयर संस्थानों (CCI)** से बच्चों की पहचान करने और **उन्हें गोद लेने** वाले **पूल में लाने की आवश्यकता** पर जोर देता है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- बाल देखभाल संस्थानों (CCI)
- केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA)

अयोग्य अभिभावक की परिभाषा

- अदालत **"अयोग्य अभिभावक"** को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करती है जो **पालन-पोषण** करने में असमर्थ या अनिच्छुक है,
  - इसमें मादक द्रव्यों का सेवन, शराब का दुरुपयोग, बच्चों की उपेक्षा, आपराधिक रिकॉर्ड, देखभाल की आवश्यकता, मानसिक रूप से अस्वस्थता आदि शामिल थे।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) द्वारा उठाई गई चिंताएँ

- सीसीआई में कई बच्चों के पास निर्धारित कानूनी स्थिति का अभाव है।
- अदालत ने **सीएआरए** के इस निष्कर्ष पर गौर किया कि बच्चे स्पष्ट कानूनी स्थिति के बिना एक साल से अधिक समय से **सीसीआई** में हैं।

न्यायालय के निर्देश

- यह जिलावार **सीसीआई** में **अयोग्य या अनुपस्थित माता-पिता** वाले बच्चों की पहचान करने का आदेश देता है।
- इसमें ऐसे बच्चों को गोद लेने वाले पूल में लाने के लिए **जिला पदाधिकारियों द्वारा सहयोगात्मक प्रयासों** का आह्वान किया गया है।

डेटा संकलन और रिपोर्टिंग

- न्यायालय ने **राज्यों** और **केंद्र शासित प्रदेशों** को संभावित गोद लेने योग्य बच्चों, विशेषकर **सीसीआई** में मौजूद बच्चों पर **डेटा संकलित** करने का निर्देश दिया।
- यह सभी **OAS बच्चों** को **CARINGS पोर्टल** पर **पंजीकृत** करने के महत्व पर जोर देता है।

बच्चों और भावी दत्तक माता-पिता (PAPs) के बीच विसंगति

- **न्यायालय** ने गोद लेने के लिए उपलब्ध बच्चों और **पंजीकृत PAPs** के बीच एक महत्वपूर्ण बेमेल को उजागर किया, जिससे देरी हो रही है।

गोद लेने की प्रक्रिया में चुनौतियाँ

- देश के **760 जिलों** में से केवल **390** में **विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियां** हैं।
- इसमें **दो वर्ष की आयु तक के बच्चों** के लिए **PAPs** की **प्राथमिकता** पर चर्चा की गई है, जिससे गोद लेने की प्रक्रिया में देरी हो रही है।

73.मंत्रालय ने राज्यों से SATHEE पोर्टल के उपयोग को प्रोत्साहित करने को कहा -द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **शिक्षा मंत्रालय (MoE)** के अधिकारियों ने **21 नवंबर** को कहा कि वे उम्मीदवारों को परीक्षा की तैयारी के लिए नए लॉन्च किए गए **पोर्टल SATHEE (सेल्फ असेसमेंट टेस्ट और प्रवेश परीक्षाओं के लिए सहायता)** का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्यों को लिखेंगे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- SATHEE

मुख्य बिंदु

- ऑनलाइन कोचिंग प्लेटफॉर्म **MoE और IIT-कानपुर** द्वारा लॉन्च किया गया है।
- SATHEE एक **खुला शिक्षण मंच** है जो छात्रों के लिए **बिना किसी शुल्क** के उपलब्ध है।
- **SATHEE ने उम्मीदवारों** के लिए उनकी **तैयारी के स्तर का परीक्षण** करने के लिए **45-दिवसीय क्रैश कोर्स** शुरू किया है।
- **पोर्टल छात्रों** के साथ बातचीत करने के लिए **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)** का उपयोग करता है, और इसे **प्रत्येक छात्र** की सीखने की गति के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है।
- यह पहल **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य देश के **दूरदराज के हिस्सों** में भी समावेशी **उच्च गुणवत्ता** वाली शिक्षा प्रदान करना है।
- पैन इंडिया **मॉक टेस्ट** हर सप्ताहांत आयोजित किए जाते हैं, जेईई आयोजित करने के लिए **राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए)** द्वारा उसी रूप और स्वरूप को अपनाया जाता है।
- वर्तमान में, डिजिटल शिक्षण सामग्री **SATHEE पोर्टल** पर चार भाषाओं **अंग्रेजी, हिंदी, ओडिया और तेलुगु** में उपलब्ध है।

74.एक साथ चुनाव से देश को मदद मिलेगी: पूर्व राष्ट्रपति -द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- वन नेशन वन इलेक्शन

- **पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद**, जो **एक साथ चुनाव कराने** के विचार की जांच करने वाली **उच्च स्तरीय समिति के प्रमुख** हैं
- **केंद्र सरकार** ने इस बात पर जोर दिया है कि **केंद्र और राज्य स्तर** पर एक साथ चुनाव होना राष्ट्रीय हित में है
- एक साथ चुनाव कराने से जनता को फायदा होगा क्योंकि इससे जो **राजस्व बचेगा** उसका उपयोग विकास कार्यों में किया जाएगा
- **लॉ पैनल** एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था पर काम कर रहा है
- देश की **मौजूदा चुनावी व्यवस्था** में **पांच साल** के अंतराल में **लोकसभा** और **राज्य विधानसभाओं** के लिए अलग-अलग चुनाव होते हैं
- परिणामस्वरूप चुनाव कराने का विशाल कार्य वर्ष भर चलता रहता है।
- **वन नेशन वन इलेक्शन** का प्रस्ताव है कि **पांच साल** के **अंतराल** में **सभी राज्यों** और **लोकसभा** में एक साथ चुनाव कराए जाएं।
- इसमें **भारतीय चुनाव चक्र** का पुनर्गठन इस तरीके से किया जाएगा कि **राज्यों और केंद्र** के चुनाव एक साथ हो जाएं।

पृष्ठभूमि

- भारत में इससे पहले **वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967** में एक साथ चुनाव कराए जा चुके हैं।
- **वर्ष 1968 -69** के बीच कुछ **विधान सभाओं** के विघटन के बाद इस मानदंड को बंद कर दिया गया ।
- तब से भारतीय चुनाव प्रणाली **केंद्र और राज्यों** के लिए अलग-अलग चुनाव कराती है।

75.ब्रिटेन ने सिकल सेल एनीमिया हेतु जीन थेरेपी को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- सिकल सेल एनीमिया
- CRISPR
- CAR-T

- संयुक्त राज्य अमेरिका की **विक्टोरिया ग्रे क्रांतिकारी जीन-संपादन चिकित्सा** से ठीक होने वाली दुनिया की पहली **सिकल सेल एनीमिया (SCA)** रोगी हैं।
- **ग्रे ने 2017** में **कैसगेवी दवा** के लिए क्लिनिकल परीक्षण किया, जो **नवीन जीन-संपादन** उपकरण **CRISPR-Cas9 (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट और संबंधित प्रोटीन 9)** का उपयोग करता है।

सिकल सेल एनीमिया (SCA) क्या है?

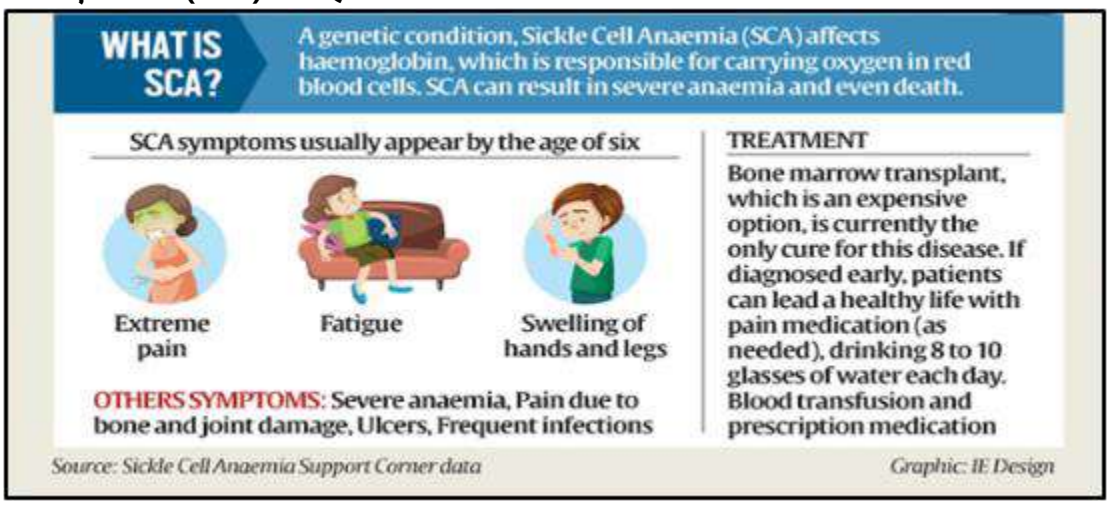

- आनुवंशिक रोग **SCA हीमोग्लोबिन** ले जाने वाले जीन में उत्परिवर्तन से उत्पन्न होता है, जिससे **लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचंद्राकार** आकार धारण कर लेती हैं।
- यह संभावित रूप से रक्त प्रवाह में बाधा डालता है और गंभीर दर्द, अंग क्षति, स्ट्रोक और अन्य जटिलताओं को जन्म देता है।
- विश्व स्तर पर, इस बीमारी का वर्तमान उपचार **अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण** तक ही सीमित है (जो एक करीबी मिलान दाता से आना चाहिए और अस्वीकृति का जोखिम रखता है)।

SCA के लिए अग्रणी जीन थेरेपी कैसे काम करती है?

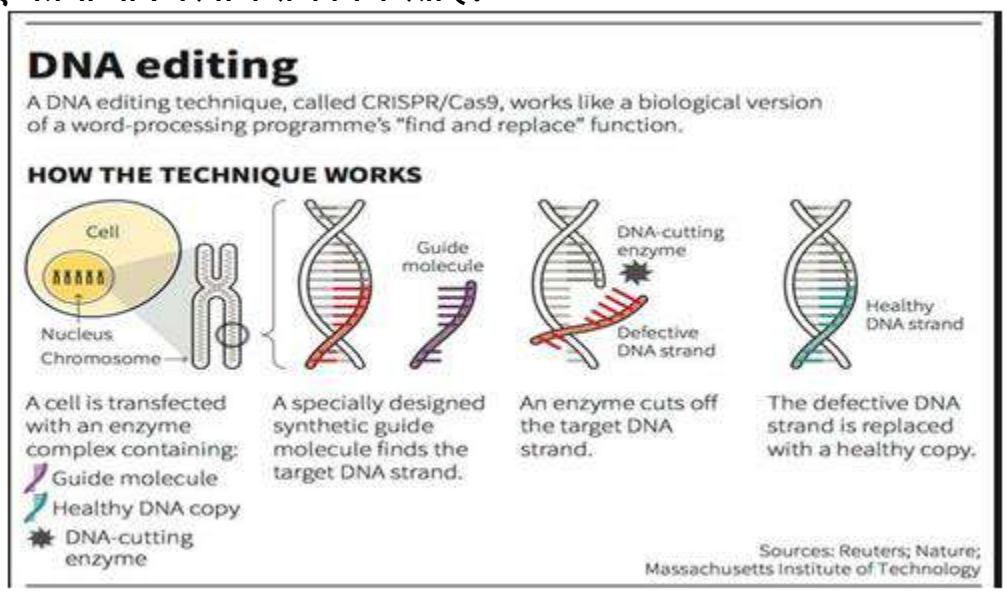

- **CRISPR-Cas9 तकनीक** में मूल रूप से **रोगी** के **डीएनए को संशोधित** करना, विशेष रूप से दोषपूर्ण **हीमोग्लोबिन जीन** को लक्षित करना और उसे स्वस्थ जीन से बदलना शामिल है।
- ऐसा करने के लिए, **स्टेम कोशिकाओं** को **अस्थि मज्जा** से बाहर निकाला जाता है, एक प्रयोगशाला में संपादित किया जाता है और फिर रोगी में वापस डाला जाता है।
- यह **सामान्य हीमोग्लोबिन फ़ंक्शन** को पुनर्स्थापित करता है जो जीवन भर के लिए संभावित इलाज की पेशकश करता है।
- लगभग 29 रोगियों को उपचार दिया गया (ग्रे के साथ), जिनमें से 28 को कोई दर्द नहीं है और स्थायी इलाज के लिए उनका अनुसरण किया जाएगा।
  - यह **थेरेपी ट्रांसफ्यूजन-डिपेंडेंट ß-थैलेसीमिया** से पीड़ित मरीजों के लिए भी काम करती है।
- हाल ही में, यूके ने **कैसजेवी नामक थेरेपी** को मंजूरी दे दी (ऐसा करने वाला पहला देश बन गया) क्योंकि यह एकमात्र स्थायी, अभिनव और अपनी तरह का पहला **जीन-संपादन** उपचार विकल्प है।

भारत के लिए SCA के लिए इस अग्रणी जीन थेरेपी का महत्व:

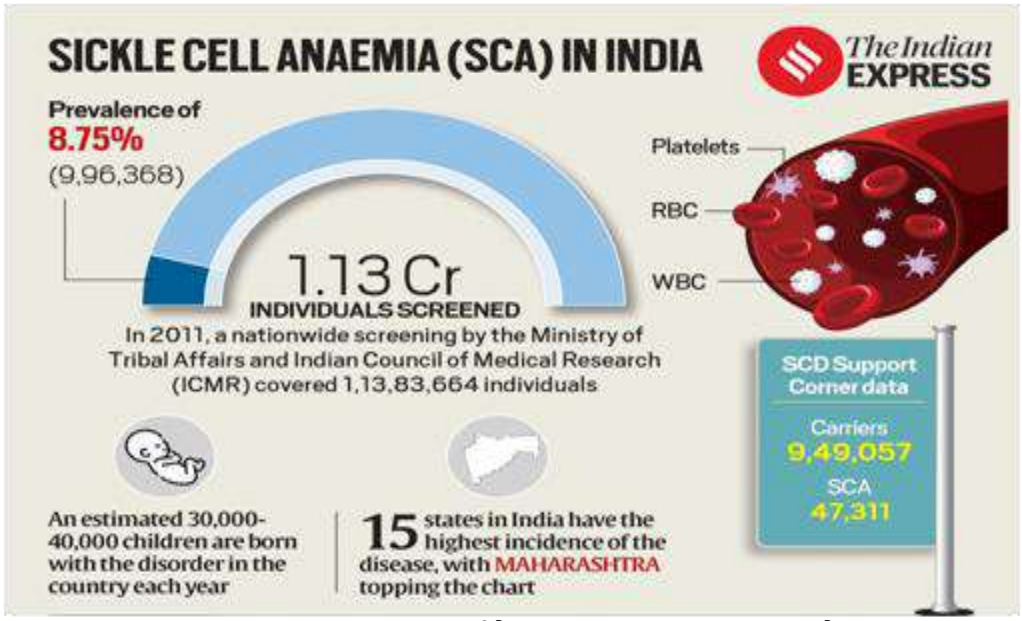

- यह सफलता भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां अफ्रीकी देशों के बाद वैश्विक स्तर पर SCA का दूसरा सबसे बड़ा रोग है।
- एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल **30,000-40,000** बच्चे इस विकार के साथ पैदा होते हैं।
- वर्ष 2019 में, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)** द्वारा एक **राष्ट्रव्यापी स्क्रीनिंग** में **स्क्रीनिंग** किए गए लोगों में से **8.75%** में यह बीमारी प्रचलित पाई गई।
- नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि **अनुसूचित जनजाति (ST)** आबादी में **86 जन्मों** में से एक SCA से प्रभावित होता है, जिसकी दर मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी भारत में अधिक है।
- अपनी **वर्ष 2023-24** की बजट प्रस्तुति में, **भारत के वित्त मंत्री** ने कहा था कि सरकार का लक्ष्य **वर्ष 2047** तक इस बीमारी को खत्म करना है।

SCA के लिए जीन थेरेपी और आगे की राह के संबंध में चिंताएं:

- जबकि वर्टेक्स और **CRISPR थेरेप्यूटिक्स (निर्माताओं)** ने अभी तक यूके में **जीन-संपादन थेरेपी** के लिए कीमत निर्धारित नहीं की है, फिलहाल भारत में इसकी कीमत **1 करोड़ रुपये** से अधिक होने की उम्मीद है, जो संभावित रूप से पहुंच को सीमित कर सकती है।
- हालाँकि, **सरकारी हस्तक्षेप और सब्सिडी** , **क्राउडफंडिंग** और **परोपकार** के साथ, इलाज तक पहुंच को सक्षम कर सकती है।

- यूके की मंजूरी **भारतीय शोधकर्ताओं** को **CRISPR** की अपनी खुद की **नवीन चिकित्सा विकसित** करने के लिए प्रेरित करेगी, जैसा कि उन्होंने रक्त कैंसर के लिए **CAR-T** के साथ किया था, जिससे अंततः इलाज अधिक किफायती हो जाएगा।

76.इज़राइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया-द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

- इज़राइल ने **26/11 मुंबई हमलों** की **स्मृति के 15वें वर्ष** के प्रतीक के रूप में **लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी)** को एक आ**तंकवादी संगठन** के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- यह सूची भारत के अनुरोध के बिना, इज़राइल द्वारा स्वयं ही की गई है।

इस कदम के पीछे तर्क

- **आतंक के विरुद्ध वैश्विक युद्ध को समर्थन**
  - इज़राइल केवल आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध करता है
    - जो इसकी सीमाओं के भीतर या आसपास से इसके खिलाफ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं
    - जिन्हें **UNSC** या **अमेरिकी विदेश विभाग** द्वारा विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।
  - **लश्कर-ए-तैयबा संगठन** की त्वरित और असाधारण सूची आतंकवाद से लड़ने में एकीकृत वैश्विक मोर्चे के महत्व पर प्रकाश डालती है।
  - इजराइल के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध पर भारत के रुख की भी पुष्टि हुई।
- **हमास को अलग-थलग करने के इज़राइल के वैश्विक राजनयिक अभियान का हिस्सा**
  - इजराइल का यह कदम ऐसे समय में आया है जब उसने **भारत** से हमास को **आतंकवादी संगठन** घोषित करने के लिए कहा है।
  - विशेषज्ञ इस कदम को हमास को अलग-थलग करने के **इजराइल के वैश्विक कूटनीतिक अभियान** के एक हिस्से के रूप में देख रहे हैं
  - यह इज़राइल के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह गाजा में अपने अभियान के लिए **अंतरराष्ट्रीय समर्थन** जुटाना चाहता है, जहां बड़ी संख्या में बच्चों सहित **फिलिस्तीनी नागरिकों** की मौत और पीड़ा के लिए कठोर आलोचना की जा रही है।
  - विश्व में केवल कुछ ही **न्यायक्षेत्र** वर्तमान में **हमास** को **आतंकवादी संगठन** के रूप में नामित किया जाता है।

वर्तमान में कौन से देश हमास को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करते हैं?

- **इज़राइल** के अलावा, **यूरोपीय संघ (EU)** सहित निम्नलिखित छह देश हमास को एक **आतंकवादी संगठन** मानते हैं।
  - **यूरोपीय संघ** : अमेरिका में **11 सितंबर, 2001** के हमलों के बाद आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया के तहत **यूरोपीय संघ** ने पहली बार **वर्ष 2001** में हमास को एक **आतंकवादी संगठन** के रूप में सूचीबद्ध किया था।
  - **ऑस्ट्रेलिया** : **वर्ष 2001** से, ऑस्ट्रेलिया ने **वित्तीय प्रतिबंधों** के लिए हमास को पूरी तरह से एक आतंकवादी इकाई के रूप में सूचीबद्ध किया है।
  - **कनाडा:** कनाडाई सरकार हमास को **"कट्टरपंथी इस्लामवादी-राष्ट्रवादी आतंकवादी संगठन"** के रूप में वर्णित करती है, इसे पहली बार वर्ष 2002 में सूचीबद्ध किया गया था।
  - **यूनाइटेड किंगडम** : शुरुआत में **यूके सरकार** ने वर्ष 2001 में हमास की सैन्य शाखा पर प्रतिबंध लगा दिया था लेकिन वर्ष 2021 में इसे पूरे हमास पर लागू कर दिया गया।
  - **जापान:** अक्टूबर, 2023 में हमास के हमलों के बाद जापान ने अन्य उपायों के साथ-साथ हमास को आतंकवादियों और अन्य लोगों के लिए जापान की संपत्ति जब्त करने के अधीन घोषित कर दिया।
  - **पैराग्वे:** वर्ष 2019 में, पराग्वे हमास को आधिकारिक तौर पर **आतंकवादी संगठन** के रूप में मान्यता देने वाला पहला दक्षिण अमेरिकी देश बन गया।

- **संयुक्त राज्य अमेरिका** : अमेरिकी सरकार ने अक्टूबर 1997 में **हमास** और **दो अन्य फिलिस्तीनी** समूहों, **फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (PIJ**) और **पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन (PFLP)** को विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया।
  - इन समूहों को अक्टूबर 2001 में विशेष रूप से नामित **वैश्विक आतंकवादियों (SDGTs)** के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया था।

आतंकवादी संगठन के रूप में पदनाम से तात्पर्य -

- सरकार विशिष्ट राष्ट्रीय कानूनों के तहत एक आतंकवादी संगठन को नामित करती है।
  - जैसे. - अमेरिका में आप्रवासन और राष्ट्रीयता अधिनियम, **1952 की धारा 219** (जो राज्य सचिव को **विदेशी आतंकवादी संगठनों (FTOs)** को नामित करने की अनुमति देती है)
  - भारत में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967
- पदनाम विशिष्ट मानदंडों के आधार पर किया जाता है और इसमें कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते हैं, जिसमें संपत्तियों को जब्त करना और नामित संगठन की संपत्तियों का अधिग्रहण शामिल है।

77.COP28 से पहले जलवायु वित्त के बारे में OECD रिपोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार

- **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)** ने हाल ही में **वर्ष '2013-2021** में विकसित देशों द्वारा प्रदान किया गया और जुटाया गया **जलवायु वित्त'** शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है।

OECD द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएं:

- **आर्थिक रूप से विकसित देश अपने वादों से पीछे रह गये -**
  - रिपोर्ट से पता चला है कि आर्थिक रूप से विकसित देश **वर्ष 2020** की समय सीमा से एक साल पहले **वर्ष 2021 में विकासशील देशों** की **जलवायु शमन** और **अनुकूलन** आवश्यकताओं के लिए संयुक्त रूप से **प्रति वर्ष 100 बिलियन डॉलर** जुटाने के अपने वादे से पीछे रह गए।
  - रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों ने **वर्ष 2021 में 89.6 बिलियन डॉलर जुटाए** और **वर्ष 2020** की तुलना में **वर्ष 2021** में अनुकूलन के लिए **वित्त में 14%** की गिरावट आई।
  - पर्याप्त जलवायु वित्त जुटाने में विफलता से विकासशील देशों में जलवायु **शमन** और **अनुकूलन** आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता कम हो जाती है।
  - इससे दुनिया के गरीब देशों के बीच यह भरोसा भी कम हो गया है कि विकसित दुनिया जलवायु संकट से निपटने के प्रति गंभीर है।
- **ऋण के रूप में जलवायु वित्त उपलब्ध कराया जा रहा है**
  - ओईसीडी रिपोर्ट से पता चला है कि **वर्ष 2021** में सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा **द्विपक्षीय** और **बहुपक्षीय** चैनलों के माध्यम से जुटाए गए **73.1 बिलियन डॉलर** में से **49.6 बिलियन डॉलर ऋण** के रूप में प्रदान किए गए थे।
  - यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि अमीर देश अपने **जलवायु वित्त दायित्वों** को पूरा करने के लिए किस हद तक **वाणिज्यिक दरों** पर ऋण पर निर्भर हैं।
  - उदाहरण के लिए, **वर्ष 2011** और **वर्ष 2020** के बीच **वैश्विक जलवायु वित्त प्रवाह** के एक शोध समूह द्वारा किए गए आकलन में पाया गया कि **61% जलवायु वित्त ऋण** के रूप में प्रदान किया गया था।
- **'अतिरिक्तता' का मुद्दा**
  - ओईसीडी रिपोर्ट में एक अन्य मुद्दा अतिरिक्तता से संबंधित है।
  - UNFCCC का कहना है कि विकसित देश "सम्मेलन के तहत अपने दायित्वों के अनुपालन में विकासशील देशों की पार्टियों द्वारा किए गए सहमत पूर्ण लागत को पूरा करने के लिए नए और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन प्रदान करेंगे"।

- इसका मतलब है कि **विकसित देश जलवायु आवश्यकताओं** के **वित्तपोषण** के लिए **विदेशी विकास सहायता (ODA)** में कटौती नहीं कर सकते हैं ।
- वास्तविक दुनिया में, **सौर पैनल** स्थापित करने, कहने के लिए उस धन को पुनः आवंटित करने के लिए यह स्वास्थ्य देखभाल के लिए समर्थन में कटौती कर सकता है।
- **"नए** और **अतिरिक्त वित्त"** का मतलब यह भी है कि विकसित देश दोहरी गिनती नहीं कर सकते।

- **'जलवायु वित्त' की सार्वभौमिक परिभाषा का अभाव**
  - वर्तमान में, **'जलवायु वित्त'** की कोई आम सहमति वाली परिभाषा नहीं है क्योंकि विकसित देशों ने इसे अस्पष्ट रखने के लिए बार-बार प्रयास किया है।
  - कथित तौर पर निश्चित स्पष्टता की कमी के कारण एशिया में **चॉकलेट और जिलेटो स्टोरों** के लिए फंडिंग और हैती में एक तटीय होटल विस्तार को जलवायु वित्त के रूप में टैग किए जाने जैसी अजीब स्थितियाँ पैदा हुई हैं।
  - अस्पष्टता अमीर देशों के पक्ष में काम करती है क्योंकि यह **ओडीए** और **उच्च लागत** वाले ऋणों सहित किसी भी **फंडिंग** को **जलवायु वित्त** के रूप में मनमाने ढंग से वर्गीकृत करने के लिए दरवाजा खुला छोड़ देती है और एक स्पष्ट परिभाषा के कारण होने वाली जांच से बच जाती है।
- **विकासशील देशों को कितनी चाहिए?**
  - ओईसीडी रिपोर्ट में कहा गया है कि **वर्ष 2025** तक, विकासशील देशों को जलवायु निवेश में प्रति वर्ष लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता होने का अनुमान है, जो **वर्ष 2026** और **वर्ष 2030** के बीच हर साल लगभग **2.4 ट्रिलियन डॉलर** तक बढ़ जाएगा।
  - इसकी तुलना में **$100 बिलियन** का लक्ष्य बहुत छोटा है, इस तथ्य के कारण यह और भी बौना हो गया है कि यह अभी भी पूरा नहीं हुआ है।
- **निजी क्षेत्र की भूमिका:**
  - चुनौती के पैमाने को पूरा करने के लिए **अमेरिकी जलवायु दूत जॉन केरी** और **विश्व बैंक** के **अध्यक्ष अजय बंगा** जैसे लोगों ने नियमित रूप से निजी क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया है।
  - ओईसीडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु कार्रवाई के लिए निजी वित्तपोषण एक दशक से स्थिर है।
  - जलवायु अनुकूलन के लिए समस्या विशेष रूप से बदतर है क्योंकि इस क्षेत्र में निवेश उस प्रकार का उच्च रिटर्न उत्पन्न नहीं कर सकता है जो निजी निवेशक चाहते हैं।
  - अभी तक ऐसे संकेत भी नहीं मिले हैं कि निजी क्षेत्र अपने जलवायु निवेश को बड़े पैमाने पर बढ़ाने में रुचि रखता है।

78.सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के दौरान मुफ्त सुविधाएं देने वाली पार्टियों के खिलाफ याचिका पर सुनवाई शुरू की - द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

समाचार:

- हाल ही में **सुप्रीम कोर्ट** ने चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए **राजनीतिक दलों** द्वारा दी जाने वाली **अतार्किक मुफ्त सुविधाओं** की **न्यायिक घोषणा** की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम.

मुख्य बिंदु

- याचिका में अदालत से कहा गया है कि मुफ्तखोरी को **"भ्रष्ट आचरण"** माना जाना चाहिए।
- अदालत ने उन पार्टियों के बारे में अपनी चिंता स्पष्ट कर दी है, जो चुनाव पूर्व **"मुफ़्त उपहार"** के वादों से पैदा हुई लहर पर सवार होकर सरकार बना रही हैं, जिससे राज्य की **वित्तीय स्थिति ख़राब** हो रही है।

अमेरिकी अदालत का फैसला:

- **अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट** का एक फैसला है जो कहता है कि **सार्वजनिक धन** का उपयोग **निजी संपत्ति** बनाने के लिए नहीं किया जा सकता है
- सुनवाई ने एस सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु मामले में अपने **वर्ष 2013** के फैसले से अदालत के रुख में बदलाव का संकेत दिया।
- इस फैसले में **सुप्रीम कोर्ट** की खंडपीठ ने कहा था कि चुनावी घोषणापत्र में वादे करना **जन प्रतिनिधित्व अधिनियम** की **धारा 123** के तहत **'भ्रष्ट आचरण'** नहीं है।

फ्रीबी

- **भारतीय रिज़र्व बैंक** की **वर्ष 2022** की रिपोर्ट में **मुफ्त सुविधाओं** को एक **लोक कल्याण** उपाय के रूप में परिभाषित किया गया है जो निःशुल्क प्रदान किया जाता है।
- इसमें कहा गया है कि **मुफ्त वस्तुएं स्वास्थ्य** और **शिक्षा** जैसे **सार्वजनिक/योग्यता** वाले सामानों से अलग हैं, जिन पर व्यय के **व्यापक** और **दीर्घकालिक लाभ** होते हैं।

79. सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून को बरकरार रखने वाले फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत है या नहीं - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे ।

समाचार:

- सुप्रीम कोर्ट की पीठ यह आकलन करने में अपनी भूमिका पर जोर देती है कि क्या मामले पर बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार की आवश्यकता है।
    - यह **धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA)** पर **वर्ष 2022** के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में था।

प्रीलिम्स टेकअवे

- धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA)

सीमित कार्य क्षेत्र

- अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य योग्यता तय करना नहीं है, बल्कि यह निर्धारित करना है कि क्या बड़ी पीठ द्वारा पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है।

केंद्र की आपत्ति

- केंद्र को अदालत द्वारा इस मामले को उठाने पर आपत्ति है जबकि **वर्ष 2022** के फैसले की समीक्षा याचिकाएं लंबित हैं।

पृष्ठभूमि

- **PMLA** वर्ष 2002 में अधिनियमित किया गया था और यह **वर्ष 2005** में लागू हुआ था।
- इस कानून का मुख्य उद्देश्य **मनी लॉन्ड्रिंग** यानी **काले धन** को सफेद करने की प्रक्रिया से लड़ना है।
- यह अधिनियम **सरकारी अधिकारियों** को **अवैध स्रोतों** और **मनी लॉन्ड्रिंग** के माध्यम से अर्जित संपत्ति और/या संपत्तियों को जब्त करने में सक्षम बनाता है।
- **PMLA** के तहत, सबूत का भार अभियुक्त पर होता है, जिसे यह साबित करना होता है कि संदिग्ध **संपत्ति/परिसंपत्तियाँ** अपराध की आय के माध्यम से प्राप्त नहीं की गई है।

PMLA उद्देश्य

- **अवैध गतिविधियों** और **आर्थिक अपराधों** में धन के प्रवाह का मुकाबला करना।
- **मनी लॉन्ड्रिंग** से प्राप्त या उसमें शामिल **संपत्ति को जब्त** करने का प्रावधान।
- मनी लॉन्ड्रिंग से प्राप्त या उसमें शामिल **संपत्ति को जब्त करने** का प्रावधान ।

80.बिहार कैबिनेट ने राज्य के लिए विशेष दर्जे की मांग वाले प्रस्ताव को मंजूरी दी - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली, सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के मंत्रालयों और विभागों और राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बिहार को विशेष राज्य का दर्जा

समाचार:
- मुख्यमंत्री ने कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर **बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा** देने का आग्रह किया.

मुख्य बिंदु

राज्य योजनाओं के लिए वित्तीय आवश्यकताएँ
- जनता की खुशहाली के लिए **राज्य सरकार** की योजनाओं को लागू करने के लिए **लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये** की आवश्यकता होगी।
- प्रस्तावित कार्यों को पूरा करने के लिए **पांच साल** का लक्ष्य इस उम्मीद के साथ निर्धारित किया गया है कि विशेष दर्जे से प्रक्रिया में तेजी आएगी।

मांग का ऐतिहासिक संदर्भ
- तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने की मांग के जवाब में **रघुराम राजन समिति** का गठन किया गया था।

जाति आधारित सर्वेक्षण और आरक्षण में वृद्धि:
- बिहार में किए गए जाति आधारित सर्वेक्षण और उसके बाद **सामाजिक, आर्थिक** और **शैक्षणिक स्थिति** के आंकड़ों के आधार पर **आरक्षण में वृद्धि** का विवरण।
- **सामान्य श्रेणी में आर्थिक रूप** से कमजोर व्यक्तियों के लिए **अतिरिक्त 10%** के साथ **आरक्षण सीमा** को बढ़ाकर **65%** कर दिया गया है, जिससे कुल **आरक्षण सीमा 75%** हो गई है।

सर्वेक्षण डेटा के आधार पर सरकारी पहल
- यह बिहार में सभी श्रेणियों में **94 लाख गरीब** परिवारों का खुलासा करने वाले **सर्वेक्षण डेटा** को स्वीकार करता है।
- इनमें से प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को रोजगार के लिए **किश्तों में ₹2 लाख** तक प्रदान करने की योजना है।
- इसने **बेघर** और **भूमिहीन परिवारों** के लिए **वित्तीय सहायता** बढ़ाई, भूमि खरीद की सीमा बढ़ाई और घर निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया।

81.IMF, FSB, FATF और क्रिप्टो परिसंपत्तियों रोडमैप हेतु G-20 देशों और अन्य को अपडेट करेंगे: वित्त मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
- वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB)
- क्रिप्टो करेंसी

समाचार:
- हाल ही में, वित्त मंत्री ने खुलासा किया कि **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)**, **वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB)** और **वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) क्रिप्टो परिसंपत्तियों** के लिए **G-20 रोडमैप** को लागू करने की प्रगति पर **G- 20 सदस्य देशों** और **अन्य को नियमित अद्यतन** प्रदान करेंगे।

मुख्य बिंदु

1. **G-20 रोडमैप को अपनाना**
   - G-20 ने औपचारिक रूप से **क्रिप्टो परिसंपत्तियों** के लिए रोडमैप अपनाया है।
   - **भारतीय राष्ट्रपति** रोडमैप के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए **ब्राजीलियाई राष्ट्रपति** के साथ सहयोग करेंगे।
2. **समयरेखा और अद्यतन**
   - **रोडमैप** को लागू करने के लिए देशों के लिए कोई **विशिष्ट समयसीमा** स्थापित नहीं की गई है।
   - **IMF, FSB और FATF** को **G-20 रोडमैप** को लागू करने की प्रगति पर **G-20** को **नियमित अद्यतन** प्रदान करने के लिए बाध्य किया गया है ।

3. **वैश्विक समन्वय**
   - चर्चा में क्रिप्टो परिसंपत्तियों को नियंत्रित करने में खामियों को रोकने के लिए FSB सदस्यों सहित सभी देशों में प्रभावी तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया गया।
   - प्रारंभिक चरण में राष्ट्रों के लिए अपने विधायी ढांचे को विकसित करने के लिए एक टेम्पलेट तैयार करना शामिल होगा।
4. **G-20 वित्त ट्रैक मुद्दे**
   - वर्ष भर चर्चा किए गए **पांच मुख्य** एजेंडा बिंदुओं को **G-20 सदस्यों** द्वारा दोहराया गया और उनका स्वागत किया गया।
   - बहुपक्षीय **विकास बैंकों** को बढ़ाने और नवीन वित्त जैसे क्षेत्रों में सहयोग तलाशने पर चर्चा हुई।
   - भारत ने **डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे** के लिए **सात देशों** के साथ **समझौता ज्ञापन** पर **हस्ताक्षर** किए हैं।
     - इनमें एंटीगुआ और बारबुडा, आर्मेनिया, सिएरा लियोन, सूरीनाम, पापुआ न्यू गिनी, तंजानिया और त्रिनिदाद और टोबैगो शामिल हैं।
   - **एमओयू** में **डिजिटल समाधानों** के लिए **सहयोग** और **व्यापारी प्रतिष्ठानों** में **UPI QR** की सीमा पार स्वीकृति को आगे बढ़ाना शामिल है।
   - प्रधान मंत्री ने **डीपीआई** के प्रसार के लिए एक **वैश्विक सामाजिक प्रभाव कोष** का प्रस्ताव रखा, जिसमें भारत का प्रारंभिक योगदान **$25 मिलियन** निर्धारित किया गया।
5. **IMF और FSB नीति पत्र**
   - सितंबर में, **IMF और FSB** ने **क्रिप्टो परिसंपत्तियों** पर **पूर्ण प्रतिबंध** के खिलाफ एक नीति पत्र जारी किया।
   - उन्होंने **क्रिप्टो परिसंपत्ति प्लेटफार्मों** के लिए एक **लाइसेंसिंग व्यवस्था** लागू करने की सिफारिश की, जो **एंटी मनी लॉन्ड्रिंग** और **काउंटर आतंकवादी वित्तपोषण** मानकों के अनुरूप हो।

82.राज्यपाल के पास विधेयकों पर कोई वीटो शक्ति नहीं है: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू / राज्यपाल विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते: सुप्रीम कोर्ट- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली, सरकारी दबाव समूहों और औपचारिक/अनौपचारिक संघों के मंत्रालयों और विभागों और राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राज्यपाल का विवेक

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने **त्वरित कार्रवाई** की आवश्यकता पर बल देते हुए **राज्य विधानमंडल** द्वारा भेजे गए विधेयकों पर **राज्यपाल की सहमति** के लिए **संवैधानिक प्रक्रिया** को स्पष्ट किया है।

मुख्य दिशानिर्देश

प्रांट संचार
- राज्यपाल को, **सहमति रोककर , विधेयक को** पुनर्विचार के संदेश के साथ **"जितनी जल्दी हो सके" राज्य विधानमंडल** को वापस भेजना चाहिए ।

गवर्नर्स डिस्क्रिशन लिमिटेड
- यदि **विधानमंडल संशोधन** के साथ या **बिना संशोधन** के विधेयक को दोहराता है, तो राज्यपाल के पास कोई **विवेकाधिकार** नहीं है और उन्हें सहमति देनी होगी।

वीटो शक्तियों से बचना
- अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि **राज्यपाल** द्वारा किसी विधेयक को बिना आगे की कार्रवाई के रोकना **संवैधानिक सिद्धांतों** को कमजोर करेगा और वीटो शक्ति का अर्थ होगा, जो **लोकतांत्रिक शासन** के विपरीत है।

अभियान की संवैधानिक अनिवार्यता

- शब्द **"यथाशीघ्र"** त्वरित कार्रवाई के लिए एक **संवैधानिक अनिवार्यता** का प्रतीक है, और देरी इस आवश्यकता के साथ असंगत है।

प्रसंग और प्रभाव

- यह फैसला **पंजाब सरकार** द्वारा अपने **राज्यपाल द्वारा महत्वपूर्ण विधेयकों को रोके जाने के खिलाफ** दायर याचिका पर आधारित है।
- इस फैसले के व्यापक निहितार्थ हैं, खासकर **तमिलनाडु** में, जहां **राज्यपाल ने 10 विधेयकों** पर सहमति रोक दी, जो राज्य विधानसभा द्वारा संशोधन के बिना लौटा दिए गए थे।

83.सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को नए सिरे से परिसीमन आयोग गठित करने की सलाह दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे

- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने केंद्र को **पश्चिम बंगाल** में दो **अनुसूचित जनजाति समुदायों** के लिए **आनुपातिक राजनीतिक** प्रतिनिधित्व की मांग को तुरंत संबोधित करने का निर्देश दिया है।

मुख्य बिंदु

- **लिंबू** और **तमांग** समुदायों को 2002 के **संसदीय कानून** द्वारा **अनुसूचित जनजाति** का दर्जा दिया गया था।
- न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** प्राप्त करने के लिए राज्य में **अनुसूचित जनजातियों** की परिवर्तित आबादी के आधार पर **निर्वाचन क्षेत्रों** का सीमांकन करने के लिए परिसीमन अभ्यास की आवश्यकता है।
- **न्यायालय** ने स्पष्ट किया कि समय पर चुनाव कराने के **संवैधानिक आदेश** का सम्मान करते हुए किसी भी परिसीमन प्रक्रिया को आगामी **लोकसभा** या **विधानसभा चुनावों** में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।
- चुनाव आयोग ने बताया कि **पश्चिम बंगाल** में **लिंबू और तमांग समुदायों** को जोड़ने से विधानसभा में एक अतिरिक्त अनुसूचित जनजाति सीट की आवश्यकता होगी।
  - **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** के सिद्धांत के साथ तालमेल बिठाना।

त्वरित कार्रवाई के लिए संवैधानिक अनिवार्यता

- न्यायालय ने जोर देकर कहा कि केंद्र को **परिसीमन अधिनियम, 2002** के तहत **"उचित प्रेषण"** के साथ कार्य करना चाहिए
  - **अनुच्छेद 330 और 332** के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना, जो **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** के आधार पर **एससी/एसटी** के लिए **आरक्षण प्रदान** करता है।

सिक्किम के लिए संरक्षित दृष्टिकोण

- **अनुच्छेद 371F** के तहत **सिक्किम** के विशेष प्रावधानों पर विचार करते हुए, विशिष्ट वर्गों को आरक्षण प्रदान करते हुए, **न्यायालय** ने अधिक **संरक्षित दृष्टिकोण** अपनाया।
- **आरक्षण** की **सीमा** तय करने **में संसद** की भूमिका पर जोर दिया गया।

संसद का विधायी क्षेत्र

- न्यायालय ने **जन प्रतिनिधित्व अधिनियम** की **धारा 7(1A)** के तहत **आरक्षण प्रक्रिया** को निर्देशित करने से परहेज किया और आवश्यक कानून पारित करने का काम संसद पर छोड़ दिया।

84.केवल छह राज्यों में ही 50% से अधिक स्थानीय निकायों में मनरेगा ऑडिट का कार्य पूरा हुआ - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मनरेगा

समाचार:
- **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS)** के तहत किए गए कार्यों के सामाजिक लेखापरीक्षा में **100% कवरेज** हासिल करने वाला **केरल** एकमात्र राज्य बनकर उभरा है ।

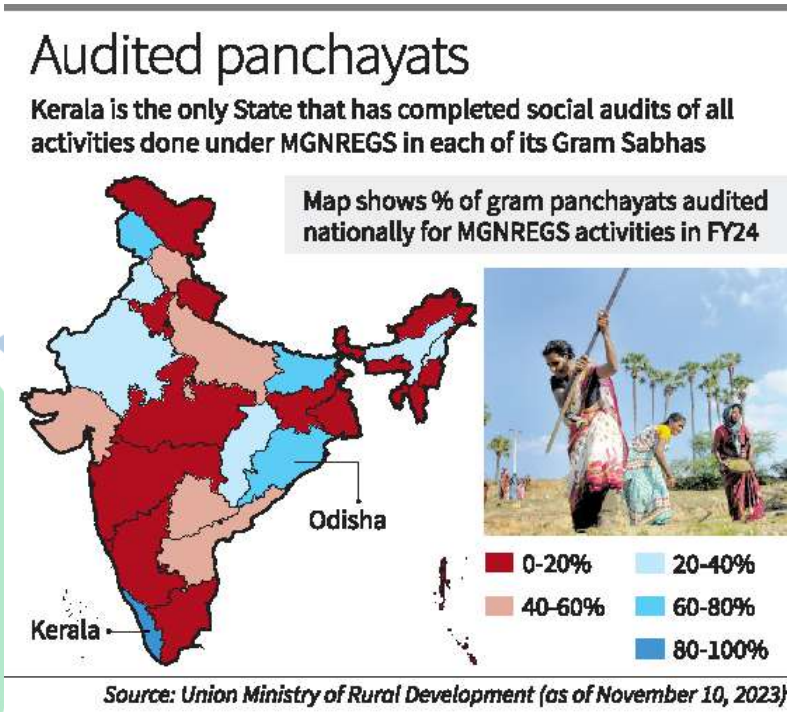

Source: Union Ministry of Rural Development (as of November 10, 2023)

मुख्य बिंदु
- **राष्ट्रीय आँकड़े** अनुपालन की कमी को उजागर करते हैं, केवल **छह राज्यों ने 50%** से **अधिक ग्राम पंचायतों** में ऑडिट पूरा किया है।
- **34 राज्यों** और **केंद्र शासित प्रदेशों** में से केवल **छह ने 50%** से अधिक ग्राम पंचायतों में सामाजिक ऑडिट किया है, जो **गैर-अनुपालन** के एक राष्ट्रव्यापी मुद्दे को उजागर करता है।

केरल की उल्लेखनीय उपलब्धि
- केरल सामाजिक ऑडिट में **100% कवरेज** हासिल करने वाला एकमात्र राज्य है, जो एक मजबूत तंत्र और शासन में लोगों की भागीदारी की संस्कृति का प्रदर्शन करता है।

राज्यों ने 50% का आंकड़ा पार किया
- केरल के अलावा, बिहार (64.4%), गुजरात (58.8%), जम्मू और कश्मीर (64.1%), ओडिशा (60.42%), और उत्तर प्रदेश (54.97%) 50% सामाजिक लेखापरीक्षा कवरेज को पार करने वाले राज्य हैं।

राज्यों ने 40% का आंकड़ा पार किया
- तेलंगाना (40.5%), हिमाचल प्रदेश (45.32%), और आंध्र प्रदेश (49.7%) 40% या अधिक **सामाजिक लेखापरीक्षा** कवरेज प्राप्त करने वाले तीन राज्य हैं।

सोशल ऑडिट फंड में देरी
- राज्य केंद्र से **सोशल ऑडिट फंड** में देरी को एक बड़ी बाधा बताते हैं, जिससे **ऑडिट** में देरी होती है और **ग्राम-स्तरीय ऑडिटरों** के वेतन में देरी की बार-बार शिकायतें आती हैं।

फंड रोकने पर केंद्र की चेतावनी
- केंद्र ने अनुपालन के महत्व पर जोर देते हुए राज्यों को आगाह किया है कि यदि **सामाजिक ऑडिट नियमित** रूप से नहीं किया जाता है, तो मनरेगा के तहत धन रोका जा सकता है।

85.केंद्र ने CERT-In को आरटीआई अधिनियम के दायरे से छूट दी- द हिंदू/ सरकार ने सर्वोच्च साइबर सुरक्षा एजेंसी को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In)
- आरटीआई अधिनियम, 2005

समाचार:
- हाल ही में, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम **(CERT-In)** को **सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005** से छूट दी गई है।
- **CERT-In हैकिंग** और **फ़िशिंग** जैसे **साइबर सुरक्षा** खतरों से निपटने के लिए **राष्ट्रीय नोडल एजेंसी** है।

छूट
- **कार्मिक** और **प्रशिक्षण विभाग** ने एक अधिसूचना के माध्यम से **CERT-In** को **सूचना के अधिकार अधिनियम** के दायरे से बाहर कर दिया है।
- यह छूट **आरटीआई अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (2)** के तहत अधिनियमित है।
- CERT-In अब **आरटीआई अधिनियम** की **दूसरी अनुसूची** में **क्रम संख्या 27** पर सूचीबद्ध है।
- यह CERT-In को उन **26 अन्य खुफिया और सुरक्षा संगठनों** में रखता है जिन्हें पहले से ही अधिनियम से छूट दी गई है।
  - 26 संगठनों में इंटेलिजेंस ब्यूरो, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग, राजस्व खुफिया निदेशालय और अन्य शामिल हैं।

आरटीआई अधिनियम प्रावधान
- **आरटीआई अधिनियम** की **धारा 24** सरकार को कुछ संगठनों को कानून से छूट देने की अनुमति देती है।
- हालाँकि, **धारा 24** के तहत छूट **भ्रष्टाचार** और **मानवाधिकार उल्लंघन** से संबंधित जानकारी पर लागू नहीं होती है।
- **मानवाधिकार उल्लंघन** से संबंधित जानकारी **केंद्रीय सूचना आयोग** की मंजूरी के बाद ही प्रदान की जा सकती है।
- **केंद्र सरकार संसदीय समीक्षा** के अधीन, **आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना** के माध्यम से **दूसरी अनुसूची में संशोधन** कर सकती है।

86.प्रधानमंत्री ने मडिगा जाति के उप-वर्गीकरण के लिए प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू की - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- 1950 का संविधान आदेश

समाचार:
- प्रधान मंत्री ने एक समिति की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जो **अनुसूचित जाति** के भीतर **मडिगा समुदाय** के उप-वर्गीकरण के मुद्दे पर विचार करेगी।
- मडिगा समुदाय तेलंगाना में कुल **अनुसूचित जाति** का लगभग **50%** हिस्सा है।
- **2011 की जनगणना** के अनुसार राज्य की कुल आबादी में **अनुसूचित जाति की आबादी 15%** से कुछ अधिक है
- **मडिगा समुदाय 1994 से उप-वर्गीकरण** के लिए संघर्ष कर रहा था और **प्रधान मंत्री** की घोषणा को उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था।

संविधान आदेश 1950
- **अस्पृश्यता की प्रथा** से उत्पन्न होने वाली **सामाजिक विकलांगता** को संबोधित करने के लिए, इसमें शुरुआत में केवल हिंदुओं (अपवादों के साथ) को **अनुसूचित जाति** के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था।
- **आदेश में 1956** में संशोधन किया गया था ताकि उन **दलितों** को शामिल किया जा सके जो **सिख धर्म** में परिवर्तित हो गए थे (संपूर्ण रूप से) और **1990** में एक बार फिर **उन दलितों** को शामिल किया गया जो बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो गए थे।
- **दोनों संशोधनों को क्रमशः 1955 में काका कालेलकर आयोग** और 1983 में अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों पर **उच्चाधिकार प्राप्त पैनल (HPP**) की रिपोर्टों से सहायता मिली थी।

87.सट्टेबाजी की चिंताओं का हवाला देते हुए, GoM ने ऑनलाइन गेमिंग नियमों को सख्त करने की तैयारी की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म

- बढ़ती चिंताओं के बीच मौजूदा नियमों में **ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र** से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कानूनी शक्तियों का अभाव है
- केंद्र ने विशेष रूप से **ऑफशोर सट्टेबाजी ऐप्स** पर आशंकाओं को दूर करने के लिए नियमों की समीक्षा करने के लिए एक प्रक्रिया शुरू की है

ऑनलाइन गेमिंग के लिए मसौदा नियम (सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन के रूप में)

- ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक **स्व-नियामक संस्था** के साथ पंजीकृत होना होगा।
- निकाय में **ऑनलाइन गेमिंग, सार्वजनिक नीति, आईटी, मनोविज्ञान और चिकित्सा सहित** विभिन्न क्षेत्रों से **पांच सदस्यों** वाला एक **निदेशक मंडल** होना चाहिए।
- **ऑनलाइन गेमिंग** कंपनियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए, जिसमें उपयोगकर्ताओं की **केवाईसी, पारदर्शी निकासी** और **पैसे की वापसी** और **जीत का उचित वितरण** शामिल है।
- गेमिंग कंपनियों को एक **रैंडम नंबर जेनरेशन सर्टिफिकेट** सुरक्षित करना होगा, जो आमतौर पर उन प्लेटफार्मों द्वारा उपयोग किया जाता है जो **कार्ड गेम** की पेशकश करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि **गेम आउटपुट सांख्यिकीय** रूप से **यादृच्छिक** और **अप्रत्याशित** हैं।
- **ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों** को गेम के नतीजों पर **सट्टेबाजी** में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- **ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्मों** को एक **अनुपालन अधिकारी**, एक **नोडल अधिकारी** और एक शिकायत अधिकारी नियुक्त करना होगा।

88. भारत, ऑस्ट्रेलिया के बीच आपसी विश्वास से इंडो पैसिफिक क्षेत्र के विकास में मदद मिलेगी - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- ऑस्ट्रेलिया-भारत नेतृत्व संवाद
- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र

- हाल ही में, **भारतीय विदेश मंत्री** ने **भारत** और **ऑस्ट्रेलिया** का उदाहरण देते हुए **समान विचारधारा** वाले **भागीदारों** के बीच विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।
- उन्होंने तर्क दिया कि ट्रस्ट एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** को सुरक्षित करने के प्रयासों में योगदान देता है, खासकर जटिल **वैश्विक परिदृश्य** को देखते हुए।

2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक

- 2+2 बैठकें दोनों देशों में से प्रत्येक से **दो उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों, विदेश** और **रक्षा विभागों** को संभालने वाले मंत्रियों की भागीदारी का संकेत देती हैं।
- मंत्रियों का लक्ष्य उनके बीच संवाद का दायरा बढ़ाना है।
- ऐसा तंत्र होने से साझेदारों को एक-दूसरे की **रणनीतिक चिंताओं** को बेहतर ढंग से समझने और सराहने में मदद मिलती है

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र **भारत और ऑस्ट्रेलिया** के बीच रणनीतिक साझेदारी के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है।
- चीन की बढ़ती मुखरता के बीच, भू-रणनीतिक वातावरण के प्रति साझा समझ और दृष्टिकोण, रिश्ते को आगे बढ़ाते हैं।
- दोनों देश **व्यावहारिक, प्रगतिशील** और **टिकाऊ सहयोग** के माध्यम से **सकारात्मक प्रभाव** डाल सकते हैं।
  - हिंद-प्रशांत में मजबूत लोकतंत्र और गतिशील अर्थव्यवस्थाओं के रूप में

भारत-ऑस्ट्रेलिया मित्रता के लिए निर्णायक वर्ष

- वर्ष की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं
  - पहला वार्षिक नेता शिखर सम्मेलन
  - ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री की भारत की अनेक यात्राएँ,
  - आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ECTA)
  - विभिन्न राजनयिक, व्यापार और सांस्कृतिक मील के पत्थर

व्यापक रणनीतिक साझेदारी

- दोनों देशों में मजबूत **द्विदलीय समर्थन** 21वीं सदी की साझेदारी की सफलता सुनिश्चित करता है।
- व्यापक रणनीतिक साझेदारी में **रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, शिक्षा और नवाचार** को शामिल करने वाले विविध ढांचे शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया-भारत लीडरशिप डायलॉग (AILD) का महत्व

- **AILD** को **भारत और ऑस्ट्रेलिया** के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण **ट्रैक 1.5 जुड़ाव** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- ऑस्ट्रेलिया की **जरूरतों** और **कमियों** को दूर करने के लिए **भारत के कुशल कार्यबल** की क्षमता पर जोर देते हुए **'सफलता के लिए कौशल'** विषय पर प्रकाश डाला गया है।
- दोनों देशों के बीच **संपूरकताएँ आर्थिक एकीकरण, व्यापार सहयोग** और **नई आपूर्ति श्रृंखलाओं** के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती हैं।

89. भारत, ईयू ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए - द हिंदू/ भारत, यूरोपीय संघ ने सेमीकंडक्टर समझौते पर हस्ताक्षर किए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:

- **भारत** और **यूरोपीय संघ (ईयू)** ने हाल ही में **सेमीकंडक्टर्स** पर एक **समझौता ज्ञापन (एमओयू)** पर हस्ताक्षर किए ।
- **उद्देश्य:** सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और नवाचार को बढ़ावा देना।
- **यूरोपीय संघ-भारत व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (TTC)** की बैठक के दौरान समझौते को औपचारिक रूप दिया गया ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- यूरोपीय संघ-भारत व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद
- सेमीकंडक्टर

सेमीकंडक्टर्स पर समझौता ज्ञापन

- इस समझौते में **सेमीकंडक्टर्स** में **अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं** को साझा करना शामिल है।
- इसके अलावा, **विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संगठनों** और **व्यवसायों** में **अनुसंधान, विकास** और **नवाचार** में सहयोगात्मक अवसरों की पहचान करना।
- भारत और यूरोपीय संघ दोनों **सेमीकंडक्टर्स** से संबंधित "दी गई **सार्वजनिक सब्सिडी**" पर जानकारी साझा करेंगे।
- सेमीकंडक्टर उद्योग के भीतर **कौशल, प्रतिभा** और **कार्यबल विकास** को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का अनुमान है।

सेमीकंडक्टर्स का महत्व

- **सेमीकंडक्टर** ऐसी सामग्रियां हैं जिनमें **कंडक्टर (आमतौर पर धातु)** और **इंसुलेटर** (जैसे कि अधिकांश सिरेमिक) के बीच चालकता होती है।
- वे **शुद्ध तत्व हो सकते हैं,** जैसे सिलिकॉन या जर्मेनियम, **या यौगिक** जैसे गैलियम आर्सेनाइड या कैडमियम सेलेनाइड।
- सेमीकंडक्टर्स को एक रणनीतिक वस्तु के रूप में मान्यता दी गई है, जिसका महत्व कोविड के बाद के युग में बढ़ रहा है।
- इस समझौते से **भारत को यूरोपीय संघ और अमेरिका** के साथ, विशेषकर **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** में, संरेखित करने की उम्मीद है
  - चीन के प्रभुत्व से दूर आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के प्रयासों के बीच।

90. चुनाव आयोग ने तेलंगाना किसान सहायता योजना पर रोक लगाई - द हिंदू/ EC ने मॉडल कोड का हवाला देते हुए KCR सरकार से कृषि सहायता रोकने को कहा- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- रायथु बंधु योजना

- **चुनाव आयोग (ईसी)** ने **आदर्श आचार संहिता** के उल्लंघन का हवाला देते हुए किसानों को **रायथु बंधु धन** का वितरण जारी रखने का आदेश अचानक वापस ले लिया।
- इसने शुरू में **राज्य सरकार** को किसानों को रायथु बंधु धन का वितरण जारी रखने की अनुमति दी,

रायथु बंधु संवितरण विवरण

- बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना किसानों को कर्ज का बोझ कम करने के लिए **कृषि और बागवानी फसलों** के लिए निवेश सहायता प्रदान करती है ।
- प्रत्येक किसान को कृषि आवश्यकताओं के लिए प्रत्येक सीजन में **₹5,000 प्रति एकड़** का **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी)** मिलता है।
- यह योजना **वर्ष 2018** में **50.25 लाख लाभार्थियों** के साथ शुरू की गई थी, जो अब बढ़कर **70 लाख** हो गई है।

चुनाव में प्रमुखता और विपक्ष की शिकायत:

- किसानों को **वित्तीय सहायता** एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा है।
- चुनाव आयोग ने योजना की रिलीज को प्रचारित करके मंत्री द्वारा **आदर्श आचार संहिता** के उल्लंघन पर ध्यान दिया, जिससे चुनाव प्रक्रिया में समान अवसर में बाधा उत्पन्न हुई।

91. सीएए का अंतिम मसौदा मार्च 2024 तक आने की उम्मीद: केंद्रीय मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम

- केंद्रीय मंत्री ने बताया कि **नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए)** का अंतिम मसौदा **30 मार्च, 2024** तक तैयार होने की उम्मीद है।

मतुआ समुदाय के लिए सुरक्षा:

- मंत्री ने दिसंबर 2019 में पारित सीएए पर प्रकाश डाला, **जो मटुआ समुदाय के सदस्यों की नागरिकता सुनिश्चित करता है।**

- पूर्ण नागरिकता अधिकारों का आश्वासन देता है, **उचित दस्तावेजों के अभाव में भी सुरक्षा** पर जोर देता है।

सीएए कार्यान्वयन की प्रगति और मुद्दे

- मंत्री ने पिछले कुछ वर्षों में सीएए कार्यान्वयन प्रक्रिया में प्राप्त गति का उल्लेख किया।
- मुद्दों के समाधान के लिए चल रहे प्रयासों को स्वीकार करते हुए जोर देकर कहा कि नागरिकता के अधिकार बरकरार रहेंगे।

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम

- सीएए **छह गैर-मुस्लिम समुदायों** को धर्म के आधार पर नागरिकता प्रदान करता है जिनके पास दस्तावेजीकरण नहीं है
  - पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया था।
- यह **छह समुदायों के सदस्यों को** विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 के तहत किसी भी आपराधिक मामले से छूट देता है।
- दोनों **अधिनियमों में अवैध रूप से देश में प्रवेश करने** और समाप्त वीजा और परमिट पर यहां रहने के लिए सजा निर्दिष्ट की गई है ।

92.शादी से निजता का अधिकार प्रभावित नहीं होता: कर्नाटक उच्च न्यायालय - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- UIDAI

- कर्नाटक उच्च न्यायालय का नियम है कि **आधार अधिनियम** के तहत **निजता का अधिकार** है विवाह के रिश्ते से प्रभावित नहीं है।
- विवाह सुनवाई के प्रक्रियात्मक अधिकार को नकारता नहीं है, किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार की स्वायत्तता पर जोर देता है।

मुख्य बिंदु

विवाह और निजता पर न्यायालय की टिप्पणी

- अदालत का कहना है कि विवाह से आधार **अधिनियम की धारा 33** के तहत मान्यता प्राप्त और संरक्षित **निजता का अधिकार** कम नहीं होता है ।
- निजता का अधिकार बरकरार है और सुनवाई सहित प्रक्रियात्मक अधिकारों को वैवाहिक संबंधों में भी दरकिनार नहीं किया जा सकता है।

आधार सूचना प्रकटीकरण पर न्यायालय का निर्णय:

- आधार **अधिनियम की धारा 33(1)** में कहा गया है कि आधार जानकारी का खुलासा केवल किसी उच्च **न्यायालय के न्यायाधीश के आदेश** से कमतर अदालत **के आदेश और आधार-नंबर धारक** की बात सुनने के बाद ही किया जा सकता है।

वैवाहिक पहचान विलय पर तर्क की अस्वीकृति

- अदालत ने इस तर्क को खारिज कर दिया कि **वैवाहिक रिश्ते में पहचान का विलय** एक पति या पत्नी की जानकारी को दूसरे के अनुरोध पर प्रकट करने को उचित ठहराता है।
- आधार अधिनियम के तहत निर्धारित **आधार डेटा प्रकटीकरण** मामलों पर विचार करने के लिए **UIDAI** के गैर-प्रत्यायोजित कर्तव्य को कायम रखा गया है ।

93.सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों में दर्ज 30 FIRs को एक साथ जोड़ने की अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने की विचाराधीन कैदी की याचिका खारिज कर दी - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुच्छेद 142

समाचार:
- सुप्रीम कोर्ट ने एक विचाराधीन कैदी की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसे **"पूर्ण न्याय"** दिलाने के लिए संविधान के **अनुच्छेद 142** के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करने की मांग की गई थी।
  - सात राज्यों में उसके खिलाफ दायर 30 FIR को एक साथ जोड़कर।

मुख्य बिंदु
- **न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना** की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह उन **FIR (प्रथम सूचना रिपोर्ट)** को क्लब नहीं कर सकती, जिनमें न केवल **भारतीय दंड संहिता** के तहत अपराध शामिल हैं, बल्कि विशिष्ट राज्य कानूनों के तहत आरोप भी शामिल हैं।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन अपराधों की सुनवाई के लिए राज्यों की अपनी विशेष अदालतें होंगी।
- FIR को एक साथ जोड़ने से इन विशेष अदालतों का अधिकार क्षेत्र कमजोर हो जाएगा।

अनुच्छेद 142
- यह **सर्वोच्च न्यायालय** को **विवेकाधीन शक्ति** प्रदान करता है
- इसमें कहा गया है कि **सुप्रीम कोर्ट अपने अधिकार क्षेत्र** का इस्तेमाल करते हुए ऐसा **आदेश पारित कर** सकता है या ऐसा आदेश दे सकता है जो उसके समक्ष लंबित किसी मामले या मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो।
- ताज महल की सफ़ाई और अनेक विचाराधीन कैदियों को न्याय देना इस अनुच्छेद के आह्वान का ही परिणाम है।

94.डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वित्त मंत्रालय और अन्य हितधारकों की बैठक - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल
- साइबर सुरक्षा
- डिजिटल इंडिया

समाचार:
- वित्त मंत्रालय ने हाल ही में गलत धन हस्तांतरण से जुड़े यूको बैंक मामले के बाद **डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी, वित्तीय अपराध** और **साइबर सुरक्षा** उपायों पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई है।
- बैठक में **राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) को मजबूत करने से लेकर** अवैध ऋण ऐप घटनाओं से निपटने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

मुख्य बिंदु

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा प्रस्तुति
- गृह मंत्रालय के तहत **I4C, NCRP** में रिपोर्ट किए गए **डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी** के नवीनतम आंकड़े प्रस्तुत करेगा।

प्रस्तावित उपाय और चर्चा बिंदु
- NCRP में साइबर सुरक्षा से संबंधित कॉलों को संभालने में बैंकरों को शामिल करने का प्रस्ताव।
- इस बात पर जोर दिया गया कि सिस्टम के बारे में बैंकरों नॉलेज धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने में सहायता कर सकता है।

प्रीडेटरी लेंडिंग ऐप्स को संबोधित करना

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापित प्रीडेटरी लेंडिंग देने वाले ऐप्स के मुद्दे पर चर्चा की गई।
- संदिग्ध **ऐप्स वितरित** करने के लिए लोकप्रिय **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म** का दुरुपयोग करने वाले धोखेबाजों के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं ।

निष्क्रिय खातों की निगरानी

- आगे की जांच के लिए असामान्य लेनदेन पैटर्न दिखाने वाले खातों को चिह्नित करने का प्रस्ताव।
- पहली बार डिजिटल लेनदेन के लिए समय विलंब लागू करना :
- सरकार पहली बार **डिजिटल लेनदेन** के लिए समय **विलंब और अमाउंट सीमा** लागू करने की योजना पर विचार कर रही है।
- प्रस्ताव में **2,000 रुपये** से अधिक के भुगतान के लिए दो पक्षों के बीच पहले लेनदेन को संसाधित करने के लिए चार घंटे का समय शामिल है ।

95.राज्यसभा विशेषाधिकार पैनल सांसदों को अपना पक्ष रखने के लिए बैठक करेगा - द हिंदू/राघव चड्ढा अपने खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत पर राज्यसभा पैनल के समक्ष पेश हुए - द प्रिंट

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- संसदीय विशेषाधिकार
- विशेषाधिकार समिति

- **राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति** ने हाल ही में कई सांसदों के खिलाफ **लंबित शिकायतों** पर चर्चा के लिए बैठक की है।
- समिति ने उन्हें अपना बचाव पेश करने के लिए **व्यक्तिगत रूप** से बुलाने का फैसला किया लेकिन गवाही के लिए कोई तारीख तय नहीं की है।

संसदीय विशेषाधिकार

- ये **विशेष अधिकार, उन्मुक्तियाँ** और **छूट** हैं जिनकी सुविधा संसद के दोनों सदनों, उनकी समितियों और उनके सदस्यों को मिलता है।
- ये विशेषाधिकार भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 105** में परिभाषित हैं।
- सभी विशेषाधिकारों को विस्तृत रूप से संहिताबद्ध करने के लिए कोई विशेष कानून नहीं बनाया है ।
- बल्कि ये पाँच स्रोतों पर आधारित हैं
  - संवैधानिक प्रावधान
  - संसद द्वारा बनाये गये विभिन्न कानून
  - दोनों सदनों के नियम
  - संसदीय सम्मेलन
  - न्यायिक व्याख्याएँ

विशेषाधिकार का उल्लंघन

- विशेषाधिकार का उल्लंघन **सांसदों/संसद** के किसी भी **विशेषाधिकार** का उल्लंघन है।
- इसमें समाचारों का **प्रकाशन, संपादकीय या अखबार/पत्रिका/टीवी साक्षात्कारों** या **सार्वजनिक भाषणों** में दिए गए बयान शामिल हो सकते हैं।

विशेषाधिकार समिति

- इस समिति में **लोकसभा** के **15 सदस्य (राज्यसभा के मामले में 10**) पीठासीन अधिकारी द्वारा नामित होते हैं।।
- राज्यसभा में उपसभापति विशेषाधिकार **समिति का प्रमुख** होता है ।

शक्तियाँ और कार्य

- यह सदन या उसके सदस्यों या उसे सौंपी गई किसी समिति के विशेषाधिकार के उल्लंघन से जुड़े हर प्रश्न की जांच करता है ।

- यह निर्धारित करता है कि विशेषाधिकार का उल्लंघन शामिल है या नहीं और अपनी रिपोर्ट में उपयुक्त सिफारिशें करता है।
- इसमें सदन द्वारा अपनी सिफ़ारिशों को प्रभावी बनाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया भी बताई गई है।
- जब विशेषाधिकार का प्रश्न समिति को भेजा जाता है
  - **सदन द्वारा:** समिति की रिपोर्ट अध्यक्ष द्वारा या उसकी अनुपस्थिति में समिति के किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत की जाती है।
  - **अध्यक्ष द्वारा:** समिति की रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाती है जो उस पर अंतिम आदेश पारित कर सकता है या निर्देश दे सकता है कि इसे सदन के पटल पर रखा जाए।
- अध्यक्ष/सभापति दल-बदल के आधार पर किसी **सदस्य की अयोग्यता** के संबंध में कोई भी याचिका समिति को भेज सकते हैं।

96.वर्ष 2020-21 में उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों में 1.79 लाख से अधिक की गिरावट - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- UDISE+

- **"भारत में मुस्लिम शिक्षा की स्थिति"** शीर्षक वाली एक रिपोर्ट से पता चलता है कि **वर्ष 2020-21** के दौरान **18-23 आयु वर्ग** के **मुस्लिम छात्रों** के बीच **उच्च शिक्षा** में **नामांकन में 8.5%** की **गिरावट** आई है।
- इसमें **UDISE+** और **अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE)** के डेटा का विश्लेषण किया गया है।

कक्षावार गिरावट

- कक्षा 6 के बाद से **मुस्लिम छात्रों के नामांकन** में लगातार गिरावट, **कक्षा 11 और 12** में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।
- **उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6-8)** पर कुल नामांकन में **मुसलमानों की संख्या 14.42%** है, लेकिन उच्च **माध्यमिक स्तर (कक्षा 11-12)** पर यह घटकर **10.76%** हो जाती है।
- माध्यमिक स्तर पर मुस्लिम छात्रों की स्कूल छोड़ने की **दर 18.64%** है, जो सभी छात्रों की **12.6% दर** से अधिक है।

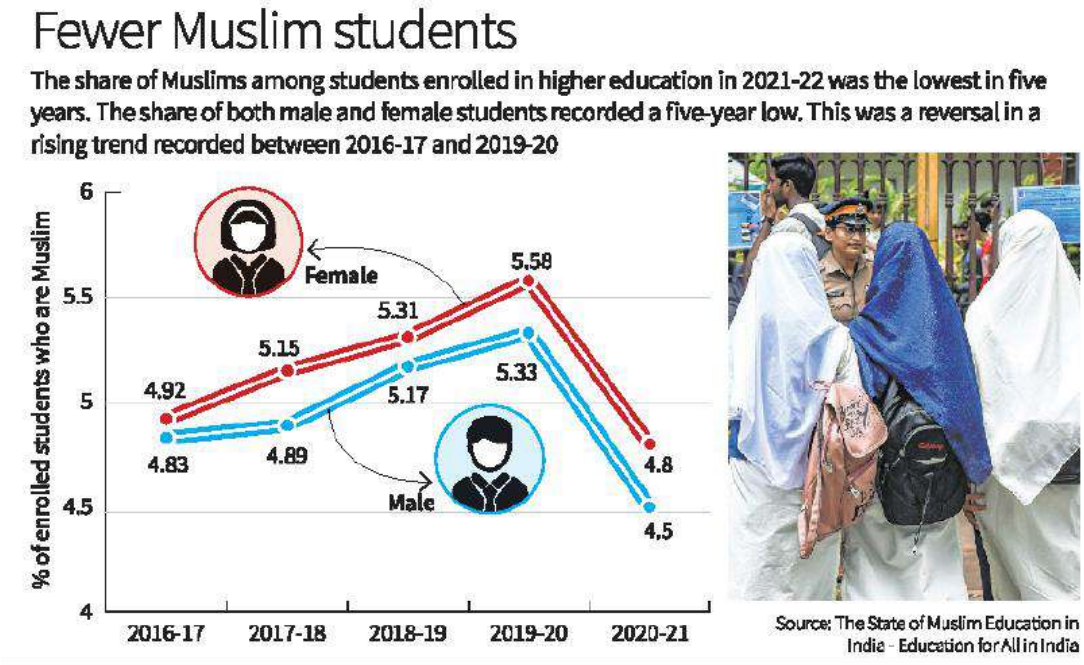

भौगोलिक विषमताएँ

- **बिहार** और **मध्य प्रदेश** जैसे **राज्य मुस्लिम छात्रों** के लिए अपेक्षाकृत कम सकल नामांकन अनुपात दिखाते हैं ।

- इससे पता चलता है कि कई मुस्लिम बच्चे अभी भी शिक्षा प्रणाली से बाहर हैं।
- **असम** और **पश्चिम बंगाल** में मुस्लिम छात्रों के बीच **स्कूल छोड़ने** की **उच्च दर द**र्ज की गई है।

सिफ़ारिशें

- स्कूल न जाने वाले मुस्लिम बच्चों की **पहचान** और **आयु-उपयुक्त कक्षाओं** में नामांकन को प्राथमिकता देना ।
- शिक्षा अंतर को पाटने और समान अवसर प्रदान करने के लिए लक्षित समर्थन और समावेशी नीतियों को लागू करना
- **वित्तीय बोझ** को कम करने के लिए विशेष रूप से **मुस्लिम छात्रों** को **वित्तीय सहायता, छात्रवृत्ति, अनुदान** और **वित्तीय सहायता** प्रदान करना ।

97.भारत ने सीरियाई गोलान नहीं छोड़ने के लिए इजराइल के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- सीरियाई गोलान

- भारत संयुक्त **राष्ट्र महासभा** के उस मसौदा प्रस्ताव का समर्थन करता है जिसमें 1967 से कब्जे वाले **सीरियाई गोलान क्षेत्र** से **इजराइल** के न हटने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है।
- यह प्रस्ताव **मिस्र** द्वारा एजेंडा आइटम **'मध्य पूर्व में स्थिति'** के तहत पेश किया गया था।

मुख्य बिंदु

मतदान की गतिशीलता

- **193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने मसौदा प्रस्ताव पर मतदान किया, **जिसमें 91 पक्ष** में**, आठ विपक्ष** में **और 62 अनुपस्थित** रहे।
- पक्ष में देशों में भारत, बांग्लादेश, भूटान, चीन, मलेशिया, मालदीव, नेपाल, रूस, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल थे।
- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इज़राइल, यूके और अमेरिका से विरोधी वोट आए

संकल्प की विषयवस्तु

- इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई कि प्रासंगिक **सुरक्षा परिषद** और **महासभा** के प्रस्तावों के विपरीत, **इज़राइल 1967** से कब्जे वाले **सीरियाई गोलान** से पीछे नहीं हटा है।
- सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 497 (1981) के साथ **इज़राइल** के **गैर-अनुपालन** पर प्रकाश डाला गया, जिसमें कब्जे वाले **सीरियाई गोलान** में कानून लागू करने के अपने निर्णय को अमान्य घोषित किया गया।
- **14 दिसंबर, 1981** के इज़रायली निर्णय को अमान्य घोषित करते हुए, इज़रायल से इसे रद्द करने का आग्रह किया
- वर्ष 1967 से **सीरियाई गोलान** में **इजरायली बस्ती निर्माण** और **गतिविधियों की अवैधता** पर जोर दिया गया है
- 4 जून, 1967 को कब्जे वाली **सीरियाई गोलान** रेखा से **इजराइल की वापसी** की मांग करता है, इसे क्षेत्र में **न्यायसंगत** और **स्थायी शांति** प्राप्त करने में एक बाधा मानता है।

चिंताएँ और आशाएँ

- **सीरियाई ट्रैक** पर रुकी हुई **शांति प्रक्रिया** पर गंभीर चिंता व्यक्त की।
- **शांति वार्ता** जिस मुकाम पर पहुंची थी, वहां से दोबारा शुरू होने की उम्मीद जगी है।

98.सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव को छह महीने के विस्तार की अनुमति दी - द हिंदू

प्रासंगिकता: संसद और राज्य विधानमंडल-संरचना, कामकाज, कामकाज का संचालन, शक्तियां और विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु सह सेवानिवृत्ति लाभ) नियम 1958

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने दिल्ली के **मुख्य सचिव** का **कार्यकाल छह महीने बढ़ाने** की **केंद्र की योजना** को मंजूरी दे दी
- कोर्ट की मंजूरी के बाद **गृह मंत्रालय** ने आधिकारिक तौर पर **मुख्य सचिव** का **कार्यकाल** बढ़ा दिया है ।

कानूनी आधार और संवैधानिक विचार
- **मुख्य न्यायाधीश** की अगुवाई वाली **तीन-न्यायाधीशों** की **पीठ** विस्तार के खिलाफ **दिल्ली सरकार** की आपत्तियों की समीक्षा करती है।
- पीठ ने नोट किया कि लंबित **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (संशोधन) अधिनियम, 2023** पर रोक नहीं लगाई गई है और **"प्रथम दृष्टया विचार"** व्यक्त किया है कि विस्तार कानून का उल्लंघन नहीं करता है।
- अदालत **सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस** और **भूमि से संबंधित मामलों** में **मुख्य सचिव** की भूमिका को रेखांकित करती है, जो **दिल्ली सरकार की विधायी** और **कार्यकारी शक्तियों** से बाहर हैं।

संवैधानिक पीठ का निर्णय और विधायी ढांचा
- **वर्ष 2023** की **संवैधानिक पीठ** के फैसले का हवाला देते हुए, अदालत ने कुछ **कार्यकारी कार्यों** पर **दिल्ली सरकार** के **सीमित अधिकार** पर प्रकाश डाला ।
- **वर्ष 2023** का **कानून केंद्र सरकार** द्वारा नियुक्त मुख्य सचिव को नामित करता है, जो **केंद्र की शक्ति** को मजबूत करता है।
- **अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु सह सेवानिवृत्ति लाभ) नियम 1958 के नियम 16** का हवाला दिया गया है, जो **मुख्य सचिवों** के लिए **छह महीने** के विस्तार की अनुमति देता है।

दिल्ली मुख्य सचिव का विशिष्ट पद
- कोर्ट ने **दिल्ली में मुख्य सचिव** की **विशिष्ट स्थिति** पर जोर दिया है
  - दिल्ली सरकार की **कार्यकारी** और **विधायी क्षमता** के **भीतर** और **बाहर** दोनों कार्य करना।
- यह स्पष्ट करता है कि **नियम 16**, जो **अन्य मुख्य सचिवों** पर लागू होता है, **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (GNCTD**) के मुख्य सचिव पर सख्ती से लागू नहीं होता है।

मुख्य सचिव की नियुक्ति की शक्ति
- अदालत ने **बहिष्कृत विषयों** पर **मुख्य सचिव** के कार्यों पर विचार करते हुए **दिल्ली के मुख्य सचिव** की नियुक्ति की **केंद्र की शक्ति** को बरकरार रखा है।
- **GNCTD** और **बहिष्कृत विषयों** के बीच **कार्यों** को विभाजित करने की अव्यवहारिकता को स्वीकार किया गया है।

99.गरीबों को अगले 5 वर्षों तक मुफ्त अनाज मिलेगा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वन नेशन वन राशन कार्ड

समाचार:
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)** को जनवरी से पांच साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु
- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA)** के तहत **81.35 करोड़ लोगों** को **मुफ्त अनाज** उपलब्ध कराने का लक्ष्य

- इस योजना से सरकार को अगले **पांच वर्षों** में **सब्सिडी** पर **11.80 लाख रुपये** का खर्च आएगा।

पृष्ठभूमि और महत्व

- **कोविड-19** प्रकोप के जवाब में **अप्रैल 2020** में शुरू की गई, **PMGKAY** ने **NFSA** पात्रता के शीर्ष पर **5 किलोग्राम** अतिरिक्त मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया।
- इस योजना का **NFSA** में विलय कर दिया गया था , जिससे अतिरिक्त **5 किलोग्राम** का प्रावधान बंद हो गया था।
- पिछले साल दिसंबर में इस योजना का **NFSA** में विलय कर दिया गया था, जिससे अतिरिक्त **5 किलोग्राम** का प्रावधान बंद हो गया था।
- विस्तारित PMGKAY **1 जनवरी, 2024** से **पांच साल** तक चलेगी, जिसमें **NFSA लाभार्थियों** को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा।
- सब्सिडी में **11.80 लाख रुपये** की अनुमानित लागत, विस्तार का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना और **गरीबों के लिए वित्तीय कठिनाई** को कम करना है।

लाभ और राष्ट्रव्यापी एकरूपता

- यह योजना **5 लाख** से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के नेटवर्क के माध्यम से सभी **राज्यों/केंद्रशासित** प्रदेशों में लाभार्थियों को **मुफ्त खाद्यान्न पहुंचाने** में **राष्ट्रव्यापी एकरूपता** का आश्वासन देती है।
- **वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC)** पहल के अनुरूप, लाभार्थियों को देश में किसी भी **उचित मूल्य की दुकान** से **मुफ्त खाद्यान्न** उठाने की अनुमति मिलती है।

खाद्यान्न की लागत और मासिक बचत

- एक अंत्योदय परिवार के लिए **35 किलो चावल** की **आर्थिक लागत 1371 रुपये** है, और **35 किलो गेहूं** की लागत **PMGKAY** के तहत **946 रुपये** है, जो पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वहन की जाती है।

100.सरकार ने चार जम्मू-कश्मीर विधेयक, आपराधिक कानून कानून सूचीबद्ध किए -द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:

- केंद्र सरकार ने संसद के **शीतकालीन सत्र** में चर्चा के लिए **जम्मू-कश्मीर** से संबंधित **चार महत्वपूर्ण विधेयकों** और **तीन नई आपराधिक संहिताओं** की पहचान की है।

मुख्य बिंदु

जम्मू और कश्मीर से संबंधित विधेयक

- जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023-26 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया।
- संशोधन और चर्चा के संबंध में विवरण निर्दिष्ट नहीं हैं।
- **जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023** :- "कश्मीरी प्रवासी" समुदाय से दो सदस्यों को विधान सभा के सदस्य के रूप में नामित करने का प्रस्ताव है।
- यह "**कश्मीरी प्रवासियों**" और **"पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर"** से विस्थापित लोगों के प्रतिनिधित्व को संबोधित करता है।
- **उद्देश्य:**
- इसका उद्देश्य **"पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर"** से **विस्थापित व्यक्तियों** के लिए **प्रतिनिधित्व सुनिश्चित** करना है।

101.पीएमएलए के तहत साजिश का मामला केवल तभी मान्य है जब सूचीबद्ध अपराध शामिल हो'-द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रवर्तन निदेशालय

समाचार:
- सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति पर **धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए)** के तहत आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया जाएगा।
  - केवल तभी जब अधिनियम की अनुसूची में विशेष रूप से सूचीबद्ध किसी अपराध को करने के लिए साज़िश रची गई हो।

मुख्य बिंदु
- भारतीय दंड संहिता की **धारा 120 B (आपराधिक साजिश) के तहत दंडनीय अपराध एक अनुसूचित अपराध बन जाएगा**
  - केवल तभी जब कथित साजिश कोई अपराध करने की हो जो विशेष रूप से अनुसूची में शामिल है
- अदालत ने **प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)** के उस तर्क को खारिज कर दिया कि **आईपीसी की धारा 120B** को **पीएमएलए अपराध अनुसूची** के **भाग A** में शामिल किया गया था।
- इसलिए, भले ही आरोप किसी अपराध को करने के लिए आपराधिक साजिश रचने का था जो **अनुसूची** का हिस्सा नहीं था, **अपराध एक अनुसूचित अपराध** बन जाएगा।
- किसी भी दंडात्मक कानून के तहत किसी भी अपराध को करने की साजिश, जो आय उत्पन्न करने में सक्षम है, को **अनुसूचित अपराध** में परिवर्तित किया जा सकता है
  - आईपीसी की धारा 120B लागू करके, हालांकि अपराध अनुसूची का हिस्सा नहीं है।
- **अनुसूची** के **भाग A** में शामिल **आईपीसी की धारा 120 B** के तहत **अपराध** एक **अनुसूचित अपराध** बन जाएगा
  - केवल यदि आपराधिक साजिश **अनुसूची** के **भाग A, B या C** में पहले से ही शामिल किसी अपराध को करने के लिए है,

102.केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आदिवासी कल्याण के लिए पीएम-जनमन योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पीएम जनमन
- पीवीटीजी
- बिरसा मुंडा

समाचार:
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में **प्रधान मंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)** को मंजूरी दी।
- वित्त मंत्री ने सबसे पहले वर्ष **2023-24** के **बजट भाषण** में इस मिशन का जिक्र किया था
- आदिवासी आदर्श **बिरसा मुंडा की जयंती** पर **प्रधान मंत्री** द्वारा घोषणा की गई ।

पीएम-जनमन
- 24,104 करोड़ रुपये की व्यापक **आदिवासी कल्याण योजना**, सबसे बड़ी **केंद्रीय योजनाओं** में से एक है और **परिव्यय** के मामले में **आदिवासी समुदाय** को लक्षित करने वाली सबसे बड़ी योजना है।
  - केंद्र का हिस्सा: 15,336 करोड़ रुपये; राज्य का हिस्सा: 8,768 करोड़ रुपये.
- **उद्देश्य:** विशेष रूप से कमजोर **जनजातीय समूहों (PVTGs)** को कई सुविधाएं प्रदान करना।

- **आवास:** लगभग 4.9 लाख पक्के मकानों के लिए 2.39 लाख रुपये प्रति मकान की दर से प्रावधान।
- **छात्रावास:** 500 छात्रावास 2.75 करोड़ रुपये प्रति यूनिट।
- **आंगनवाड़ी केंद्र:** 2,500 आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना।
- **कनेक्टिविटी:** 3,000 गांवों में मोबाइल टावरों की स्थापना और 8,000 किमी सड़क कनेक्टिविटी।

- प्रभावी कार्यान्वयन के लिए **नौ मंत्रालय स**हयोग करेंगे ।
- अगले तीन वर्षों में मिशन को लागू करने के लिए **अनुसूचित जनजातियों** के लिए **विकास कार्य योजना** के तहत **15,000 रुपये** उपलब्ध कराए जाएंगे।

अतिरिक्त हस्तक्षेप

- आयुष मंत्रालय इन क्षेत्रों में **वेलनेस सेंटर** स्थापित करेगा।
- मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से **पीवीटीजी बस्तियों** में **आयुष सुविधाओं** का विस्तार ।
- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय **पीवीटीजी बस्तियों में कौशल** और **व्यावसायिक प्रशिक्षण** सक्षम करेगा।

लक्ष्य जनसंख्या

- 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में **75 आदिवासी समुदायों** को **पीवीटीजी** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- सामाजिक, आर्थिक एवं शिक्षा सूचकों में पिछड़ा ।
- **जनजातीय मामलों के मंत्रालय** और **वर्ष 2011 की जनगणना** के आंकड़ों के अनुसार, कुल **पीवीटीजी आबादी 40 लाख** से अधिक है।

पीवीटीजी का भौगोलिक वितरण

- **ओडिशा** में **पीवीटीजी** की सबसे बड़ी आबादी **8.66 लाख** है ।
- **मध्य प्रदेश** 6.09 लाख के साथ दूसरे और **आंध्र प्रदेश** (उस समय तेलंगाना सहित) 5.39 लाख के साथ दूसरे स्थान पर है।

103.सरकार ने 16वें वित्त पैनल के लिए मार्ग प्रशस्त किया-द हिंदू/ सरकार ने 16वें वित्त पैनल की शर्तों को मंजूरी दे दी, आपदा प्रबंधन निधि की समीक्षा जारी- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: राजव्यवस्था

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- वित्त आयोग
- संदर्भ की शर्तें (टीओआर)

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने हाल ही में **सोलहवें वित्त आयोग** के लिए **संदर्भ की शर्तों (टीओआर)** को अपनी मंजूरी दे दी।
- यह केंद्र और राज्यों के बीच **राजस्व-साझाकरण फॉर्मूले** की सिफारिश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समयरेखा और समय सीमा

- वित्त आयोग की सिफारिशें **1 अप्रैल, 2026** से **पांच साल** की अवधि को कवर करने के लिए निर्धारित हैं।
- पैनल को **31 अक्टूबर, 2025** तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

निर्माण

- पैनल के औपचारिक गठन से पहले **प्रारंभिक कार्य के लिए नवंबर 2022 में वित्त मंत्रालय में** एक एडवांस सेल की स्थापना की गई थी ।
- **टीओआर तैयार** करने में सहायता के लिए **वित्त सचिव** और **सचिव (व्यय)** के नेतृत्व में एक **कार्य समूह** का गठन किया गया था।
- एक परामर्शी प्रक्रिया के माध्यम से **राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों** से विचार और सुझाव मांगे गए थे ।

प्राथमिक सिफ़ारिश

- मुख्य फोकस केंद्र और राज्यों के बीच **करों की शुद्ध आय** के वितरण पर है।
- इस प्रकार की आय के संबंधित हिस्से का राज्यों के बीच आवंटन

समेकित निधि संवर्धन

- पैनल किसी **राज्य** की **समेकित निधि** को बढ़ाने के उपायों की सिफारिश करेगा।
- इस वृद्धि का उद्देश्य **राज्य वित्त आयोगों** की सिफारिशों के आधार पर **पंचायतों** और **स्थानीय निकायों** के लिए संसाधनों की पूर्ति करना है।

सहायता अनुदान के सिद्धांत

- भारत की संचित निधि से राज्य के राजस्व के सहायता अनुदान को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों की सिफारिश करना।
- राज्यों को उनके राजस्व की सहायता अनुदान के रूप में भुगतान की जाने वाली राशि निर्धारित करें।

आपदा प्रबंधन वित्तपोषण

- आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण के लिए मौजूदा व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सकते हैं।
- सुधार के लिए प्रासंगिक सिफारिशें करें।

सामान्य अध्ययन III

104.कुकी, मैतेई से बातचीत के माध्यम से विश्वास बनाने का आग्रह: रक्षा मंत्री - द हिंदू

प्रासंगिकता : सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन-आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।
समाचार: **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने **मणिपुर** के युद्धरत **कुकी** और **मैतेई समुदायों** से एक साथ बैठने और बातचीत के माध्यम से अपने विश्वास की कमी को दूर करने की अपील की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- मिजोरम में हवाई हमला
- म्यांमार तक रेलवे नेटवर्क
- भारत-थाईलैंड राजमार्ग कनेक्टिविटी

मणिपुर और उसके आसपास वर्तमान स्थिति

- पिछले नौ वर्षों में पूर्वोत्तर शांतिपूर्ण रहा है
- विद्रोह की समस्या या तो समाप्त हो गई या कम हो गई
- मणिपुर की घटना एक अपवाद है
- भारत सरकार विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास की कमी को पूरा करने के प्रयास कर रही है।
- मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमावर्ती शहर मोरेह में कुकी विद्रोहियों ने एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी।
- अत्यधिक अस्थिर मणिपुर की तुलना में मिजोरम के आदिवासी समुदायों के बीच स्थिति काफी बेहतर है।

उत्तर-पूर्व में भारत की एयर स्ट्राइक का इतिहास

- भारतीय वायु सेना ने **वर्ष 1966** में **मिज़ो विद्रोह** के शुरुआती दिनों में **आइजोल** में **एयर स्ट्राइक** की थी
- यह पहली और एकमात्र समय था जब भारत ने अपने ही नागरिक क्षेत्र में एयर स्ट्राइक की थी ।

पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार के प्रयास

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** के नेतृत्व वाली **सरकार** के तहत **पूर्वोत्तर** में **सड़क** और **रेल कनेक्टिविटी** में उल्लेखनीय सुधार हुआ है **।**
- केंद्र सरकार ने पिछले **नौ वर्षों** में **4,000 किमी** सड़कें बनाईं ।
- थाईलैंड को जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी **राजमार्ग परियोजना** पूरी होने के बाद पूर्वोत्तर की तस्वीर और बदल जाएगी।
- केंद्र ने **पूर्वोत्तर बुनियादी ढांचे** के **विकास** के लिए **1.34 लाख करोड़** रुपये से अधिक का आवंटन किया ।
- **मिजोरम** में **रेलवे नेटवर्क** को **म्यांमार सीमा** तक ले जाने पर काम चल रहा है।
  - **सैरांग** से **अंतरराष्ट्रीय सीमा** तक **223 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन** बनाई जाएगी.
- मिजोरम का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूर्वी एशियाई देशों के साथ भारत की बढ़ती **राजनीतिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों** का प्रवेश बिंदु है।
- केंद्र ने एक अधिनियम में संशोधन कर **बांस** को **पेड़ की श्रेणी** से हटाकर **घास की श्रेणी** में ला दिया
- अब **उत्तर-पूर्व** के लोग अपनी जमीन पर **बांस उगा** सकते हैं और **बांस के उत्पाद** बनाकर **बेच** सकते हैं।

105. अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह बढ़कर ₹1.72 लाख करोड़ हो गया - द हिंदू/ अक्टूबर में जीएसटी राजस्व में 13% की वृद्धि हुई - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार :

- वस्तु एवं सेवा कर (GST) राजस्व में **अक्टूबर 2023** में बड़े पैमाने पर पुनरुत्थान दर्ज किया गया
- जीएसटी कार्यान्वयन के बाद से **कर संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये** के दूसरे सबसे बड़े मासिक आंकड़े पर पहुंच गया।

प्रीलिम्स टेकअवे

- वस्तु एवं सेवा कर (GST)
- मुआवजा उपकर

विकास तथ्य और सांख्यिकी

- यह **अक्टूबर 2022** में **जीएसटी संग्रह** की तुलना में **13.4%** की मजबूत वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह **सितंबर 2023** के घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में है जब अ**प्रत्यक्ष कर संग्रह** में **वृद्धि 27** महीने के न्यूनतम स्तर 10.2% पर आ गई थी।
- घरेलू **लेनदेन और सेवाओं के आयात** ने तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- जीएसटी **क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह** अक्टूबर 2023 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।
- प्रारंभिक गणना से पता चलता है कि **आयातित वस्तुओं** पर **जीएसटी शुल्क** में **अक्टूबर में 13.9%** की तेज वृद्धि देखी गई
- संग्रह ने **घरेलू लेन-देन** की वृद्धि को पीछे छोड़ दिया है।
- अप्रैल 2023 में अब तक का सबसे अधिक **1.87 लाख करोड़ रुपये** का **जीएसटी राजस्व** दर्ज किया गया।

औसत जीएसटी संग्रह

- वित्तीय वर्ष 2023-24 की प**हली छमाही** में, **वित्तीय वर्ष 2023-24** में **औसत सकल मासिक जीएसटी संग्रह 1.66 लाख करोड़** रुपये है।
  - यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में **11% की वृद्धि** दर्शाता है।
  - वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में **CGST+SGST+मुआवजा उपकर** की **बजटीय वृद्धि 12% राजस्व** होने का अनुमान लगाया गया था।

106. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) सूचकांक में बड़े राज्यों के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत में खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र और महत्व, स्थान, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आवश्यकताएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक
- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण

समाचार:
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश बड़े राज्यों के लिए **वर्ष 2019** की तुलना में **वर्ष 2023** में **स्कोर में गिरावट** आई है।

राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक (SFSI)
- FSSAI ने वर्ष 2019 में **राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक (SFSI)** पेश किया, जिसका मूल्यांकन **पांच मापदंडों** के आधार पर **100 अंकों में से** किया गया
  - मानव संसाधन और संस्थागत डेटा
  - अनुपालन
  - खाद्य परीक्षण अवसंरचना
  - प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण
  - उपभोक्ता सशक्तिकरण

STATES WITH STEEPEST INDEX FALL

State	2019	2023
Maharashtra	74	45
Bihar	46	20.5
Gujarat	73	48.5
Andhra Pradesh	47	24
Chhattisgarh	46	27

Source: SFSI reports; all scores out of 100

SAFETY MEASURE

Parameter	Weight
Compliance	28
Consumer Empowerment	19
Human Resources and Institutional Data	18
Food Testing Infrastructure	17
Improvement in SFSI Rank *(added in 2023)*	10
Training and Capacity Building	8
TOTAL	100

स्कोर में गिरावट
- स्कोर में सबसे बड़ी गिरावट महाराष्ट्र में हुई, जहां वर्ष 2019 में 74 से घटकर 2023 में 45 हो गया।
- सबसे खराब गिरावट '**खाद्य परीक्षण अवसंरचना**' पैरामीटर में थी, जहां अधिकांश राज्यों ने **वर्ष 2019** की तुलना में **वर्ष 2023** में कम स्कोर दर्ज किया।
- **अनुपालन, मानव संसाधन** और **संस्थागत डेटा** मापदंडों में भी स्कोर में गिरावट देखी गई।

- **उपभोक्ता सशक्तिकरण स्कोर** काफी हद तक सुसंगत रहा, जिसमें **तमिलनाडु वर्ष 2023** में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहा।
- एकमात्र पैरामीटर जिसमें सुधार देखा गया वह **प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण'** था
  - इस पैरामीटर के लिए औसत स्कोर **वर्ष 2019 में 10 में से 3.5 अंक** से बढ़कर **वर्ष 2023 में 8 में से 5 अंक** हो गया।

नया पैरामीटर

- पिछले वर्ष से राज्य की रैंक में सुधार का आकलन करने के लिए **वर्ष 2023** में एक नया पैरामीटर, **SFSI रैंक में सुधार'** जोड़ा गया था।
- इस **नए पैरामीटर** को समायोजित करने के लिए **कुल स्कोर** को समायोजित किया गया था।
- तुलनात्मक उद्देश्यों के लिए **नए पैरामीटर** को बाहर करने पर, **20 में से 15 बड़े राज्यों** ने **वर्ष 2019** से स्कोर में गिरावट दर्ज की।

107.CBAM यूरोपीय संघ के विनिर्माण को खत्म कर देगा:भारत कार्बन टैक्स लगाएगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- कार्बन सीमा समायोजन तंत्र
- कार्बन टैक्स

- यूरोपीय संघ के प्रस्तावित **कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (CBAM)** को भारत की आलोचना का सामना करना पड़ा है।
- हाल ही में, **भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री** ने प्रस्ताव को **"गलत कल्पना"** कहा और **भारतीय विनिर्माण क्षेत्र** पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की।
- यदि यूरोपीय संघ की योजना **वर्ष 2026** में प्रभावी होती है तो भारत अपने स्वयं के **कार्बन टैक्स** को लागू करके **यूरोपीय संघ** के **कार्बन टैक्स** का मुकाबला करने की योजना बना रहा है।

कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM)
- CBAM "2030 पैकेज में 55 के लिए फिट" का हिस्सा है, जो 1990 के स्तर की तुलना में 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम से कम 55% कम करने की यूरोपीय संघ की योजना है।
- यह एक नीति उपकरण है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके कार्बन उत्सर्जन को कम करना है कि आयातित सामान यूरोपीय संघ के भीतर उत्पादित उत्पादों के समान कार्बन लागत के अधीन हैं।

CBAM की अनुचितता

- CBAM को **भारत और यूरोप** के बीच **कार्बन मूल्य निर्धारण** में **असमानता** पर जोर देते हुए **"अनुचित"** करार दिया गया था।
- उन्होंने तर्क दिया कि **अलग-अलग परिस्थितियों** और **विकास के स्तर** के कारण **कार्बन मूल्य निर्धारण** दृष्टिकोण दोनों क्षेत्रों के लिए समान नहीं हो सकता है।
- यूरोपीय संघ को एक **निष्पक्ष वैश्विक** अवसर तैयार करने के लिए कम **विकसित** और **विकासशील** देशों के लिए **कार्बन मूल्यों** में अंतर करना चाहिए।
- उन्होंने दंडात्मक टेक्स लगाने के बजा**य कार्बन उत्सर्जन** को संबोधित करने के लिए बेहतर तरीकों की आवश्यकता पर जोर दिया।

यूरोपीय ऑटो सेक्टर पर प्रभाव

- उन्होंने भविष्यवाणी की कि **यूरोपीय ऑटो सेक्टर,** विशेष रूप से **स्टील और एल्यूमीनियम का उपयोग करने वाले उद्योग,** CBAM से गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।
- उन्होंने इसे भारत के लिए एक प्रतिस्पर्धी **ऑटो सेक्टर विकसित क**रने के अवसर के रूप में देखा क्योंकि यूरोप में बढ़ी हुई **इनपुट लागत** भारत को **वैश्विक बाजारों** में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करेगी।

संभावित भारतीय कार्बन टैक्स और हरित ऊर्जा परिवर्तन

- यदि भारत अपना स्वयं का **कार्बन टैक्स** एकत्र करता है और इसे अपने **हरित ऊर्जा परिवर्तन** के लिए उपयोग करता है, तो यह **अप्रत्यक्ष रूप** से निर्यातकों को अपने **कार्बन पदचिह्न** को कम करने में मदद करेगा।
- यह रणनीति यूरोपीय सीमा पर अतिरिक्त **CBAM टैक्स** की आवश्यकता को समाप्त कर सकती है।

- भारत सरकार वर्तमान में **प्रस्तावित कार्बन टैक्स और इसकी निष्पक्षता के संबंध में अपने यूरोपीय संघ के** समकक्षों के साथ चर्चा कर रही है।

108.विकासशील देशों को जलवायु प्रभावों के प्रबंधन हेतु अधिक धन की आवश्यकता: संयुक्त राष्ट्र - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

समाचार:

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम(UNEP) की **अनुकूलन गैप रिपोर्ट** के अनुसार, **वर्ष 2021** में, विकासशील देशों में अनुकूलन परियोजनाओं के लिए **वित्त पोषण 15% कम होकर 21 बिलियन डॉलर** हो गया।
- प्रभावी अनुकूलन के लिए **विकासशील देशों** को इस दशक में **सालाना कम से कम 215 बिलियन डॉलर** की आवश्यकता है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- अनुकूलन गैप रिपोर्ट
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

अनुकूलन गैप रिपोर्ट

- यह **UNEP** का एक **वार्षिक प्रकाशन** है जो **जलवायु परिवर्तन** के **अनुकूलन** की **वैश्विक स्थिति** को प्रस्तुत करता है।
- इस वर्ष की रिपोर्ट **अनुकूलन वित्त या अनुकूलन परियोजनाओं** को पूरा करने के लिए धन की उपलब्धता पर केंद्रित है।

अनुकूलन का महत्व

- विशेष रूप से कम लचीलेपन वाले कमजोर देशों में **जीवन, आजीविका** और **पारिस्थितिकी तंत्र** को बचाने के लिए अनुकूलन महत्वपूर्ण है।
- अनुकूलन के उपायों में **समुद्र तट** को मजबूत करने से लेकर तापमान **प्रतिरोधी खाद्य फसलें**, **जलवायु लचीला बुनियादी ढांचा** और **जल स्रोतों** को सुरक्षित करना शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताएँ और अनुकूलन वित्त अंतराल

- विकसित देशों को **विकासशील देशों** को **जलवायु परिवर्तन** के अनुकूल होने में मदद करने के लिए धन और **प्रौद्योगिकी** प्रदान करने का आदेश दिया गया है।
- अनुकूलन आवश्यकताओं को अपने **राष्ट्रीय स्तर** पर **निर्धारित योगदान (NDCs)** में सूचीबद्ध किया है , जो उपलब्ध धन से अधिक है।
- **अनुकूलन गैप रिपोर्ट** आवश्यक और उपलब्ध निधियों के बीच बढ़ते गैप को दर्शाती है।

अनुकूलन वित्त अंतर का आकलन

- रिपोर्ट में **अनुकूलन वित्त आवश्यकताओं** का **दो तरह** से आकलन किया गया है।
  - NDC आवश्यकताएँ ($387 बिलियन प्रति वर्ष)
  - वैश्विक मॉडलिंग ($215 बिलियन प्रति वर्ष)।
- वर्ष 2009 में निर्धारित **जलवायु वित्त लक्ष्यों** को पूरा नहीं किया गया है और **जलवायु वित्त** की आवश्यकता काफी बढ़ गई है।

महत्वाकांक्षी जलवायु वित्त लक्ष्य

- विकसित देशों ने **वर्ष 2021 ग्लासगो जलवायु सम्मेलन** में **अनुकूलन** के लिए **धन दोगुना** करने की प्रतिबद्धता जताई।
- प्रति वर्ष **100 बिलियन डॉलर** के अतिरिक्त एक **नया जलवायु वित्तपोषण लक्ष्य** विचाराधीन है।
- हालाँकि, रिपोर्ट बताती है कि **ये महत्वाकांक्षाएँ पर्याप्त नहीं हो सकती हैं।**

अनुकूलन वित्त के विविध स्रोत

- अनुकूलन प्रयासों के लिए देशों को अपने **स्वयं के संसाधनों और निजी वित्त** पर अधिक निर्भर रहने की आवश्यकता हो सकती है ।
- **घरेलू बजट** और **निजी क्षेत्र** का **निवेश धन** के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं।

अनुकूलन अंतर को पाटना

- रिपोर्ट में अनुकूलन अंतर को पाटने के लिए **सात रणनीतियों की रूपरेखा** दी गई है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय वित्त और घरेलू संसाधन जुटाना शामिल है।

- यह बहुपक्षीय एजेंसियों से **जलवायु-संबंधित वित्त** तक पहुंच में सुधार के लिए **वैश्विक वित्तीय वास्तुकला** में सुधार का आह्वान करता है।

109.वित्त मंत्रालय ने जीएसटी मांग आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने के लिए एमनेस्टी योजना शुरू की - इंडियन एक्सप्रेस/ वित्त मंत्रालय ने जीएसटी मांग आदेश अपील के लिए एमनेस्टी की घोषणा की- द हिंदू

प्रासंगिकता: सरकारी बजटिंग

समाचार:

- वित्त मंत्रालय ने हाल ही में **वस्तु और सेवा कर (जीएसटी)** मांग आदेशों के खिलाफ अपील दायर करने के लिए एक **एमनेस्टी** योजना शुरू की है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- एमनेस्टी योजना
- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)

एमनेस्टी योजना की विशेषताएँ

- यह योजना **31 जनवरी 2024** तक खुली रहेगी
- उन संस्थाओं के लिए उपलब्ध है जो **31 मार्च, 2023** को या उससे पहले कर **अधिकारी द्वारा जारी आदेशों** के खिलाफ अपनी अपील प्रस्तुत करने में असमर्थ थीं।
- अब तक, **जीएसटी कानून** एक निर्धारिती को कर अधिकारी द्वारा ऐसा मांग आदेश पारित करने के **तीन महीने के भीतर** टैक्स की मांग करने वाले **मूल्यांकन आदेश** के **खिलाफ अपील दायर** करने की अनुमति देता था।
  - इसे एक महीने और बढ़ाया जा सकता है.
- योजना का लाभ उठाने की **इच्छुक संस्थाओं** को पहले से जमा करना होगा **टैक्स मांग** का **12.5 प्रतिशत,** जो **वर्तमान में 10 प्रतिशत** है।
- **यह योजना** उन लोगों के लिए एक **जीवन रेखा** होगी जो **अपील की समय सीमा** चूक गए होंगे।
- यह पहल **करदाताओं** के बीच **संवर्धित अनुपालन** को भी बढ़ावा दे सकती है।
- यह **टैक्स अधिकारियों** के साथ बेहतर **सहयोग** और **विवादों** को सुलझाने या कर मामलों को स्पष्ट करने की इच्छा को प्रोत्साहित करता है।

योजना के लाभ

- **विवादों** को **अधिक कुशलता** से **हल करने** की अनुमति देता है।
- कानूनी व्यवस्था पर बोझ कम हो सकता है.
- अपील प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके करदाताओं और कर प्रशासन दोनों को लाभ पहुँचाता है
- लंबे समय तक मुकदमेबाजी की आवश्यकता को संभावित रूप से कम कर देता है।

110.राष्ट्रीय बांध सुरक्षा टीम ने तेलंगाना में कालेश्वरम बैराज की योजना, डिजाइन में खामियां निकालीं- द हिंदू

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

समाचार:

- **राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (NDSA)** की एक विशेषज्ञ टीम ने हाल ही में **कालेश्वरम परियोजना** में **मेदिगड्डा बैराज** के डूबने की जांच की।
- टीम ने क्षति के कारणों के रूप में **योजना, डिज़ाइन गुणवत्ता नियंत्रण और संचालन और रखरखाव** के मुद्दों की पहचान की।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021
- कालेश्वरम परियोजना

बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021

- निगरानी और रख-रखाव में कमी के कारण हुई बांध विफलताओं की प्रतिक्रिया स्वरूप इसे पेश किया गया।
- देश भर में सभी निर्दिष्ट बांधों की **निगरानी, निरीक्षण, संचालन और रखरखाव** प्रदान करता है।
  - ये कुछ डिज़ाइन और संरचनात्मक शर्तों के साथ **15 मीटर से अधिक या 10 -15 मीटर** के बीच की **ऊंचाई वाले बांध** हैं।
- प्रमुख जिम्मेदारियाँ स्थापित करता है और इसके कार्यान्वयन के लिए **राष्ट्रीय** और **राज्य स्तरीय निकायों** के गठन की आवश्यकता होती है।

संस्थागत तंत्र

- **दो राष्ट्रीय स्तर के निकाय**
  - **बांध सुरक्षा पर राष्ट्रीय समिति:** बांध सुरक्षा नीतियों और विनियमों की देखरेख के लिए जिम्मेदार।
  - **राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण:** राज्य स्तरीय विवादों को लागू करने और सुलझाने का काम सौंपा गया।
- **केंद्रीय जल आयोग (CWC) के अध्यक्ष:** राष्ट्रीय स्तर पर बांध सुरक्षा प्रोटोकॉल का नेतृत्व करता है।
- **दो राज्य स्तरीय निकाय**
  - राज्य **बांध सुरक्षा संगठन (SDSO)** बांधों की सतत निगरानी, निरीक्षण और मॉनिटरिंग करेगा।
  - बांध सुरक्षा पर राज्य समिति (SCDS) **राज्य बांध पुनर्वास कार्यक्रमों** की **निगरानी** तथा **SDSO के काम** की **समीक्षा** करती है और **बांध सुरक्षा** के **संबंध में अनुशंसित उपायों** की प्रगति की **समीक्षा** करती है।

बांध मालिकों का ज़िम्मेदारी

- बांध के सुरक्षित निर्माण, संचालन, रखरखाव और पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार।
- प्रत्येक बांध में एक **बांध सुरक्षा इकाई** अवश्य उपलब्ध करायें जो **बांधों का निरीक्षण** करेगी
  - **मानसून सीजन** से पहले और बाद में
  - प्रत्येक **भूकंप, बाढ़, आपदा या संकट** के किसी भी संकेत के दौरान और उसके बाद।
- **बांध मालिकों के कार्य**
  - एक आपातकालीन कार्य योजना तैयार करना
  - निर्दिष्ट नियमित अंतराल पर जोखिम मूल्यांकन अध्ययन करना
  - विशेषज्ञों के एक पैनल के माध्यम से एक व्यापक बांध सुरक्षा मूल्यांकन तैयार करना।
- **अपराध और दंड**
  - अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति को उसके कार्यों के निर्वहन में बाधा डालने या निर्देशों का पालन करने से इनकार करने वाले को एक वर्ष की कैद हो सकती है।
  - जानमाल के नुकसान की स्थिति में व्यक्ति को दो साल की जेल हो सकती है

111.DPIIT ने राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ पीएम गतिशक्ति वेबिनार आयोजित किया - पीआईबी

प्रासंगिकता: बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

समाचार:

- DPIIT ने हाल ही में **पीएम गतिशक्ति** को अपनाने की स्थिति का **आकलन** करने और **जिला** और **स्थानीय** स्तर पर इसके **कार्यान्वयन** के लिए **रणनीतियों** पर **चर्चा** करने के लिए एक **वेबिनार** आयोजित किया।

प्रीलिम्स टेकअवे

- पीएम गति शक्ति योजना
- भारतमाला
- विशेष आर्थिक क्षेत्र

मुख्य बिंदु

- पीएम गतिशक्ति के अद्वितीय **GIS-आधारित मंच** और **मंत्रालयों, विभागों** और **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों** में एक **सार्वभौमिक योजना** उपकरण के रूप में इसकी क्षमता की प्रशंसा की।
- क्षेत्र विकास सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, **पीएम गतिशक्ति** को **जिला** और **शहरी स्थानीय निकाय स्तरों** तक प्रसारित करने के महत्व पर जोर दिया गया है।
- क्रांतिकारी **डिजिटल बुनियादी ढांचे** की योजना पर चर्चा की गई है

पीएम गतिशक्ति के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देना

- **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया**
  - जियो-टैग किए गए डेटा के लिए स्थानीय **रिमोट सेंसिंग एजेंसियों/अंतरिक्ष एजेंसियों** का लाभ उठाएं
  - **समग्र विकास** के लिए **बुनियादी ढांचे की योजना** के साथ **क्षेत्र-विकास सिद्धांतों** को एकीकृत करें।

- **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** ने **पीएम गतिशक्ति** का उपयोग करके **बुनियादी ढांचा परियोजनाओं** और **सामाजिक कल्याण योजनाओं** के **मानचित्रण** में अपनी **प्रगति** पर प्रकाश डाला।

पीएम गति शक्ति योजना

- यह **वर्ष 2021** में **लॉन्च** की गई थी , इसे **मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी** के लिए **राष्ट्रीय मास्टर प्लान** के रूप में भी जाना जाता है।
- वर्ष 2019 में लॉन्च की गई **110 लाख करोड़ रुपये** की **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन** को शामिल किया गया है ।
- **उद्देश्य:** भारत में विनिर्माण के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करना।
- **बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी परियोजनाओं** की **एकीकृत योजना** और **समन्वित कार्यान्वयन** के लिए **16 मंत्रालयों** को एक साथ लाने के लिए एक **डिजिटल मंच** है ।
- लॉजिस्टिक लागत में कटौती, **कार्गो हैंडलिंग** क्षमता बढ़ाने और **टर्नअराउंड** समय को कम करने का लक्ष्य।
- यह बुनियादी ढांचे की अंतिम मील कनेक्टिविटी की सुविधा भी प्रदान करता है।
- विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की **बुनियादी ढांचा योजनाओं** को शामिल करता है।
  - जैसे भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, शुष्क/भूमि बंदरगाह, उड़ान आदि।
- कनेक्टिविटी में **सुधार** और **भारतीय व्यवसायों** को **अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने** के लिए **आर्थिक क्षेत्रों** को **कवर** किया जाएगा ।
  - जैसे कपड़ा क्लस्टर, फार्मास्युटिकल क्लस्टर, रक्षा गलियारे, इलेक्ट्रॉनिक पार्क, औद्योगिक गलियारे, मछली पकड़ने के क्लस्टर, कृषि क्षेत्र आदि

गति शक्ति डिजिटल प्लेटफार्म

- इसमें एक **उभयनिष्ठ छत्र मंच** का निर्माण शामिल है।
- इसके माध्यम से, वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न **मंत्रालयों/विभागों** के बीच समन्वय के माध्यम से **बुनियादी ढांचा परियोजनाओं** की योजना बनाई और प्रभावी ढंग से कार्यान्वित की जा सकती है।

112.भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.57 बिलियन डॉलर बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
• डॉलर-रुपये की अदला-बदली • विदेशी मुद्रा भंडार • भारतीय रिजर्व बैंक

- भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, **विदेशी निवेशकों** द्वारा निकासी के बावजूद, भारत का **विदेशी मुद्रा भंडार 2.579 बिलियन डॉलर बढ़कर 586.111 बिलियन डॉलर** हो गया।
- पिछले साल RBI द्वारा किया गया **5 बिलियन डॉलर-रुपये** का **स्वैप,** हाल ही में परिपक्व हुआ, जिससे **व्यापार में उलटफेर** हुआ।
- बैंकों ने एक ही बार में पूरी रकम **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** को पहुंचा दी।

डॉलर-रुपया स्वैप

- यह एक **विदेशी मुद्रा उपकरण** है जिसके तहत **केंद्रीय बैंक** अपनी **मुद्रा का उपयोग दूसरी मुद्रा खरीदने** या इसके **विपरीत करने** के लिए करता है।
- डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री स्वैप में, **केंद्रीय बैंक भारतीय रुपये (INR)** के बदले बैंकों से **डॉलर (US डॉलर या USD)** खरीदता है।
- यह तुरंत बाद की तारीख में डॉलर बेचने का वादा करने वाले बैंकों के साथ एक विपरीत सौदे में शामिल हो जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार

- इसे **विदेशी मुद्रा भंडार** भी कहा जाता है, ये **केंद्रीय बैंक** द्वारा **विदेशी मुद्राओं** में रखी गई **आरक्षित संपत्तियां** हैं।

- इनमें **विदेशी मुद्राएं, बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अन्य सरकारी प्रतिभूतियां** शामिल हो सकती हैं।
- रिज़र्व को अ**मेरिकी डॉलर** में दर्शाया और व्यक्त किया जाता है, जो इस उद्देश्य के लिए **अंतर्राष्ट्रीय अंक** है।
- **विदेशी मुद्रा भंडार का संरक्षक:** भारतीय रिजर्व बैंक
- **भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में शामिल हैं**
  - **विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ (FCAs):** अमेरिकी डॉलर, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और जापानी येन जैसी मुद्राओं में रखी जाती हैं।
  - **सोना**
  - **विशेष आहरण अधिकार (SDRs):** IMF के पास आरक्षित मुद्रा
  - **आरक्षित किश्त स्थिति (RTP):** IMF के पास आरक्षित पूंजी
- भारत के **विदेशी मुद्रा भंडार** में सबसे बड़ा योगदान **विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों** का है, इसके बाद **सोना** आता है।

113.NICED के द्वारा दवा-प्रतिरोधी हेलिकोबैक्टर पाइलोरी का शीघ्र पता लगाना संभव - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।
समाचार:

- **ICMR-NICED** के **शोधकर्ताओं** ने **हेलिकोबैक्टर पाइलोरी** का पता लगाने और **दवा प्रतिरोध** के लिए एक **PCR-आधारित परख** विकसित की है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- हेलिकोबैक्टर पाइलोरी

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी

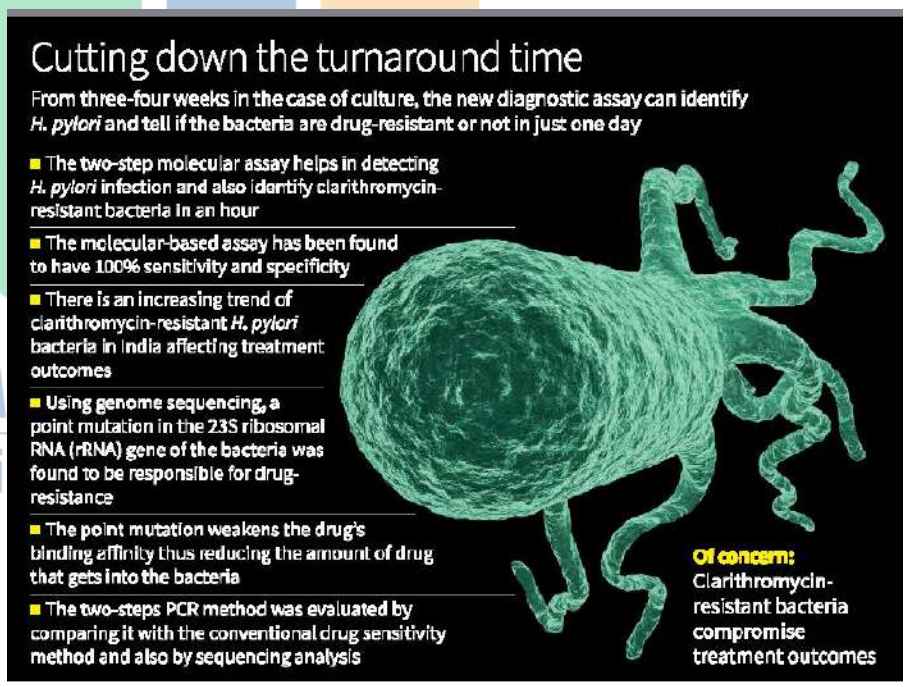

- यह एक सामान्य प्रकार का **बैक्टीरिया** है जो **पाचन तंत्र** में बढ़ता है और **पेट की परत** पर हमला करता है।
- इसके संक्रमण आमतौर पर हानिरहित होते हैं लेकिन वे **पेट** और **छोटी आंत** में अधिकांश **अल्सर** के लिए जिम्मेदार होते हैं।
- यह जीवाणु **अपने आस-पास के वातावरण** को बदल सकता है और **अम्लता** को कम कर सकता है, जिससे यह अधिक आसानी से जीवित रह सकता है।
- यह पेट के कठोर, **अम्लीय वातावरण** में रहने के लिए अनुकूलित होता है.
- **हेलिकोबैक्टर पाइलोरी** का **सर्पिल आकार** इसे **पेट की परत** में प्रवेश करने की अनुमति देता है, जहां यह **बलगम द्वारा** संरक्षित होता है और **शरीर की प्रतिरक्षा कोशिकाएं** इस तक नहीं पहुंच पाती हैं।
- यह संक्रमण आमतौर पर बचपन के दौरान होता है।
- **व्यापकता:** हेलिकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण भारत में आम है और इससे **गैस्ट्रिक संबंधी विभिन्न समस्याएं** हो सकती हैं।

लक्षण

- हेलिकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण वाले अधिकांश लोगों में कभी भी कोई संकेत या लक्षण नहीं होंगे।

- जब **हेलिकोबैक्टर पाइलोरी** संक्रमण के **संकेत** या **लक्षण** दिखाई देते हैं, तो वे आम तौर पर **गैस्ट्रिटिस या पेप्टिक अल्सर** से संबंधित होते हैं और इसमें शामिल हो सकते हैं
  - आपके पेट (पेट) में दर्द या जलन
  - जब आपका पेट खाली हो तो पेट दर्द अधिक हो सकता है
  - जी मिचलाना, भूख न लगना, अनैच्छिक रूप से वजन घटना,

इलाज

- इसमें आम तौर पर **एंटीबायोटिक दवाओं** और एक **प्रोटॉन पंप अवरोधक दवा** का संयोजन शामिल होता है जो 1**4 दिनों तक पेट के एसिड** को कम करता है।
- इस उपचार को कभी-कभी **ट्रिपल थेरेपी** के रूप में भी जाना जाता है।

114.वर्ष 2100 तक भारत की सतह का तापमान 5.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है: IIT-खड़गपुर - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- पेरिस समझौता
- क्योटो प्रोटोकोल

- आईआईटी-खड़गपुर द्वारा हाल ही में **"1980-2020 के दौरान भारत में सतह के तापमान में वृद्धि और भविष्य के अनुमान: ड्राइवरों और रुझानों के कारण संबंध"** शीर्षक से एक अध्ययन प्रकाशित किया गया था।
- यह अध्ययन पुणे में **भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान** के सहयोग से **आईआईटी-खड़गपुर** की एक टीम द्वारा आयोजित किया गया था।।
- यह तापमान परिवर्तन पर विभिन्न कारकों के प्रभाव का आकलन करता है और भविष्य का पूर्वानुमान लगाता है।
- इसमें **वर्ष 2100 तक** भारत में **तापमान 1.1 से 5.1 डिग्री सेल्सियस** तक बढ़ने का अनुमान लगाया गया है।

तापमान रुझान

- **भारतीय क्षेत्र** में अब तक **तापमान** में **वास्तविक वृद्धि** वैश्विक औसत से काफी कम रही है।
- यह भारत के कई क्षेत्रों में **मानसून पूर्व** और **मानसून के बाद के मौसम** के दौरान बढ़ते **तापमान के रुझान** की पहचान करता है।
- मानसून के बाद के मौसम में विशिष्ट क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मूल्यों के साथ, पूरे देश में तापमान में वृद्धि देखी गई ।
- पिछले चार दशकों में विभिन्न मौसमों के दौरान तापमान में **प्रति दशक 0.1 से 0.4 डिग्री सेल्सियस** तक की वृद्धि हुई है।
- **पश्चिमी हिमालय क्षेत्र** और **उत्तर पूर्व भारत** में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
  - यह बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है।

अनुमान

- भारत में तापमान वृद्धि के **अनुमान उत्सर्जन परिदृश्यों** के आधार पर भिन्न-भिन्न होते हैं।
- **मध्यम उत्सर्जन परिदृश्य** : **वर्ष 2100** तक तापमान लगभग **1.2-2 डिग्री सेल्सियस** बढ़ने की संभावना है।
- **उच्च उत्सर्जन परिदृश्य:** वर्ष 2100 तक तापमान **3.5-5.1 डिग्री सेल्सियस** तक बढ़ सकता है।
- अध्ययन से पता चलता है कि **उत्सर्जन** को कम करने के प्रयास **उच्च तापमान में वृद्धि को कम** कर सकते हैं।

115.नीति आयोग 5 साल पहले लॉन्च की गई प्रमुख जल रिपोर्ट को बंद करने पर विचार कर रहा है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- समग्र जल प्रबंधन सूचकांक
- जलवायु परिवर्तन बिंदु
- नीति आयोग

समाचार:
- '**समग्र जल प्रबंधन सूचकांक**' रिपोर्ट को "**आंतरिक**" रखने का निर्णय देश में जल संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए **सरकार की पारदर्शिता और प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है ।**
- '**समग्र जल प्रबंधन सूचकांक' (CWMI)** के रूप में जानी जाने वाली ये रिपोर्ट पहले **सार्वजनिक रूप से** जारी की गई थीं और भारत की **जल चुनौतियों** की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था।

CWMI रिपोर्ट का इतिहास
- CWMI रिपोर्ट **पांच साल पहले शुरू** की गई थी और **जल प्रबंधन से संबंधित 28 मापदंडों** के आधार पर **राज्यों की रैंकिंग** की गई थी।
- **पहला संस्करण:** जून 2018 में जारी किए गए डेटा में **वर्ष 2015-16** और **वर्ष 2016-17** का डेटा शामिल था।
- **दूसरा संस्करण:** अगस्त 2019 में लॉन्च किया गया जिसमें **वर्ष 2017-18** का डेटा शामिल था।
- **डेटा समर्थित नीतिगत** निर्णयों को बढ़ावा देने और **जल संसाधन प्रबंधन** में राज्यों के बीच **प्रतिस्पर्धी** और **सहकारी संघवाद** को बढ़ावा देने के लिए इसे पेश किया गया।

जलशक्ति मंत्रालय से अनुरोध
- मई 2023 में, **नीति आयोग** ने **केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय** को पत्र लिखकर **CWMI** के "**उपयोग और प्रयोज्यता**" पर दृष्टिकोण मांगा और क्या इसे जारी रखा जाना चाहिए।
- CWMI रिपोर्ट के **तीसरे** और **चौथे संस्करण** के लंबित होने के बावजूद मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नवीनतम अप्रकाशित रिपोर्ट
- नवीनतम अप्रकाशित रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि भारत में **पानी की कमी एक राष्ट्रीय समस्या** है।
- यह वार्षिक **प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता** में गिरावट को नोट करता है और **बेहतर जल प्रबंधन** प्रदर्शन वाले क्षेत्रों की पहचान करता है।

अनुमान और विलंब
- CWMI के **तीसरे** और **चौथे दौर** को जारी करने में देरी का कारण **COVID-19 महामारी** के कारण अद्यतन डेटा की अनुपलब्धता है।
- इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या **वर्ष 2018-20** की रिपोर्ट को **वर्ष 2020-21** और **वर्ष 2021-22** की रिपोर्ट के साथ जोड़ा जाए।
- **नीति आयोग** कवरेज को **जिला स्तर तक बढ़ाने** और **जल अनुक्रमण के** लिए अन्य चैनल तलाशने पर भी विचार कर रहा है।

भूजल पर चेतावनी
- अक्टूबर में, **संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय** ने चेतावनी दी थी कि **भारत** भूजल जोखिम के **चरम बिंदु के करीब** है, जो **जल प्रबंधन** में एक **महत्वपूर्ण सीमा** का **संकेत** देता है।
- CWMI रिपोर्ट को **"आंतरिक"** रखने का निर्णय देश में जल संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार की **पारदर्शिता** और **प्रतिबद्धता** पर सवाल उठाता है ।

116.पृथ्वी के अंदरूनी हिस्से में चंद्रमा के निर्माण से सम्बंधित अवशेष होने के संकेत मिले हैं. - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

समाचार:

- भूकंपविज्ञानी लंबे समय से पृथ्वी की गहराई में **दो महाद्वीप के आकार के ब्लॉब्स** के बारे में खोज की हैं - एक **अफ्रीका** के नीचे और दूसरा **दक्षिण प्रशांत** के नीचे।
- माना जाता है कि ये **घने ब्लॉब्स** किसी प्रलयंकारी घटना के अवशेष हैं जिसके कारण **चंद्रमा का निर्माण** हुआ होगा।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पृथ्वी की आंतरिक संरचना
- पृथ्वी के आवरण के नीचे ब्लॉब्स
- थिया

चंद्रमा का टकराव

- हाल के शोध से पता चलता है कि **चंद्रमा का निर्माण 4.46 अरब साल** पहले हुआ था जब **मंगल ग्रह** के आकार की **वस्तु, थिया आदिम पृथ्वी** से टकरा गई थी।
- प्रभाव ने पिघली हुई चट्टान को अंतरिक्ष में भेज दिया जो **अंततः चंद्रमा** के रूप में एकत्रित हो गई।
- **थिया के टुकड़े** पृथ्वी के भीतर रह गए होंगे, जो **मेंटल के सबसे गहरे हिस्से** तक डूब गए होंगे।

कंप्यूटर सिमुलेशन

- **थिया के गुणों** और **पृथ्वी मेंटल** के **विकास के प्रभाव** की घटना का अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने **कंप्यूटर सिमुलेशन** का आयोजन किया।
- उन्होंने प्रस्तावित किया कि **थिया का अधिकांश** भाग **पृथ्वी** में समाहित हो गया, जिससे रहस्यमयी **ब्लॉब्स** बन गईं, जबकि अवशिष्ट मलबा **चंद्रमा** बन गया।

ब्लॉब्स के लक्षण

- ब्लॉब्स पृथ्वी की सतह से **2900 किलोमीटर** नीचे स्थित हैं और पृथ्वी के द्रव्यमान का **लगभग 2%** बनाती हैं।
- आसपास के मेंटल की तुलना में इन क्षेत्रों में **भूकंपीय तरंगें** धीमी गति से चलती हैं।
- प्रत्येक ब्लॉब्स पूरे चंद्रमा के द्रव्यमान का दोगुना है, जो उन्हें विशाल बनाती है।

अध्ययन का महत्व

- यदि अध्ययन के निष्कर्ष सही हैं, तो **ब्लॉब्स पृथ्वी पर चंद्रमा** के टकराने का प्रमाण प्रदान कर सकती हैं।
- इन ब्लॉब्स को एक साधारण स्तरित ग्रह से **पृथ्वी की संरचना** में सबसे महत्वपूर्ण विचलन माना जाता है।
- ब्लॉब्स के बढ़े हुए घनत्व को चंद्रमा की चट्टानों के समान, उनमें **उच्च लौह सामग्री** के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

भविष्य के अनुसंधान की संभावना

- शोधकर्ताओं का सुझाव है कि पृथ्वी की सतह तक पहुंचने वाली **ज्वालामुखीय चट्टानों** में **थिया** के नमूने हो सकते हैं, जो **लुप्त ग्रह** के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।
- ब्लॉब्स के भीतर **आइसोटोप** और **ट्रेस तत्वों** की तुलना भविष्य के चंद्र मिशनों में **चंद्र मेंटल चट्टानों** से की जा सकती है।
- चंद्रमा की टक्कर को समझने से हमारे **सौर मंडल** में **पृथ्वी** और **अन्य चट्टानी ग्रहों** के विकास पर प्रकाश डाला जा सकता है।

117.वायरल डीपफ़ेक वीडियो के बाद, आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया साइटों को चेतावनी जारी की - द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- डीपफेक

- **इलेक्ट्रॉनिक्स** और **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** ने अब **"सभी सोशल मीडिया मध्यस्थों"** को नोटिस भेजा है, उन्हें याद दिलाया है कि **ऑनलाइन प्रतिरूपण** अवैध है

मुख्य बिंदु

- मंत्रालय ने **प्लेटफार्मों** को ऐसी सामग्री को **36 घंटे** के भीतर हटाने की चेतावनी दी, जो **आईटी नियम, 2021** में उल्लिखित आवश्यकता है।
- इसने यह भी आग्रह किया कि **"उचित परिश्रम** किया जाए और **गलत सूचना** और **डीपफेक की पहचान** करने के लिए उचित प्रयास किए जाएं"।
- सोशल मीडिया फर्मों को नोटिस में, आईटी मंत्रालय ने कहा कि **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66-D** के तहत ऑनलाइन प्रतिरूपण अवैध था।
- **आईटी नियम, 2021,** "किसी अन्य व्यक्ति का प्रतिरूपण करने वाली किसी भी सामग्री को होस्ट करने" पर भी रोक लगाता है
- इसके लिए **सोशल मीडिया** फर्मों को किसी व्यक्ति के सतर्क होने पर उसकी **कृत्रिम रूप** से रूपांतरित की गई **छवियों को तुरंत हटाने** की भी आवश्यकता होती है।
- मेटा ने घटना पर टिप्पणी मांगने वाले प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया।

डीपफेक

- इसका उपयोग राजनीतिक हस्तियों के **नकली वीडियो और झूठी आपदा छवियों** जैसी हेरफेर की गई सामग्री बनाने के लिए किया गया है।
- ये आम तौर पर **वास्तविक वीडियो** पर आधारित होते हैं, और लोगों की उपस्थिति, उनकी ध्वनि आदि को बदलने के लिए संपादित किए जाते हैं।
- **मशीन लर्निंग एल्गोरिदम** का लाभ उठाकर **डीपफेक** पारंपरिक **फोटो एडिटिंग तकनीकों** से आगे निकल जाते हैं
- प्रौद्योगिकी में सुधार और इन्हें बनाने के लिए अक्सर उपयोग की जाने वाली **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों** की गिरती लागत के कारण वीडियो **डीपफेक सुगमता** और **गुणवत्ता** में तेजी से बढ़ रहे हैं।

118. ब्राज़ील में सोया उत्पादन में वृद्धि बच्चों में कैंसर से होने वाली अधिक मौतों से सम्बन्धित - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता मेंई-प्रौद्योगिकी।

समाचार:

- एक नया अध्ययन ब्राजील के **अमेज़ॅन और सेराडो बायोम** में **सोया उत्पादन में वृद्धि** और **बाल चिकित्सा कैंसर** से होने वाली **बढ़ती मौतों के बीच संबंध** का पता लगाता है।
- **व्यापक कीटनाशकों** के उपयोग के साथ-साथ सोया **उत्पादन में वृद्धि ने चिंताएँ बढ़ा** दी हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कृषि रसायन

मुख्य निष्कर्ष:

बाल कैंसर से सहसंबंध:

- वर्ष 2008 और वर्ष 2019 के बीच तीव्र **लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ALL)** के कारण बढ़े हुए **सोया उत्पादन** और बाल मृत्यु के बीच **सांख्यिकीय रूप** से महत्वपूर्ण सहसंबंध पाया गया ।
- **पानी की आपूर्ति** के प्रवेश के माध्यम से **कीटनाशकों** का **जोखिम** होने की संभावना है ।

सोया वृक्षारोपण वृद्धि का प्रभाव:

- अध्ययन अवधि के दौरान , **226 रिपोर्ट किए गए मामलों** में से **कीटनाशकों के संपर्क** से जुड़े सभी मामलों में **10 वर्ष से कम उम्र** के **123 बच्चों की मृत्यु** हो गई ।

भ्रूण विकास से परे:

- अध्ययन ने **भ्रूण के विकास** से लेकर **शैशवावस्था** और **बचपन** तक **प्रसव पूर्व कीटनाशकों** के संपर्क के प्रभावों पर पिछले निष्कर्षों को बढ़ाया।

- **गहन कृषि** और **प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों** के बीच एक **मजबूत** और **निरंतर संबंध** का प्रदर्शन किया ।

उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल की भूमिका:

- उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और दैनिक ड्राइव (100 किलोमीटर) के भीतर बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी केंद्रों तक पहुंच ने बाल चिकित्सा सभी के लिए घातक परिणामों को कम करने में मदद की।

व्यापक प्रभाव:

- अध्ययन **गैर-घातक स्वास्थ्य प्रभावों** पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें सफलतापूर्वक **इलाज किए गए कैंसर** के मामले भी शामिल हैं

ब्राज़ील में कीटनाशकों की खपत:

- **ब्राज़ील कृषि रसायनों** का एक प्रमुख **उपभोक्ता** और **कृषि वस्तुओं** का **निर्यातक** है, जो **कीटनाशकों** की **खपत के रिकॉर्ड स्थापित** कर रहा है।
- उपयोग किए जाने वाले कई **कीटनाशक यूरोपीय संघ** में उत्पादित होते हैं और अत्यधिक खतरनाक माने जाते हैं।

नीति सिफारिशों:

- अध्ययन **सख्त कीटनाशक नियमों** का समर्थन करता है, खासकर **खाद्य उत्पादन** के विस्तार वाले क्षेत्रों में।
- सामान्य समुदाय में **कीटनाशकों** के जोखिम पर **सार्वजनिक स्वास्थ्य** का ध्यान बढ़ाने का आह्वान ।

संतुलित कृषि गहनता:

- **उत्पादक लाभों** और **कृषि में तेजी** से बदलाव से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करने के बीच **संतुलन खोजने के महत्व** पर जोर दिया गया है ।

प्रकाशन:

- यह अध्ययन **30 अक्टूबर, 2023** को **जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज** (PNAS) में प्रकाशित हुआ था।

119.रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संबन्धित मामला - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

समाचार:

- RBI द्वारा स्थापित **उन्नत वित्तीय अनुसंधान और शिक्षण केंद्र (CAFRAL)** ने **NBFC** के लिए बढ़ते **बैंक वित्तपोषण** पर चिंता व्यक्त की है।
- इसमें **प्रणालीगत संक्रमण** को जन्म देने की क्षमता है और संभावित **प्रणालीगत जोखिमों** को कम करने के लिए कड़े निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- उन्नत वित्तीय अनुसंधान और शिक्षण केंद्र (CAFRAL)
- गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC)
- डिजिटल ऋण

बाज़ार रुझान

- **IL&FS डिफॉल्ट** से प्रेरित बाजार सुधार और **COVID-19 महामारी** के कारण थोड़े समय के ठहराव के बाद, **NBFC के लिए बैंक वित्तपोषण** फिर से बढ़ रहा है।
- सुरक्षित उधारी में उल्लेखनीय **गिरावट** और **असुरक्षित उधारी** में मामूली वृद्धि हुई है।
  - यह जोखिमपूर्ण वित्तपोषण के लिए अधिक जोखिम का संकेत देता है।
- **सुरक्षित** और **असुरक्षित** दोनों प्रकार की **बैंक उधारी** में गिरावट आई है, जबकि **असुरक्षित डिबेंचर** में वृद्धि हुई है।
- भंडार और अधिशेष में भी उल्लेखनीय कमी आई है, जो कम वित्तीय बफ़र्स का संकेत देता है।

NBFC बैलेंस शीट पर जोखिम का बढ़ना

- साक्ष्य एक **संकुचनकारी मौद्रिक नीति** झटके के बाद **NBFC बैलेंस शीट के परिसंपत्ति पक्ष** पर जोखिम बढ़ने की ओर इशारा करते हैं।
- परिसंपत्ति पक्ष में कमी मुख्य रूप से **सुरक्षित ऋणों** और **अग्रिमों में कमी** के कारण है, जबकि **असुरक्षित ऋणों** में मामूली वृद्धि देखी गई है।
- **पूंजी बाजार एक्सपोजर** में **वृद्धि उच्च इक्विटी होल्डिंग्स** द्वारा संचालित होती है।

- RBI के आंकड़ों के मुताबिक, **अगस्त 2023** तक **NBFC में बैंक एक्सपोजर 25.8%** बढ़कर **13.83 लाख करोड़ रुपये** तक पहुंच गया है।

NBFC सेक्टर में पिछले आघात

- भारत में एनबीएफसी सेक्टर को पहले बड़ेआघात का सामना करना पड़ा था
  - सितंबर 2018 में IL&FS का पतन
  - जून 2019 में DHFL का पतन
- इनसे क्षेत्र में बाजार के विश्वास पर नकारात्मक असर पड़ा।

नकली/अवैध ऋण देने वाले ऐप्स के बारे में चिंताएँ

- **CAFRAL बाज़ार** में **नकली** और **अवैध ऋण** देने वाले **ऐप्स** की **मौजूदगी के बारे में भी चेतावनी** देता है।
- ये ऐप्स कानूनी प्रतीत हो सकते हैं लेकिन दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोगकर्ताओं की जानकारी एकत्र कर सकते हैं।
- **ऑनलाइन ऋण गतिविधियों** से **पारंपरिक बैंकिंग क्षेत्र** में संभावित नुकसान के बारे में चिंताएं हैं।
- **पारंपरिक ऋण** और **ऑनलाइन ऋण क्षेत्रों** के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, संभावित **स्पिल-ओवर प्रभाव** उतना ही अधिक होगा।

डिजिटल ऋण का विकास

- समग्र क्रेडिट बाजार में **डिजिटल ऋण** की हिस्सेदारी वर्तमान में छोटी है लेकिन **गैर-रेखीय रूप** से बढ़ रही है।
- यह संभावित स्थिरता **जोखिमों का आकलन** करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है जो **डिजिटल उधार बड़ी अर्थव्यवस्था** के लिए उत्पन्न हो सकता है क्योंकि यह लगातार बढ़ रहा है।

सीमांत आबादी पर प्रभाव

- **डिजिटल उधार** अक्सर वंचित और **सीमांत बाजार** क्षेत्रों को लक्षित करता है।
- इस प्रकार, इस क्षेत्र में कोई भी नुकसान इन समूहों के लिए ऋ**ण उपलब्धता** और **वित्तीय समावेशन** को प्रभावित कर सकता है।

120.आदित्य-L1 ने सौर ज्वाला की तस्वीरे खींची - द हिंदू/इसरो के आदित्य-L1 ने सौर ज्वालाओं का पहला उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- आदित्य L1
- सौर ज्वालाएँ

- सूर्य का अध्ययन करने के लिए समर्पित **भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन, आदित्य-L1** अंतरिक्ष यान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- आदित्य-L1 बोर्ड पर **हाई एनर्जी L1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS)** पेलोड ने **सौर ज्वालाओं** का पहला **उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर** किया है।
- **HEL1OS पेलोड** को बेंगलुरु में **यू आर राव सैटेलाइट सेंटर**, इसरो में **स्पेस एस्ट्रोनॉमी ग्रुप** द्वारा विकसित किया गया था।

HEL1OS पेलोड अवलोकन

- अपने प्रारंभिक अवलोकन के दौरान, **HEL1OS पेलोड** ने **सौर ज्वालाओं** के **आवेगपूर्ण चरण** को रिकॉर्ड किया।
- रिकॉर्ड किया गया डेटा **नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जियोस्टेशनरी ऑपरेशनल एनवायर्नमेंटल सैटेलाइट्स (NOAA's GOES)** के **एक्स-रे प्रकाश वक्रों** के साथ संरेखित होता है।

उद्देश्य

- **HEL1OS** को सूर्य से **उच्च-ऊर्जा एक्स-रे गतिविधि** की **निगरानी के लिए डिज़ाइन** किया गया है।
- यह **तेज़ टाइमिंग** और **उच्च-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रा** प्रदान करता है।
- यह शोधकर्ताओं को **सौर ज्वालाओं** के **आवेगपूर्ण चरणों** के दौरान **एक्सप्लोसिव ऊर्जा रिलीज** और **इलेक्ट्रॉन त्वरण** का **अध्ययन करने में सक्षम** बनाता है।

सौर ज्वाला

- सनस्पॉट से जुड़ी चुंबकीय ऊर्जा के निकलने से विकिरण का तीव्र विस्फोट होता है।
- इन्हें सूर्य पर चमकीले क्षेत्रों के रूप में देखा जाता है, और ये मिनटों से लेकर घंटों तक रह सकते हैं।
- कुछ ही मिनटों में, वे सामग्री को कई **लाखों डिग्री तक गर्म** कर देते हैं और **विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम** में **विकिरण का विस्फोट** उत्पन्न करते हैं
  - जिसमें रेडियो तरंगों से लेकर **एक्स-रे** और **गामा किरणें** तक शामिल हैं
- हालाँकि **सौर ज्वालाएँ सफेद रोशनी** में दिखाई दे सकती हैं, वे अक्सर अपने **उज्ज्वल एक्स-रे** और **पराबैंगनी उत्सर्जन** के माध्यम से अधिक आसानी से देखी जाती हैं।

पृथ्वी पर सौर ज्वाला का प्रभाव

- यह उपग्रह संचार को प्रभावित कर सकता है, रेडियो सिग्नलों को बाधित कर सकता है और यहां तक कि अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।
- इससे **भू-चुंबकीय तूफान** आ सकते हैं, जो **बिजली ग्रिडों** को प्रभावित कर सकते हैं और **निचले अक्षांशों** पर **अरोरा पैदा** कर सकते हैं।

121.केरल ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती मिशन बनाया - द हिंदू

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसलें-फसल पैटर्न, विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और किसानों की सहायता में मुद्दे और संबंधित बाधाएं ई-प्रौद्योगिकी

समाचार:

- **केरल सरकार** ने राज्य में टिकाऊ **जैविक** और **जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों** को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए एक **जैविक खेती मिशन** बनाया है।
- **मिशन का लक्ष्य केरल में** अगले **पांच वर्षों** में **1,000 हेक्टेयर** के **वार्षिक लक्ष्य** के माध्यम से **जैविक खेती** को **5,000 हेक्टेयर** तक **विस्तारित करना** है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- जैविक खेती

मुख्य बिंदु

- **राज्य कृषि विभाग** द्वारा संचालित फार्मों में **कम से कम 10% क्षेत्र जैविक कृषि पद्धतियों** के लिए अलग रखा जाएगा।
- मिशन का एक अन्य आदेश यह सुनिश्चित करना है कि **जैविक खेती योजनाओं** के **चयनित लाभार्थी/खेत** कम से कम **पांच वर्षों** तक इस प्रणाली का पालन करें।
- केरल सरकार ने **वर्ष 2010** में **जैविक खेती नीति** की घोषणा की थी.

जैविक कृषि प्रोटोकॉल

- मिशन **केरल** से **जैविक कृषि उत्पादों** के **प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग और विपणन** के लिए प्रणाली का विस्तार करने के लिए कदम उठाएगा।
- एक **जैविक खेती प्रोटोकॉल**, जो **राष्ट्रीय** और **अंतर्राष्ट्रीय स्तर** पर प्रचलित प्रोटोकॉल के अनुरूप है, को **विपणन क्षमता** में सुधार के लिए गतिविधियों के हिस्से के रूप में लागू किया जाएगा।
- यह मिशन **जैविक उत्पादों** के **मूल्यवर्धन** पर भी **ध्यान केंद्रित** करेगा।
- मिशन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना है कि **किसानों** को **अच्छी गुणवत्ता वाले बीज** और उत्पादन **उपकरण/सामग्री** तक पहुंच प्राप्त हो।
- मिशन **कृषि कुटुम्ब सामूहिक और किसान उत्पादक संगठनों (FPO)** के सहयोग से केरल के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में **जैविक खेती योजनाएं** तैयार करने की पहल भी करेगा।
- **सितंबर 2023** में **केरल सरकार** ने **बाजरा** और **सब्जियों** के उत्पादन को बढ़ाने के लिए **पोशाका समृद्धि** मिशन बनाने के आदेश जारी किए थे।

122.विश्व वर्ष 2030 तक जीवाश्म ईंधन की सीमा को दोगुना कर देगा: रिपोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- देशों के बीच इस **वैश्विक सहमति** के बावजूद कि **जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन** को समाप्त किया जाना चाहिए, एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारें **वर्ष 2030** तक **दोगुना जीवाश्म ईंधन** का उत्पादन करने की योजना बना रही हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- जीवाश्म ईंधन

मुख्य बिंदु

- 151 सरकारें **वर्ष 2050-2070** के बीच **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
- **जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन समयसीमा** को संबोधित करने के लिए **दुबई में पार्टियों का वार्षिक सम्मेलन** का आयोजन।

उत्पादन अंतराल रिपोर्ट:

- **SEI, क्लाइमेट एनालिटिक्स, E3G, IISD** और **UNEP** द्वारा निर्मित ।
- **पेरिस समझौते** के **तापमान लक्ष्य** के **विरुद्ध सरकारों** के **नियोजित उत्पादन** का आकलन करता है।
- **20 प्रमुख जीवाश्म-ईंधन** उत्पादक **देशों के उत्सर्जन** रुझानों का विश्लेषण करता है।

वैश्विक विश्लेषण:

- ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत और अमेरिका सहित प्रमुख देश **उत्पादन अंतराल** में योगदान करते हैं।
- सरकारें **जीवाश्म ईंधन उत्पादन** के लिए **पर्याप्त नीति** और **वित्तीय सहायता** प्रदान करती हैं।

बढ़ती समस्या:

- संक्रमण के लिए स्पष्ट योजनाओं के बिना **जीवाश्म गैस को 'संक्रमण' ईंधन के** रूप में प्रचारित किया गया।
- वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुसार **वैश्विक कोयला, तेल और गैस उत्पादन को कम करने की** तत्काल आवश्यकता है ।
- **1.5°C लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए** स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ाने और मीथेन उत्सर्जन को कम करने पर जोर दिया गया

निष्कर्ष:

- यह **सरकारी कार्यों** और **जलवायु लक्ष्यों** के लिए **जीवाश्म ईंधन उत्पादन** को कम करने की अनिवार्यता के बीच **विरोधाभास** को उजागर करता है।

123.खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने पर आरबीआई वर्ष 2024-25 में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था

समाचार

- **S&P ग्लोबल रेटिंग्स** ने अनुकूल **खाद्य मुद्रास्फीति** और **मानसून की स्थिति** के आधार पर **वर्ष 2024-25** में **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** द्वारा संभावित **ब्याज दर** में **कटौती** की भविष्यवाणी की है।
- **एशिया-प्रशांत क्षेत्र** में अपने साथियों के बीच **भारत** की **आर्थिक वृद्धि** उल्लेखनीय है, इस वर्ष सकल घरेलू **उत्पाद की वृद्धि दर 6%** और अगले **दो वर्षों में 6.9%** रहने का अनुमान है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राजकोषीय नीति
- मुद्रा स्फ़ीति
- मौद्रिक नीति
- MPC
- रेटिंग एजेंसी

आर्थिक विकास और राजकोषीय चुनौतियाँ:

- **मजबूत आर्थिक विकास** के बावजूद, **उच्च ब्याज दरें** भारत के लिए **राजकोषीय चुनौती** पैदा करती हैं।
- **सरकारी बांड पैदावार**, ऐतिहासिक रूप से साथियों की तुलना में अधिक है, देश के **बड़े ऋण स्टॉक** के **वित्तपोषण** के लिए दबाव बढ़ाती है।
- S&P भारत के **ऋण प्रक्षेप पथ** को निर्धारित करने में **ब्याज दर** की **गतिशीलता के महत्व** पर जोर देता है।

मौद्रिक नीति और ब्याज दरें:

- यह **वर्ष 2024** में **मौद्रिक नीति** के मुख्य विषय पर प्रकाश डालता है , जो **अमेरिका में 'लंबे समय तक उच्च' ब्याज दरों** के **वैश्विक संदर्भ** से प्रभावित है।

- S&P को उम्मीद है कि **नियंत्रित मुद्रास्फीति** दबाव **आरबीआई को मौद्रिक नीति** को सामान्य बनाने पर विचार करने के लिए जगह प्रदान करेगा।
- स्थिर **खाद्य मुद्रास्फीति** और **मानसून के आधार** पर, अगले **वित्तीय वर्ष** में **ब्याज दरें कम** होने की उम्मीद है।

निःशुल्क खाद्यान्न योजना और वित्तीय स्वास्थ्य:

- **मुफ्त खाद्यान्न योजना** को **5 ओर वर्षों** के लिए बढ़ाए जाने से संभावित **राजकोषीय प्रभावों** पर चर्चा शुरू हो गई है।
- S&P का मानना है कि हालांकि अधिक व्यय पहल संभव है, लेकिन वे मध्यम अवधि के वित्त पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डाल सकते हैं।
- वुड को उम्मीद है कि **सरकार व्यय श्रेणियों** को समायोजित करने में लचीलेपन का हवाला देते हुए **वित्तीय वर्ष 2026** तक **राजकोषीय घाटे** के **लक्ष्य** और **उसके सुचारु पथ** का पालन करेगी।

निष्कर्ष:

- कुल मिलाकर **S&P ग्लोबल रेटिंग्स भारत** के **आर्थिक परिदृश्य** को लेकर आशावादी बनी हुई है और उसे अगले **वित्तीय वर्ष** में **कम ब्याज दरों** की उम्मीद है, बशर्ते कि **खाद्य मुद्रास्फीति** और **मानसून अनुकूल** रहे।
- **राजकोषीय अनुशासन** और **बजट समायोजन** में लचीलेपन की अपेक्षाओं से **मुफ्त खाद्यान्न योजना** के विस्तार के बारे में चिंताएँ कम हो गई हैं।

124.कृषि 24/7 स्वचालित कृषि समाचार निगरानी और विश्लेषण के लिए पहला AI संचालित समाधान - पीआईबी

प्रासंगिकता: किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी

समाचार:

- हाल ही में, कृषि मंत्रालय ने **वाधवानी इंस्टीट्यूट फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** (वाधवानी AI) के सहयोग से **कृषि 24/7** विकसित किया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- कृषि 24/7
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृषि 24/7

- यह **गूगल संगठन** (Google.org) के समर्थन से **कृषि समाचार निगरानी और विश्लेषण** को स्वचालित करने का लक्ष्य रखने वाला पहला **AI-संचालित समाधान** है।
- **महत्व**
  - यह **कृषि** और **किसान कल्याण विभाग (DA & FW)** की सहायता करता है
    - प्रासंगिक कृषि संबंधी समाचारों की पहचान करना
    - समय पर अलर्ट उत्पन्न करना
    - किसानों के हितों की रक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई की जा रही है
  - यह कई **भाषाओं** में **समाचार लेखों** को **स्कैन करता** है और **बेहतर निर्णय** लेने के लिए **महत्वपूर्ण जानकारी** निकालकर उनका **अंग्रेजी में अनुवाद** करता है।
    - निकाले गए विवरणों में शीर्षक **फसल का नाम, घटना का प्रकार, दिनांक, स्थान, गंभीरता, सारांश और स्रोत लिंक** शामिल हैं, जो **मंत्रालय** के लिए **व्यापक अपडेट** सुनिश्चित करते हैं।
  - यह समय पर निर्णय लेने में सहायता के लिए रुचि के **कृषि समाचार लेखों** की पहचान करने और प्रबंधन करने के लिए एक **कुशल तंत्र** की आवश्यकता को संबोधित करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- AI एक **कंप्यूटर** या **कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट** की उन कार्यों को करने की क्षमता है जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किए जाते हैं क्योंकि उन्हें **मानव बुद्धि** और **विवेक** की आवश्यकता होती है।
- हालाँकि ऐसा कोई **AI** नहीं है जो विभिन्न प्रकार के कार्य कर सके जो एक सामान्य मानव कर सकता है, कुछ **AI विशिष्ट कार्यों** में मनुष्यों की बराबरी कर सकते हैं।
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** की आदर्श विशेषता तर्कसंगत बनाने और ऐसे कार्य करने की क्षमता है जिनमें किसी **विशिष्ट लक्ष्य** को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है।
- भारत में, **नीति आयोग** ने **AI मुद्दों** पर कुछ **मार्गदर्शक दस्तावेज़** जारी किए हैं, जैसे **AI के लिए राष्ट्रीय रणनीति** और सभी के लिए **जिम्मेदार AI रिपोर्ट**।

AI बनाम ML बनाम DL

- AI शब्द **मशीनों** द्वारा **मानव बुद्धि** के अनुकरण को संदर्भित करता है।
- **ML** या **मशीन लर्निंग AI** का एक **सबसेट** है जिसमें **एल्गोरिदम** का **विकास शामिल** है जो कंप्यूटर को स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना डेटा से सीखने की अनुमति देता है।
  - ML एल्गोरिदम डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, पैटर्न की पहचान कर सकते हैं और पाए गए पैटर्न के आधार पर भविष्यवाणियां कर सकते हैं।
- **DL** या **डीप लर्निंग ML का एक उपसमुच्चय** है जो डेटा से सीखने के लिए **कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क** का उपयोग करता है जो **मानव मस्तिष्क** के सीखने के समान है।

125. 'खाद्य पदार्थों की कीमतों में उतार-चढ़ाव, मुद्रास्फीति के लिए खतरा' - द हिंदू/ भारत बार-बार होने वाले, अतिव्यापी खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना हुआ है: दास - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारतीय अर्थव्यवस्था और संसाधनों की योजना, जुटाना, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुद्रा स्फ़ीति

- **भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)** के गवर्नर ने बार-बार होने वाले **खाद्य मूल्य के झटकों** के प्रति **भारत** की संवेदनशीलता को रेखांकित किया और **मुद्रास्फीति को 4% लक्ष्य** के साथ संरेखित करने के लिए **केंद्रीय बैंक** की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण:

- अक्टूबर की **मौद्रिक नीति समिति (MPC)** ने **2023-24 के लिए CPI मुद्रास्फीति 5.4%** रहने का अनुमान लगाया है , जो पिछले वर्ष 6.7% से कम है।
- लगातार खाद्य कीमतों के झटकों के कारण **हेडलाइन मुद्रास्फीति** कमजोर बनी हुई है, जिसके लिए एक सतर्क और सक्रिय रूप से **अवस्फीतिकारी मौद्रिक नीति** की आवश्यकता है।

मौद्रिक नीति का रुख:

- आ**रबीआई** ने मुद्रास्फीति पर चिंताओं को **प्राथमिकता** देते हुए पिछली **चार मौद्रिक नीति** समीक्षाओं में 6**.5% की स्थिर रेपो दर** बनाए रखी है।

वैश्विक आर्थिक चुनौतियाँ:

- वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ी हुई चुनौतियाँ, इनके कारण और भी गंभीर हो गई हैं:
  - हालिया पश्चिम एशियाई विकास
  - महामारी
  - यूक्रेन युद्ध
  - अभूतपूर्व मौद्रिक नीति सख्त।
- **नीति निर्माण को विकास, मुद्रास्फीति, मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता**, और वर्तमान आवश्यकता बनाम भविष्य की स्थिरता के बीच जटिल व्यापार-बंद का सामना करना पड़ता है।

आत्मसंतोष से बचना:

- **अनिश्चित माहौल** में, आत्मसंतुष्टि से बचने की जरूरत है**, व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों** और बफर को मजबूत करने के लिए चुस्त बने रहने की जरूरत है।

आर्थिक विकास परिदृश्य:

- 2023-24 की पहली तिमाही में भारत की **जीडीपी 7.8%** बढ़ी, उच्च आवृत्ति संकेतक इस गति के जारी रहने का संकेत दे रहे हैं।

चालू खाता और विदेशी मुद्रा भंडार:

- देश का **चालू खाता घाटा प्रबंधनीय** बना हुआ है, और **आरबीआई** ने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाया है

Persisting threats

RBI Governor notes that policymakers have managed to temper price gains, but risks to inflation still remain

- RBI Governor says the global economy continues to face multiple macroeconomic and geopolitical shocks
- Policymaking in the current scenario is extremely challenging given a difficult trade-off between growth and inflation, he adds
- Mr. Das notes while core inflation has moderated, monetary policy still remains disinflationary to align inflation to target

126.ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध पोकर, रम्मी पर लागू नहीं होगा: उच्च न्यायालय - द हिंदू/मद्रास उच्च न्यायालय ने ऑनलाइन रम्मी और पोकर पर तमिलनाडु के प्रतिबंध को खारिज किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता

समाचार:

- मद्रास उच्च न्यायालय ने **तमिलनाडु ऑनलाइन जुआ निषेध और ऑनलाइन गेम विनियमन अधिनियम, 2022 को** चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं के एक बैच पर फैसला सुनाया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- ऑनलाइन जुआ और ऑनलाइन गेम विनियमन अधिनियम

मुख्य बिंदु

- अदालत ने अधिनियम को कायम रखते हुए **कौशल और मौका-आधारित ऑनलाइन गेम** के बीच अंतर किया
- इसने **"कौशल के खेल"** के रूप में वर्गीकरण के कारण **रम्मी और पोकर** को इसके निषेध से बाहर रखा ।

अधिनियम की पृष्ठभूमि

- **सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति के चंद्रू के** नेतृत्व वाली एक **समिति की सिफारिशों** के आधार परवर्ष 2022 में अधिनियमित किया गया
- इस अधिनियम को अ**खिल भारतीय गेमिंग फेडरेशन** और **ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों** से संवैधानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

विधायी क्षमता और विनियमन

- न्यायालय ने ऑनलाइन **कौशल-आधारित खेलों** को विनियमित करने के अपने अधिकार को मान्यता देते हुए ऑनलाइन जुए को विनियमित करने के लिए राज्य की विधायी क्षमता की पुष्टि की।
- अधिनियम की **धारा 5** के तहत उचित नियमों का सुझाव दिया गया है जो राज्य को **ऑनलाइन गेम** खेलने के लिए समय **सीमा और उम्र** पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है।

उद्योग संबंधी विचार

- कोर्ट ने **रम्मी और पोकर** को कौशल की आवश्यकता वाले कार्ड गेम के रूप में स्वीकार किया है, जो मौका आधारित गेम से स्पष्ट अंतर प्रदान करता है।
- अदालत ने इन **कौशल-आधारित खेलों** को **अधिनियम की प्रतिबंधात्मक** अनुसूची से छूट दी है, और इस बात पर जोर दिया है कि यदि बॉट के उपयोग जैसे कदाचार का पता चलता है तो राज्य का हस्तक्षेप संभव है।

127.स्वास्थ्य क्षेत्र गर्मी के खतरों और अन्य चरम मौसम की घटनाओं के प्रभावों को रोकने के लिए तेयार नहीं : WMO - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

समाचार:

- हाल ही में, **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** ने जलवायु सेवा रिपोर्ट 2023 जारी की ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)
- जलवायु सेवा रिपोर्ट 2023

मुख्य निष्कर्ष

जलवायु-संबंधी आपदाओं में अनुमानित वृद्धि

- यह भविष्यवाणी करता है, **वर्ष 2030** तक, मध्यम से बड़े पैमाने पर **आपदा घटनाओं** में **प्रत्याशित वृद्धि** एक खतरा पैदा करती है, जिसमें प्रति **वर्ष 560 घटनाएं** होंगी।
- जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसम की घटनाएं, जिनमें **लू, सूखा, बाढ़ और जंगल की आग** शामिल हैं, कमजोर देशों और आबादी पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।
- तत्काल तैयारियों की आवश्यकता है क्योंकि **अभूतपूर्व मौसम** की घटनाओं में वृद्धि होने की संभावना है।
- इससे जलवायु संबंधी **स्वास्थ्य जोखिमों** के लिए **स्वास्थ्य क्षेत्र** में तैयारियों की कमी का भी पता चलता है।

राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं (NDCs) में मान्यता

- राष्ट्रीय जलवायु योजनाएँ तेजी से **जलवायु परिवर्तन** को **मानव कल्याण** के लिए खतरे के रूप में पहचान रही हैं।
- जलवायु लक्ष्य मानव स्वास्थ्य पर जलवायु सेवाओं सहित **शमन गतिविधियों के सकारात्मक प्रभाव को स्वीकार करते हैं।**

जलवायु सूचना एवं सेवाओं की भूमिका

- आपदा जोखिमों को कम करने और **सार्वजनिक स्वास्थ्य** पर जलवायु खतरों के प्रभाव को कम करने के लिए जलवायु संबंधी जानकारी और सेवाएँ महत्वपूर्ण हैं।
- वैश्विक स्तर पर 25% से भी कम **स्वास्थ्य मंत्रालय जलवायु संवेदनशीलता** से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों की निगरानी के लिए जलवायु जानकारी का उपयोग करते हैं।

डेटा सेवाओं में विसंगति

- **राष्ट्रीय मौसम विज्ञान** और **जल विज्ञान सेवाएँ (NMHS)** का **74% स्वास्थ्य क्षेत्र** को डेटा सेवाएँ प्रदान करता है, लेकिन वे विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं।
- 85% देशों में **डेटा साझाकरण** और **सहयोग के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय** और **NMHSs** के बीच औपचारिक समझौतों का अभाव है।
- केवल 23% स्वास्थ्य मंत्रालयों के पास **स्वास्थ्य निगरानी प्रणालियाँ** हैं जो जलवायु-संवेदनशील स्वास्थ्य जोखिमों की निगरानी के लिए **मौसम संबंधी** जानकारी का उपयोग करती हैं।

अफ्रीका में जलवायु-स्वास्थ्य नेक्सस

- अफ्रीका , **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** के लिए सबसे कम जिम्मेदार होने के बावजूद, जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से पीड़ित है।
- **WMO** अफ्रीका सहित निम्न **मानव विकास सूचकांक (HDI)** देशों में स्वास्थ्य खतरों के लिए बाढ़, गर्मी, अल्पपोषण और मलेरिया के जोखिम जैसे कारकों को जिम्मेदार मानता है।
- वर्ष 2050 तक जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली लगभग **50 प्रतिशत अतिरिक्त मृत्यु** अफ्रीका में होगी

गर्मी चेतावनी सेवाओं में अंतराल

- गर्मी को सबसे घातक **चरम मौसम घटना** के रूप में पहचाना जाता है, जिससे **2000 और 2019** के बीच **सालाना 489,000 लोगों** की जान चली जाती है।
- **स्वास्थ्य संबंधी निर्णय ले**ने के लिए जिम्मेदार **केवल 50% प्रभावित देशों** को **हीट चेतावनी सेवाएँ** प्रदान की जाती हैं।

सफल केस अध्ययन

- अंतराल के बावजूद, केस अध्ययन जलवायु परिवर्तन से जुड़े **स्वास्थ्य जोखिमों** की **भविष्यवाणी** और **प्रबंधन में जलवायु सेवाओं** के सफल उपयोग को प्रदर्शित करते हैं।

128.दिल्ली में बारिश के कारण वायु गुणवत्ता में सुधार - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- बारिश के कारण **दिल्ली की वायु गुणवत्ता** में उल्लेखनीय सुधार हुआ ।
- इससे पहले **एक सप्ताह** से अधिक समय तक **राजधानी प्रदूषण** से जूझती रही ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना
- वायु गुणवत्ता सूचकांक

दिल्ली में AQI की स्थिति

- वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में सुबह 7 बजे सुधार दिखा, जो 437 से घटकर 408 हो गया।
- IMD ने अनुकूल **मौसम संबंधी परिस्थितियों** और **हल्की बारिश** के कारण और सुधार की भविष्यवाणी की है।
- पड़ोसी राज्यों से जलने वाली पराली प्रदूषण के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए जिम्मेदार है।
- **निर्णय समर्थन प्रणाली के अनुसार**
  - दिल्ली के **वायु प्रदूषण में परिवहन** का योगदान भी **12-14%** है।
  - दिल्ली के वायु प्रदूषण में पड़ोसी राज्यों, विशेषकर **पंजाब और हरियाणा** में पराली जलाने का योगदान **38%** है
- EPIC रिपोर्ट के अनुसार, **दिल्ली की वायु गुणवत्ता विश्व स्तर** पर सबसे खराब है, जिससे जीवन लगभग **12 वर्ष कम** हो गया है।

सरकार के प्रयास

- दिल्ली सरकार **20-21 नवंबर 2023** को **क्लाउड सीडिंग** के जरिए **कृत्रिम बारिश** की योजना बना रही है ।
- सुप्रीम कोर्ट को सौंपा जाएगा प्रस्ताव, फिलहाल **वायु प्रदूषण** पर याचिकाओं पर सुनवाई.
- पिछले चार दिनों में **प्रदूषण मानदंडों** का उल्लंघन करने पर **9,200 चालान** जारी किए गए।
- **9 नवंबर से 18 नवंबर** तक स्कूल के **शीतकालीन अवकाश** का पुनर्निर्धारण ।
- **सुप्रीम कोर्ट** के आदेश के अनुपालन में **ऐप आधारित टैक्सियों** पर प्रतिबंध।
- न्यायालय द्वारा समीक्षाधीन **सम-विषम कार राशनिंग** योजना प्रभावी समझे जाने पर लागू की जाएगी।।
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार **राष्ट्रीय राजधानी** में **ऐप-आधारित टैक्सियों** के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP)

- **ग्रेडेग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) चरण IV** प्रतिबंध लागू किए गए, जिसमें **निर्माण** और **प्रदूषण** फैलाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल है।
- **ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP)** के **चरण AQI** के आधार पर खराब से लेकर गंभीर प्लस तक होते हैं।
- GRAP **क्रियाओं को चार चरणों में वर्गीकृत करता है:**
  - स्टेज I - ख़राब (AQI 201-300);
  - स्टेज II - बहुत खराब (AQI 301-400);
  - स्टेज III - गंभीर (AQI 401-450)
  - स्टेज IV - गंभीर प्लस (AQI 450 से ऊपर)।

दिल्ली में AQI पर मेडिकल राय

- डॉक्टर **दिल्ली** की **प्रदूषित हवा** में सांस लेने को दिन में **10 सिगरेट पीने** के बराबर मानते हैं।
- लंबे समय तक संपर्क में रहने से **श्वसन** और **हृदय संबंधी बीमारियों** का खतरा बढ़ जाता है।
- इससे स्थिति बिगड़ सकती है
  - अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के रूप में श्वसन

- हृदय रोग का खतरा विशेष रूप से बढ़ जाता है ।

IMD की भविष्यवाणी

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** ने पहले अनुकूल **मौसम संबंधी परिस्थितियों** के कारण दिवाली से ठीक पहले **वायु गुणवत्ता** में मामूली सुधार की भविष्यवाणी की थी।
- IMD के अधिकारियों ने ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की तरफ बदलने से
  - **उत्तर पश्चिम भारत** को प्रभावित करने से **पराली जलाने** से निकलने वाले धुएं के योगदान को कम करने में मदद मिलेगी।

129. वैश्विक आवास मूल्य वृद्धि में मुंबई चौथे स्थान पर -इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे

समाचार:

- सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए **वैश्विक शहरों** के बीच प्रमुख आवासीय कीमतों में **मुंबई ने चौथी** सबसे अधिक **साल-दर-साल वृद्धि** दर्ज की।
- यह तथ्य **नाइट फ्रैंक के प्राइम ग्लोबल सिटीज इंडेक्स** में प्रस्तुत किया गया है.

प्रीलिम्स टेकअवे

- प्राइम ग्लोबल सिटीज़ इंडेक्स

सूचकांक में भारतीय शहरों की स्थिति

- प्रमुख आवासीय कीमतों में **6.5 प्रतिशत** की वृद्धि ने शहर को **सितंबर 2022** में **22वें स्थान से 18 स्थान** ऊपर पहुंचा दिया है।
- **नई दिल्ली** और **बेंगलुरु ने** भी अपनी **सूचकांक रैंकिंग** में ऊपर की ओर वृद्धि दर्ज की।
- साल दर साल आधार पर **4.1 प्रतिशत** की वृद्धि के साथ NCR एक साल पहले **36वें स्थान** से **सितंबर 2023 में 10वें स्थान** पर पहुंच गया ।
- बेंगलुरु की रैंक 2.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ **वर्ष 2022** में 27 से बढ़कर **वर्ष 2023** में 17 हो गई।

प्राइम ग्लोबल सिटीज़ इंडेक्स की विशेषताएं

- **प्राइम ग्लोबल सिटीज़ इंडेक्स** दुनिया भर के **46 शहरों के मूल्यांकन-आधारित सूचकांक** में प्रमुख **आवासीय कीमतों के उतार-चढ़ाव** पर नज़र रखता है।
- **सूचकांक स्थानीय मुद्रा** में **नाममात्र कीमतों** को ट्रैक करता है ।
- **सितंबर 2023** को समाप्त **12 महीने** की अवधि में **46 बाजारों में वार्षिक प्रमुख** आवासीय कीमतों में **औसत वृद्धि 2.1 प्रतिशत** दर्ज की गई।
- यह **वर्ष 2022** की **तीसरी तिमाही** के बाद से दर्ज की गई सबसे मजबूत विकास दर है।
- यह दर्शाता है कि **67 प्रतिशत** शहरों में **वार्षिक आधार** पर वृद्धि देखी जा रही है।

प्राइम ग्लोबल सिटीज़ इंडेक्स के महत्वपूर्ण तथ्य

- **मनीला** ने कीमतों में **21.2 प्रतिशत** की वृद्धि के साथ शीर्ष स्थान का दावा किया।
- इसका श्रेय मजबूत **घरेलू** और **विदेशी निवेश** को दिया जाता है।
- **दुबई आठ तिमाहियों** में पहली बार शीर्ष स्थान से हटा है
- तिमाही वृद्धि में भारी गिरावट के कारण **जून तिमाही में 11.6 प्रतिशत** से **सितंबर तिमाही में 0.7 प्रतिशत** रह गई।
- साल-दर-साल आधार पर **9.7 फीसदी** की गिरावट के साथ **सैन फ्रांसिस्को** सबसे कमजोर बाजार रहा।

सूचकांक के अनुसार आवास की कीमतों में वृद्धि को बढ़ावा देने वाले कारक

- **आवास** खरीदने वालों की अपनी **जीवनशैली** को **उन्नत करने** की जरूरत बढ़ रही है
- देश की स्थिर आर्थिक संभावनाएँ
- बाज़ार की धारणा में सुधार

130.अमरनाथ सड़क परियोजना से तीर्थयात्रियों की आवाजाही में मदद मिलेगी: BRO - द हिन्दू

प्रासंगिकता: संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौतियाँ, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा मनी लॉन्ड्रिंग की मूल बातें और इसकी रोकथाम।

समाचार:

- सीमा सड़क संगठन (BRO) ने स्पष्ट किया कि **अमरनाथ गुफा मंदिर** के लिए चल रही **सड़क परियोजना** पैदल यात्रियों के आवागमन के लिए और **पर्यावरण संबंधी चिंताओं** को ध्यान में रखते हुए ट्रैक्स को चौड़ा करने के लिए थी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सीमा सड़क संगठन

सीमा सड़क संगठन (BRO)

- देश के **उत्तर** और **उत्तर पूर्वी सीमा क्षेत्रों** में सड़कों के नेटवर्क के त्वरित विकास के समन्वय के लिए वर्ष 1960 में **BRO** की स्थापना की गई थी ।
- यह **रक्षा मंत्रालय** के **प्रशासनिक नियंत्रण** के तहत कार्य करता है।
- इसने हवाई क्षेत्रों, **निर्माण परियोजनाओं,** रक्षा कार्यों और **सुरंग निर्माण** सहित **निर्माण** और **विकास कार्यों** के एक **बड़े स्पेक्ट्रम** में विविधता ला दी है और लोगों का पसंदीदा बन गया है।

उपलब्धियां

- छह दशकों से अधिक समय में **BRO** ने **भारत की सीमाओं** पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में **61000 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 900 से अधिक पुल, चार सुरंगें और 19 हवाई क्षेत्रों** का निर्माण किया है।
- **भूटान, म्यांमार, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान** सहित **मित्रवत विदेशी देशों** में भी परियोजनाएं पूरी कीं ।
- इनमें पूर्वी लद्दाख में **श्योक ब्रिज** और **अरुणाचल प्रदेश** में **यिनकिओंग रोड** पर लोड **क्लास 70** के **स्टील आर्क सियोम ब्रिज** का निर्माण शामिल है।

131.भारत के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में पर्याप्त वृद्धि - द हिन्दू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- भारत के **शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह** में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है, जो **9 नवंबर तक ₹10.6 लाख करोड़** तक पहुंच गया है।
- इस उछाल का श्रेय **व्यक्तिगत आयकर राजस्व और कॉर्पोरेट करों** में उल्लेखनीय वृद्धि को दिया जाता है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

विकास मेट्रिक्स:

- **समग्र वृद्धि:** शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में 21.8% की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।
- **व्यक्तिगत आयकर:** व्यक्तिगत आयकर से राजस्व में 31.8% की वृद्धि हुई।
- **कॉर्पोरेट कर:** कॉर्पोरेट कर संग्रह में 12.5% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

कर रिफंड

- पिछले महीने लगभग **₹27,000 करोड़ काकर रिफंड** वितरित किया गया।
- वर्ष के लिए कुल **रिफंड ₹1.77 लाख करोड़** तक पहुंच गया।

सतत गति:

- एक महीने पहले **शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह** की वृद्धि दर **21.8%** थी, जो निरंतर गति का संकेत देती है।
- वर्ष 2023-24 में **शुद्ध आयकर संग्रह प्रत्यक्ष कर** के कुल बजट अनुमान का **58.15%** है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) वक्तव्य

- **केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)** ने बताया कि अनंतिम आंकड़े **प्रत्यक्ष कर संग्रह** में लगातार और मजबूत वृद्धि का संकेत देते हैं।
    - **वित्तीय वर्ष 2023-24** के लिए **कुल बजट अनुमान** के एक महत्वपूर्ण हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले **शुद्ध संग्रह** के साथ।

132. संसदीय पैनल ने मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के लिए न्यूनतम छह महीने की कैद की सिफारिश की: - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारतीय न्याय संहिता

- एक **संसदीय पैनल** ने **मिलावटी भोजन** और **पेय** बेचने के लिए दंड में अपर्याप्तता को दूर करने के लिए संशोधन का प्रस्ताव दिया है
- यह **ऐसे अपराधों से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों की गंभीरता पर भी जोर देता है।**

मिलावटी भोजन या पेय पदार्थ

- **पैनल ने** मिलावटी भोजन या पेय बेचने वालों के लिए **न्यूनतम छह महीने की कैद** और **न्यूनतम 25,000 रुपये जुर्माने** की **सिफारिश** की है।
- इस धारा के तहत मौजूदा सज़ा को अपर्याप्त माना जाता है।

हानिकारक खाद्य या पेय पदार्थों की बिक्री

- **पैनल ने हानिकारक भोजन या पेय पदार्थों** की बिक्री के लिए **न्यूनतम छह महीने की कैद और न्यूनतम 10,000 रुपये का जुर्माना** लगाने का सुझाव दिया है।
- पैनल मौजूदा **जुर्माने को अपर्याप्त** मानता है.

सजा के रूप में सामुदायिक सेवा

- प्रस्तावित **भारतीय न्याय संहिता (BNS)** के तहत दंड के रूप में **"सामुदायिक सेवा"** की शुरूआत को एक सकारात्मक कदम के रूप में स्वीकार किया गया है।
- **समिति जेल** के बुनियादी ढांचे पर बोझ को कम करने और जेल प्रबंधन को बढ़ाने के लिए **सामुदायिक सेवा** को एक **सुधारात्मक दृष्टिकोण** के रूप में देखती है।

सामुदायिक सेवा सिफ़ारिशें

- समिति कानून के हिस्से के रूप में **सामुदायिक सेवा की अवधि और प्रकृति को निर्दिष्ट** करने की सिफारिश करती है।
- सामुदायिक सेवा के रूप में दिए गए दंडों की निगरानी के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त करने का प्रावधान शामिल किया जाना चाहिए।

त्रुटियों का सुधार

- पैनल प्रस्तावित भारतीय न्याय संहिता में **मुद्रण** और **व्याकरण** संबंधी त्रुटियों को नोट करता है और मंत्रालय से इन त्रुटियों को सुधारने का आग्रह करता है।
- इसमें कानून की मंशा की संभावित गलत **व्याख्या** और **कमजोर** पड़ने पर भी जोर दिया गया है।

133.विश्व ग्रह के ताप उत्सर्जन को सीमित करने के लक्ष्य से बहुत दूर: यूएन-द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- हाल ही में, **संयुक्त राष्ट्र (यूएन)** ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें **जलवायु परिवर्तन** से निपटने के **वैश्विक प्रयासों** को अपर्याप्त बताया गया।
- यह आकलन महत्वपूर्ण जलवायु वार्ताओं से ठीक पहले आया है और **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** पर अंकुश लगाने के लिए निर्णायक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- COP28

मुख्य निष्कर्ष: लक्ष्य का असफल होना

अपर्याप्त प्रगति

- रिपोर्ट से पता चलता है कि **लगभग 200 देशों** की वर्तमान जलवायु प्रतिज्ञाओं के परिणामस्वरूप **वर्ष 2019** के स्तर की तुलना में **वर्ष 2030** तक **कार्बन उत्सर्जन में केवल 2% की कमी** आएगी।

IPCC लक्ष्यों के साथ विसंगति

- यह **जलवायु परिवर्तन** पर **संयुक्त राष्ट्र** के **अंतर सरकारी पैनल (IPCC)** द्वारा **अनुशंसित 43%** कटौती से काफी कम है।
  - ग्लो**बल वार्मिंग** को **पूर्व औद्योगिक स्तर** से **1.5 डिग्री सेल्सियस** तक सीमित करने के **पेरिस समझौते** के लक्ष्य को पूरा करना।

तत्काल कार्रवाई के लिए संकेत

- संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने क्रमिक प्रगति की अपर्याप्तता पर जोर देते हुए हर देश, शहर और क्षेत्र में **"जलवायु महत्वाकांक्षा सुपरनोवा"** की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) मूल्यांकन

- **पेरिस समझौते** के तहत, देशों को अधिक महत्वाकांक्षी **उत्सर्जन-कटौती योजनाएं (NDCs)** प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।
- रिपोर्ट **सितंबर 2022** और **सितंबर 2023** के बीच प्रस्तुत **20 अद्यतन NDCs** का आकलन करती है।
- वर्ष 2010 की तुलना में **वर्ष 2030 में उत्सर्जन 8.8%** अधिक होने का अनुमान है, जो **पिछली रिपोर्ट** के बाद से केवल **आंशिक सुधार** दर्शाता है।

COP28 बैठक और वैश्विक स्टॉकटेक

- **COP28** बैठक में **वैश्विक स्टॉकटेक** की प्रतिक्रिया एक केंद्र बिंदु होगी।
- **गंभीर जलवायु प्रभाव** को रोकने के लिए **विश्व की प्रगति** को लक्ष्य से परे माना जाता है, क्योंकि **वैश्विक परमाणु ऊर्जा संयंत्र** को **वर्ष 2025** तक **चरम सीमा** तक पहुंचना आवश्यक है।

चुनौतियाँ और गंभीर प्रतिक्रिया

- **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** की **रिपोर्ट** के अनुसार, **प्रमुख पेट्रोस्टेट्स** में **नियोजित उत्पादन वृद्धि** के परिणामस्वरूप **जीवाश्म ईंधन का उत्पादन** काफी अधिक हो सकता है, जिससे **उत्सर्जन में वृद्धि** हो सकती है।
- **रिपोर्ट स्टॉकटेक** की प्रतिक्रिया की महत्वपूर्ण प्रकृति पर जोर देती है, जो भविष्य के जलवायु लक्ष्यों **(वर्ष 2025 तक)** को आवश्यक कार्यों के साथ संरेखित करने का एकमात्र मौका दर्शाती है।
- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट **ग्लोबल वार्मिंग** की **सीमा को पार करने से रोकने** और **गंभीर जलवायु परिणामों** को कम करने के लिए तत्काल, व्यापक जलवायु कार्रवाई की अनिवार्यता को रेखांकित करती है।

134.छोटे शहरों की यात्रा की मांग से बेंगलुरु हवाई अड्डे पर यातत्रियों में वृद्धि- द हिंदू

प्रासंगिकता: बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि

समाचार:

- यात्री यातायात के मामले में **भारत** का **तीसरा सबसे बड़ा हवाई अड्डा , बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा**, में यात्रा का तेजी से प्रसार देखा गया है
  - **COVID-19** के बाद से घरेलू गंतव्यों के लिए, **छोटे शहरों की यात्रा की मांग में वृद्धि** हुई है ।
- **वित्तीय वर्ष 2022-2023** में हवाई अड्डे पर कुल **31.91 यात्रियों में से 28.12 मिलियन घरेलू यात्री** दर्ज किए गए।

प्रीलिम्स टेकअवे
- रूस-यूक्रेन संघर्ष
- उड़ान (UDAN) योजना
- डिजी (Digi)यात्रा
- नभ (NABH)

छोटे शहरों की यात्रा में उछाल के कारण

- दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई जैसे **महानगरीय शहरों की यात्रा करने वाले** यात्रियों की हिस्सेदारी कुल **यात्रियों का 75%** थी,
- यह हिस्सेदारी **अब घटकर 42%** हो गई है क्योंकि **गैर-मेट्रो यात्रियों** की हिस्सेदारी **25% से बढ़कर 58%** हो गई है।
- इन यात्रियों की मांग **COVID-19** के दौरान थी, जब **स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल** के कारण ट्रेन यात्रा कई लोगों के लिए पसंदीदा विकल्प नहीं रह गई थी।
- इससे अक्सर **एयरलाइंस को नए रूट खोलने** का मौका भी मिला है।
- नए रूट उन पर **अधिक फ्रीक्वेंसी प्रदान** कर रहे हैं।
- बेंगलुरु से जामनगर (गुजरात), जैसलमेर (राजस्थान), बरेली (उत्तर प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), झारसुगुड़ा (ओडिशा) जैसे नए मार्ग विकसित किए गए हैं। ये दूर-दराज के शहर **बेंगलुरु से कुल गैर-मेट्रो यातायात** का **45% हिस्सा** हैं।
- जयपुर, लखनऊ, पुणे और गोवा के साथ कुल **गैर-मेट्रो यातायात का 30% हिस्सा** है।
- **शेष 25%** यातायात त्रिची, सेलम और विजाग जैसे शहरों के लिए है जो **75 मिनट की उड़ान दूरी** के भीतर हैं।।

भारत की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की स्थिति

- हवाई अड्डे पर घरेलू यात्रियों की संख्या अब **Pre-COVID स्तर के 105%** पर है।
- पिछले वित्त वर्ष में **अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों** की **संख्या (3.78 मिलियन)** हालांकि **Pre-COVID स्तर** से लगभग 10% पीछे रही।
    - क्योंकि **विदेशी यात्री** अभी भी **वर्ष 2019-2020** में देखे गए स्तरों पर क्षमता बहाल नहीं कर पाए हैं
        - आपूर्ति-श्रृंखला की बाधाएँ
        - **रूस-यूक्रेन संघर्ष** ने **यूरोपीय हवाई क्षेत्र** के एक हिस्से को बंद कर दिया है।
- हालाँकि, इस वित्तीय वर्ष के अंत तक ह**वाई अड्डे** पर **Pre-COVID** यात्री संख्या **33 मिलियन** से **अधिक** होने और कुल यात्रियों की संख्या **36 मिलियन** से **37 मिलियन** के बीच **रिकॉर्ड होने** की उम्मीद है।
- भारतीय **हवाई अड्डों में, बेंगलुरु यूरोप और अमेरिका के मार्गों** के लिए सबसे अधिक पैदावार वाला हवाई अड्डा है

135.सितंबर के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक डेटा के सम्बन्ध में विकास विरोधाभास - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
- आठ कोर सेक्टर

- सितंबर में, भारत के **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** में **5.8% की वृद्धि** हुई, जो **अगस्त में 14 महीने** के **उच्चतम 10.3%** की वृद्धि से काफी कम है
- **अर्थशास्त्रियों** ने विशेष रूप से **त्योहारी सीज़न** के दौरान **7-8%** की वृद्धि की उम्मीद की थी।
- इस **धीमी वृद्धि** से अगस्त की तुलना में उत्पादन में **2.4% की गिरावट दर्ज** की गई, इस गिरावट में विनिर्माण का प्रमुख योगदान रहा।

समग्र आर्थिक तस्वीर

- सितंबर में मंदी के बावजूद, दूसरी तिमाही के लिए औसत **कारखाना उत्पादन वृद्धि 7.4%** रही, जो वर्ष 2023-24 की पहली **छमाही में 6%** की वृद्धि में योगदान करती है।
- हालाँकि यह **आरबीआई** की **दूसरी तिमाही** में **सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.5%** के आधिकारिक अनुमान को पार करने की उम्मीदों के अनुरूप है , लेकिन यह एक **आर्थिक विषमता** को उजागर करता है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

- **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक** एक संकेतक है जो एक **निश्चित अवधि के दौरान** औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है।
- यह एक **समग्र संकेतक है** जो **उद्योग समूहों की विकास दर** को मापता है।

- जिन **उद्योग समूहों** को यह मापता है उन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है
  - विनिर्माण, खनन और बिजली जैसे **व्यापक क्षेत्र ।**
  - पूंजीगत सामान, बुनियादी सामान, मध्यवर्ती सामान, बुनियादी ढांचा सामान, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और उपभोक्ता गैर टिकाऊ सामान जैसे उपयोग आधारित क्षेत्र।

- इसका उपयोग नीति निर्माण उद्देश्यों के लिए **वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक** आदि **सहित सरकारी एजेंसियों** द्वारा किया जाता है।।
- **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी** और **कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** द्वारा **मासिक रूप से** संकलित और प्रकाशित किया जाता है ।
- IIP के लिए आधार **वर्ष 2011-2012** है।

आठ कोर सेक्टर

- इनमें **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** में शामिल वस्तुओं का भा**र 40.27%** शामिल है।
- आठ प्रमुख क्षेत्र के उद्योग अपने भार के घटते क्रम में**: रिफाइनरी उत्पाद > बिजली > इस्पात > कोयला > कच्चा तेल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक।**

136.FATF समीक्षा से पहले, केंद्र ने सुझावों को लागू करने के लिए उपाय किए - द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- FATF द्वारा भारत के **पारस्परिक मूल्यांकन** से पहले **केंद्र सरकार** ने **अंतर सरकारी निकाय** की सिफारिशों को लागू करने के लिए कई उपाय किए हैं।
- वे सिफ़ारिशें **वर्ष 2010 की समीक्षा** के बाद की गई थीं ।

प्रीलिम्स टेकअवे

- धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA)
- वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

FATF का मूल्यांकन और भारत का मूल्यांकन:

- FATF सदस्य देशों के उपायों के अनुपालन का आकलन करने के लिए समीक्षा करता है
  - **मनी लॉन्ड्रिंग पर** अंकुश लगाना
  - आतंक का वित्तपोषण।
- इन उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए भारत **नवंबर, 2023** में **ऑन-साइट मूल्यांकन** के लिए निर्धारित है।

FATF समीक्षा का दायरा

- भारत के वित्त मंत्रालय ने **चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव** और **लागत** और **प्रबंधन अकाउंटेंट** को नामित किया है
  - धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत निर्दिष्ट **व्यवसाय** या **पेशा** चलाने वाले व्यक्ति।
- इन पेशेवरों को अब **रिपोर्टिंग दायित्वों** के साथ रिपोर्टिंग इकाई माना जाता है।
- सरकार ने **व्यावसायिक संस्थाओं** से **संबंधित विभिन्न गतिविधियों** को शामिल करने का दायरा बढ़ा दिया है, जैसे कि **फॉर्मेशन एजेंट, निदेशक** या **कंपनियों के सचिव** के रूप में कार्य करना आदि।

रिपोर्टिंग इकाई जिम्मेदारियाँ:

- **रिपोर्टिंग संस्थाओं को निम्न दायित्व बनाए रखना**
  - लेन-देन के रिकॉर्ड
  - ग्राहक की पहचान
  - लाभकारी मालिक
  - खाता फ़ाइलें
  - पाँच वर्षों के लिए व्यावसायिक पत्राचार ।
- PMLA की **धारा 12AA** अतिरिक्त जिम्मेदारियों की रूपरेखा बताती है, जैसे -
  - ग्राहक सत्यापन
  - वित्तीय स्थिति का आकलन करना
  - लेनदेन के उद्देश्य और प्रकृति की जांच करना ।
- गैर-अनुपालन पर प्रत्येक विफलता के लिए **₹10,000 से ₹1 लाख** तक का **मौद्रिक दंड** हो सकता है।

वकीलों के लिए चुनौतियाँ:

- FATF की सिफारिशों के अनुसार वकीलों को भी रिपोर्टिंग संस्थाओं के रूप में शामिल करने पर विचार किया गया।
- साक्ष्य अधिनियम की **धारा 126 और 129** वकीलों को अपने ग्राहकों के साथ **विशेषाधिकार** प्राप्त **संचार** प्रदान करती है जिससे यह समावेशन जटिल हो जाता है।

137.सोने के आयात के कारण व्यापार घाटे में वृद्धि-द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।
समाचार:

- व्यापार घाटा **31.46 बिलियन डॉलर** के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।
- **त्योहारी मांग** के कारण सोने का आयात बढ़ा।

प्रीलिम्स टेक अवे

- वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापार घाटा

त्योहारी सीज़न में निर्यात की तुलना में आयात में अधिक वृद्धि

- इस बीच, अक्टूबर, 2023 में भारत का **व्यापारिक निर्यात** 6.21 प्रतिशत बढ़कर **33.57 बिलियन डॉलर** हो गया।
- आयात **12.3 फीसदी बढ़कर** 65.03 अरब डॉलर हो गया
  - सोने का आयात बढ़कर **7.23 बिलियन डॉलर** हो गया, जो अक्टूबर, 2022 की तुलना में लगभग दोगुना है।
- **तेल आयात** भी 8 प्रतिशत बढ़कर 17.66 बिलियन डॉलर हो गया। व्यापार घाटे का मतलब **निर्यात से अधिक आयात** है।
- यह **चालू खाते के घाटे** को प्रभावित करता है, जो बदले में मुद्रा को प्रभावित करता है।

व्यापार घाटा और निर्यात-आयात रुझान

- देश का माल **व्यापार घाटा** 26.31 अरब डॉलर रहा। सबसे बड़े आयात आंकड़ों के कारण अक्टूबर, 2023 में घाटा 'सर्वोच्च' है।
- व्यापार **संख्या** आउटबाउंड शिपमेंट में रिकवरी की शुरुआत को दर्शाती है।
- **फरवरी-जुलाई, 2023** के दौरान देश का **निर्यात** नकारात्मक क्षेत्र में था ।
- **अगस्त, 2023** में शिपमेंट में **3.88 प्रतिशत** की सकारात्मक वृद्धि देखी गई ।
- **सितंबर, 2023** में उनमें **2.6 प्रतिशत की गिरावट** आई।
- **दिसंबर 2022 और सितंबर 2023** के बीच दस महीने की नकारात्मक वृद्धि के बाद **आयात सकारात्मक** हो गया है।
- **अप्रैल-अक्टूबर अवधि** के दौरान **निर्यात** 7 प्रतिशत घटकर 244.89 अरब डॉलर रह गया, जबकि आयात 8.95 प्रतिशत गिरकर 391.96 अरब डॉलर रह गया।
- **सात महीने की अवधि** के दौरान व्यापार घाटा **147.07 अरब डॉलर** था, जबकि 2022 की इसी अवधि में व्यापार घाटा **167.14 अरब डॉलर** था।
- **सोने का आयात** 23 प्रतिशत बढ़कर 29.5 अरब डॉलर हो गया।
- **कच्चे तेल का आयात** 18.72 प्रतिशत घटकर लगभग **100 बिलियन डॉलर** रह गया।
- **सेवा निर्यात का** अनुमान 28.7 अरब डॉलर था, जो एक साल पहले 25.3 अरब डॉलर था।
- **आयात** 13.51 अरब डॉलर के मुकाबले 14.32 अरब डॉलर रहा।
- **सेवाओं का अनुमानित मूल्य** $ 192.65 बिलियन था, जबकि अप्रैल-अक्टूबर 2022 में **$181.37 बिलियन** था।

138.इंस्पायर फैकल्टी फेलो ने हरे शैवाल के पीछे के आणविक तंत्र को डिकोड किया - DST

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार

- हाल ही में, एक युवा शोधकर्ता ने इस रहस्य का खुलासा किया है कि कैसे **पिकोसिस्टिस सेलिनारम** अत्यधिक लवणीय-क्षारीय/हाइपरसॉमिक परिस्थितियों में **शारीरिक अनुकूलन का** सहारा लेकर अत्यधिक कठिन **परिस्थितियों** में भी जीवित रहता है।

प्रीलिम्स टेक अवे
- सांभर झील
- पिकोसिस्टिस सेलिनारम

पिकोसिस्टिस सेलिनारम:

- यह विश्व स्तर पर व्यापक रूप से फैली लवणीय झीलों का **पिकोप्लांकटोनिक हरित शैवाल** है।
- यह **सबसे छोटे हरे शैवालों** में से एक है ।
- यह अत्यधिक **लवणीय झील** सांभर, राजस्थान में चरम वातावरण में जीवित रहता है। हालाँकि शैवाल दुनिया भर में **लवणीय झीलों** में व्यापक रूप से पाए जाते थे, लेकिन इसे पहली बार भारत में केवल **सांभर झील** में देखा गया था।
- अद्वितीय जीव स्पष्ट रूप से **उच्च लवणता-क्षारीयता** के लिए महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया के रूप में **चैपरोन प्रोटीन** के साथ-साथ **प्रकाश संश्लेषण और एटीपी संश्लेषण** को बढ़ाता है ।
- अत्यधिक लवणीय-क्षारीय स्थिति में **पी. सैलिनारम** द्वारा प्रदर्शित बढ़ी हुई प्रकाश संश्लेषक गतिविधि उल्लेखनीय है क्योंकि अधिकांश प्रकाश संश्लेषक जीवों में **प्रकाश संश्लेषण हाइपरऑस्मोटिक स्थितियों** से प्रभावित है ।

सांभर झील

- यह राजस्थान में स्थित **भारत की सबसे बड़ी लवणीय आर्द्रभूमि** है।
- यह एक **अल्पकालिक लवणीय झील** है ,
- यह एक निर्दिष्ट **रामसर साइट** (अंतर्राष्ट्रीय महत्व की मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि) भी है।
- यह **अरावली पर्वतमाला के अवसाद** का प्रतिनिधित्व करता है ।
- इस अंतर्देशीय झील को **पांच नदियों** सामोद, खारी, मंथा, खंडेला, मेड़था और रूपनगढ़ से पानी मिलता है।

139.भारत, अमेरिका, 12 अन्य IPEF सदस्यों ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन समझौते पर हस्ताक्षर किए

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **भारत, अमेरिका और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी** (IPEF) समूह के 12 अन्य सदस्यों ने एक **आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन समझौते** पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रीलिम्स टेक अवे
- समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढांचा
- एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग

IPEF

- IPEF को 23 मई, 2022 को टोक्यो में **अमेरिका और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** के अन्य भागीदार देशों द्वारा **संयुक्त रूप से लॉन्च** किया गया था।
- ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, अमेरिका और वियतनाम इस ब्लॉक के सदस्य हैं।
- **पांच सदस्य देशों** में से किसी एक द्वारा समझौते के कार्यान्वयन के बाद लागू होगा ।

समझौते के चार स्तंभ

- संबंधित **चार स्तंभों** के आसपास संरचित है
  - व्यापार
  - सप्लाई श्रृंखला
  - स्वच्छ अर्थव्यवस्था
  - निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार विरोध जैसे मुद्दे)।
- भारत व्यापार को छोड़कर सभी स्तंभों में शामिल हो गया है ।

समझौते के लाभ

- समझौता निम्नलिखित लाभ प्रदान करेगा
  - महत्वपूर्ण क्षेत्रों में **उत्पादन केंद्रों** का संभावित स्थानांतरण
  - **आपूर्ति श्रृंखला** के झटकों से होने वाले आर्थिक व्यवधानों के जोखिम को कम करना ।
- इस समझौते से भारत समेत सदस्य देशों को **चीन पर निर्भरता** कम करने में मदद मिलेगी।
- यह समझौता **अनुकूलनशीलता** , **स्थिरता** और **निरंतरता** को बढ़ावा देगा ।
- समझौते के अन्य लाभों में निम्नलिखित शामिल हैं
  - आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण
  - निवेश जुटाना
  - वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत का गहन एकीकरण
  - MSME को समर्थन
  - एक निर्बाध क्षेत्रीय व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण,
- इन विकासों से भारतीय उत्पादों के प्रवाह में आसानी होगी।

समझौते का आपूर्ति श्रृंखला परिप्रेक्ष्य

- समझौते के तहत, आईपीईएफ भागीदार प्रदान करना चाहते हैं
  - महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला जोखिमों के बारे में उनकी सामूहिक समझ बनाने के लिए एक रूपरेखा;
  - संकट समन्वय और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों की प्रतिक्रिया में सुधार;
  - सहयोग को सुगम बनाना,
  - निवेश जुटाना,
  - क्षेत्रों में विनियामक पारदर्शिता को बढ़ावा देना
  - राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सामान
  - सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा।
- सदस्य देशों द्वारा महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की जाएगी ।
- IPEF **आपूर्ति श्रृंखला परिषद** की स्थापना करेगा ।
- परिषद की हर साल बैठक होगी और सभी सदस्यों को समझौते के **कार्यान्वयन की प्रगति पर रिपोर्ट** देनी होगी।
- परिषद के अलावा ब्लॉक स्थापित किया जाएगा
  - IPEF आपूर्ति श्रृंखला संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क
  - IPEF श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड।

IPEF आपूर्ति श्रृंखला संकट प्रतिक्रिया नेटवर्क

- नेटवर्क निम्नलिखित मामलों का प्रबंधन करेगा
  - आपातकालीन मुद्दे
  - आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के दौरान भागीदारों को समर्थन प्राप्त करने में सहायता करें
  - किसी संकट के दौरान IPEF भागीदारों के बीच सूचना साझा करने और सहयोग की सुविधा प्रदान करना
  - तेज़ और अधिक प्रभावी प्रतिक्रिया सक्षम करना
  - उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव को कम करना।

IPEF श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड

- सलाहकार बोर्ड सदस्यों को उनकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में **श्रम अधिकारों को बढ़ावा** देने में मदद करेगा।

140.दवाओं को शुरू से अंत तक ट्रैक करने के लिए नया आईटी प्लेटफॉर्म - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

समाचार:

- **केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन** अपनी सभी प्रक्रियाओं में **पारदर्शिता** और **एकरूपता लाने पर** काम कर रहा है।
- यह उक्त उद्देश्य के लिए एक **एकीकृत आईटी प्लेटफॉर्म** पर काम कर रहा है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सरकारी ई-बाज़ार
- भारतीय मानक ब्यूरो
- क्लिनिकल ट्रायल रजिस्ट्री

पोर्टल के लॉन्च से पहले का घटनाक्रम

- भारतीय निर्मित **सिरप दूषित** पाए गए और यहां तक कि **गाम्बिया** और **उज़्बेकिस्तान** में बच्चों की मौत से भी जुड़े हुए थे।
- अच्छी **विनिर्माण प्रथाओं** के लिए **वैश्विक मानक** सभी **भारतीय कंपनियों** के लिए अनिवार्य बनाया जाएगा।
- सरकार उन **छोटी कंपनियों** को विनियमित कर रही है जो ऐसा करने के लिए इसका अनुपालन नहीं करती हैं।

प्लेटफ़ॉर्म से अपेक्षाएँ

- यह **घरेलू** और **अंतरराष्ट्रीय बाजारों** में विश्वास पैदा करने में सक्षम होगा।
- प्लेटफ़ॉर्म सीधे निम्न चरणों से उत्पादों को **ट्रैक** करने में सक्षम होगा -
  - कच्चे माल की खरीद
  - आपूर्ति श्रृंखला के लिए
  - अंततः उपभोग के पैटर्न को वर्गीकृत किया गया
    - मात्रा
    - क्षेत्र
    - सीज़न
- निर्माताओं के अलावा **वितरकों** और **खुदरा विक्रेताओं** को भी अपने **चालान** पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।
- इससे **एंड टू एंड ट्रैकिंग** को बढ़ावा मिलेगा।
- पोर्टल नियमित रूप से **"ITR रिटर्न और GST फाइलिंग के समान"** विभिन्न हितधारकों से जानकारी प्राप्त करने के प्रावधान बनाएगा ।
- सरकार ने **सिस्टम विकसित** करने के लिए **सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाताओं** को आमंत्रित किया है।
- एक बार चालू होने के बाद, **दवा नियामकों** द्वारा उपयोग किए जाने वाले **अन्य सभी पोर्टल** बंद कर दिए जाएंगे।

पोर्टल की विशेषताएं

- यह पोर्टल सभी **दवा नियामक गतिविधियों** के लिए **एकल खिड़की** बन जाएगा।
- पोर्टल का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य **नकली और मानक गुणवत्ता वाली दवाओं** के बारे में जानकारी साझा करना होगा।
- राज्य नियामक राज्य की सीमाओं के पार इन दवाओं की आवाजाही की समस्या से निपटेंगे ।
- ऐसे मामलों में **जांच और अभियोजन लॉन्च** भी पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे।
- यह अ**भियोजन और दोषसिद्धि** के लिए सभी प्रकार के अदालती मामलों को ट्रैक करने में भी मदद करेगा।

पोर्टल के क्रियान्वयन की प्रक्रिया

- आगामी पोर्टल में **अलग-अलग हितधारकों** के लिए **अलग-अलग डैशबोर्ड** होंगे, जो उन्हें जानने की आवश्यकता के **आधार पर कस्टम रिपोर्ट** तक पहुंच प्रदान करेंगे।
- पोर्टल की आवश्यकताओं में से एक डेटा को खोजने योग्य बनाने के लिए पर्याप्त **पैरामीटर** होना है।
- यह प्लेटफ़ॉर्म उन गतिविधियों को ऑनलाइन लाएगा जो अभी भी भौतिक रूप से की जाती हैं
  - जैसे **आवधिक सुरक्षा अद्यतन, कारण बताओ नोटिस, प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग** और **अनुमोदन** के **बाद परिवर्तन** आदि।
- यह पोर्टल निम्न निरीक्षणों को बेहतर बनाने में मदद करेगा
  - गुप्त तरीके से विभिन्न स्थलों पर **यादृच्छिक रूप से निरीक्षकों** को नियुक्त करना,
  - लाइसेंस और अनुमोदन के लिए **आवेदनों पर कार्रवाई** जैसे कार्यों का यादृच्छिक आवंटन,

- एकत्र किए गए नमूनों को **QR कोड** निर्दिष्ट करना
- प्रक्रिया के हर चरण में **सत्यापन की अनुमति** देने के लिए रिपोर्ट।

- यह स्वचालित रूप से **अधिकारियों की प्रदर्शन रिपोर्ट** भी तैयार करेगा।
- पोर्टल **निर्माताओं, विपणक, खुदरा विक्रेताओं, फार्मेसियों** और यहां तक कि **विषय वस्तु विशेषज्ञों** की **खोज योग्य रजिस्ट्रियां** बनाएगा।
- ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म को निम्न **सरकारी पोर्टलों** जैसे के साथ संगत होने की आवश्यकता होगी -
  - सरकारी ई-बाज़ार,
  - भारतीय मानक ब्यूरो
  - क्लिनिकल ट्रायल रजिस्ट्री.
- इसमें **ओटीपी, आधार, पैन कार्ड और डिजीलॉकर** जैसे **प्रमाणीकरण तंत्र** का उपयोग करके दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने का भी प्रावधान होगा।

141. RBI ने बैंकों, NBFC के उपभोक्ता ऋण एक्सपोजर पर जोखिम भार को बढ़ाकर 125% किया - द हिंदू/असुरक्षित क्रेडिट में वृद्धि, RBI ने व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड पर मानदंड कड़े किए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)** ने **उपभोक्ता ऋण** और **गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs)** को बैंक ऋण के लिए नियामक उपाय जारी किए।
- बैंक ने जोखिम भार को अतिरिक्त **25 प्रतिशत** अंक बढ़ाकर **125%** कर दिया है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक
- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ

क्रेडिट बाजार में विकास

- **उपभोक्ता ऋण** में **उच्च वृद्धि** देखी गई ।
- **बैंक उधार** पर **NBFCs** की बढ़ती निर्भरता ।
- आवास ऋण, शिक्षा ऋण, वाहन ऋण और सोने और सोने के आभूषण और माइक्रोफाइनेंस/SHG ऋण द्वारा सुरक्षित ऋण इस क्रेडिट छूट का हिस्सा नहीं हैं।
- **अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCBs)** के **क्रेडिट कार्ड प्राप्य** पर **125% जोखिम भार** लगता है जबकि **NBFCs** पर **100%** का जोखिम भार लगता है।
- **SCB** और **NBFC** के लिए ऐसे एक्सपोज़र पर **जोखिम भार** क्रमशः **25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 150% और 125%** कर दिया गया है।
- इस पूरी प्रक्रिया में मान्यता प्राप्त बाह्य **क्रेडिट मूल्यांकन संस्थानों (ECAI)** की सिफारिशें एक भूमिका निभाती हैं।
- जो ऋण मौजूदा निर्देशों के अनुसार **प्राथमिकता क्षेत्र** के रूप में वर्गीकरण के लिए पात्र हैं, उन्हें बाहर रखा जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश

- ऋण देने वाले **संस्थानों को उपभोक्ता ऋण** के लिए उनकी मौजूदा **क्षेत्रीय जोखिम सीमा** की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।
- विशेष रूप से, सभी **असुरक्षित उपभोक्ता ऋण एक्सपोज़र** के लिए सीमाएँ निर्धारित की जानी चाहिए।
- इस प्रकार तय की गई **सीमाओं का जोखिम प्रबंधन समिति** द्वारा निरंतर आधार पर सख्ती से पालन और निगरानी की जानी चाहिए।
- इन मानदंडों को लागू करने की **अंतिम तिथि 29 फरवरी, 2024** है।

142. भारत ने विभिन्न देशों को जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया - इंडियन एक्सप्रेस/ भारत ने ग्लोबल साउथ को जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया - द इकोनॉमिक टाइम्स

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

समाचार:

- हाल ही में, भारत ने **जैव ईंधन विशेषज्ञता** साझा करने की इच्छा पर जोर देते हुए **वैश्विक दक्षिण देशों** को **वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (GBA)** में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

प्रीलिम्स टेकअवे

- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन
- नवीकरणीय ऊर्जा

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन

- **G-20** नेताओं की बैठक में लॉन्च किए गए **GBA** का उद्देश्य **परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों में उत्सर्जन** को कम करना है।
- शीर्ष उत्पादक **ब्राजी**ल और **अमेरिका सहित जीबीए, बायोमास** से प्राप्त **जैव ईंधन व्यापार** के लिए एक **वैश्विक बाजार स्थापित** करना चाहता है।

भारत में जैव ईंधन उपलब्धियाँ

- **भारत** ने समय सीमा से **पांच महीने पहले मई 2022** तक **पेट्रोल में 10% इथेनॉल मिश्रण** करने का लक्ष्य हासिल कर लिया।
- भारत ने टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए **पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण** के अपने लक्ष्य को **वर्ष 2025** तक बढ़ा दिया है।

जैव ईंधन का प्रभाव

- **बायोमास का ईंधन** में रूपांतरण **भारत में किसानों** के लिए एक **अतिरिक्त आय स्रोत प्रदान** करता है।
- **10% इथेनॉल मिश्रण** प्राप्त करने का परिणाम प्राप्त हुआ
  - किसानों को 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान
  - पिछले नौ वर्षों में **40 मिलियन मीट्रिक टन** से अधिक **कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन** में कमी आई है।

भारत का नवीकरणीय ऊर्जा नेतृत्व

- भारत दुनिया में **नवीकरणीय ऊर्जा** का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है, इसकी स्थापित **बिजली क्षमता** का **40% गैर-जीवाश्म ईंधन** से प्राप्त होता है।
- सौर टैरिफ में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे **नवीकरणीय ऊर्जा अधिक सुलभ** हो गई है।
- भारत ने **वर्ष 2030** तक **5 मिलियन टन उत्पादन** के लक्ष्य के साथ **राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन** शुरू किया।।
  - **हरित हाइड्रोजन उत्पादन**, उपयोग और निर्यात के लिए **भारत को वैश्विक केंद्र** के रूप में स्थापित करना।
- **भारत के लक्ष्य**
  - वर्ष 2070 तक **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** हासिल करना।
  - 500 गीगावॉट की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता
  - **वर्ष 2030** तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का **50% नवीकरणीय स्रोतों** से पूरा करें।

ऊर्जा संक्रमण रणनीति

- भारत गैर-**पारंपरिक स्रोतों** पर ध्यान केंद्रित करते हुए **ऊर्जा नीति विविधीकरण** के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है।
  - जैसे जैव ईंधन, संपीड़ित बायोगैस, हरित हाइड्रोजन, सौर और पवन।
- **सरकार जलवायु परिवर्तन** को कम करते हुए **ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने** के लिए **नीतिगत सुधारों** पर जोर देती है।

सहयोगात्मक समाधान

- **ऊर्जा परिवर्तन** हासिल करना **वैश्विक भागीदारी** पर निर्भर है।

- एक **सहयोगात्मक दृष्टिकोण** के परिणामस्वरूप इष्टतम संसाधन वितरण, **तकनीकी साझेदारी** और **सर्वोत्तम अभ्यास** साझाकरण होगा।

143.बैंकिंग उद्योग को 84,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता है: आरबीआई - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने बैंकों के एक्सपोज़र पर जोखिम भार बढ़ाने का निर्णय लिया है
  - उपभोक्ता ऋण,
  - क्रेडिट कार्ड प्राप्य
  - गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFCs)

प्रीलिम्स टेकअवे

- गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियाँ
- CRAR

आरबीआई द्वारा असुरक्षित ऋण पर सख्ती क्यों?

- ये उपाय लगातार जारी हैं
  - विनियमित संस्थाओं के लिए अ**पेक्षित हानि (EL)** संचालित **स्ट्रेस पहचान प्रणाली** की ओर झुकाव
  - 15 ऊपरी स्तर की NBFC को अधिक नियामक जांच के अधीन करने का आरबीआई का हालिया कदम।
- यह कदम स्पष्ट रूप से वित्तीय स्थिरता जोखिमों का मुकाबला करने के लिए उठाया गया है।

बैंकों और उपभोक्ताओं पर आरबीआई के निर्देश का प्रभाव

- **बैंकिंग उद्योग** को **संभवतः 84,000 करोड़ रुपये** की **अतिरिक्त पूंजी** की आवश्यकता होगी -
  - या निर्देश का पालन करने के लिए **15.2 लाख करोड़ रुपये की पूंजी** आवश्यकता से **पांच प्रतिशत** की वृद्धि।
- इससे उपभोक्ताओं के लि**ए ऋण लेने की लागत** बढ़ जाएगी।
- **CRAR** (जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात के लिए पूंजी) में **55-60 आधार अंक** की वृद्धि की उम्मीद है ।
- **आरबीआई** के कदम से प्रभावित ये **असुरक्षित ऋण (14.8 लाख करोड़ रुपये) सितंबर 2023** तक कुल **बकाया ऋण (151.5 लाख करोड़ रुपये**) का केवल **9.8 प्रतिशत** हैं।
- इस कदम से **गैर-बैंक ऋण पर अनुकूल** प्रभाव पड़ सकता है।
- इस कदम का असर कॉरपोरेट बॉन्ड पर भी पड़ेगा .
- **उच्च पूंजी** आवश्यकताओं से **ऋणों की वृद्धि** धीमी होने की उम्मीद है।

इस कदम के अन्य आकस्मिक प्रभाव

- बैंकों और NBFC द्वारा **असुरक्षित ऋणों** पर ली जाने वाली दरों में महत्वपूर्ण वृद्धि बड़े और छोटे NBFC (फिनटेक सहित) के लिए उधार की उच्च लागत
- प्रबंधनाधीन उनकी **परिसंपत्तियों में असुरक्षित खुदरा ऋणों** का उच्च अनुपात ।
- अतिरिक्त पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए **NBFCs** द्वारा **असुरक्षित ऋण** में पूंजी का अधिक जुटाना ।
- उपभोक्ता **ऋण बाजार से बैंकों** और **NBFC** की अचानक वापसी

आरबीआई के निर्देशों से बहिष्करण

आरबीआई **परिपत्र सामान्य रूप** से **उपभोक्ता ऋणों** को प्रभावित करता है लेकिन इसमें शामिल नहीं है

- आवास ऋण
- शिक्षा ऋण
- वाहन ऋण
- सोने और सोने के आभूषणों द्वारा सुरक्षित ऋण।

आरबीआई के प्रतिचक्रीय उपाय

- आरबीआई द्वारा उठाए गए मौजूदा **नियामक कदमों को प्रतिचक्रीय उपाय** कहा जा सकता है।
- इस प्रकार की कार्रवाइयां **मौद्रिक और राजकोषीय दोनों उपायों** को संदर्भित करती हैं।
- ये उपाय तेजी के दौरान **आर्थिक गतिविधियों** पर लगाम लगाकर और मंदी के दौरान इसे मजबूत करके **व्यापार चक्र** को स्थिर करते हैं ।

144.डीपफेक मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की बैठक बुलाई जाएगी-द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

समाचार:

- हाल ही में, केंद्रीय आईटी मंत्री ने **'डीपफेक' वीडियो** पर चिंताओं को दूर करने के लिए **सोशल मीडिया प्लेटफार्मों** के साथ एक बैठक करने की घोषणा की है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- डीपफेक
- सेफ हार्बर इम्युनिटी क्लॉज
- बैलेचली पार्क घोषणा

डीपफेक वीडियो का प्रभाव

- हाल ही में अभिनेताओं को निशाना बनाने वाले वायरल **'डीपफेक' वीडियो** ने सार्वजनिक आक्रोश फैलाया, जिससे प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।
- प्रधानमंत्री ने **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** द्वारा निर्मित **डीपफेक** के कारण **समाज में संभावित संकट** और **असंतोष** की चेतावनी दी है।

सोशल मीडिया कंपनियों को सलाह

- केंद्र ने प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों को रिपोर्टिंग के 36 घंटों के भीतर गलत सूचना, डीपफेक और नियम का उल्लंघन करने वाली सामग्री की **पहचान करने** और **हटाने के लिए सलाह** जारी की है।
- यदि प्लेटफॉर्म **डीपफेक** को हटाने के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहते हैं तो **सेफ हार्बर इम्युनिटी क्लॉज** लागू नहीं होगा।

डीपफेक

- यह किसी को गलत तरीके से प्रस्तुत करने या उसका प्रतिरूपण करने के लि**ए एआई** के माध्यम से बनाए गए **डिजिटल रूप से हेरफेर** और परि**वर्तित मीडिया** को संदर्भित करता है।
- इन्हें **जेनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क्स (GANs)** नामक **तकनीक** का उपयोग करके बनाया गया है।
- इसमें **दो प्रतिस्पर्धी तंत्रिका नेटवर्क** शामिल हैं, अर्थात् एक जनरेटर और एक विवेचक।
  - जनरेटर नकली चित्र या वीडियो बनाने का प्रयास करता है जो यथार्थवादी दिखते हैं
  - **विवेचक असली** और **नकली** के बीच अंतर करने की कोशिश करता है।
- जनरेटर विवेचक की प्रतिक्रिया से सीखता है और अपने आउटपुट में सुधार करता है जब तक कि वह विवेचक को बेवकूफ़ नहीं बना लेता है।
- **डीपफेक** के लिए स्रोत और लक्षित व्यक्ति के बड़ी मात्रा में डेटा, जैसे **फ़ोटो या वीडियो,** की आवश्यकता होती है।
  - इन्हें अक्सर उनकी सहमति या जानकारी के बिना **इंटरनेट** या **सोशल मीडिया** से एकत्र किया जाता है।
- डीपफेक डीप सिंथेसिस का एक हिस्सा है, जो आभासी दृश्य बनाने के लिए **पाठ, चित्र, ऑडियो और वीडियो** उत्पन्न करने के लिए गहन **शिक्षण और संवर्धित वास्तविकता** सहित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है।

145.एआई-संचालित केमिस्ट मंगल ग्रह के उल्कापिंडों से ऑक्सीजन उत्पन्न कर सकता है - द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- मंगल ग्रह के उल्कापिंड
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता

- हाल ही में, चीन के शोधकर्ताओं ने एक **रोबोटिक एआई-केमिस्ट** विकसित किया है जो मंगल ग्रह पर **उल्कापिंडों** में पाए जाने वाले **पदार्थों** से **ऑक्सीजन का उत्पादन** कर सकता है।
- यह शोध **ऑक्सीजन** उत्पन्न करने की अवधारणा का प्रमाण प्रदान करता है और भविष्य में मंगल ग्रह पर भेजे जाने वाले **मानव मिशनों** पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

मुख्य बिंदु

- **ऑक्सीजन का महत्व:** मंगल ग्रह पर **मानव गतिविधियों** के लिए **ऑक्सीजन** आवश्यक है, जिसमें संभावित भविष्य के **मानव मिशनों** के लिए **रॉकेट प्रणोदक** और **जीवन-समर्थन प्रणालियाँ** शामिल हैं।
- **लागत-प्रभावी दृष्टिकोण:** यह शोध पृथ्वी से सामग्री के परिवहन के बजाय **मंगल ग्रह** पर मौजूद संसाधनों का उपयोग करके **भविष्य के मिशनों के लिए एक लागत प्रभावी और कम जटिल विधि** की तलाश करता है।
- **एआई-उत्प्रेरक निर्माण:** रोबोटिक **एआई-केमिस्ट** इष्टतम उत्प्रेरक फॉर्मूले की तेजी से पहचान करने के लिए **मशीन-लर्निंग मॉडल** का उपयोग करता है।
  - यह प्रथम-सिद्धांत **डेटा** और **प्रयोगात्मक माप** दोनों का उपयोग करता है।
  - एआई रसायनज्ञ द्वारा मंगल ग्रह से आए या वहां मौजूद उल्कापिंडों की **पांच श्रेणियों का विश्लेषण** किया गया है
  - इसने उल्कापिंडों को **रासायनिक यौगिकों** में बदल दिया और **ऑक्सीजन उत्पादन** के लिए उत्प्रेरक तैयार किए है।
  - इसने इस प्रक्रिया को तब तक दोहराया जब तक कि **सर्वोत्तम उत्प्रेरक** नहीं मिल गया।
- **दक्षता और व्यवहार्यता**
  - **एआई-केमिस्ट** ने **दक्षता** का प्रदर्शन किया।
    - यह **सिम्युलेटेड मंगल ग्रह** की स्थितियों के तहत **550,000 सेकंड** से अधिक समय तक **10 mA सेमी-2** के वर्तमान **घनत्व** पर संचालित हुआ।
  - यह मंगल ग्रह की खोज के लिए **स्वचालित संश्लेषण** की व्यवहार्यता को दर्शाता है।
- **टाइम सेविंग टेक्नोलॉजी**
  - शोधकर्ताओं का अनुमान है कि **रोबोटिक एआई-केमिस्ट** के उपयोग के माध्यम से यह प्रक्रिया अधिक तेजी से पूरी की गई।
  - इस शोध में **2,000 साल का मानव श्रम** लग सकता है
- मंगल ग्रह की खोज के लिए निहितार्थ यह तकनीक भविष्य में मनुष्यों के लिए **मंगल ग्रह पर ऑक्सीजन** का उत्पादन करने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है, जो संभावित रूप से **मानवयुक्त मिशनों** की स्थिरता में योगदान कर सकती है।

146.संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम उत्सर्जन गैप रिपोर्ट जारी - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- **COP28** से पहले, **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** ने **'उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट 2023'** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

उत्सर्जन गैप रिपोर्ट

- रिपोर्ट (EGR) श्रृंखला **पेरिस समझौते** के अनुरूप **ग्लोबल वार्मिंग** को **2 डिग्री सेल्सियस** से नीचे सीमित करने और **1.5 डिग्री सेल्सियस** का लक्ष्य रखने में विश्व की प्रगति पर नज़र रखती है।
- **वर्ष 2010** से, इसने अनुमानित भविष्य के **वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (GHG)** उत्सर्जन के बीच अंतर का **वार्षिक विज्ञान-आधारित मूल्यांकन** प्रदान किया है।
  - यदि देश अपने **जलवायु शमन** प्रतिज्ञाओं को लागू करते हैं, और **जलवायु परिवर्तन** के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए उन्हें कहाँ होना चाहिए।
- प्रत्येक वर्ष रिपोर्ट रुचि के एक **विशिष्ट मुद्दे** से निपटने के लिए **उत्सर्जन गैप** को पाटने के प्रमुख अवसरों पर भी प्रकाश डालती है।
- **संयुक्त राष्ट्र** के **सदस्य देशों** के बीच **जलवायु वार्ता** को सूचित करने के उद्देश्य से , **EGR** को हर साल संयुक्त राष्ट्र **जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP)** से पहले लॉन्च किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

- **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर **पर्यावरणीय मुद्दों** पर प्रतिक्रियाओं के समन्वय के लिए जिम्मेदार है।
- **जून 1972** में **स्टॉकहोम** में **मानव पर्यावरण** पर **संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन** के बाद इसके पहले निदेशक **मौरिस स्ट्रॉन्ग** द्वारा इसकी स्थापना की गई थी।

147.मवेशियों में फ्रीमार्टिन क्या है? - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

समाचार:

- **कृषि परिवेश** में, **फ्रीमार्टिन प्रजनन** नहीं कर सकते, किसान अक्सर उन्हें **शारीरिक और/या व्यवहार संबंधी लक्षणों** के माध्यम से पहचानते हैं

प्रीलिम्स टेकअवे
- फ्रीमार्टिंस

फ्रीमार्टिंस

- पशुपालन में, जो **मवेशी** पैदा होते हैं उनमें **दोनों लैंगिंग लक्षण** प्रदर्शित होते हैं
- ये **बांझ मादा मवेशी** हैं जो एक ही **गर्भाशय** में **नर और मादा** के जुड़ने से उत्पन्न होती हैं।
- यह घटना **मवेशियों** में लगभग **90% जुड़वां गर्भावस्थाओं** में होती है।
- **कारण** :
- **गर्भधारण** के दौरान **नर और मादा भ्रूण** के बीच **रक्त का आदान-प्रदान** होता है।

तंत्र

- आनुवंशिक रूप से, **फ्रीमार्टिनिज्म** को **नर जुड़वां** से **महिला जुड़वां** के साथ **Y गुणसूत्र** ले जाने वाली कोशिकाओं को साझा करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।
  - यह गुणसूत्र **नर भ्रूण** में **नर प्रजनन अंगों** के **विकास** को गति प्रदान करता है
  - **नर हार्मोन** की उपस्थिति से प्रभावित **मादा भ्रूण**, अपनी **प्रजनन प्रणाली** के **अपूर्ण विकास** का अनुभव करता है।
- फ्रीमार्टिन में **अविकसित या गैर-कार्यात्मक प्रजनन** पथ होता है।

148.डीएसटी योजना की अधिसूचना रद्द होना शोधकर्ताओं के लिए चिंता का विषय - द हिंदू

प्रासंगिकता : विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- परिष्कृत विश्लेषणात्मक एवं तकनीकी सहायता संस्थान (SATHI)

समाचार :
- **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)** के **SATHI** कार्यक्रम के तहत प्रस्तावों के लिए कॉल रद्द करने के केंद्र के कदम ने **उच्च शिक्षा संस्थानों** में भय पैदा कर दिया है।
- **अनुसंधान** और **विकास** के लिए महत्वपूर्ण परिष्कृत, **उच्च-स्तरीय उपकरणों** की खरीद के लिए **फंडिंग स्रोत** सिकुड़ रहे हैं।

परिष्कृत विश्लेषणात्मक एवं तकनीकी सहायता संस्थान (SATHI)

उद्देश्य:
- **अनुसंधान** और **परीक्षण** सुविधाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग** की एक पहल है
- संस्थानों में पहुंच, **रखरखाव** और **महंगे उपकरणों** की समस्याओं का समाधान करना।
- एक साझा, पेशेवर रूप से प्रबंधित **विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T)** बुनियादी ढांचा सुविधा स्थापित करना जो **शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप, विनिर्माण इकाइयों, उद्योगों** और **R&D प्रयोगशालाओं** के लिए आसानी से सुलभ हो सकती है।
- ऐसे **S&T** बुनियादी ढांचे को **परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (SATHI)** के रूप में जाना जाएगा।
- ये केंद्र प्रमुख **विश्लेषणात्मक उपकरणों** और **उन्नत विनिर्माण सुविधाओं** से सुसज्जित होंगे जो आमतौर पर **संस्थानों/संगठनों** में उपलब्ध नहीं होते हैं।।
- वैश्विक मानकों से मजबूती से जुड़ी **प्रयोगशालाओं और परीक्षण सुविधाओं** के एक **राष्ट्रीय नेटवर्क** की स्थापना को प्रोत्साहित और सुनिश्चित करेगा ।
- **राज्य/केंद्रीय विश्वविद्यालयों** से अच्छी तरह से स्थापित, **अंतरराष्ट्रीय स्तर** पर प्रतिस्पर्धी **S&T** मेजबान **संस्थानों/R&D केंद्रों/संगठनों** से, भले ही उनकी **सरकारी/गैर-सरकारी** स्थिति कुछ भी हो, प्रस्ताव **नेटवर्किंग** और **क्लस्टर दृष्टिकोण** के माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं।
- **गैर-लाभकारी धारा 8** कंपनी के साथ-साथ अनुदान देने वाली एजेंसी के सहयोग से **कंसोर्टियम मोड** में एक **गवर्निंग बॉडी (GB)** का गठन अनिवार्य है।
- **अवधि** : **SATHI परियोजना** के लिए समर्थन की अवधि **4 वर्ष** से अधिक नहीं होगी।

149.यमन के हूती विद्रोहियों ने इज़रायल से जुड़े जहाज़ को अगवा किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे
- हौथी विद्रोही

समाचार:
- यमन के **ईरान समर्थित हौथिस** ने वीडियो फुटेज जारी किया जिसमें हथियारबंद लोगों को एक हेलीकॉप्टर से उतरते और **दक्षिणी लाल सागर** में एक **मालवाहक जहाज** को जब्त करते हुए दिखाया गया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जहाज की जब्ती और निंदा
- संयुक्त राज्य अमेरिका **लाल सागर** में **मोटर जहाज गैलेक्सी लीडर** की जब्ती की कड़ी निंदा करता है।
- अमेरिका इस जब्ती को **अंतरराष्ट्रीय कानून** का घोर उल्लंघन मानता है।
- अमेरिकी विदेश विभाग **जहाज** और उसके **चालक दल** की तत्काल रिहाई की मांग करता है।

क्रू संरचना और चार्टर सूचना
- बहामास-ध्वजांकित **गैलेक्सी लीडर** के दल में **बुल्गारिया, यूक्रेन, फिलीपींस, मैक्सिको** और **रोमानिया** के नागरिक शामिल हैं।
- यह जहाज जापान के **निप्पॉन युसेन** द्वारा किराए पर लिया गया है।

आवागमन की स्वतंत्रता का उल्लंघन और व्यापार को खतरा

- **गैलेक्सी लीडर** के **मालिकों** और **प्रबंधकों** का दावा है कि जहाज की जब्ती **वैश्विक बेड़े** के लिए **मार्ग** की **स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन** दर्शाती है।
- इस घटना को **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** के लिए एक गंभीर खतरा माना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय परामर्श और अगले चरण

- **अमेरिका** उचित अगले कदमों के संबंध में **सहयोगियों** और **संयुक्त राष्ट्र** भागीदारों के साथ परामर्श करने का वचन देता है।
- **राजनयिक** और **अंतरराष्ट्रीय चैनलों** के माध्यम से स्थिति को संबोधित करने की प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

150.आईपीईएफ के व्यापार स्तंभ में शामिल होने के लाभ अस्पष्ट: अधिकारी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- भारत **"ठोस लाभ"** की कमी का हवाला देते हुए, **इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (आईपीईएफ)** के व्यापार स्तंभ में शामिल होने को लेकर संशय में है।
- व्यापार स्तंभ महत्वपूर्ण है, जो **कृषि**, **डिजिटल व्यापार** और **श्रम** जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को कवर करता है।
- हालाँकि, **सैन फ्रांसिस्को** में आखिरी दौर की बातचीत में कोई सहमति नहीं बन पाई।

प्रीलिम्स टेकअवे

- समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ)
- ओईसीडी अर्थव्यवस्थाएँ
- इंडो-पैसिफिक

समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ)

- आईपीईएफ को **वर्ष 2022** में **टोक्यो** में **अमेरिका और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** के अन्य साझेदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया था।
- **सदस्य:** ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, अमेरिका और वियतनाम।
- साथ में वे दुनिया के **40% आर्थिक उत्पादन** और **28% वैश्विक व्यापार** का प्रतिनिधित्व करते हैं।

समझौते के चार स्तंभ

- संबंधित **चार स्तंभों** के आसपास संरचित है
  - व्यापार
  - सप्लाई श्रृंखला
  - स्वच्छ अर्थव्यवस्था
  - निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार विरोधी जैसे मुद्दे)।
- **भारत** व्यापार **को छोड़कर** सभी स्तंभों में शामिल हो गया है ।
- पारंपरिक व्यापार सौदों के विपरीत, आईपीईएफ मुख्य रूप से **बाजार पहुंच** को संबोधित नहीं करता है बल्कि इसका उद्देश्य **क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व** का मुकाबला करना है।

व्यापार स्तंभ में चुनौतियाँ

- वास्तविक लाभों पर स्पष्टता की कमी ने **व्यापार स्तंभ** में प्रगति में बाधा उत्पन्न की है।
- स्पष्ट लाभ के बिना **प्रतिबद्धताओं के सवालों ने सदस्य देशों** के बीच संदेह पैदा कर दिया है।

विवादास्पद मुद्दे

- निर्यात प्रतिबंधों को लेकर **संवेदनशीलता, विशेषकर खाद्य** और **कृषि** पर, चुनौतियाँ खड़ी करती है।
- **तीन स्तंभों** पर समझौतों के बावजूद, **निर्यात प्रतिबंधों** से संबंधित प्रतिबद्धताओं पर आम सहमति की संभावना नहीं है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य

- **व्यापार स्तंभ** से बाहर रहने का **भारत** का निर्णय **नियामक स्वायत्तता** बनाए रखने की उसकी रणनीति के अनुरूप है।

- मुख्य रूप से **ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं** में लागू मानकों के साथ तालमेल बिठाने की चिंताएं **घरेलू नियम संरेखण** के मामले में भारत के लिए एक चुनौती पैदा करती हैं।

151.आरबीआई गवर्नर ने मॉडल-आधारित ऋण सुविधा का मुद्दा उठाया , बैंकों, एनबीएफसी को अनुचित जोखिम बढ़ने की चेतावनी दी - द हिंदू/ बैंक, एनबीएफसी सभी प्रकार के अतिउत्साह से बचे:आरबीआई गवर्नर - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- **भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)** के **गवर्नर** ने **बैंकों** और **एनबीएफसी** को **टिकाऊ ऋण वृद्धि** बनाए रखने और "**सभी प्रकार के अतिउत्साह**" से बचने की सलाह दी।
- यह **आरबीआई** द्वारा उपभोक्ता **ऋण, क्रेडिट कार्ड प्राप्य** और **एनबीएफसी** के जोखिम पर जोखिम भार में हालिया वृद्धि के बाद आया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी)
- ट्विन बैलेंस शीट
- जोखिम भार

जोखिम भार में वृद्धि

- आरबीआई ने उपभोक्ता ऋण, **क्रेडिट कार्ड प्राप्य** और **एनबीएफसी** के जोखिम पर **जोखिम भार 25% बढ़ाकर 150%** तक कर दिया।
- **क्रेडिट पोर्टफोलियो** का विस्तार और **मूल्य निर्धारण** कथित जोखिमों के अनुरूप होना चाहिए।
- **आवास ऋण, वाहन ऋण** और **एमएसएमई** जैसे कुछ क्षेत्रों को विकास में उनके योगदान को मान्यता देते हुए कड़े उपायों से बाहर रखा गया है।

अंतर्संबंध संबंधी चिंताएँ

- उन्होंने **बैंकों और गैर-बैंकों** के बीच बढ़ते **अंतर्संबंध** पर बारीकी से ध्यान देने पर जोर दिया।
- बैंकों को **एनबीएफसी** के प्रति **एक्सपोजर और एनबीएफसी** के कई बैंकों के प्रति एक्सपोजर का मूल्यांकन करना चाहिए।

एनबीएफसी क्षेत्र का विकास

- क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में **एनबीएफसी की प्रबंधन** के तहत **संपत्ति (एयूएम) 14-17%** बढ़ने की उम्मीद है।
  - **कारण:** खुदरा ऋण क्षेत्रों में निरंतर मजबूत ऋण मांग,
- सितंबर 2023 तक, **एनबीएफसी सेक्टर** को **बैंकों का ऋण 26.3%** की सालाना वृद्धि के साथ **14.19 लाख करोड़ रुपये दर्ज** किया गया।
- आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 3 नवंबर को खत्म पखवाड़े में **बैंक क्रेडिट 20.42 फीसदी बढ़कर 155.66 लाख करोड़ रुपये** हो गया है।

ब्याज दरें और मॉडल-आधारित ऋण

- अपेक्षाकृत उ**च्च शुद्ध ब्याज मार्जिन** का आनंद ले रहे कुछ **एनबीएफसी-एमएफआई** के बारे में चिंताएं है।
- **ब्याज दरों में पारदर्शिता** और फिनटेक सहयोग के साथ **मॉडल-आधारित ऋण दृष्टिकोण के मजबूत परीक्षण** का आह्वान किया है।

भारतीय आर्थिक लचीलापन

- **वैश्विक मंदी** के बावजूद **, घरेलू मांग** पर **अधिक निर्भरता** के कारण **भारतीय अर्थव्यवस्था** की **लचीलेपन** पर प्रकाश डाला गया ।
- देश **दोहरे घाटे** और **ट्विन बैलेंस शीट** तनाव के युग से **ट्विन बैलेंस शीट लाभ** वर्तमान दौर में आ गया है।

152.पश्चिमी विरोध के बावजूद भारत को कोयला आधारित बिजली संयंत्रों हेतु निजी धन की आवश्यकता - द हिंदू

प्रासंगिकता: बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय विद्युत योजना

समाचार:
- बिजली मंत्री ने **80 गीगावॉट कोयला आधारित क्षमता** जोड़ने के **सरकार के लक्ष्य** के संबंध में उद्योग हितधारकों के साथ चर्चा की
- इसका उद्देश्य भारत की बढ़ती **बिजली मांग** को संबोधित करना है।

मुख्य बिंदु
- सरकार का लक्ष्य देश की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए **वित्त वर्ष 2032 तक 80 गीगावॉट** थर्मल पावर क्षमता जोड़ना है।

वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाएँ
- **27 गीगावॉट तापीय क्षमता** निर्माणाधीन है, और सरकार ने शुरू में **25 गीगावॉट** और जोड़ने की योजना बनाई थी।
- हालाँकि, बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए कम से कम **55-60 गीगावॉट तापीय क्षमता** पर काम शुरू करने का निर्णय लिया गया है।
- राष्ट्रीय विद्युत योजना का अनुमान **वर्ष 2022-32** के लिए **राष्ट्रीय विद्युत योजना** में कोयले और **लिग्नाइट-आधारित** स्थापित क्षमता की आवश्यकता **वित्तीय वर्ष 32 तक 283 गीगावॉट** होने का अनुमान है, जबकि **वर्तमान 214 गीगावॉट** है।

उद्योग के लिए चुनौतियाँ और अवसर
- बढ़ती मांग के बावजूद, **थर्मल ऊर्जा** तब तक प्रासंगिक बनी हुई है जब तक न**वीकरणीय ऊर्जा** के माध्यम से **चौबीसों घंटे आपूर्ति** के लिए **ऊर्जा भंडारण** लागत प्रभावी नहीं हो जाता।

153.CoP-28 में मीथेन उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मीथेन

समाचार:
- जलवायु संबंधी वार्ता अक्सर सबसे खतरनाक **ग्रीनहाउस गैस**, **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** को कम करने के सम्बंधित रहती है।
- अगले सप्ताह **दुबई** में होने वाली महत्वपूर्ण **CoP-28 बैठक** में अन्य शक्तिशाली **हीट-ट्रैपिंग उत्सर्जन, अर्थात् मीथेन** भी वार्ताकारों के निशाने पर होने की संभावना है ।

मुख्य बिंदु
- शक्तिशाली लेकिन अपेक्षाकृत **अल्पकालिक मीथेन** उन देशों के लिए एक प्रमुख लक्ष्य है जो उत्सर्जन में तेजी से कमी करना चाहते हैं और **जलवायु परिवर्तन** को धीमा करना चाहते हैं।
- ऐसा विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि बड़ी मात्रा में मीथेन **जीवाश्म ईंधन** के बुनियादी ढांचे से वायुमंडल में लीक हो रहा है।
- वायुमंडलीय मीथेन (CH_4) **प्राकृतिक गैस** के **प्राथमिक घटक** के रूप में प्रकृति में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- यह **जलवायु परिवर्तन** में **दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता** है, जो **वार्मिंग प्रभाव** का लगभग **16%** है।
- मीथेन **वायुमंडल** में **लगभग 10 वर्षों** तक ही रहता है , लेकिन CO_2 की तुलना में इसका **वार्मिंग प्रभाव** कहीं अधिक शक्तिशाली होता है।
- इसका **वार्मिंग प्रभाव 100 साल** की अवधि में **CO_2 से 28 गुना** अधिक है।
- अं**तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA**) के अनुसार, **उपग्रहों** के उपयोग के माध्यम से **उत्सर्जन की निगरानी** में प्रगति के बावजूद, वायुमंडल में वास्तव में कितनी **मीथेन** जारी की जाती है , यह "**महत्वपूर्ण अनिश्चितता**" के अधीन है।

- वैज्ञानिक वायुमंडल में **मीथेन की लगातार वृद्धि** से भी हैरान हैं, जिसकी सांद्रता वर्तमान में **पूर्व-औद्योगिक स्तर से ढाई गुना** अधिक है।
- **IEA** का कहना है कि लगभग **60% मीथेन उत्सर्जन** मानव गतिविधि से जुड़ा हुआ है, जबकि शेष अधिकांश आर्द्रभूमि से है।
- कृषि सबसे बड़ा दोषी है, जो लगभग **एक चौथाई उत्सर्जन** के लिए जिम्मेदार है।
  - इसमें से अधिकांश पशुधन से है (गाय और भेड़ पाचन के दौरान और उनके खाद में मीथेन छोड़ते हैं)
  - चावल की खेती, जहां बाढ़ वाले खेत मीथेन उत्सर्जित करने वाले बैक्टीरिया के लिए आदर्श स्थिति बनाते हैं।
- ऊर्जा क्षेत्र कोयला, तेल और गैस मानव जनित **मीथेन उत्सर्जन** का **दूसरा सबसे बड़ा स्रोत** है।।
- गैस पाइपलाइनों जैसे **ऊर्जा बुनियादी ढांचे** से और **रखरखाव** के दौरान जानबूझकर छोड़े जाने से **मीथेन** का रिसाव होता है।
- फेंके गए **घरेलू कचरे** को भी जब **लैंडफिल** में सड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है तो वह विघटित होकर बड़ी मात्रा में **मीथेन उत्सर्जित** करता है।
- **IEA** की एक हालिया रिपोर्ट का अनुमान है कि **जीवाश्म ईंधन क्षेत्र** से जुड़े **मीथेन ई मिशन** में तेजी से **कटौती** से सदी के मध्य तक **0.1 डिग्री सेल्सियस** तक की वृद्धि को रोका जा सकता है।

आगे की राह

- इससे लीक हो रहे बुनियादी ढांचे की **मरम्मत और रखरखाव** के दौरान नियमित **फ्लेरिंग और वेंटिंग** को खत्म करके हासिल किया जा सकता है।
- उदाहरण के लिए, **कृषि में पशुओं** के **स्वास्थ्य** में **सुधार** के लिए एक **यौगिक जोड़कर** उनके आहार को संशोधित करना संभव है।
- एफएओ की रिपोर्ट के अनुसार, चावल के खेतों के लिए, **जल प्रबंधन** में बदलाव उत्सर्जन को कम करने का "सबसे आशाजनक" तरीका है ।

154.इंटरनेशनल ट्रॉपिकल टिम्बर काउंसिल की बैठक प्रमुख निर्णयों के साथ संपन्न हुई - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- 59वीं इंटरनेशनल ट्रॉपिकल टिम्बर काउंसिल (ITTC) 17 नवंबर, 2023 को संपन्न हुई।

प्रीलिम्स टेकअवे

- अंतर्राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय इमारती लकड़ी संगठन (ITTO)

मुख्य बिंदु

- देश **स्थायी वन प्रबंधन** और **संबंधित उद्देश्यों** से संबंधित **आठ परियोजनाओं** का समर्थन करने पर सहमत हुए।
- सत्र ने आगामी **वित्तीय वर्ष 2024-25** के लिए **7.1 मिलियन डॉलर** के बजट को भी मंजूरी दी और अपनाया।
- जो सदस्य अपने **वित्तीय योगदान** से पीछे रह गए हैं वे अयोग्य हैं
- उन्हें प्रत्येक **दो साल** के बकाया भुगतान के लिए एक **प्रोजेक्ट** और **कॉन्सेप्ट नोट जमा** करने की अनुमति होगी

इंटरनेशनल ट्रॉपिकल टिम्बर काउंसिल

- **अंतर्राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय इमारती लकड़ी संगठन (ITTO)** का शासी निकाय है ।
- व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए इसकी वर्ष में कम से कम एक बार बैठक होती है
- **उद्देश्य:**
- इसका उद्देश्य टिकाऊ **उष्णकटिबंधीय वन प्रबंध**न और स्थायी रूप से उत्पादित **उष्णकटिबंधीय लकड़ी** के व्यापार को बढ़ावा देना है।

155.आरबीआई की सख्ती:बैंकर छोटे असुरक्षित ऋणों के लिए 'उच्च' एनबीएफसी जोखिम को जिम्मेदार मानते हैं -द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)** में बढ़ते ऋण पर चिंताओं के कारण असुरक्षित **उपभोक्ता क्रेडिट** और **क्रेडिट कार्ड** बकाया पर जोखिम भार बढ़ा दिया है ।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आरबीआई गवर्नर

मुख्य बिंदु

- प्राथमिक फोकस **असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण के 50,000** रुपये से कम के खंड पर है
  - विशेष रूप से जहां **एनबीएफसी** की महत्वपूर्ण उपस्थिति है, **बैंकिंग क्षेत्र** को प्रभावित करने वाले संभावित तनाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं।

आरबीआई गवर्नर ने जताई चिंता

- आरबीआई गवर्नर ने **बैंकों** और **गैर-बैंकों** के बीच बढ़ते **अंतर्संबंध** पर प्रकाश डाला
  - एनबीएफसी की **असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण पुस्तकों** के असामान्य विस्तार के बारे में चिंता व्यक्त करना।

वित्त मंत्री की चेतावनी

- वित्त मंत्री ने **आरबीआई** की चिंताओं को दोहराते हु**ए एनबीएफसी और छोटे वित्त बैंकों** को सावधानी बरतने की सलाह दी और उनसे अत्यधिक उधार देने से बचने का आग्रह किया जो **नकारात्मक जोखिम** पैदा कर सकता है।

बैंकिंग सेक्टर पर असर

- बैंक, **ग्राहक नकदी प्रवाह रिकॉर्ड** की बारीकी से निगरानी के कारण अपने स्वयं के **असुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो** में आश्वस्त हैं, संभावित नतीजों को स्वीकार करते हैं
  - यदि एनबीएफसी, विशेष रूप से **50,000 रुपये** से कम के **ऋण खंड** में, संकट का सामना करते हैं।

CAFRAL द्वारा उठाई गई चिंताएँ

- **सेंटर फॉर एडवांस्ड फाइनेंशियल रिसर्च एंड लर्निंग (CAFRAL)** ने एनबीएफसी के लिए बढ़ते बैंक वित्तपोषण के बारे में चिंता जताई और संभावित प्रणालीगत नतीजों को कम करने के लिए निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया।

असुरक्षित ऋण में वृद्धि

- फिच रेटिंग्स ने बैंकों के **असुरक्षित क्रेडिट कार्ड ऋण** और **व्यक्तिगत ऋण** में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है, एनबीएफसी भी इसी प्रवृत्ति का अनुसरण कर रही हैं।
- **असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों** में अधिक निवेश से एनबीएफसी के लिए जोखिम बढ़ जाता है, जिससे डिफ़ॉल्ट के मामले में ऋणदाताओं पर संभावित प्रभाव पड़ता है।

सेक्टरों पर संभावित प्रभाव

- **FIDC** ने चेतावनी दी कि धन की बढ़ी हुई लागत **MSMEs**, **स्व-रोज़गार व्यक्तियों** और **NBFCs** से ऋण पर निर्भर अन्य क्षेत्रों में ऋण प्रवाह को तेजी से कम कर सकती है।
- इससे **आधुनिकीकरण** और **विस्तार** के लिए **पूंजीगत व्यय योजनाओं** में बाधा आ सकती है।

156.एआई के लिए सेबी जैसे रेगुलेटर की जरूरत - द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कृत्रिम होशियारी
- एआई नियामक
- सेबी

समाचार:
- हाल ही में, **प्रधान मंत्री** की **आर्थिक सलाहकार परिषद (PMEAC)** के सदस्य ने घोषणा की कि **भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को विनियमित** करने के लिए मानदंड विकसित करने के लिए तैयार है।
- **AI** नियामक वित्तीय नियामक **SEBI (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड)** के समान कार्य करेगा।

एक विशेष नियामक की आवश्यकता
- **स्व-नियमन** और **नौकरशाही विनियमन** के पारंपरिक मॉडल **एआई क्षेत्र** के लिए अनुपयुक्त हैं।
- **एआई प्रौद्योगिकी** की गहरी समझ और इसकी विकसित प्रकृति पर ध्यान देने के साथ एक **विशेष नियामक** के निर्माण का प्रस्ताव रखा ।

विनियामक ढाँचा
- **प्रभावी एआई विनियमन** के लिए **वित्तीय बाजार सर्किट ब्रेकर** की तुलना में **मैन्युअल ओवरराइड** के साथ एक प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया गया।
- कॉर्पोरेट बोर्डों के साथ समानताएं बनाते हुए , **"जोखिम" और पूर्व-जवाबदेही** के महत्व पर जोर दिया गया ।
- **नियमित ऑडिट** लागू करने और **व्याख्या** के लिए **मानक निर्धारित** करने की सिफारिश की गई ।
- उन्होंने **एआई** व्यवहार को समझने में **पारदर्शिता** की आवश्यकता पर जोर दिया।
- उन्होंने उल्लेख किया कि **वित्त** में उपयोग किए जाने वाले **नियामक दृष्टिकोण** को **एआई विकास** पर लागू किया जा सकता है।

एआई विनियमन पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- **एआई विनियमन** की आवश्यकता पर **विश्व स्तर** पर बढ़ती **आम सहमति** को स्वीकार किया।
- उन्होंने **एआई विनियमन के विभिन्न वैश्विक दृष्टिकोणों का** हवाला देते हुए चर्चा की है।
  - अमेरिका का स्व-नियमन मॉडल
  - चीन का राज्य-नियंत्रित मॉडल
  - यूरोप का ऊपर से नीचे का दृष्टिकोण
- उन्होंने भारत को **एआई विनियमन** के लिए एक **"अच्छा प्रोटोकॉल"** विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

157.डीपफेक से निपटने हेतु जल्द ही नया नियम; आई टी मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के साथ बैठक की - द हिंदू/ डीपफेक से निपटने के लिए जल्द ही नए नियम: आईटी मंत्री वैष्णव - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- डीपफेक

समाचार:
- हाल ही में, **केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री ने **सोशल मीडिया प्लेटफार्मों** पर डीपफेक को विनियमित करने की योजना की घोषणा की, और उन्हें **"लोकतंत्र के लिए नया खतरा"** करार दिया।
- सरकार अगले दस दिनों में **डीपफेक** और **गलत सूचना** से निपटने के लिए एक **"स्पष्ट, कार्रवाई योग्य योजना"** लेकर आएगी।

मुख्य बिंदु

- यह बैठक अभिनेताओं द्वारा प्रदर्शित **डीपफेक** को व्यापक रूप से साझा करने के कारण हुई, जिससे **डीपफेक** के लिए विशिष्ट नियमों की आवश्यकता को पहचाना गया।
- सभी **सोशल मीडिया कंपनियां डीपफेक** को लेबल करने और **वॉटरमार्क** करने की आवश्यकता पर सहमत हुईं।
- उन्होंने **डीपफेक** को संबोधित करने के लिए **नए कानून नियमों** या **मौजूदा नियमों** में संशोधन की संभावना का उल्लेख किया।
- सरकार का लक्ष्य अन्य देशों के साथ मिलकर **डीपफेक सामग्री** के खिलाफ **वैश्विक प्रयास** करना, सीखना और अन्य क्षेत्रों के साथ अनुभव साझा करना है।
- उन्होंने नियामक प्रयासों में इस पूर्वाग्रह को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए **एआई जेनरेटर एल्गोरिदम** और **मॉडल** में पूर्वाग्रह को भी स्वीकार किया।

योजना के चार स्तंभ

- विनियामक योजना **चार प्रमुख स्तंभों** पर ध्यान केंद्रित करेगी
  - डीपफेक का पता लगाना
  - विरालिटी को कम करके रोकथाम
  - रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत बनाना
  - प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता फैलाना

158.प्रधानमंत्री ने डीपीआई को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी और सोशल इम्पैक्ट फंड की घोषणा की- पीआईबी

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

समाचार:

- हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने वर्चुअल **G-20 लीडर्स समिट** में भारत के नेतृत्व वाली दो पहलों की शुरुआत की घोषणा की।
- इनमें **ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी** और **एक सोशल इम्पैक्ट फंड** शामिल हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे

- ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी (GDPIR)
- डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना
- सामाजिक प्रभाव कोष (SIF)

ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी (GDPIR)

- **DPI डिजाइन, निर्माण, तैनाती** और **शासन** में ज्ञान अंतर को पाटने के लिए **MeitY** द्वारा विकसित किया गया ।
- एक **व्यापक संसाधन केंद्र,** जो **G20 सदस्यों** और **अतिथि राष्ट्रों** से आवश्यक सबक और विशेषज्ञता एकत्रित करता है।
- वर्तमान में, **GDPIR** में **16 देशों के 54 DPI** शामिल हैं।
- GDPIR में शामिल **भारत के DPI** हैं
  - आधार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI), डिजीलॉकर, उमंग, ई-संजीवनी, API सेतु, को-विन, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, दीक्षा, ई-हॉस्पिटल, पोषण ट्रैकर और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) आदि

सामाजिक प्रभाव कोष (SIF)

- भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा **वैश्विक दक्षिण में DPI कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने की घोषणा की गई।**
- सरकार के नेतृत्व वाली, बहुहितधारक पहल निम्न और मध्यम आय वाले देशों (LMICs) में **DPI प्रणालियों के लिए वित्तीय सहायता** प्रदान करती है।
- यह **सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों** और **परोपकारी संस्थाओं** को **LMICs** में **DPI** के माध्यम से **SDG** उपलब्धि में योगदान देने और तेजी लाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- भारत ने **SIF** को **25 मिलियन अमरीकी डालर** की **प्रारंभिक प्रतिबद्धता** का वादा किया है ।

DPI डिलिवरेबल्स

- डिजिटल **अर्थव्यवस्था मंत्री बैठक (DEMM)** ने सर्वसम्मति से **तीन DPI डिलिवरेबल्स** का समर्थन किया, जिनमें शामिल हैं
  - DPI के निर्माण के लिए एक रूपरेखा
  - निम्न और मध्यम आय वाले देशों **(LMICs) में DPI** विकास के लिए वित्त जुटाना
  - **सूचना आदान-प्रदान** और सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए **ग्लोबल DPI रिपोजिटरी (GDPIR)** का निर्माण।
- इस ऐतिहासिक सहमति की पुष्टि **G -20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा (NDLD)** के एक भाग के रूप में भी की गई थी।

159. 'कम होती रिकवरी, समाधान में देरी ने IBC की सफलता को नुकसान पहुंचाया' - द हिंदू

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

प्रीलिम्स टेकअवे

- इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC)
- सरफेसी एक्ट
- लोक अदालतें

समाचार:

- **क्रिसिल रेटिंग** की एक रिपोर्ट के अनुसार, **मार्च 2019 और सितंबर 2023** के बीच **रिकवरी दर 43% से गिरकर 32%** हो गई है।
- साथ ही, औसत समाधान समय निर्धारित **330 दिनों** से अधिक होकर **324 से बढ़कर 653 दिन** हो गया है।
- **ये इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC)** की सफलता में बाधा बनकर उभरे हैं।

चुनौतियों के पीछे कारण

- न्यायिक बेंच की सीमित शक्ति
- चूकों की पहचान करने और उन्हें स्वीकार करने में देरी
- प्री आईबीसी प्रवेश चरण में महत्वपूर्ण देरी, **वित्त वर्ष 2019** में लगभग **450 दिनों** से बढ़कर **वित्त वर्ष 2022** में **650 दिनों** तक पहुंचने से वसूली दर में कमी आई है।
  - देरी के कारण **परिसंपत्ति मूल्यों** में **कमी** आई है और **वसूली इष्टतम** से **कम** हो गई है।

हालिया संशोधन

- प्रभावकारिता में सुधार के लिए, पिछले **12 महीनों में IBC** में नए संशोधन किए गए हैं।
- **इसमे शामिल है**
  - अलग-अलग आधार पर **परिसंपत्तियों/समाधान योजनाओं** की बिक्री के लिए अनुमोदन।
  - राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठों की संख्या बढ़ाकर **16** करना
  - दावे दाखिल करने की समयसीमा का विस्तार.
- इसके अलावा, **सेक्टर-विशिष्ट संशोधन, कॉर्पोरेट देनदारों** के ऑडिट के लिए **प्रावधान** और **फॉर्म-G2** में संशोधन का उद्देश्य समाधान प्रक्रिया में सुधार करना है।

IBC प्रभावशीलता में सुधार के लिए सिफ़ारिशें

- जैसा कि **क्रिसिल रेटिंग्स** ने सुझाव दिया है, **सीडीई दृष्टिकोण** का उपयोग करके **आईबीसी** की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकता है
  - **क्षमता वृद्धि, डिजिटलीकरण** और **बड़े कॉरपोरेट्स** के लिए **प्री-पैक रिज़ॉल्यूशन** का विस्तार।
- बुनियादी ढांचे में सुधार, जैसे **जज बेंच** की ताकत का विस्तार और **आईबीसी प्लेटफार्मों** का **डिजिटलीकरण,** समय के कारण **मूल्य क्षरण** को रोक सकता है।

IBC की उपलब्धियाँ और प्रभाव

- **वर्ष 2016** में अपनी स्थापना के बाद से, IBC ने पिछले तंत्र की तुलना में बेहतर वसूली दर के साथ तनावग्रस्त संपत्तियों को हल करके **भारत की क्रेडिट संस्कृति** में सुधार किया है।
- IBC ने **सात वर्षों** में **808 मामलों** में **₹3.16 लाख करोड़** के कर्ज का समाधान किया है ।
- औसतन, लेनदारों को स्वीकृत दावों का **32%** और **परिसमापन मूल्य** का **169%** एहसास हुआ है।
- IBC एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जिससे **IBC गेट** तक पहुंचने से पहले दायर किए गए **₹9 लाख करोड़** से अधिक के ऋण का निपटान हो जाता है।

160.अधिशेष तरलता का सामान्यीकरण, 'मजबूत क्रेडिट वृद्धि ने मौद्रिक नीति संचरण को बढ़ावा दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मौद्रिक नीति आयोग
- निधि-आधारित उधार दर की सीमांत लागत

समाचार:
- आरबीआई के अनुसार, बाहरी **बेंचमार्क-आधारित उधार दर (EBLR)** प्रणाली ने **मौद्रिक नीति** के प्रसारण को बढ़ाया है ।
- अधिशेष तरलता के **कैलिब्रेटेड सामान्यीकरण** और **मजबूत ऋण वृद्धि** ने मौजूदा दर-सख्त चक्र के दौरान ट्रांसमिशन को और मजबूत किया।

टाइटनिंग साइकिल का अवलोकन
- मई 2022 में **मौद्रिक नीति सख्त मोड में स्थानांतरित** हो गई
  - यूक्रेन में संघर्ष से मुद्रास्फीति का दबाव
  - अंतर्राष्ट्रीय वस्तुओं की बढ़ती कीमतें
  - आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान
  - वैश्विक वित्तीय बाज़ार में अस्थिरता
- मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच आरबीआई ने रेपो रेट 250 बेसिस प्वाइंट बढ़ा दिया।

संशोधित बेंचमार्क दरें
- **रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क दरों** को समान परिमाण में संशोधित करके संचयी रेपो दर में बढ़ोतरी का जवाब दिया ।
- **फंड-आधारित उधार दर (MCLR)** की एक साल की औसत सीमांत लागत में वृद्धि हुई, जो बैंकों की उधार लेने की लागत में रुझान को दर्शाती है।

बैंक समूह गतिशीलता
- पब्लिक सेक्टर बैंकों (PSBs) ने **निजी बैंकों** की तुलना में नए रुपये के ऋण पर **भारित औसत उधार दर (WALR)** में अधिक वृद्धि देखी।

जमा दरें और तरलता प्रभाव
- सावधि जमा दरों में संचरण मजबूत रहा है, जबकि **बचत जमा दरों में स्थिरता** देखी गई है ।
- निरंतर मजबूत ऋण मांग, धीमी जमा वृद्धि और अधिशेष तरलता में नरमी के बीच बैंकों ने ताजा जमा को आकर्षित करने के लिए **सावधि जमा दरों** में उल्लेखनीय वृद्धि की ।

बैंक-स्तरीय विश्लेषण
- यह सुझाव देता है कि **अधिशेष तरलता** और **CASA** (चालू खाता बचत खाता) जमा का उच्च हिस्सा **ऋण दरों** पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
- और, उच्च पूंजी पर्याप्तता अनुपात का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है ।

161.काम से सम्बंधित मौतों में बढ़ोतरी के बीच, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने देशों से सुरक्षा जाल को मज़बूत करने की अपील की है - द हिंदू

प्रासंगिकता: रिपोर्ट और सूचकांक

प्रीलिम्स टेकअवे
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)
- मौलिक अधिकार

समाचार:
- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)** ने हाल ही में 'सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण के लिए एक **आह्वान**' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें काम से संबंधित मौतों पर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं।
- **लगभग 30 लाख श्रमिक प्रतिवर्ष** मरते हैं, इनमें से **63%** से अधिक मौतें **एशिया-प्रशांत क्षेत्र** में होती हैं।

मुख्य निष्कर्ष
- **वर्ष 2016** में लगभग **7.45 लाख** मौतों के साथ, लंबे समय तक काम करने के घंटे (प्रति सप्ताह 55 घंटे या अधिक) सबसे अधिक मौतों के कारण हैं।

- पार्टिकुलेट मैटर, गैसों और धुएं के व्यावसायिक जोखिम से 45 लाख मौतें हुई।
- **व्यावसायिक चोटें** : 3.63 लाख मौतें
- **खनन और उत्खनन, निर्माण** और **उपयोगिता क्षेत्रों को विश्व स्तर** पर **तीन** सबसे खतरनाक क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है ।

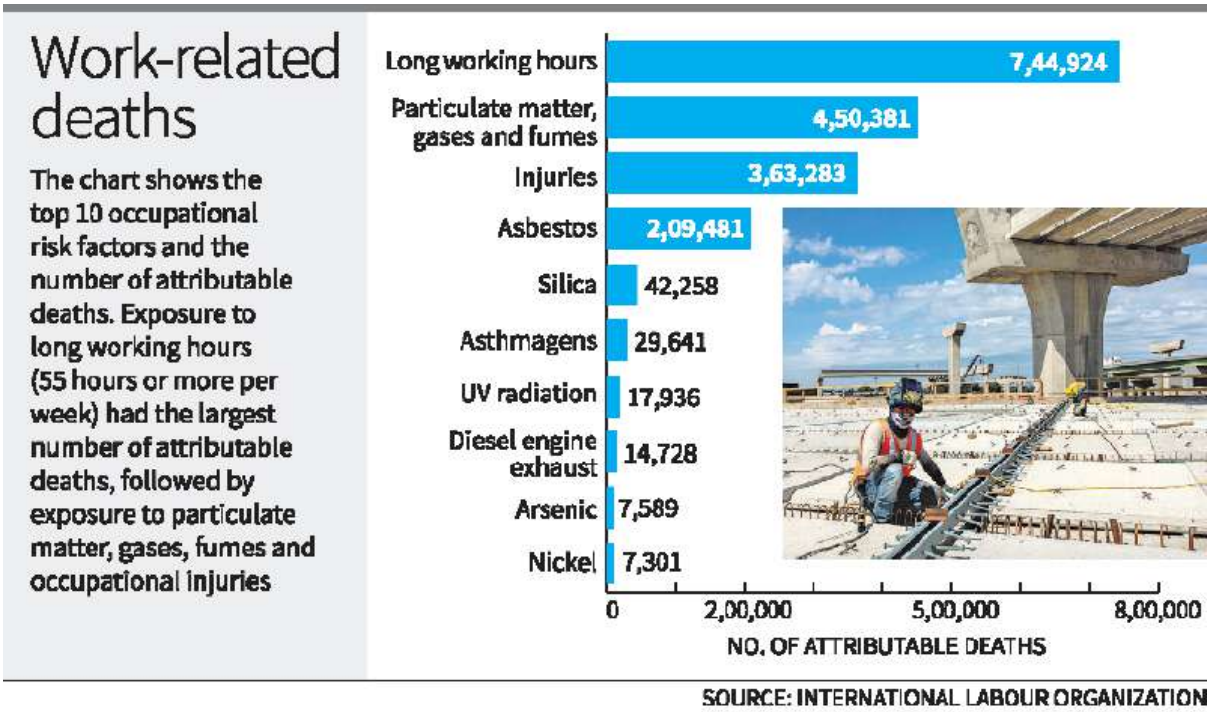

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) कन्वेंशन

- **187 सदस्य देशों** में से
  - 79 देशों ने ILO व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कन्वेंशन की पुष्टि की है
  - 62 देशों ने व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कन्वेंशन, 2006 के लिए प्रमोशनल फ्रेमवर्क की पुष्टि की है।
- भारत ने किसी भी सम्मेलन का अनुमोदन नहीं किया है, जिससे **उत्तरकाशी सुरंग घटना** के बाद कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

कार्य-संबंधित रोग बनाम दुर्घटनाएँ

- 26 लाख मौतें काम से संबंधित बीमारियों के कारण हुईं
- **परिसंचरण संबंधी बीमारियाँ, घातक नवोप्लाज्म** और **श्वसन संबंधी बीमारियाँ** इसके प्रमुख कारण हैं।
- 3.3 लाख मौतें **कार्य दुर्घटनाओं** के कारण हुईं।

भौगोलिक प्रभाव

- काम से संबंधित मौतों का सबसे अधिक जिम्मेदार हिस्सा **अफ्रीका (7.39%)** में है, इसके बाद **एशिया** और **प्रशांत (7.13%)** का स्थान है।
- वर्ष 2000 और वर्ष 2020 के बीच **गैर-मेलेनोमा त्वचा कैंसर** की दर **37%** से अधिक बढ़ गई।
- **क्रोमियम** के कारण **श्वासनली, ब्रोन्कस** और **फेफड़ों के कैंसर** और **एस्बेस्टस** के कारण **मेसोथेलियोमा** में वृद्धि होती है ।

सिफ़ारिशें

- रिपोर्ट में **सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित** करने के लिए "कार्य पर **मौलिक सिद्धांतों और अधिकारों**" की **पांच श्रेणियों** पर जोर दिया गया है।
  - संघ की स्वतंत्रता
  - जबरन श्रम का उन्मूलन
  - बाल श्रम का उन्मूलन
  - भेदभाव का उन्मूलन
  - सुरक्षित कार्य वातावरण का प्रावधान

162.रैट-होल खनन: सुरंग बचाव में इस्तेमाल किया जा रहा जोखिम भरा तरीका - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

प्रसंग:

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण
- रैट होल खनन

- उत्तराखंड के **सिल्क्यारा-बारकोट सुरंग** में चल रहे बचाव अभियान में **रैट -होल खनन** की अपरंपरागत **पद्धति** को शामिल किया जा रहा है, जहां 41 मजदूर फंसे हुए हैं।
- चूँकि पारंपरिक **ड्रिलिंग प्रयासों** को असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है, **रैट -होल** खनन में अच्छी तरह से पारंगत खनिकों का लक्ष्य शेष रुकावटों को **मैन्युअल रूप** से साफ़ करना है।

रैट-होल खनन

- इसमें जमीन में खोदे गए **संकीर्ण गड्ढों** का उपयोग करके **संकीर्ण, क्षैतिज सीमों से कोयला** निकालना शामिल है।
- **रैट-होल** जैसे दिखने वाले ये गड्ढे आम तौर पर **इतने बड़े होते हैं कि कोई व्यक्ति** नीचे उतरकर कोयला निकाल सकता है।
- कोयले की परतों तक पहुंचने के लिए खनिक रस्सियों या बांस की सीढ़ियों का उपयोग करके इन संकीर्ण गड्ढों में उतरते हैं।
- फिर कोयले को गैंती, फावड़े और टोकरियों जैसे आदिम उपकरणों का उपयोग करके मैन्युअल रूप से निकाला जाता है।
- रैट-होल खनन के **दो प्राथमिक प्रकार** हैं, अर्थात् **साइड-कटिंग** और **बॉक्स-कटिंग।**
  - साइड कटिंग में, कोयले की परत मिलने तक पहाड़ी ढलानों पर संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं।
  - बॉक्स-कटिंग में, एक आयताकार उद्घाटन किया जाता है, और कोयला सीम तक पहुंचने के लिए एक ऊर्ध्वाधर गड्ढा खोदा जाता है।

पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ

- रैट-होल खनन **अनियमित प्रथाओं, सुरक्षा उपायों की कमी और खनिकों** के लिए उचित वेंटिलेशन या संरचनात्मक समर्थन की अनुपस्थिति के कारण महत्वपूर्ण **सुरक्षा जोखिम** पैदा करता है।
- **पर्यावरणीय प्रभाव**
  - इस विधि से भूमि क्षरण, वनों की कटाई और जल प्रदूषण हो सकता है।
  - खदानें अक्सर पर्याप्त नियमों के बिना संचालित होती हैं, जिससे आसपास के पर्यावरण को नुकसान होता है।
- रैट-होल खनन को इसकी खतरनाक कामकाजी परिस्थितियों, पर्यावरणीय क्षति और कई दुर्घटनाओं के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप चोटें और मौतें हुईं।
- **नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT)** ने बरसात के मौसम में बाढ़ के मामलों और इसके परिणामस्वरूप होने वाली मौतों का हवाला देते हुए **वर्ष 2014 में रैट-होल खनन** पर प्रतिबंध लगा दिया था।
  - वर्ष 2015 में प्रतिबंध बरकरार रखा गया।

163.नासा के बिल नेल्सन ने केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात की, अंतरिक्ष स्टेशन के मिशन पर चर्चा - द हिंदू/आईएसएस मिशन के लिए नासा एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को प्रशिक्षण देगा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- निसार मिशन
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)

- हाल ही में नासा प्रशासक और भारत के **केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र सिंह** की मुलाकात हुई।
- **उद्देश्य:** वर्ष 2024 में **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)** के संयुक्त मिशन के लिए भारत के अनुसंधान हितों पर चर्चा करना।

मिशन विवरण

- **समय:** अंतरिक्ष स्टेशन के लिए संयुक्त मिशन वर्ष 2024 के अंत के लिए निर्धारित है।
- **प्रशिक्षण:** अमेरिका इस मिशन के लिए एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को प्रशिक्षित करेगा।
- जून में **भारतीय प्रधान मंत्री** की **द्विपक्षीय यात्रा** के दौरान **वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा** सहयोग की घोषणा की गई थी ।
    - भारत ने नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण और उपयोग का मार्गदर्शन करने वाले **आर्टेमिस समझौते** पर भी हस्ताक्षर किए थे।

निसार मिशन

- नासा प्रशासक बेंगलुरु में सुविधाओं का भी दौरा करेंगे जहां 2024 में लॉन्च के लिए **निसार अंतरिक्ष यान** का परीक्षण और एकीकरण चल रहा है।
- निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) **नासा और इसरो** के बीच एक **संयुक्त पृथ्वी-अवलोकन मिशन** है।
- **उद्देश्य:** महान वेधशालाओं का हिस्सा, निसार उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पृथ्वी की सतह और जलवायु परिवर्तनों की सटीक निगरानी करेगा।

निसार मिशन घटक

- **नासा का योगदान:** इसमें एल-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार, संचार सबसिस्टम, जीपीएस रिसीवर, सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर और पेलोड डेटा सबसिस्टम शामिल हैं।
- **इसरो का योगदान:** इसमें अंतरिक्ष यान बस, एस-बैंड रडार, प्रक्षेपण यान और संबंधित प्रक्षेपण सेवाएं शामिल हैं।

164.रक्षा मंत्री ने नौसेना के उन्नत युद्धपोत 'इम्फाल' का अनावरण किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: रक्षा

प्रीलिम्स टेकअवे

- युद्धपोत इम्फाल
- मेक इन इंडिया

समाचार:

- हाल ही में रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के **स्टील्थ गाइडेड मिसाइल युद्धपोत इम्फाल** के शिखर का अनावरण किया।

विध्वंसक इंफाल

- इंफाल नौसेना को सौंपे गए **चार प्रोजेक्ट 15B स्टील्थ गाइडेड मिसाइल युद्धपोतों** में से तीसरा है।
    - प्रोजेक्ट 15B के तहत जहाज: विशाखापत्तनम, मोर्मुगाओ और सूरत
- शिखर डिज़ाइन में **कांगला पैलेस और 'कंगला-सा'** की विशेषता है।
    - भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति मणिपुर के लोगों के बलिदान को श्रद्धांजलि।
    - **'कंगला-सा' मणिपुर** का राज्य प्रतीक है, जो मणिपुर के इतिहास का एक **पौराणिक प्रतीक** है, जो वहां के लोगों के **रक्षक का प्रतीक** है।
- इसका विकास **'आत्मनिर्भर भारत' की राष्ट्रीय दृष्टि और 'मेक इन इंडिया'** पहल के प्रति **भारतीय नौसेना** की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन है।
- **इंफाल पोत** को नौसेना के **युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो** द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है और **मझगांव डॉक लिमिटेड (MDL)** द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रमुख विशेषताऐं

- इसे कई **विशिष्ट प्रौद्योगिकियों** और **बड़ी मात्रा** में स्वदेशी घटकों को शामिल करके बनाया गया है।
- जहाज का विस्थापन **7,400 टन** और कुल लंबाई **164 मीटर** है।
- यह सतह से हवा में मार करने वाली **मिसाइलों, जहाज-रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो** सहित **अत्याधुनिक हथियारों** और **सेंसरों से लैस** है।

165.नवंबर में ऋण बाजार में एफपीआई का निवेश दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया - इंडियन एक्सप्रेस/नवंबर में ऋण बाजार में FPI का निवेश 2 साल के उच्चतम स्तर - द इकोनॉमिक टाइम्स

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेश
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

- **विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई)** ने नवंबर में **भारतीय ऋण बाजारों** में रिकॉर्ड **12,400 करोड़** रुपये का निवेश किया।
- **भारतीय ऋण** द्वारा प्रस्तुत आकर्षक प्रतिफल के कारण **दो वर्षों** में सबसे अधिक प्रवाह ।
- जेपी मॉर्गन **सरकारी बॉन्ड इंडेक्स** उभरते बाजारों में **भारतीय जी-सेक** को शामिल करने से विदेशी फंडों की भागीदारी में तेजी आई है।
- इस कैलेंडर वर्ष में **अब तक एफपीआई द्वारा** ऋण में शुद्ध निवेश 47,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है**।**

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई)
- इसमें विदेशी निवेशकों द्वारा निष्क्रिय रूप से रखी गई **प्रतिभूतियाँ** और **अन्य वित्तीय संपत्तियाँ** शामिल हैं।
- यह निवेशक को **वित्तीय परिसंपत्तियों** का **प्रत्यक्ष स्वामित्व** प्रदान नहीं करता है और बाजार की अस्थिरता के आधार पर अपेक्षाकृत तरल है।
- एफपीआई एफडीआई की तुलना में **अधिक तरल, अस्थिर** और **जोखिम भरा** है।
- किसी अर्थव्यवस्था में परेशानी के पहले संकेत पर भागने की प्रवृत्ति के कारण एफपीआई को अक्सर **"हॉट मनी"** कहा जाता है ।
- यह किसी देश के पूंजी खाते का हिस्सा है और इसके **भुगतान संतुलन (बीओपी)** पर दिखाया जाता है।
- **उदाहरण:** स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, अमेरिकन डिपॉजिटरी रसीदें (एडीआर) और ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीदें (जीडीआर) आदि है।

166.सेबी ने एमएफ के निष्क्रिय फंडों को नियंत्रित करने वाले नियमों को आसान बनाने की योजना बनाई - द हिंदू

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी)
- म्यूचुअल फंड्स
- निष्क्रिय निवेश

- सेबी निष्क्रिय निवेश योजनाओं का प्रबंधन करने वाले **फंड हाउसों** के लिए **पूंजी** और **प्रस्तुतीकरण** आवश्यकताओं को कम करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

मुख्य बिंदु
- **पूंजी आवश्यकता समायोजन**
  - सेबी ने **पैसिव-ओनली फंड हाउसों** के लिए पूंजी की आवश्यकता को **₹500 मिलियन** से घटाकर लगभग **₹100 मिलियन** करने की योजना बनाई है।

- **निष्क्रिय निवेश योजनाओं का पृथक्करण**
  - मौजूदा **फंड हाउसों** को नियमों में ढील से लाभ पाने के लिए अपनी निष्क्रिय निवेश योजनाओं को अलग-अलग संस्थाओं में विभाजित करने की अनुमति दी जा सकती है।
- **प्रस्तुतीकरण नियम संशोधन**
  - सेबी का इरादा निष्क्रिय फंड हाउसों के लिए अधिक उदार **प्रस्तुतीकरण नियम** लागू करने का है।
  - **पैसिव-ओनली** फंड हाउसों को **हर दो सप्ताह** या मासिक के बजाय **हर छह महीने** में एक **विशिष्ट सूचकांक** के पालन की घोषणा करने की आवश्यकता हो सकती है।
- **कैप्स को हटाने की संभावना**
  - यह व्यक्तिगत शेयरों में **निष्क्रिय फंडों** के **एक्सपोजर** पर लगी सीमा को हटाने पर भी विचार कर रहा है।
- **नियमों को आसान बनाना:** निष्क्रिय-केवल फंडों के लिए फंड प्रबंधकों के कॉल रिकॉर्ड बनाए रखने के नियमों को आसान बनाया जा सकता है।

इस कदम के पीछे उद्देश्य

- वित्तीय बाधाओं को कम करके और नियामक बोझ को कम करके निष्क्रिय निवेश योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले फंड हाउसों के लिए संचालन को आसान बनाना।
- यह भारत में निष्क्रिय निवेश क्षेत्र में **नवाचार** और **लचीलेपन** को प्रोत्साहित कर सकता है।

167. भारत के एस्ट्रोसैट ने अपने 600वें गामा-रे बर्स्ट का पता लगाया - इंडिया टुडे

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- एस्ट्रोसैट
- गामा किरण विस्फोट (जीआरबी)

समाचार:

- भारत के पहले मल्टी-वेवलेंथ अंतरिक्ष दूरबीन, एस्ट्रोसैट ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- इसने अपने **600वें गामा-रे बर्स्ट (जीआरबी)** का सफलतापूर्वक पता लगाया है, जिसे **जीआरबी 231122B** नाम दिया गया है।
- गामा-किरण विस्फोट **ब्लैक होल** निर्माण से जुड़े शक्तिशाली **ब्रह्मांडीय विस्फोट** हैं, जो कम अवधि में भारी मात्रा में ऊर्जा उत्सर्जित करते हैं।

एस्ट्रोसैट

- यह भारत की पहली समर्पित **बहु-तरंगदैर्ध्य अंतरिक्ष वेधशाला** है।
- **उद्देश्य:** एक्स-रे, ऑप्टिकल और यूवी स्पेक्ट्रल बैंड में आकाशीय स्रोतों का एक साथ अध्ययन करना।
- **सितंबर 2015 में इसरो द्वारा लॉन्च** किए गए एस्ट्रोसैट ने **खगोलीय अनुसंधान** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इसे भूमध्य रेखा से **6 डिग्री के कोण पर झुकी हुई 650 किलोमीटर** की कक्षा में प्रक्षेपित किया गया।
- इसरो **टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (ISTRAC),** बेंगलुरु के **मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (MOX)** में अंतरिक्ष यान नियंत्रण केंद्र, अपने पूरे मिशन जीवन के दौरान उपग्रह का प्रबंधन करता है।
- एस्ट्रोसैट मिशन का न्यूनतम उपयोगी जीवन **लगभग 5 वर्ष** है।
- इसमें कुल **पांच वैज्ञानिक पेलोड** हैं।
  - यह एक सामान्य मंच पर तरंग दैर्ध्य की एक विस्तृत श्रृंखला में **गैलेक्टिक और एक्स्ट्रा-गैलेक्टिक** ब्रह्मांडीय स्रोतों के **अस्थायी और वर्णक्रमीय गुणों** की **इमेजिंग और अध्ययन** करने में सक्षम बनाता है।

एस्ट्रोसैट का योगदान

- एस्ट्रोसैट पर कैडमियम **जिंक टेलुराइड इमेजर (CZTI) जीआरबी** को कैप्चर करने में महत्वपूर्ण रहा है।
- CZTI उच्च-ऊर्जा, विस्तृत-क्षेत्र इमेजिंग में माहिर है, जो **20 केवी से 200 केवी** से अधिक की **ऊर्जा सीमा** को कवर करता है।
- कॉम्पटन बिखरी घटनाओं का पता लगाने की इसकी क्षमता **एक्स-रे ध्रुवीकरण** के अध्ययन की अनुमति देती है, जिससे **जीआरबी** की समझ बढ़ती है।

भविष्य की योजनाएं

- वैज्ञानिकों ने उन्नत संवेदनशीलता के साथ अगली पीढ़ी का **जीआरबी अंतरिक्ष दूरबीन दक्ष** बनाने का प्रस्ताव रखा है।

फैक्ट फटाफट

1. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर रिपोर्ट

- भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में सड़क दुर्घटनाएं और मौतें बढ़ रही हैं।
- वर्ष 2022 में, भारत में प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं के कारण 1,264 दुर्घटनाएँ और 42 मौतें हुईं, इस वर्ष कुल मिलाकर 461,312 दुर्घटनाएँ और 168,491 मौतें हुईं।
- सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता, प्रति 100 दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों की संख्या से मापी जाती है, जो लगातार वार्षिक वृद्धि के साथ, 2012 में 28.2% से बढ़कर 2022 में 36.5% हो गई है।
- 72.3% दुर्घटनाओं और 71.2% मौतों के लिए तेज़ गति दुर्घटनाओं का सबसे आम कारण था।
- रिपोर्ट में बेहतर आघात देखभाल और यातायात शांत करने वाले उपायों की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है।
- सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों से सबसे अधिक प्रभावित आयु वर्ग 18-45 वर्ष था, जिसमें लगभग 26 बच्चे प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं में मरते थे।

2. क्रय प्रबंधक सूचकांक

- यह एक सर्वेक्षण-आधारित उपाय है जो उत्तरदाताओं से पिछले महीने की तुलना में प्रमुख व्यावसायिक चर के बारे में उनकी धारणा में बदलाव के बारे में पूछता है।
- उद्देश्य: कंपनी के निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- इसकी गणना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग की जाती है और फिर एक समग्र सूचकांक भी बनाया जाता है।
- PMI 0 से 100 तक की संख्या है।
  - 50 से ऊपर प्रिंट का मतलब विस्तार है जबकि इससे नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।
  - 50 पर पढ़ने से कोई परिवर्तन नहीं होने का संकेत मिलता है।
- इसे आर्थिक गतिविधि का एक अच्छा अग्रणी सूचक माना जाता है।
  - यह आमतौर पर हर महीने की शुरुआत में जारी किया जाता है।
- PMI को दुनिया भर की 40 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए IHS मार्किट द्वारा संकलित किया जाता है।

3. स्केबीज

- यह एक परजीवी संक्रमण है जो सरकोप्टेस स्केबीई नामक घुन के कारण होता है, जिसके कारण त्वचा पर खुजलीदार दाने बन जाते हैं।
- उपचार न किए जाने पर, ये सूक्ष्म कण त्वचा पर महीनों तक जीवित रह सकते हैं।
- स्केबीज़ अक्सर त्वचा की परतों में पाई जाती है, लेकिन स्केबीज़ शरीर के कई हिस्सों पर भी दिखाई दे सकती है।
- यह संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति की त्वचा के निकट संपर्क से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैल सकता है।
- स्केबीज़ के लक्षणों में गंभीर स्केबीज़ शामिल है, अक्सर रात में बदतर स्केबीज़ वाली रेखाएं और उंगलियों, कलाई, बाहों, पैरों और बेल्ट क्षेत्र पर पपल्स, शिशुओं और छोटे बच्चों में हथेलियों, पैरों के तलवों, टखनों और खोपड़ी पर बड़े दाने शामिल हैं।
- अधिक गंभीर प्रकार की खुजली, जिसे क्रस्टेड स्केबीज कहा जाता है, त्वचा को पपड़ीदार और पपड़ीदार बना देती है और शरीर के बड़े क्षेत्रों को प्रभावित करती है।
- स्केबीज़ का इलाज आसानी से औषधीय त्वचा क्रीम या गोलियों से किया जाता है जो स्केबीज़ पैदा करने वाले अंशों को मार देते हैं।

4. वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (FATF)

- यह एक अंतर-सरकारी निकाय है जिसे मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकी वित्तपोषण और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता के लिए अन्य संबंधित खतरों से निपटने के लिए स्थापित किया गया है।
- इसकी स्थापना 1989 में पेरिस में विकसित देशों की G-7 बैठक में की गई थी।
- उद्देश्य
  - प्रारंभ में, इसका उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के उपायों की जांच करना और विकसित करना था।
  - अमेरिका पर 9/11 के हमले के बाद, 2001 में FATF ने आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के प्रयासों को शामिल करने के लिए अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार किया।
  - अप्रैल 2012 में, इसने सामूहिक विनाश के हथियारों (WMD) के प्रसार के वित्तपोषण का मुकाबला करने के प्रयासों को जोड़ा।
- FATF की पूर्ण बैठक उन देशों की "पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट" (MERs) का जायजा लेने के लिए त्रि-वार्षिक बैठक करती है, जिनकी वह समीक्षा करती है।
  - FATF प्लेनरी FATF की निर्णय लेने वाली संस्था है।
- यदि किसी देश की AML/CFT व्यवस्था में बड़ी कमियां दिखाई देती हैं, तो उसे बढ़ी हुई निगरानी वाली ग्रे सूची के तहत क्षेत्राधिकारों की सूची में डाल दिया जाता है और यदि वह FATF की चिंताओं को दूर करने में विफल रहता है, तो उसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्राधिकारों की काली सूची में डाल दिया जाता है।

5. ब्लैक स्टॉर्क

- यह सारस परिवार सिकोनिडे का एक बड़ा पक्षी है
- यह दलदली, शंकुधारी और मिश्रित जंगलों में प्रजनन करता है।
- यह घास के मैदानों, कृषि क्षेत्रों और सर्दियों के दौरान झीलों और नदियों के किनारों पर पाया जा सकता है।
- यह मुख्य रूप से यूरोप, एशिया और अफ्रीकी देशों में पाया जाता है।
- यह एक लंबी दूरी का प्रवासी है, जिसमें यूरोपीय आबादी उष्णकटिबंधीय उप-सहारा अफ्रीका में सर्दियों में रहती है, और एशियाई आबादी भारतीय उपमहाद्वीप में रहती है।
- IUCN: कम से कम चिंता का विषय

6. ब्रिटिश एकेडमी पुस्तक पुरस्कार

- वैश्विक सांस्कृतिक समझ के लिए ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार को पहले नायेफ अल-रोधन पुरस्कार के रूप में जाना जाता था।
- इसकी स्थापना वर्ष 2013 में अपनी कठोरता, विद्वतापूर्ण उत्कृष्टता और वैश्विक सांस्कृतिक समझ और प्रशंसा में उनके योगदान के लिए जाने जाने वाले गैर-काल्पनिक साहित्य के उत्कृष्ट कार्यों को पहचानने और उनका जश्न मनाने के लिए की गई थी।
- वैश्विक सांस्कृतिक समझ के लिए ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार £25,000 की पुरस्कार राशि के साथ एक अंतरराष्ट्रीय गैर-काल्पनिक पुरस्कार है।
- 49 वर्षीय भारतीय मूल की लेखिका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंग्रेजी संकाय में प्रोफेसर नंदिनी दास ने वैश्विक सांस्कृतिक समझ के लिए वर्ष 2023 ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार जीता।
- उनकी विजेता पुस्तक का शीर्षक कोर्टिंग इंडिया इंग्लैंड मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर है
  - यह 17वीं शताब्दी की शुरुआत में भारत में पहले अंग्रेजी राजदूत सर थॉमस रो पर ध्यान केंद्रित करके ब्रिटिश साम्राज्य की उत्पत्ति की पड़ताल करता है।
- लेखिका को भारतीय और ब्रिटिश राजनीतिक हस्तियों, अधिकारियों और व्यापारियों दोनों के समकालीन स्रोतों के व्यापक उपयोग के लिए जाना जाता है।

7. क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क

- केरल के कोझिकोड और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की प्रतिष्ठित सूची में जोड़ा गया है।

- यूनेस्को ने इसकी घोषणा 31 अक्टूबर को की.
- यह दिन विश्व शहर दिवस के साथ मेल खाता है।
- वर्ष 2023 में 55 नए शहर प्रतिष्ठित नेटवर्क में शामिल होंगे
- कोझिकोड को उसके साहित्यिक योगदान, वार्षिक पुस्तक उत्सवों और केरल साहित्य महोत्सव की मेजबानी के लिए जाना जाता है।
- हिंदुस्तानी, लोक और भक्ति संगीत सहित ग्वालियर की समृद्ध और विविध संगीत विरासत सूची में अपना स्थान अर्जित करती है।

8. हीमोग्लोबिन का एक नया परिप्रेक्ष्य

- वैज्ञानिकों ने हाल ही में पाया है कि हीमोग्लोबिन रक्तप्रवाह के बाहर एक कार्यात्मक भूमिका निभाता है।
- हीमोग्लोबिन एक प्रकार का प्रोटीन है।
- इससे विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में हीमोग्लोबिन के महत्व के बारे में हमारी समझ का विस्तार करने में मदद मिलती है।
- हीमोग्लोबिन अब विभिन्न ऊतकों और अंगों में मौजूद पाया गया है, जो कई शारीरिक प्रक्रियाओं में इसकी भागीदारी का संकेत देता है।
- यह खोज संभावित रूप से बीमारियों में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करके और लक्षित उपचार विकसित करके चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है।
- इस खोज की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह है कि हीमोग्लोबिन रक्त के बाहर एक सिग्नलिंग अणु के रूप में कार्य करता है।
- यह एक हीम सेंसर के रूप में कार्य करता है, जो विभिन्न सेलुलर प्रक्रियाओं जैसे ऑक्सीजन सेंसिंग, चयापचय और सिग्नलिंग मार्ग को नियंत्रित करता है।
- इसके अतिरिक्त, शोधकर्ताओं ने पाया है कि हीमोग्लोबिन ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को कम कर सकता है, जिससे ऊतक की मरम्मत और पुनर्जनन को बढ़ावा मिलता है।

9. मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)

- इसकी स्थापना 1991 में संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा की गई थी।
  - इसने संयुक्त राष्ट्र आपदा राहत समन्वयक (UNDRO) के कार्यालय का स्थान ले लिया।
- यह आपात स्थिति में सुसंगत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मानवतावादी कार्यकर्ताओं को एक साथ लाने के लिए जिम्मेदार है।
- यह यह भी सुनिश्चित करता है कि एक रूपरेखा है जिसके भीतर प्रत्येक अभिनेता समग्र प्रतिक्रिया प्रयास में योगदान दे सकता है।
- ऑन-साइट ऑपरेशंस कोऑर्डिनेशन सेंटर (OSOCC), एक OCHA उपकरण, अचानक शुरू होने वाली आपात स्थिति या जटिल आपात स्थिति में तेजी से बदलाव के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया गतिविधियों के समन्वय के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- फंड: पूल्ड फंड दो प्रकार के होते हैं।
  - सेंट्रल इमरजेंसी रिस्पांस फंड (CERF), जो दुनिया में कहीं भी आपात स्थिति के लिए फंडिंग कर सकता है।
  - देश-आधारित पूल्ड फंड (CBPFs), जो देश-विशिष्ट हैं।
- इसके दो मुख्यालय स्थान जिनेवा और न्यूयॉर्क हैं जो वैश्विक संचालन के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

10.अवौस मोटला

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने पश्चिमी ओडिशा के बाजारों में उपलब्ध मीठे पानी की एक खाने योग्य मछली की खोज की है।
- यह चमकीले पीले रंग के शरीर और मांसल ऊपरी होंठ वाली मछली है।
- इसे महानदी नदी से खोजा गया था।
- यह प्रजाति 'अवौस' (ऑक्सुडेर्सिडे) परिवार से संबंधित है और इसलिए इसका नाम 'अवौस मोटला' रखा गया है।

11.श्वेत हाइड्रोजन

- श्वेत हाइड्रोजन को "प्राकृतिक", "सोना" या "भूगर्भिक" हाइड्रोजन भी कहा जाता है।
- यह प्राकृतिक रूप से पृथ्वी की पपड़ी में उत्पन्न होता है और इसे स्वच्छ ऊर्जा का एक संभावित स्रोत माना जाता है।
- अन्य प्रकार के हाइड्रोजन की तुलना में इसके कई फायदे हैं
  - ईंधन के रूप में उपयोग करने पर यह CO_2 उत्सर्जन नहीं करता है।
  - यह हाइड्रोजन उत्पादन और उपयोग के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों के अनुकूल है।
  - यह भाप सुधार या इलेक्ट्रोलिसिस की तुलना में सस्ता और अधिक कुशल है।
  - यह प्रचुर एवं नवीकरणीय है।
- इसके भंडार अमेरिका, पूर्वी यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और अन्य देशों सहित दुनिया भर में पाए गए हैं।
- अनुमान है कि विश्व स्तर पर, कई अरब टन सफेद हाइड्रोजन हो सकता है।

12.प्रोपेन

- यह एक रंगहीन, आसानी से तरलीकृत, गैसीय हाइड्रोकार्बन है।
- यह एक अल्केन है, जिसका अर्थ है कि इसमें कार्बन और हाइड्रोजन परमाणुओं के बीच केवल एकल सहसंयोजक बंधन होते हैं।
- मीथेन और ईथेन के बाद यह पैराफिन श्रृंखला का तीसरा सदस्य है।
- यह व्यावसायिक रूप से तरलीकृत प्रोपेन या तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) के एक प्रमुख घटक के रूप में उपलब्ध है।
- इसकी उच्च ऑक्टेन रेटिंग है, जो इसे स्पार्क-प्रज्वलित आंतरिक दहन इंजनों के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बनाती है।
- इसके मुख्य उपयोगों में घर और पानी को गर्म करना, खाना पकाना और रेफ्रिजरेट करना, कपड़े सुखाना और खेत और औद्योगिक उपकरणों को बिजली देना शामिल है।
- रासायनिक उद्योग प्लास्टिक और अन्य यौगिक बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में भी प्रोपेन का उपयोग करता है।
- स्रोत
  - यह प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण और पेट्रोलियम शोधन का उपोत्पाद है।
  - इसका उत्पादन कच्चे तेल के आंशिक आसवन के दौरान भी होता है।

13.बैलेचली पार्क: आधुनिक कंप्यूटिंग की जन्मस्थली

- बैलेचली पार्क लंदन से लगभग 80 किमी उत्तर में स्थित है।
- कई लोग इसे आधुनिक कंप्यूटिंग का जन्मस्थली मानते हैं।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान क्रिप्टोग्राफ़िक और ख़ुफ़िया प्रक्रियाओं में हुई प्रगति ने मित्र देशों के प्रयासों में बहुत योगदान दिया।
- इससे युद्ध कुछ वर्ष कम हो गया।
- बैलेचली पार्क अटूट एनिग्मा कोड को क्रैक करने के लिए सबसे अधिक जाना जाता है।
- एनिग्मा मशीनें नाज़ियों द्वारा अपने रेडियो संदेशों को एन्क्रिप्ट करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सिफर मशीनें थीं।

14.क्रय प्रबंधक सूचकांक

- यह एक सर्वेक्षण-आधारित उपाय है जो उत्तरदाताओं से पिछले महीने की तुलना में प्रमुख व्यावसायिक चर के बारे में उनकी धारणा में बदलाव के बारे में पूछता है।
- उद्देश्य: कंपनी के निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- इसकी गणना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग की जाती है और फिर एक समग्र सूचकांक भी बनाया जाता है।
- PMI 0 से 100 तक की संख्या है।
  - 50 से ऊपर प्रिंट का मतलब विस्तार है, जबकि इससे नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।

- 50 पर रीडिंग कोई बदलाव नहीं दर्शाती है।
- इसे आर्थिक गतिविधि का एक अच्छा अग्रणी संकेतक माना जाता है।
  - यह आमतौर पर हर महीने की शुरुआत में जारी किया जाता है।
- PMI को दुनिया भर की 40 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं के लिए IHS मार्किट द्वारा संकलित किया जाता है।
  - IHS मार्किट S&P ग्लोबल का हिस्सा है।
  - यह दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को संचालित करने वाले प्रमुख उद्योगों और बाजारों के लिए सूचना, विश्लेषण और समाधान में वैश्विक नेता है।

15.जीका वायरस

- यह एक मच्छर जनित वायरस है जिसे पहली बार वर्ष 1947 में युगांडा के ज़िका वन में पहचाना गया था।
- हस्तांतरण
  - यह मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों, विशेष रूप से एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
  - यह यौन संपर्क, रक्त आधान और गर्भावस्था या प्रसव के दौरान संक्रमित मां से उसके बच्चे में भी फैल सकता है।
- लक्षण
  - इस वायरस से संक्रमित कई लोगों में कोई लक्षण (एसिम्प्टोमैटिक) नहीं दिखता है।
  - जब लक्षण होते हैं, तो वे अक्सर हल्के होते हैं और इसमें बुखार, दाने, जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और लाल आँखें (नेत्रश्लेष्मलाशोथ) शामिल होते हैं।
  - लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के दो से सात दिन बाद दिखाई देते हैं और कई दिनों से लेकर एक सप्ताह तक रह सकते हैं।
- यह वायरस संक्रमण आमतौर पर हल्का होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं और उनके बच्चों पर इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
- गर्भावस्था के दौरान संक्रमण से जन्म दोष जैसे कि माइक्रोसेफली, साथ ही बच्चे में अन्य तंत्रिका संबंधी विकार हो सकते हैं।
- इसे गुइलेन-बैरी सिंड्रोम से भी जोड़ा गया है, जो एक दुर्लभ ऑटोइम्यून विकार है जो मांसपेशियों में कमजोरी और पक्षाघात का कारण बन सकता है।
- उपचार: जीका वायरस संक्रमण या बीमारी के लिए कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है।

16.कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई प्रणाली

- तेलंगाना की कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना तेलंगाना के कालेश्वरम, भूपालपल्ली में गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है।
- इसका उद्देश्य गोदावरी के बाढ़ के पानी का उपयोग करके तेलंगाना को सूखा प्रतिरोधी बनाना है।
- यह परियोजना प्राणहिता नदी और गोदावरी नदी के संगम स्थल पर शुरू होती है।
- यह मुख्य गोदावरी नदी में पानी को रिवर्स पंप करेगा और इसे लिफ्टों और पंपों के माध्यम से जलाशयों, जल सुरंगों, पाइपलाइनों और नहरों की एक विशाल और जटिल प्रणाली में बदल देगा।
- यह परियोजना कई गांवों में पीने का पानी उपलब्ध कराने और टैंकों की क्षमता में सुधार करने के लिए डिज़ाइन की गई तेलंगाना की मिशन काकतीय और मिशन भागीरथ योजनाओं का भी समर्थन करेगी।

17.गैर-निष्पादित परिसंपत्ति

- NPA उन ऋणों या अग्रिमों के वर्गीकरण को संदर्भित करता है जो डिफ़ॉल्ट हैं या मूलधन या ब्याज के निर्धारित भुगतान पर बकाया हैं।
- ज्यादातर मामलों में, ऋण को गैर-निष्पादित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब ऋण का भुगतान न्यूनतम 90 दिनों की अवधि के लिए नहीं किया गया हो।
- किसी ऋण के NPA बने रहने की अवधि के आधार पर इसे तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है।
  - घटिया परिसंपत्ति: ऐसी संपत्ति जो 12 महीने से कम या उसके बराबर NPA के रूप में बनी रहती है।

- संदिग्ध परिसंपत्ति: ऐसी संपत्ति जो 12 महीने तक उपरोक्त श्रेणी में रही।
- हानि वाली परिसंपत्ति: ऐसी संपत्ति जहां बैंक या आरबीआई द्वारा हानि की पहचान की गई है, हालांकि, इसमें कुछ मूल्य शेष हो सकता है।

18.ट्रोजन क्षुद्रग्रह

- क्षुद्रग्रह जो किसी ग्रह के साथ एक कक्षा साझा करते हैं लेकिन अग्रणी (L4) और अनुगामी (L5) लैग्रेंजियन बिंदुओं पर स्थित होते हैं।
- ये क्षुद्रग्रह सूर्य के चारों ओर किसी ग्रह की कक्षा में एक स्थिर लैग्रेंजियन बिंदु पर आधिपत्य कर लेते हैं।
- वे 5 अरब साल पहले हमारे सौर मंडल के गठन के सबसे पुराने अवशेषों में से कुछ हैं।
- वर्तमान में बृहस्पति से जुड़े 4,800 से अधिक ज्ञात ट्रोजन क्षुद्रग्रह हैं।
- वे दो मुक्त समूहों में सूर्य की परिक्रमा करते हैं
  - एक समूह अपनी कक्षा में बृहस्पति से आगे चल रहा है
  - दूसरा सूर्य से बृहस्पति के समान दूरी पर पीछे चल रहा है।

19.व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति

- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS) एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति लागू कर रहा है
- इसके बाद इसके लिए कैबिनेट की अंतिम मंजूरी मांगी जाएगी।
- यह पहली बार है कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति लेकर आएगा।
- अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियाँ प्रकाशित की हैं।
- यह कदम विभिन्न पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों की जटिल प्रकृति के कारण उठाया गया है।
- इसके लिए संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

20.आईएल-38 विमान

- यह एक समुद्री टोही विमान है जिसे वर्ष 1977 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।
- यह लगभग 44 वर्षों तक अपने पूरे सेवा जीवन में एक दुर्जेय हवाई संपत्ति बनी रही।
- यह लंबे समय तक चलने की क्षमता और पर्याप्त परिचालन सीमा वाला हर मौसम में काम करने वाला विमान है।
- यह आईएल 38 विमान के शामिल होने के साथ ही था कि नौसेना लंबी दूरी की पनडुब्बी रोधी खोज और स्ट्राइक, एंटी-शिपिंग स्ट्राइक, इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल इंटेलिजेंस और दूर के SAR के साथ संयुक्त रूप से हवाई लंबी दूरी की समुद्री टोही (LRMR) के क्षेत्र में चली गई।

21.प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G)

- वर्ष 2022 तक "सभी के लिए आवास" के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, पूर्ववर्ती ग्रामीण आवास योजना इंदिरा आवास योजना (IAY) को 1 अप्रैल, 2016 से प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) में पुनर्गठित किया गया था।
- उद्देश्य
  - मार्च 2022 के अंत तक बेघर या कच्चे या जीर्ण-शीर्ण घरों में रहने वाले सभी ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्का घर उपलब्ध कराना।
  - पूर्ण अनुदान के रूप में सहायता प्रदान करके आवास इकाइयों के निर्माण और मौजूदा अनुपयोगी कच्चे घरों के उन्नयन में गरीबी रेखा (BPL) से नीचे के ग्रामीण लोगों की मदद करना।
- लाभार्थियों का चयन: तीन चरणीय सत्यापन सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011, ग्राम सभा और जियो टैगिंग के माध्यम से।
- लाभार्थी: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोग, मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूर और गैर-अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग, कार्रवाई में मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवाएं या करीबी रिश्तेदार, पूर्व सैनिक और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त सदस्य, विकलांग व्यक्ति और अल्पसंख्यक।

- यूनिट सहायता की लागत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच मैदानी क्षेत्रों में 60:40 और उत्तर पूर्वी और पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10 के अनुपात में साझा की जाती है।
- नोडल मंत्रालय: ग्रामीण विकास मंत्रालय.

22.रोगाणुरोधी प्रतिरोध

- यह संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली रोगाणुरोधी दवाओं के खिलाफ किसी भी सूक्ष्मजीव (बैक्टीरिया, वायरस, कवक, परजीवी, आदि) द्वारा प्राप्त प्रतिरोध है।
- यह तब होता है जब एक सूक्ष्मजीव समय के साथ बदलता है और दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करता है जिससे संक्रमण का इलाज करना कठिन हो जाता है और बीमारी फैलने, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने AMR को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए शीर्ष दस खतरों में से एक के रूप में पहचाना है।
- रोगाणुरोधी प्रतिरोध विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को कभी-कभी "सुपरबग" कहा जाता है।
- भारत में, हर साल 56,000 से अधिक नवजात शिशुओं की मृत्यु उन जीवों के कारण होने वाले सेप्सिस के कारण होती है जो पहली पंक्ति के एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी होते हैं।
- ICMR (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) द्वारा 10 अस्पतालों के एक अध्ययन से पता चला है कि जब अस्पतालों में कोविड रोगियों को दवा-प्रतिरोधी संक्रमण होता है, तो मृत्यु दर लगभग 50-60% होती है।

23.वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM)

- एक वैधानिक प्राधिकरण जिसने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, यूपी और राजस्थान के केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसे निकायों को हटा दिया।
- वर्ष 2021 में, संसद ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग विधेयक को मंजूरी दे दी।
- **शक्तियाँ और कार्य**
  - इसके पास वायु प्रदूषण से संबंधित मुद्दों पर इन राज्य सरकारों को निर्देश जारी करने की शक्तियां होंगी।
  - यह NCR और आसपास के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता की सुरक्षा और सुधार के उद्देश्य से आवश्यक समझी जाने वाली शिकायतों पर विचार करेगा।
  - यह वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए पैरामीटर भी तय करेगा।
  - यह उल्लंघनकर्ताओं की पहचान करने, कारखानों और उद्योगों और क्षेत्र में किसी भी अन्य प्रदूषणकारी इकाई की निगरानी करने का भी प्रभारी होगा, और ऐसी इकाइयों को बंद करने की शक्तियां भी होंगी।
  - इसके पास क्षेत्र में राज्य सरकारों द्वारा जारी किए गए निर्देशों को खारिज करने की भी शक्तियां होंगी, जो प्रदूषण मानदंडों का उल्लंघन हो सकते हैं।
- **संघटन**
  - अध्यक्ष: इसकी अध्यक्षता सचिव या मुख्य सचिव स्तर के सरकारी अधिकारी द्वारा की जाएगी।
  - अध्यक्ष तीन वर्ष तक या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इस पद पर रहेगा।
  - इसमें कई मंत्रालयों के सदस्यों के साथ-साथ हितधारक राज्यों के प्रतिनिधि भी होंगे।
  - इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और सिविल सोसाइटी के विशेषज्ञ होंगे।

24.विट्रीमर

- टोक्यो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सफलतापूर्वक "सस्टेनेबल प्लास्टिक" बनाया है, जो एपॉक्सी राल विट्रीमर पर आधारित है।
- विट्रीमर प्लास्टिक की अपेक्षाकृत नवीनतम श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है जो कम तापमान पर अपनी प्रभावशाली ताकत के लिए जाना जाता है।
- उच्च तापमान के संपर्क में आने पर उनमें कई बार आकार बदलने की अद्वितीय क्षमता भी होती है।
- यह आंशिक रूप से बायोडिग्रेडेबल भी है।

- हालाँकि, उनमें एक उल्लेखनीय कमी अत्यधिक भंगुरता है क्योंकि उन्हें टूटने से पहले ज्यादा दूर तक नहीं खींचा जा सकता है।
- इस मुद्दे को हल करने के लिए, शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक संश्लेषण प्रक्रिया में पॉलीरोटैक्सेन नामक एक अणु पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप एक नया प्लास्टिक संस्करण सामने आया जिसे उन्होंने VPR नाम दिया है, जो "पॉलीरोटैक्सेन के साथ शामिल विट्रीमर" का संक्षिप्त नाम है।

25.पर्यावरण डीएनए (eDNA)

- हैदराबाद में CSIR-सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान केंद्र (CCMB) में लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रयोगशाला (LaCONES) के शोधकर्ताओं ने जैव विविधता का आकलन करने के लिए एक नई eDNA अनुक्रमण विधि विकसित की है।
- eDNA वह DNA है जो सभी जीवों द्वारा उनके जीवनकाल के दौरान या मृत्यु के बाद प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से उनके परिवेश में छोड़ा जाता है।
- यह जीवों द्वारा (त्वचा, मल आदि के माध्यम से) जलीय या स्थलीय वातावरण में छोड़े गए सेलुलर सामग्री से उत्पन्न होता है जिसे नए आणविक तरीकों का उपयोग करके नमूना और निगरानी की जा सकती है।
- नई गैर-आक्रामक विधि पानी, मिट्टी या हवा जैसे पर्यावरणीय नमूनों में पाए गए DNA टुकड़ों को अनुक्रमित करके किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र की कुल जैव विविधता का आकलन कर सकती है।
- यह विधि सभी प्रकार के जीवों का पता लगा सकती है, जिनमें वायरस, बैक्टीरिया, आर्किया और यूकेरियोट्स जैसे कवक, पौधे, कीड़े, पक्षी, मछली और अन्य जानवर शामिल हैं।
- इस विधि में प्रजातियों को सीधे पकड़ने या उनकी गिनती किए बिना केवल कुछ लीटर पानी के नमूने की आवश्यकता होती है।
- शोधकर्ता पर्यावरणीय नमूनों से eDNA को फ़िल्टर करते हैं, उनके अनुक्रमों को पढ़ते हैं, और इस प्रकार eDNA के स्रोत की पहचान करते हैं।

26.पैंकोरियस सेबेस्टियानी

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने शेंदुर्नी वन्यजीव अभयारण्य में जंपिंग स्पाइडर की एक नई प्रजाति की खोज की।
- नई प्रजाति जंपिंग स्पाइडर जीनस पैनकोरियस साइमन, 1902 और साल्टिसिडे से संबंधित है
- इसका नाम दिवंगत स्पाइडर टैक्सोनोमिस्ट पीए सेबेस्टियन के नाम पर पैनकोरियस सेबेस्टियन रखा गया है।
- एशियाई जंपिंग मकड़ियों की पैनकोरियस प्रजाति मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में विस्तृत है।
- इसका विस्तार अब तक पूर्वी और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों तक ही सीमित था
- नई प्रजाति सबसे पहले दक्षिण से रिपोर्ट की गई है।
- पैनकोरियस सेबेस्टियानी के नर और मादा एक लाल भूरे रंग के आवरण, काले धब्बों के साथ पीले पेट और पोस्टेरोमेडियल रूप से शेवरॉन के आकार के निशान प्रदर्शित करते हैं।
- देश में साल्टिसिडे प्रजातियों के विश्लेषण से पता चलता है कि केवल दो राज्यों, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु, ने उच्च संख्या की सूचना दी है।
- पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर भारत जैसे जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट सहित अन्य में प्रजातियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

27.मृत सागर

- यह एक नमक की झील है जो पूर्व में जॉर्डन और पश्चिम में इज़राइल की सीमा से लगती है।
- हालाँकि, पश्चिमी तट का दक्षिणी आधा भाग इज़राइल का है, जबकि तट का उत्तरी आधा भाग वेस्ट बैंक में है, जिस क्षेत्र पर इज़राइल और फिलिस्तीन दोनों दावा करते हैं।
- यह भूमध्य सागर के पूर्व में और गलील सागर के दक्षिण में स्थित है।
- यह जॉर्डन रिफ्ट घाटी में स्थित है और मुख्य रूप से जॉर्डन नदी से पोषित होती है, जो उत्तर से झील में प्रवेश करती है।
- इसका कोई आउटलेट नहीं है, और इसलिए यह मुख्य रूप से वाष्पीकरण के माध्यम से अपना पानी खो देता है।
- यह 306 मीटर गहरी है, जो दुनिया की सबसे गहरी अति लवणीय झील है।

- यह सामान्य से लगभग दस गुना अधिक नमकीन है जो एक कठोर वातावरण बनाता है जिसमें जानवर नहीं पनप सकते, इसलिए इसका नाम रखा गया है।
- मृत सागर के समुद्री जल का घनत्व 1.240 किलोग्राम/लीटर है, जो इसके पानी में तैरने को तैरने के समान बनाता है।

28.एनकोर सॉफ्टवेयर

- भारत के चुनाव आयोग ने संपूर्ण उम्मीदवार और चुनाव प्रबंधन के लिए इन-हाउस सॉफ़्टवेयर, ENCORE डिज़ाइन किया है।
- यह रिटर्निंग अधिकारियों को उम्मीदवारों के नामांकन, हलफनामे, मतदाता मतदान, गिनती, परिणाम और डेटा प्रबंधन की प्रक्रिया के लिए एक निर्बाध सुविधा प्रदान करता है।
- एनकोर काउंटिंग एप्लिकेशन रिटर्निंग अधिकारियों के लिए डाले गए वोटों को डिजिटाइज़ करने, राउंड-वार डेटा को सारणीबद्ध करने और फिर गिनती की विभिन्न वैधानिक रिपोर्ट निकालने के लिए एक एंड-टू-एंड एप्लिकेशन है।
- एनकोर स्क्रूटनी एप्लिकेशन नामक एक अन्य एप्लिकेशन रिटर्निंग अधिकारियों को उम्मीदवारों द्वारा ऑनलाइन दाखिल किए गए नामांकन की जांच करने की अनुमति देता है।
- नामांकन के सत्यापन के बाद स्थिति को स्वीकृत, अस्वीकृत या वापस लिया गया के रूप में चिह्नित किया जाता है, जिससे रिटर्निंग अधिकारी को चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार करने और प्रतीक आवंटित करने में मदद मिलती है।

29.अधिकारियों के समान महिला सैनिकों को भी मातृत्व अवकाश

- महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए मातृत्व, शिशु देखभाल और बच्चे को गोद लेने की छुट्टी के नियमों को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।
- ये लाभ उनके अधिकारी समकक्षों के बराबर प्रदान किए गए हैं।
- नए प्रस्ताव का लाभ महिला सैनिकों को मिलेगा जो तीनों सेनाओं में शामिल 25% अग्निवीरों में शामिल हैं।
- तीनों सेवाओं में महिला अधिकारी वर्तमान में 180 दिनों के मातृत्व अवकाश के लिए पात्र हैं।
- यदि महिला अधिकारी एक वर्ष से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं तो वे 180 दिनों की छुट्टी के लिए पात्र हैं।
- स्थायी कमीशन की महिला अधिकारी भी 360 दिनों की बाल देखभाल छुट्टी के लिए पात्र हैं, जबकि शॉर्ट सर्विस कमीशन की महिला अधिकारी 180 दिनों की छुट्टी के लिए पात्र हैं।

30.कवच प्रणाली

- कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP) प्रणाली है।
- इसे भारतीय उद्योग के सहयोग से अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका उद्देश्य भारतीय रेलवे में ट्रेन परिचालन में सुरक्षा प्राप्त करना है।
- यह सेफ्टी इंटीग्रिटी लेवल-4 (SIL-4) मानकों पर काम करता है।
- इसका उद्देश्य ट्रेनों को रेड सिग्नल पार करने से रोकना और टकराव से बचाना है।
- यदि ड्राइवर गति प्रतिबंधों के अनुसार ट्रेन को नियंत्रित करने में विफल रहता है तो यह ट्रेन के ब्रेकिंग सिस्टम को स्वचालित रूप से सक्रिय कर देता है।
- इसके अलावा, यह कार्यात्मक कवच सिस्टम से लैस दो लोकोमोटिव के बीच टकराव को रोकता है

31.एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (AoR)

- AoR की अवधारणा को सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145(1) के तहत दी गई शक्ति के साथ पेश किया था।
  - इसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर अदालत में प्रथाओं और प्रक्रियाओं को विनियमित करने के लिए नियम बना सकता है।
- "एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड" एक वकील को दी गई उपाधि है जो सुप्रीम कोर्ट के समक्ष किसी मामले का प्रतिनिधित्व कर सकता है या दलील दे सकता है।
- केवल ये वकील ही सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कोई भी मामला या दस्तावेज दाखिल करने के हकदार हैं।

- ये सुप्रीम कोर्ट में किसी पक्ष के लिए उपस्थिति भी दर्ज करा सकते हैं या कार्रवाई भी कर सकते हैं।
- भारत के किसी भी अन्य उच्च न्यायालय में ऐसा प्रावधान नहीं है।
- सुप्रीम कोर्ट नियम, 2013 के आदेश IV नियम 5 में AoR बनने के लिए निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए:
  - वकील को किसी भी राज्य बार काउंसिल में नामांकित होना आवश्यक है।
  - अधिवक्ता के पास कम से कम 4 वर्ष का पूर्व अनुभव होना आवश्यक है।
  - अधिवक्ता ने एक वरिष्ठ AoR के तहत 1 वर्ष का प्रशिक्षण लिया है।
  - वकील सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित परीक्षा में शामिल हुए हैं।
  - वकील को दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के भवन से 10 मील के दायरे में एक कार्यालय रखना होगा और रिकॉर्ड पर वकील के रूप में पंजीकृत होने के एक महीने के भीतर एक क्लर्क को नियुक्त करने का वचन देना होगा, जो एक पंजीकृत क्लर्क होगा।
- एक बार पंजीकृत होने के बाद, AOR को एक विशिष्ट पहचान संख्या जारी की जाती है जिसका उपयोग सुप्रीम कोर्ट में दायर सभी दस्तावेजों पर किया जाना चाहिए।

32.बैलिस्टिक मिसाइल

- रूस ने हाल ही में परमाणु हथियार ले जाने के लिए डिज़ाइन की गई बुलावा बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- बैलिस्टिक मिसाइल एक रॉकेट चालित स्व-निर्देशित रणनीतिक हथियार प्रणाली है जो अपने प्रक्षेपण स्थल से एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य तक पेलोड पहुंचाने के लिए एक बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है।
- ये शुरू में चरणों में एक रॉकेट या रॉकेट की श्रृंखला द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन फिर एक अशक्त प्रक्षेपवक्र का पालन करते हैं जो अपने इच्छित लक्ष्य तक पहुंचने के लिए नीचे उतरने से पहले ऊपर की ओर झुकता है।
- बैलिस्टिक मिसाइलें परमाणु या पारंपरिक हथियार ले जा सकती हैं।

33.एलिसियस हिमालय

- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश की एक गुफा से एलिसियस हिमालय नामक घोंघे की एक नई प्रजाति की खोज की गई।
- यह घोंघे की एक नई प्रजाति है जो एलिसियस वंश से संबंधित है।
  - एलिसियस छोटे भूमि घोंघों की एक प्रजाति है।
- यह जीनस सबसे पहले भारत में रिपोर्ट किया गया है, क्योंकि यह जीनस दक्षिण पूर्व एशिया तक ही सीमित है और भारतीय क्षेत्र में ज्ञात नहीं है।
- यह नई प्रजाति अपने पीले, शंकाकार खोल के कारण अन्य सभी हिमालयी एलीकेड प्रजातियों से भिन्न है।
- आसपास के क्षेत्र में सबसे समान शैल शान स्टेट्स, म्यांमार से प्राप्त स्टोमाकोस्मिथिस स्प्रेटी है।
- यह ऑपरकुलम के बाहरी तरफ विशिष्ट तुरही-जैसे प्रक्षेपण द्वारा अन्य सभी एलिसियस प्रजातियों से भिन्न है।
- यह, अब तक, हिमालय में रहने वाली एकमात्र एलिसियस प्रजाति है।
- अन्य सभी ज्ञात एलिसियस प्रजातियाँ लाओस, वियतनाम, दक्षिणी थाईलैंड और प्रायद्वीपीय मलेशिया से बताई गई हैं।

34.क्वाड

- इसे क्वाड्रीलेटरल सुरक्षा वार्ता' (QSD) के नाम से जाना जाता है।
- यह एक अनौपचारिक रणनीतिक मंच है जिसमें चार देश संयुक्त राज्य अमेरिका (USA), भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।
- मुख्य उद्देश्य स्वतंत्र, खुले, समृद्ध और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए काम करना है।
- इसे समुद्री लोकतंत्रों का गठबंधन माना जाता है और इस मंच का रखरखाव सभी सदस्य देशों की बैठकों, अर्ध-नियमित शिखर सम्मेलनों, सूचना आदान-प्रदान और सैन्य अभ्यासों द्वारा किया जाता है।
- वर्ष 2007 में इसकी स्थापना के बाद से, चार सदस्य देशों के प्रतिनिधि समय-समय पर मिलते रहे हैं, जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे वर्ष 2007 में क्वाड के गठन का विचार रखने वाले पहले व्यक्ति थे।

35.ग्रीन क्रैकर (ग्रीन पटाखे)

- इन्हें 'पर्यावरण-अनुकूल' पटाखे कहा जाता है और ये पारंपरिक पटाखों की तुलना में कम वायु और ध्वनि प्रदूषण पैदा करने के लिए जाने जाते हैं।
- इन पटाखों को पहली बार वर्ष 2018 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्यावरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा डिजाइन किया गया था।
- ये पटाखे शोर की तीव्रता और उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से पारंपरिक पटाखों में कुछ खतरनाक एजेंटों को कम प्रदूषणकारी पदार्थों से बदल देते हैं।
- अधिकांश हरे पटाखों में बेरियम नाइट्रेट नहीं होता है, जो पारंपरिक पटाखों में सबसे खतरनाक घटक है।
- नियमित पटाखों से भी 160-200 डेसिबल ध्वनि उत्पन्न होती है, जबकि हरे पटाखों से ध्वनि लगभग 100-130 डेसिबल तक सीमित होती है।
- वर्तमान में, ग्रीन पटाखों के तीन ब्रांड खरीद के लिए उपलब्ध हैं
  - SWAS - सुरक्षित जल रिलीजर
  - STAR - सुरक्षित थर्माइट क्रैकर
  - SAFAL - सुरक्षित न्यूनतम एल्यूमिनियम
- ग्रीन पटाखों के सभी तीन ब्रांड वर्तमान में केवल CSIR द्वारा अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं द्वारा ही उत्पादित किए जा सकते हैं।
- पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (PESO) को यह प्रमाणित करने का कार्य सौंपा गया है कि पटाखे आर्सेनिक, पारा और बेरियम के बिना बनाए गए हैं, और एक निश्चित सीमा से अधिक तेज़ नहीं हैं।
- इसके अलावा, हरे पटाखों को क्विक रिस्पांस (QR) कोडिंग प्रणाली के साथ-साथ उनके बक्सों पर मुद्रित हरे लोगो द्वारा अलग किया जा सकता है।

36.जीका वायरस

- जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है जिसे पहली बार वर्ष 1947 में युगांडा में बंदरों में पहचाना गया था।
- बाद में इसे वर्ष 1952 में युगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया में मनुष्यों में पहचाना गया।
- **ट्रांसमिशन**
  - मुख्य रूप से एडीज मच्छरों (AM) द्वारा, मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी द्वारा।
  - यह गर्भावस्था के दौरान यौन संपर्क, रक्त और रक्त उत्पादों के आधान और अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से मां से भ्रूण तक भी फैलता है।
- **लक्षण**
  - आम तौर पर हल्के और इसमें बुखार, दाने, नेत्रश्लेष्मलाशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, अस्वस्थता या सिरदर्द शामिल हैं।
  - जीका वायरस संक्रमण वाले अधिकांश लोगों में लक्षण विकसित नहीं होते हैं।
  - गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस के संक्रमण के कारण शिशु माइक्रोसेफली (सामान्य सिर के आकार से छोटा) और अन्य जन्मजात विकृतियों के साथ पैदा हो सकते हैं, जिन्हें जन्मजात जीका सिंड्रोम कहा जाता है।
- **इलाज**
  - जीका के लिए कोई टीका या दवा नहीं है।
  - इसके बजाय, फोकस लक्षणों से राहत देने पर है और इसमें बुखार और दर्द के लिए आराम, पुनर्जलीकरण और एसिटामिनोफेन शामिल है।

37.मिग-21 विमान

- मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना की रीढ़ रहे हैं।
- ये सिंगल इंजन, सिंगल-सीटर मल्टी-रोल फाइटर/ग्राउंड अटैक एयरक्राफ्ट हैं।
- प्रमुख भूमिका
  - वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में, मिग-21 (प्रकार - 77 संस्करण) ने युद्ध के परिणाम को भारत के पक्ष में करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी।
  - यह वर्ष 1965 के युद्ध और वर्ष 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल संघर्ष में भी भारतीय वायुसेना के मुख्य आधारों में से एक था।

38.चेतक

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 1962 में अलौटे III हेलीकॉप्टर (चेतक) के उत्पादन के लिए फ्रांस के साथ एक समझौता करके हेलीकॉप्टरों का निर्माण शुरू किया।
- 'फ्लाई अवे' स्थिति में पहला चेतक वर्ष 1965 में वितरित किया गया था।
- सात सीटों वाला चेतक हेलीकॉप्टर बहुमुखी, बहुउद्देश्यीय, बहुउद्देश्यीय और विशाल है।
- हेलीकॉप्टर आवागमन, कार्गो/सामग्री परिवहन, हताहत निकासी, खोज एवं बचाव (SAR), हवाई सर्वेक्षण और गश्त, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, ऑफ-शोर संचालन और अंडर स्लंग ऑपरेशन के लिए उपयुक्त है।
- आज तक, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 350 से अधिक ऐसे बहुमुखी हेलीकॉप्टरों का उत्पादन और बिक्री की है जो भारत और विदेश दोनों में सेवा में हैं।

39.ऊर्जा संरक्षण भवन कोड (ECBC)

- ECBC, 2007 में स्थापित और 2017 में अद्यतन किया गया, 25 से 50 प्रतिशत की ऊर्जा बचत प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ, वाणिज्यिक भवनों के लिए न्यूनतम ऊर्जा मानकों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- भारत में इमारतें वर्तमान में कुल बिजली खपत का 30 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह आंकड़ा 2042 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।
- ECBC भवन डिजाइन के छह घटकों को संबोधित करता है, जिसमें आवरण, प्रकाश व्यवस्था, HVAC प्रणाली और विद्युत ऊर्जा प्रणाली शामिल हैं।
- ECBC का अनुपालन नई इमारतों और मौजूदा इमारतों की रेट्रोफिटिंग पर लागू होता है।
- जबकि 23 राज्यों ने ECBC नियमों को अधिसूचित किया है, केवल 15 ने नवीनतम ECBC, 2017 को अपनाया है, जो देश भर में कार्यान्वयन में भिन्नता का संकेत देता है।

40.e-FIR

- ई-e-FIR प्रथम सूचना रिपोर्ट का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण है।
  - e-FIR प्रारंभिक रिपोर्ट के रूप में कार्य करती है जो आपराधिक न्याय प्रणाली को सक्रिय करती है।
- महत्व
  - e-FIR पंजीकरण में देरी को संबोधित करता है
  - वे नागरिकों के लिए वास्तविक समय में अपराध रिपोर्टिंग को सक्षम करते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तेज़ प्रतिक्रिया सुनिश्चित होती है।
  - e-FIR को अपनाना डिजिटल इंडिया मिशन और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना सहित प्रमुख सरकारी पहलों के अनुरूप है।

41.पूसा-44

- यह धान की एक किस्म है जिसे 1993 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा विकसित किया गया था।
- वर्ष 2010 के अंत तक, इसने पंजाब भर के किसानों के बीच व्यापक लोकप्रियता हासिल कर ली थी, जिसमें धान की खेती के तहत लगभग 70 से 80% क्षेत्र शामिल था।
- किसानों का दावा है कि PUSA-44 की पैदावार प्रति एकड़ लगभग 85 से 100 मन (34 से 40 क्विंटल) होती है, जबकि अन्य किस्मों की औसत उपज 28 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- चिंताओं
  - यह एक लंबी अवधि की किस्म है, जिसे पकने में लगभग 160 दिन लगते हैं और सिंचाई के 5-6 अतिरिक्त चक्रों की आवश्यकता होती है।
  - पंजाब में भूजल की गंभीर कमी और कम अवधि वाली धान की किस्मों की उपलब्धता को देखते हुए, सरकार का लक्ष्य इस किस्म पर प्रतिबंध लगाकर एक महीने के लिए सिंचाई के पानी का संरक्षण करना है।
  - इसके अलावा, यह किस्म राज्य में लंबे समय से चली आ रही पराली जलाने की समस्या को बढ़ाने के लिए भी जानी जाती है।
  - यह किस्म छोटी किस्मों की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत अधिक ठूंठ पैदा करती है, जो बड़े पैमाने पर खेती करने पर एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन जाती है।

42.ग्रीन क्रैकर्स

- ग्रीन क्रैकर्स का नाम इसलिए रखा गया है क्योंकि इनमें वायु प्रदूषण फैलाने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं।
- क्रैकर्स में ऐसे घटकों को बदल दिया जाता है जो कम खतरनाक होते हैं और वातावरण के लिए कम हानिकारक होते हैं।
- ये पटाखे कम हानिकारक रसायनों का उत्सर्जन करते हैं, और जलवाष्प भी छोड़ते हैं, जो धूल को दबाने का काम करता है।

43.स्टेबल ऑरोरल आर्क

- यह एक दुर्लभ वायुमंडलीय घटना है जो एक मजबूत G3 श्रेणी के भू-चुंबकीय तूफान के दौरान देखी गई थी।
- अरोरा के विपरीत, जो तब होता है जब अंतरिक्ष से आवेशित कण वायुमंडल से टकराते हैं जिससे वह चमकने लगता है, SAR आर्क अलग तरह से बनते हैं।
- वे पृथ्वी के रिंग करंट सिस्टम से ऊपरी वायुमंडल में लीक होने वाली ऊष्मा ऊर्जा का संकेत हैं, एक डोनट के आकार का सर्किट जो हमारे ग्रह के चारों ओर लाखों एम्पियर ले जाता है।
- हाल के भू-चुंबकीय तूफान के दौरान, रिंग करंट घंटों की तीव्र भू-चुंबकीय गतिविधि से सक्रिय हो गया था, जिससे ऊर्जा इन एसएआर आर्क्स में फैल गई थी।
- इस वैश्विक कार्यक्रम को दुनिया के कई हिस्सों में पंजीकृत किया गया था।

44.भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग

- यह एक संकेत है जिसका उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली विशेष विशेषताओं वाली वस्तुओं की पहचान करने के लिए किया जाता है।
- वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 भारत में वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण और बेहतर सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है।
- यह बौद्धिक संपदा अधिकार (ट्रिप्स) के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर WTO समझौते द्वारा शासित और निर्देशित है।
- यह मुख्य रूप से एक कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक सामान) है।
- वैधता: 10 वर्ष जिसके बाद इसे नवीनीकृत किया जा सकता है।

45.अर्धचालक

- ये ऐसी सामग्रियां हैं जिनमें कंडक्टर और इंसुलेटर के बीच चालकता होती है।
- वे शुद्ध तत्व, सिलिकॉन या जर्मेनियम या यौगिक, गैलियम, आर्सेनाइड या कैडमियम सेलेनाइड हो सकते हैं।
- वे बुनियादी निर्माण खंड हैं जो सभी आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उत्पादों के हृदय और मस्तिष्क के रूप में काम करते हैं।
- ये चिप्स अब समकालीन ऑटोमोबाइल, घरेलू गैजेट और ECG मशीनों जैसे आवश्यक चिकित्सा उपकरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

46.उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना

- PLI योजना की कल्पना घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ उच्च आयात प्रतिस्थापन और रोजगार सृजन के लिए की गई थी।
- मार्च 2020 में शुरू की गई इस योजना ने शुरुआत में तीन उद्योगों को लक्षित किया
  - मोबाइल और संबद्ध घटक विनिर्माण
  - विद्युत घटक विनिर्माण और
  - चिकित्सा उपकरण
- सरकार ने अब तक 14 सेक्टरों के लिए पीएलआई योजनाओं की घोषणा की है.
- उद्देश्य
  - चीन और अन्य विदेशी देशों पर भारत की निर्भरता को कम करना।
  - यह श्रम-गहन क्षेत्रों का समर्थन करता है और इसका लक्ष्य भारत में रोजगार अनुपात को बढ़ाना है।
  - आयात बिल कम करें और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दें।
- हालाँकि, पीएलआई योजना विदेशी कंपनियों को भारत में अपनी इकाइयाँ स्थापित करने के लिए आमंत्रित करती है और घरेलू उद्यमों को अपनी उत्पादन इकाइयों का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

47.सीबीआई

- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भारत की प्रमुख जांच पुलिस एजेंसी है।
- यह केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को सहायता प्रदान करता है।
- यह भारत सरकार के कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय के अधीन कार्य करता है - जो प्रधान मंत्री कार्यालय के अंतर्गत आता है।
- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच के लिए इसका अधीक्षण केंद्रीय सतर्कता आयोग के पास है।
- यह भारत में नोडल पुलिस एजेंसी भी है जो इंटरपोल सदस्य देशों की ओर से जांच का समन्वय करती है।
- इसकी सजा दर 65 से 70% तक है और यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ जांच एजेंसियों के बराबर है।

48.लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 पहले आम चुनावों से पहले अधिनियमित किया गया था। यह अधिनियम भारत में चुनावों के वास्तविक संचालन के लिए प्रावधान करता है।
- यह चुनाव के निम्नलिखित पहलुओं से संबंधित है:
  - चुनावों का वास्तविक संचालन;
  - चुनाव कराने के लिए प्रशासनिक मशीनरी;
  - मतदान;
  - चुनावी अपराध;

- चुनावी विवाद;
- उपचुनाव;
- राजनीतिक दलों का पंजीकरण

49.काली टाइगर रिजर्व

- काली टाइगर रिजर्व, जिसे पहले दांदेली-अंशी टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाता था, कर्नाटक राज्य के उत्तर कन्नड़ (उत्तरी केनरा) जिले के मध्य भाग में स्थित है।
- इसमें क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं जैसे दांडेली वन्यजीव अभयारण्य और अंशी राष्ट्रीय उद्यान, वे एक-दूसरे से सटे हुए हैं और जैविक रूप से संवेदनशील पश्चिमी घाट में स्थित संरक्षित क्षेत्र का एक एकल पथ बनाते हैं।
- काली नदी बाघ अभ्यारण्य से होकर बहती है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है।
- वन मुख्य रूप से नम पर्णपाती और अर्ध सदाबहार हैं, पश्चिमी भागों में सदाबहार वनों के उत्कृष्ट टुकड़े हैं।
- जटिल पुष्प टेपेस्ट्री में सागौन, सिल्वर ओक, मालाबार इमली, जांबा, लैंटाना, बांस, झाड़ी जैसे दृढ़ लकड़ी के पेड़ शामिल हैं।
- प्रमुख प्रजातियाँ एशियाई हाथी, बाघ, तेंदुआ, गौर, शेवरोटेन, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाले हिरण, स्लॉथ भालू, ढोल, मालाबार सिवेट और विशाल सिवेट हैं।

50.कड़कनाथ मुर्गे

- मध्य प्रदेश (MP) का मूल निवासी कड़कनाथ राज्य के झाबुआ जिले में प्रमुख रूप से पाया जाता है।
- इसका मांस काला होता है और इस मुर्गे को ब्लैक चिकन या काली मासी भी कहा जाता है।
- सिर्फ मांस ही नहीं, बल्कि इस मुर्गे के अंग और हड्डियां भी काली हैं।
- इस मुर्गी के अंडे भी काले होते हैं.
- इसे वर्ष 2018 में भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्राप्त हुआ।
- यह अपनी उच्च लौह सामग्री और अन्य नस्लों की तुलना में बहुत कम कोलेस्ट्रॉल के लिए जाना जाता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है और इसे मांसपेशियों की मरम्मत और निर्माण के लिए आदर्श माना जाता है।
- अक्सर यह दावा किया जाता है कि कड़कनाथ चिकन कुछ स्वास्थ्य स्थितियों, जैसे अस्थमा और श्वसन संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है।

51.भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- यह उन उत्पादों पर उपयोग किया जाने वाला एक चिन्ह है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है।
- GI के रूप में कार्य करने के लिए, एक चिन्ह को किसी उत्पाद को किसी दिए गए स्थान पर उत्पन्न होने की पहचान करनी चाहिए।
- इसका उपयोग आमतौर पर कृषि उत्पादों, खाद्य पदार्थों, वाइन और स्पिरिट पेय, हस्तशिल्प और औद्योगिक उत्पादों के लिए किया जाता है।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि अधिकृत उपयोगकर्ताओं के रूप में पंजीकृत लोगों के अलावा किसी को भी लोकप्रिय उत्पाद नाम का उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
- औद्योगिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए पेरिस कन्वेंशन के तहत भौगोलिक संकेतों को बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPRs) के एक घटक के रूप में शामिल किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, GI विश्व व्यापार संगठन (WTO's) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर समझौते द्वारा शासित होता है।
- भारत में, भौगोलिक संकेत पंजीकरण को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- यह GI टैग 10 वर्षों के लिए वैध होता है, जिसके बाद इसे नवीनीकृत किया जा सकता है।

52.क्रस्टेशियंस परजीवी

- यह भारत के एक नए क्रस्टेशियन परिवार की पहली खोज और विवरण भी है।
- यह परजीवी कोपोड डॉलफस स्टारगेज़र (यूरेनोस्कोपस गुट्टाटस) पर निर्भर पाया गया, जो दक्षिण पश्चिम भारतीय तट से 300-550 मीटर की गहराई में रहने वाली मछली है।
- नए परिवार की खोज से इसके अंतर्गत एक नए जीनस और प्रजाति, हिरोडाई ओहस्टुकाई का भी निर्माण हुआ है।
- ये परजीवी कोपेपोड स्पंज से लेकर समुद्री स्तनधारियों तक, मेजबानों की एक विस्तृत श्रृंखला को संक्रमित करने के लिए जाने जाते हैं।
- नई आइसोपॉड प्रजाति जिसे ग्लाइप्टोथोआ सागर 'ग्लाइप्टो' नाम दिया गया है क्योंकि मछली परजीवी गहरे समुद्र की मछली ग्लाइप्टोफिडियम मैक्रोपस और समुद्र के लिए 'सागरा' में पाई जाती थी।
- एल्थुसा एक्काबियो नाम की एक और नई आइसोपॉड क्रस्टेशियन परजीवी प्रजाति एक अज्ञात मछली से एकत्र की गई थी।

53.माउंट एटना

- यह इटली के सिसिली के पूर्वी तट पर एक सक्रिय स्ट्रैटोवोलकानो है।
- यह यूरोप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है और दुनिया के सबसे बड़े ज्वालामुखी में से एक है।
- इसकी दर्ज ज्वालामुखीय गतिविधि 1500 ईसा पूर्व की है और तब से, यह 200 से अधिक बार फूट चुकी है।
- इसने विभिन्न प्रकार की विस्फोट शैलियों को प्रदर्शित किया है, जिनमें हिंसक विस्फोट और भारी लावा प्रवाह शामिल हैं।

54.वधावन बंदरगाह

- यह महाराष्ट्र के वधावन में 75,000 करोड़ रुपये की प्रस्तावित कंटेनर बंदरगाह परियोजना है।
- इसे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित किया जाएगा।
- नए बंदरगाह में तट के करीब लगभग 20 मीटर का प्राकृतिक ड्राफ्ट है, जिससे बड़े जहाजों को संभालना संभव हो जाता है।
- यह 16,000- 25,000 टीईयू क्षमता के कंटेनर जहाजों को कॉल करने में सक्षम करेगा, जिससे पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ मिलेगा और रसद लागत में कमी आएगी।
- इसे लगभग 254 मिलियन टन (MT) कार्गो को संभालने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा।
- इसे ग्रीन पोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा।
  - वह बंदरगाह पर आने वाले जहाजों को हरित ईंधन उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।
  - पर्यावरणीय मुद्दों को ध्यान में रखते हुए निर्माण और संचालन की योजना बनाई गई है।

55.बिरसा मुंडा

- वह मुंडा जनजाति से आने वाले एक लोक नायक और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी थे।
- उन्होंने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में ब्रिटिश उपनिवेश के तहत बिहार और झारखंड बेल्ट में उभरे एक भारतीय जनजातीय जन आंदोलन का नेतृत्व किया।
- उन्होंने आदिवासियों को ब्रिटिश सरकार द्वारा किए गए ज़बरदस्ती ज़मीन हड़पने के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट किया, जो आदिवासियों को बंधुआ मजदूरों में बदल देगा और उन्हें घोर गरीबी के लिए मजबूर कर देगा।
- उन्होंने अंग्रेजों और बाहरी लोगों "दिकुओं" के खिलाफ "उलगुलान" या विद्रोह की घोषणा की।
- उन्होंने 'बिरसाइत' नामक एक आस्था का निर्माण किया।
- उन्होंने आदिवासियों को अपने धर्म का अध्ययन करने और अपनी सांस्कृतिक जड़ों को न भूलने की आवश्यकता पर बल दिया।
- बिरसा मुंडा ने हिन्दू धर्म के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया।
- उनके संघर्ष के कारण 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम पारित होने के रूप में ब्रिटिश सरकार को बड़ा झटका लगा।

- इस अधिनियम ने आदिवासी लोगों से गैर-आदिवासियों को भूमि देने पर प्रतिबंध लगा दिया।
- राष्ट्रीय आंदोलन पर उनके प्रभाव को देखते हुए, 2000 में उनकी जयंती पर झारखंड राज्य का निर्माण किया गया।

56.MQ-4C ट्राइटन

- अमेरिकी नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना दोनों के लिए निर्मित, MQ-4C ट्राइटन एकमात्र बिना चालक दल वाला, उच्च तुंगता वाला, लंबे समय तक चलने वाला विमान है जो लगातार समुद्री खुफिया जानकारी, निगरानी, टोही और लक्ष्यीकरण के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसे नॉर्थरोप ग्रुम्मन कॉर्पोरेशन, एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी द्वारा विकसित किया गया था।

विशेषताएँ:

- इसके स्वायत्त संचालन को भूमि-आधारित कमांड और नियंत्रण मिशन योजनाकारों और सेंसर ऑपरेटरों द्वारा समर्थित किया जाता है।
- विमान 8,200 समुद्री मील की परिचालन सीमा के साथ, 10 मील से अधिक ऊंचाई पर, एक समय में 24 घंटे से अधिक उड़ान भर सकता है।
- इसकी लंबाई 14.5 मीटर, ऊंचाई 4.7 मीटर और पंखों का फैलाव 39.9 मीटर है।
- यह अधिकतम 1,452 किलोग्राम का आंतरिक पेलोड और 1,089 किलोग्राम का बाहरी पेलोड रख सकता है।
- इसकी अधिकतम गति 600 किमी/घंटा है।
- ट्राइटन एक अद्वितीय और मजबूत मिशन सेंसर सूट से लैस होगा जो सभी सेंसर पर 360-डिग्री कवरेज प्रदान करता है।
- टाइटन में बढ़े हुए आंतरिक पेलोड के लिए एक प्रबलित एयरफ्रेम और ओले, पक्षी हमले और गस्ट लोड सुरक्षा के लिए एक विंग भी शामिल है।
- ये विशेषताएं विमान को जरूरत पड़ने पर समुद्र में जहाजों और अन्य लक्ष्यों को करीब से देखने के लिए कठोर समुद्री मौसम के वातावरण में उतरने और चढ़ने की अनुमति देती हैं।

57.इग्ला-एस

- यह रूस द्वारा विकसित एक मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (MANPADS) है।
- इसे पश्चिम में SA-24 ग्रिंच के नाम से जाना जाता है।
- इसने 2004 में रूसी सेना के साथ सेवा में प्रवेश किया।
- इसे किसी व्यक्ति या चालक दल द्वारा दुश्मन के विमान को गिराने के लिए दागा जा सकता है।
- इसमें कम ऊंचाई पर उड़ रहे विमानों को गिराने की क्षमता है। यह क्रूज़ मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई लक्ष्यों की भी पहचान कर सकता है और उन्हें निष्क्रिय कर सकता है।

विशेषताएँ:

- इग्ला-एस प्रणाली में लड़ाकू उपकरण शामिल हैं, जिसमें 9M342 मिसाइल और 9P522 लॉन्चिंग तंत्र के साथ-साथ रखरखाव उपकरण शामिल हैं, जिसमें 9V866-2 मोबाइल परीक्षण स्टेशन और 9F719-2 परीक्षण सेट शामिल हैं।
- इसकी प्रभावी रेंज 6 किमी तक है।
- "इगला-एस" कॉम्प्लेक्स के लिए प्रभावी लक्ष्य विनाश की सीमित ऊंचाई 3.5 किमी है।
- इसमें क्षति क्षमताओं को अधिकतम करने के लिए एक भारी, अधिक शक्तिशाली वारहेड है, साथ ही बढ़ी हुई हमले की सीमा के लिए संपर्क और समयबद्ध फ्यूज भी हैं।
- यह बम उच्च-विस्फोटक विखंडन (HE-FRAG) है और इसका वजन 2.5 किलोग्राम है।
- इन्फ्रारेड के माध्यम से मार्गदर्शन होता है।

58.कांगड़ी

- कांगड़ी, जिसे कांगेर या कांगिड के नाम से भी जाना जाता है, चमकते अंगारों से भरे मिट्टी के बर्तन हैं और सुंदर हस्तनिर्मित विकर टोकरियों में बंद हैं।
- यह एक पोर्टेबल और चलता-फिरता हीटर है जिसे कश्मीरी अपने फ़िरन(घुटनों तक लंबा ऊनी लबादा जिसे लोग ठंढी सर्दियों के दौरान पहनते हैं) में रखते हैं।

- एक बर्तन में लगभग 250 ग्राम लकड़ी का कोयला रखा जा सकता है और आग एक फेरन के नीचे घंटों तक जलती रहती है।
- यह कठोर सर्दियों के महीनों के दौरान लोगों को गर्म रखता है, जब तापमान शून्य से 20 डिग्री नीचे चला जाता है।

यह कैसे बनती है?

- यह विलो विकर रीड से बने अपने बाहरी आवरण के लिए जाना जाता है जो उत्तरी कश्मीर के गांदरबल जिले की आर्द्रभूमि में बहुतायत से उगता है।
- ये रीड ऊंचाई में आठ फीट तक पहुंच सकते हैं और आग के बर्तनों की मांग बढ़ने से ठीक पहले, शरद ऋतु के दौरान काटे जाते हैं।
- फिर इन्हें कटोरे के आकार के मिट्टी के बर्तन के चारों ओर बुने जाने के लिए तैयार होने से पहले, छाल हटाने के लिए खुरचने और छीलने, भिगोने, उबालने और सूखने की बहुस्तरीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।
- मिट्टी के बर्तनों को रंगीन धागों, मिररवर्क और सेक्विन से सजाया गया है और इसका व्यास लगभग छह इंच (150 मिमी) है।

59.त्रिशक्ति प्रहार

- यह एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है जिसमें भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना शामिल हैं।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य आपसी समन्वय और परिचालन दक्षता को बढ़ाना है।
- इसका उद्देश्य आधुनिक युद्ध के संदर्भ में नई रणनीतियाँ बनाना और परिचालन क्षमताओं का आकलन करना है।
- अभ्यास के दौरान, भारतीय सेना के सभी तीन अंग पूर्ण समन्वय के साथ वास्तविक युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करते हुए सक्रिय रूप से लाइव अभ्यास सत्र में संलग्न होते हैं।
- इस अभ्यास में टोही विमानों द्वारा लंबी दूरी के हमले शामिल हैं, जिसमें काल्पनिक विरोधियों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने के लिए सटीक और उच्च मात्रा के हमलों पर जोर दिया गया है।
- इसमें विभिन्न प्रकार की सैन्य संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के हॉवित्जर, हेलीकॉप्टर और हथियार शामिल हैं। इसमें सेना के टी-90 और अर्जुन मुख्य युद्धक टैंकों की तैनाती शामिल है।
- अभ्यास का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय वायु सेना की पुणे स्थित दक्षिण-पश्चिमी कमान की परिचालन क्षमता और तत्परता का प्रदर्शन है। यह खंड एकीकृत वायु-भूमि संचालन, संयुक्त हथियार संचालन और इसकी तेज गतिशीलता और गहरी मारक आक्रामक क्षमताओं के लिए वायु सेना की तैयारियों को प्रदर्शित करता है।
- लड़ाकू विमान, अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर, चिनूक हेवी लिफ्ट हेलीकॉप्टर और विभिन्न नौसेना विमान अभ्यास की बहुमुखी प्रकृति में योगदान करते हैं।
- यह एक सिम्युलेटेड परिचालन वातावरण में आधुनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों जैसे मानव रहित हवाई वाहनों, सटीक-निर्देशित मिसाइलों, लोइटर हथियारों, काउंटर-ड्रोन सिस्टम, संचार प्रणालियों और स्वचालित स्पेक्ट्रम निगरानी प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

60.अप्रत्याशित कर

- अप्रत्याशित करों को किसी कंपनी को किसी बाहरी, कभी-कभी अभूतपूर्व घटना से प्राप्त होने वाले मुनाफे पर कर लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
  - उदाहरण के लिए, रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि।
  - अप्रत्याशित लाभ को "बिना किसी अतिरिक्त प्रयास या व्यय के आय में अनर्जित, अप्रत्याशित लाभ" के रूप में परिभाषित किया गया है।
- ये वे लाभ हैं जिनका श्रेय कंपनी द्वारा सक्रिय रूप से की गई किसी निवेश रणनीति या व्यवसाय के विस्तार को नहीं दिया जा सकता।
- सरकारें आम तौर पर ऐसे मुनाफ़े पर कर की सामान्य दरों के अलावा पूर्वव्यापी कर लगाती हैं, जिसे अप्रत्याशित कर कहा जाता है।
- एक क्षेत्र जहां इस तरह के करों पर नियमित रूप से चर्चा की गई है वह तेल बाजार है, जहां कीमत में उतार-चढ़ाव उद्योग के लिए अस्थिर या अनियमित मुनाफे का कारण बनता है।

61.व्यापार घाटा

- व्यापार घाटा वह राशि है जिससे किसी देश के आयात की लागत उसके निर्यात से अधिक हो जाती है।
- यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मापने का एक तरीका है, और इसे व्यापार का नकारात्मक संतुलन भी कहा जाता है।
- इसकी गणना किसी देश के निर्यात के कुल मूल्य को उसके आयात के कुल मूल्य से घटाकर की जा सकती है।

62.यमुना नदी

- यमुना नदी, गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है, जो हिमालय की मसूरी रेंज में बंदरपूंछ चोटियों के पास यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।
- यह उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली से बहती हुई उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम में गंगा से मिलती है।
- महत्वपूर्ण बांध: लखवार-व्यासी बांध (उत्तराखंड), ताजेवाला बैराज बांध (हरियाणा) आदि।
- महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ: चंबल, सिंध, बेतवा और केन।

63.छठ पूजा

- सूर्य देव और उनकी पत्नी उषा को समर्पित एक हिंदू त्योहार, जो पृथ्वी पर जीवन की प्रचुरता प्रदान करने के लिए उन्हें धन्यवाद देता है।
- प्रसिद्ध छठ पूजा के दौरान पूजी जाने वाली देवी को छठी मैया (सूर्य देव की पत्नी उषा के नाम से भी जाना जाता है) के नाम से जाना जाता है।
- छठ शब्द का अर्थ छठा है और यह त्योहार हिंदू चंद्र बिक्रम संबत कैलेंडर के कार्तिक महीने के छठे दिन मनाया जाता है।
- चार दिनों की अवधि में मनाए जाने वाले अनुष्ठानों में पवित्र स्नान, उपवास, लंबे समय तक पानी में खड़े रहना और डूबते और उगते सूरज को प्रार्थना और भोजन देना शामिल है।
- परवैतिन कहलाने वाली मुख्य उपासक आमतौर पर महिलाएं होती हैं।
- नेपाल के मिथिला प्रांत, नेपाल के तराई-मधेश क्षेत्र, भारतीय राज्यों बिहार, झारखंड और यूपी में सबसे अधिक व्यापक रूप से देखा गया।

64.निर्भय मिसाइल

- निर्भय एक लंबी दूरी की सबसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे कई प्लेटफार्मों से तैनात किया जा सकता है।
- यह 100 मीटर से भी कम ऊंचाई पर 0.7 मैक (सबसोनिक) गति से घूमने और परिभ्रमण करने में सक्षम है।
- यह परमाणु हथियार ले जा सकती है।
- इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है

65.नारियल विकास बोर्ड

- यह भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- उत्पादकता वृद्धि और उत्पाद विविधीकरण पर ध्यान देने के साथ देश में नारियल उत्पादन और उपयोग के एकीकृत विकास के लिए स्थापित किया गया।
- कार्य
  - नारियल उद्योग के विकास हेतु उपाय अपनाना।
  - नारियल की खेती और उद्योग में लगे लोगों को तकनीकी सलाह प्रदान करना।
  - नारियल के अधीन क्षेत्र के विस्तार हेतु वित्तीय एवं अन्य सहायता प्रदान करना।
  - नारियल और उसके उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने को प्रोत्साहित करना।
  - नारियल और उसके उत्पादों के लिए प्रोत्साहन मूल्य प्राप्त करने के उपाय अपनाना।

- नारियल और उसके उत्पादों के विपणन में सुधार के लिए उपायों की सिफारिश करना।
- नारियल और उसके उत्पादों के आयात और निर्यात को विनियमित करने के उपायों की सिफारिश करना।
- नारियल और उसके उत्पादों के लिए ग्रेड, विशिष्टताएं और मानक तय करना।

- मंत्रालय: कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय।

66.एक्सरसाइज मित्र शक्ति, 2023

- यह भारत और श्रीलंकाई सेना के बीच एक संयुक्त सैन्य एक्सरसाइज है।
- उद्देश्य: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत उप-पारंपरिक संचालन के संचालन का संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास करना।
- एक्सरसाइज के दायरे में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान संयुक्त प्रतिक्रियाओं में तालमेल बिठाना शामिल है।
- इसके अलावा, आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन (एएमएआर), कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी एक्सरसाइज पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे।
- इसमें हेलीकॉप्टरों के अलावा ड्रोन और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणालियों का उपयोग भी शामिल होगा।
- आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान हेलीपैडों को सुरक्षित करने और हताहतों को निकालने के अभ्यास का भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से अभ्यास किया जाएगा।
- सामूहिक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित रहेगा
  - सैनिकों के बीच अंतरसंचालनीयता का उन्नत स्तर प्राप्त करना
  - शांति अभियानों के दौरान संयुक्त राष्ट्र के हितों और एजेंडे को सबसे आगे रखते हुए जीवन और संपत्ति के जोखिम को कम करना।
- 120 कर्मियों की भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा किया जा रहा है।
- अभ्यास में भारतीय वायु सेना और श्रीलंकाई वायु सेना के कर्मी भी भाग ले रहे हैं।
- यह नौवें 'मित्र शक्ति' को दोनों देशों के बीच पहला द्विपक्षीय और द्वि-सेवा अभ्यास बनाता है।

67.लियोनिड उल्कापात

- यह धूमकेतु टेम्पेल-टटल द्वारा छोड़ी गई धूल और मलबे के कारण होता है।
- शावर को लियो तारामंडल के नाम पर कहा जाता है, जहाँ से उल्काएँ निकलती हुई दिखाई देती हैं।
- यह टेम्पेल-टटल धूमकेतु 33 वर्षों के नियमित अंतराल पर सूर्य का चक्कर लगाता है।
- जब धूमकेतु सूर्य के पास से गुजरता है, तो यह गर्म हो जाता है और एक टन पदार्थ छोड़ता है, जिससे इसके चारों ओर धूल और गैस का घना बादल बन जाता है।
- यह बादल धूमकेतु के घेरे का अनुसरण करता है और लंबे समय तक फैन आउट रहता है।
- जैसे ही पृथ्वी प्रत्येक वर्ष नवंबर के मध्य में धूमकेतु की कक्षा को पार करती है, उसे इस धूल के बादल का सामना करना पड़ सकता है।
- इससे आकाश में प्रकाश की चमकीली धारियाँ बनने लगती हैं जिन्हें लियोनिड उल्कापात के नाम से जाना जाता है।
- लियोनिड्स कभी-कभी उल्का तूफान पैदा करने के लिए जाने जाते हैं, जैसा कि उल्काओं के अधिक प्रवाह से वर्णित है।

68.वास्प-107B

- यह एक नया खोजा गया एक्सोप्लैनेट है जो वर्गो तारामंडल में 200 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।
- वास्प-107 B का द्रव्यमान 30.5 पृथ्वी है, और इसे अपने गृह तारे की परिक्रमा करने में केवल छह दिन लगते हैं, जो हमारे सूर्य की तुलना में थोड़ा ठंडा और कम विशाल है।
- इसका आकार बृहस्पति जैसा है लेकिन इसका द्रव्यमान नेपच्यून जैसा है, जो इसे अन्य गैस दिग्गजों की तुलना में कम घना बनाता है।
- ग्रह के कम घनत्व ने खगोलविदों को बृहस्पति जैसे अधिक घने ग्रहों के लिए प्राप्त अवलोकनों की तुलना में ग्रह के वायुमंडल में 50 गुना अधिक गहराई से देखने की अनुमति दी।
- एक्सोप्लैनेट अत्यधिक गर्म है (बाहरी वातावरण 900 डिग्री फ़ारेनहाइट से अधिक है)।

- वास्प-107 B पृथ्वी के समान एक जल चक्र प्रदर्शित करता है, लेकिन एक अजीब अंतर के साथ: पानी की बूंदों के बजाय, ग्रह 'मिट्टी की बारिश' का अनुभव करता है।
- गिरते हुए दाने, वास्तव में, निचले वायुमंडलीय स्तर से उठने वाले सिलिकेट वाष्प हैं।
- वैज्ञानिकों ने वास्प-107 B के वातावरण में जल वाष्प और सल्फर डाइऑक्साइड की भी पहचान की है।

69.म्यांमार में गृहयुद्ध

- भारत के विदेश मंत्रालय ने म्यांमार के चिन राज्य के रिखवदार इलाके में चल रहे संघर्ष पर चिंता व्यक्त की है।
- यह विवाद मिज़ोरम में ज़ौखथार के सामने भारत के साथ सीमा के करीब है।
- इस विवाद के कारण म्यांमार के नागरिक भारतीय सीमा में आ गए हैं।
- 1 फरवरी, 2021 को सेना द्वारा सत्ता पर कब्ज़ा करने के बाद से म्यांमार में लगतार संघर्षों से घिरा हुआ है।
- प्रतिरोध बलों ने भीषण संघर्ष के बाद भारत-म्यांमार सीमा के करीब दो शहरों पर कब्जा कर लिया है।
- रिखवदार के पतन के परिणामस्वरूप मिजोरम में लगभग 5,000 शरणार्थियों का आगमन हुआ।

70.प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को अक्सर पारंपरिक उधार चैनलों के माध्यम से बैंकों से ऋण प्राप्त करना मुश्किल होता है
- इसे हल करने के लिए, भारत सरकार ने वर्ष 2015 में प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (PMMY) शुरू की गई थी ।
- PMMY गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करता है।
- MUDRA, का मतलब माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड है, यह ऋण प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा स्थापित वित्तीय संस्थान है।
- मुद्रा गैर-कॉर्पोरेट लघु व्यवसाय क्षेत्र को बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) जैसे विभिन्न अंतिम-मील वित्तीय संस्थानों के माध्यम से वित्त पोषण प्रदान करता है।
- पात्र लोग उपरोक्त किसी भी संस्थान से ऋण के लिए आवेदन करके PMMY के तहत लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

71.C-130J सुपर हरक्यूलिस

- यह चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप सैन्य परिवहन विमान है।
- यह C-130 हरक्यूलिस का नवीनतम उत्पादन संस्करण है।
- इसने उत्पादन में, पिछले C-130H का स्थान ले लिया।
- C-130J सुपर हरक्यूलिस ने वर्ष 1996 में अपनी पहली उड़ान भरी थी ।
- यह अमेरिकी वायु सेना का प्रमुख सामरिक कार्गो और कार्मिक परिवहन विमान है।
- इसे अमेरिकी सुरक्षा और एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित किया गया था।
- यह मुख्य रूप से एयरलिफ्ट मिशन के सामरिक हिस्से को निष्पादित करता है, उबड़-खाबड़, गंदगी वाली पट्टियों से संचालन करने में सक्षम है, और शत्रुतापूर्ण क्षेत्रों में सैनिकों और उपकरणों को एयरड्रॉप करने के लिए मुख्य परिवहन है।
- सबसे बड़े ऑपरेटर अमेरिकी वायु सेना, यूएस मरीन कॉर्प्स, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, इटली और यूनाइटेड किंगडम हैं।

72.कॉस्मिक वाइन

- यह एक विशाल "बेल जैसी संरचना" है जो 20 आकाशगंगाओं को घेरती है और 13 प्रकाश वर्ष से अधिक तक फैली हुई है।
- शोधकर्ताओं ने इसे रेडशिफ्ट 3.44 पर आंका है, जिसका अर्थ है कि यह प्रारंभिक ब्रह्मांड में स्थित है।
  - रेडशिफ्ट उस तरीके को संदर्भित करता है जिस तरह से प्रकाश समय के साथ लंबी दूरी तय करते समय फैलता है, उच्च रेडशिफ्ट से संकेत मिलता है कि कोई वस्तु पुरानी है
- 3.44 के रेडशिफ्ट का मतलब होगा कि कॉस्मिक वाइन से प्रकाश JWST तक पहुंचने से पहले 11 से 12 अरब वर्षों के बीच यात्रा कर रहा है।
- संदर्भ प्रदान करने के लिए, वर्तमान पद्धतियाँ ब्रह्मांड की आयु 13.7 अरब वर्ष का अनुमान लगाती हैं।

73.वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (GTCI)

- यह बिजनेस स्कूलों की प्रतिष्ठित श्रृंखला, INSEAD द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक बेंचमार्किंग रिपोर्ट है।
- यह मापता है कि देश किस प्रकार प्रतिभा को आकर्षित करते हैं और बनाए रखते हैं।
- यह निर्णय निर्माताओं को वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धात्मकता की तस्वीर को समझने और उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए रणनीति विकसित करने के लिए एक अनूठा संसाधन प्रदान करता है।
- सूचकांक दो उप-सूचकांकों अर्थात् इनपुट और आउटपुट का उपयोग करता है।
  - इनपुट विनियामक और व्यावसायिक वातावरण के साथ-साथ प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों को मापता है।
  - आउटपुट पक्ष प्रतिभा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करता है।

74.वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी (PGII)

- यह एक विकासात्मक पहल है जिसका उद्देश्य विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे के अंतर को कम करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाने में मदद करना है।
- बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा पहली बार जून 2021 में यूके में G7 शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- फंडिंग: इसका उद्देश्य अनुदान और निवेश के माध्यम से परियोजनाओं का निर्माण करना है।
- फोकस क्षेत्र: विकासशील दुनिया में मानव बुनियादी ढांचे का निर्माण और शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार।

75.नेस्ट (NEST) पहल

- हाल ही में, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) ने 'नेस्ट' नामक एक रेटिंग और प्रमाणन पहल शुरू की है।
- इसका उद्देश्य घरेलू आवास क्षेत्र में टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण को बढ़ावा देना है।
- यह व्यक्तिगत घर मालिकों और आवासीय क्षेत्र के लिए हरित भवन सुविधाओं को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- इससे बिजली की खपत और पानी के उपयोग को कम करने और एक स्वस्थ रहने की जगह बनाने में मदद मिलेगी।

76.ई प्राइम लेयर

- ऐसा माना जाता था कि कोर और मेंटल के बीच भौतिक आदान-प्रदान छोटा होता है।
- लेकिन प्रयोगों से पता चला कि जब पानी कोर-मेंटल सीमा तक पहुंचता है, तो यह कोर में सिलिकॉन के साथ प्रतिक्रिया करता है, जिससे सिलिका बनता है।

यह परत कैसे विकसित हुई?

- इस नवीनतम शोध से पता चलता है कि सतह के पानी को ले जाने वाली टेक्टोनिक प्लेटों ने इसे अरबों वर्षों में पृथ्वी के अंदर पहुंचाया है।
- सतह से लगभग 1,800 मील नीचे कोर-मेंटल सीमा तक पहुंचने पर, यह पानी महत्वपूर्ण रासायनिक परिवर्तन शुरू करता है, जो कोर की संरचना को प्रभावित करता है।
- वैज्ञानिकों ने देखा है कि उच्च दबाव में अंतर्वाहित पानी मुख्य सामग्रियों के साथ रासायनिक रूप से प्रतिक्रिया करता है।
- इस प्रतिक्रिया से बाहरी कोर पर हाइड्रोजन-समृद्ध, सिलिकॉन-रहित परत का निर्माण होता है, जो एक फिल्म जैसी संरचना जैसा दिखता है।
- इस प्रक्रिया से उत्पन्न सिलिका क्रिस्टल चढ़ते हैं और मेंटल में मिल जाते हैं, जिससे समग्र संरचना प्रभावित होती है।
- तरल धातु परत में इन संशोधनों के परिणामस्वरूप संभावित रूप से घनत्व कम हो सकता है और भूकंपीय विशेषताओं में बदलाव हो सकता है, जो भूकंप विज्ञानियों द्वारा पता लगाए गए विसंगतियों के अनुरूप होगा।

महत्व

- यह खोज पृथ्वी के आंतरिक तंत्र के बारे में शोधकर्ताओं की समझ को बढ़ाती है, जो पहले की तुलना में व्यापक और अधिक जटिल वैश्विक जल चक्र का संकेत देती है।
- कोर में रूपांतरित परत गहरे धात्विक कोर के साथ सतही जल चक्रों को जोड़ने वाली परस्पर जुड़ी भू-रासायनिक प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती है।

77.चिमेरास

- आनुवंशिक काइमेरा एक एकल जीव है जो एक से अधिक विशिष्ट जीनोटाइप (या आनुवंशिक संरचना) की कोशिकाओं से बना होता है।
- जीवोके साम्राज्य में काइमेरावाद की अलग-अलग डिग्री के कई उदाहरण हैं।
  - हाफ **-साइडर बडगेरिगर** , एक प्रकार का आम तोता है जिसे व्यापक रूप से पालतू जानवरों के रूप में अपनाया जाता है, काइमेरावाद के कारण इसके शरीर के दोनों तरफ अलग-अलग रंग होते हैं।
  - **एंगलरफ़िश:** नर मछली के साथ विलीन हो जाती है और अंततः मादा मछली में समाहित हो जाती है, जिससे उनकी आनुवंशिक संरचना एक ही जानवर में मिल जाती है।
  - **समुद्री स्पंजों** में एक ही जीव में चार अलग-अलग जीनोटाइप होते हैं।

78.प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

- यह प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है।
- इसका उद्देश्य स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना और व्यापक अनुप्रयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकी के अनुकूलन को बढ़ावा देना है।
- बोर्ड में 11 बोर्ड सदस्य होते हैं।
- यह औद्योगिक संस्थाओं को इक्विटी पूंजी या ऋण और अनुसंधान और विकास संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- फंड को वर्ष 1995 में संशोधित अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक चिंताओं से उपकर संग्रह से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त हो रहा है।

79.नाइट्रोजन-9 नाभिक

- इसकी विशेषता सात प्रोटॉन और दो न्यूट्रॉन हैं - जो असामान्य रूप से उच्च प्रोटॉन-टू-न्यूट्रॉन अनुपात है।
- इस असमानता का आइसोटोप की स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, जो इसकी क्षय प्रक्रियाओं के साथ-साथ समग्र व्यवहार को भी प्रभावित करता है।
- एक के लिए, उच्च प्रोटॉन सामग्री नाइट्रोजन-9 परमाणुओं को पारंपरिक स्थिरता सीमा से परे रखती है।
- अधिकांश नाइट्रोजन आइसोटोप नाइट्रोजन-14 के रूप में आता है, जिसमें सात प्रोटॉन और सात न्यूट्रॉन होते हैं, लेकिन भौतिकविदों का कहना है कि उन्होंने केवल दो न्यूट्रॉन के साथ कहीं अधिक मायावी संस्करण की झलक देखी है।

80.अग्रिम जमानत

- यह किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी की प्रत्याशा और आशंका में दी गई जमानत है।
- सीआरपीसी की धारा 438 के तहत, कोई भी व्यक्ति जो यह समझता है कि उस पर गैर-जमानती अपराध के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है, वह अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकता है।
- आवेदन उच्च न्यायालय या सत्र न्यायालय में किया जाएगा, जहां अपराध होने का आरोप है।
- अग्रिम जमानत गिरफ्तारी से पहले की जमानत है, और यदि न्यायालय ने अग्रिम जमानत दे दी है तो पुलिस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकती है।
- इसका मतलब उस व्यक्ति के लिए एक सुरक्षा उपाय है जिसके खिलाफ झूठे आरोप या आरोप लगाए गए हैं, जो आमतौर पर पेशेवर या व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण होता है, क्योंकि यह गिरफ्तार होने से पहले ही झूठे आरोपी व्यक्ति की रिहाई सुनिश्चित करता है।

81.जोखिम भार

- यह बैंक द्वारा उधार दिया गया प्रत्येक रुपया एक लागत है या उसकी पूंजी स्थिति पर प्रभाव डालता है।
- जोखिम-भारित परिसंपत्तियाँ: इनका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि किसी बैंक को अपनी उधार गतिविधियों और अन्य परिसंपत्तियों के जोखिम प्रोफाइल के संबंध में कितनी पूंजी रखनी चाहिए।

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने अप्रैल 1992 में बेसल समिति द्वारा निर्धारित पूंजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुरूप पूंजी पर्याप्तता उपाय के रूप में भारत में बैंकों (विदेशी बैंकों सहित) के लिए जोखिम-परिसंपत्ति अनुपात प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया।
- प्रभाव
- जोखिम भार कम करें, ब्याज दर कम करें इसलिए, जोखिम भार उधारकर्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालता है और ऋण के मूल्य निर्धारण के माध्यम से महसूस किया जाता है।
- आरबीआई द्वारा जोखिम भार में वृद्धि से एनबीएफसी के लिए फंडिंग लागत बढ़ जाएगी और पूंजी आवश्यकताओं पर असर पड़ेगा।

82.वायुमंडलीय तरंग प्रयोग (AWE)

- यह अपनी तरह का पहला नासा प्रयोगात्मक प्रयास है जिसका उद्देश्य स्थलीय और अंतरिक्ष मौसम के बीच बातचीत का अध्ययन करना है।
- इसकी योजना नासा के हेलियोफिजिक्स एक्स्प्लोरर्स प्रोग्राम के तहत बनाई गई है। यह मिशन वायुमंडल की निचली परतों में तरंगें ऊपरी वायुमंडल और इस प्रकार, अंतरिक्ष के मौसम को कैसे प्रभावित करती हैं, के बीच संबंधों का अध्ययन करेगी।
- इसे लॉन्च किया जाएगा और पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बाहरी हिस्से पर स्थापित किया जाएगा।
- सुविधाजनक बिंदु से, यह पृथ्वी की ओर देखेगा और रंगीन प्रकाश बैंडों को रिकॉर्ड करेगा, जिन्हें आमतौर पर एयरग्लो के रूप में जाना जाता है।
- नासा का नया मिशन ऊपरी वायुमंडल में अंतरिक्ष के मौसम को संचालित करने वाली ताकतों के संयोजन को समझने की कोशिश करेगा।
- यह मेसोपॉज (पृथ्वी की सतह से लगभग 85 से 87 किमी ऊपर) में वायु की चमक को मापेगा, जहां वायुमंडलीय तापमान शून्य से 100 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है।
- इस ऊंचाई पर, इन्फ्रारेड बैंडविड्थ में हल्की एयरग्लो को पकड़ना संभव है, जो सबसे चमकदार प्रतीत होता है, जिससे आसानी से पता लगाया जा सकता है।
- यह उन ऊंचाइयों पर उपग्रहों द्वारा आमतौर पर देखी जा सकने वाली तरंगों की तुलना में अधिक सूक्ष्म क्षैतिज पैमाने पर तरंगों को हल करने में सक्षम होगा, जो मिशन को अद्वितीय बनाता है।
- आयनमंडल का स्वास्थ्य, जिसकी निचली परतें अंतरिक्ष के किनारे पर स्थित हैं, निर्बाध संचार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

83.टैंटलम

- यह भूरे, भारी, बहुत कठोर और आज उपयोग में आने वाली सबसे अधिक संक्षारण प्रतिरोधी धातुओं में से एक है।
- इस दुर्लभ धातु का नाम ग्रीक पौराणिक व्यक्ति टैंटलस के नाम पर रखा गया है।

गुण

- यह ग्रे, भारी, बहुत कठोर है और आज उपयोग में आने वाली सबसे अधिक संक्षारण प्रतिरोधी धातुओं में से एक है।
- इसमें उच्च संक्षारण प्रतिरोध होता है, क्योंकि हवा के संपर्क में आने पर, यह एक ऑक्साइड परत बनाता है जिसे मजबूत और गर्म एसिड वातावरण के साथ संपर्क करने पर भी हटाना बेहद मुश्किल होता है।
- शुद्ध होने पर, टैंटलम लचीला होता है, जिसका अर्थ है कि इसे बिना टूटे पतले तार या धागे में खींचा, खींचा या खींचा जा सकता है।
- यह 150 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रासायनिक हमले के प्रति लगभग पूरी तरह से प्रतिरक्षित है और केवल हाइड्रोफ्लोरिक एसिड, फ्लोराइड आयन युक्त अम्लीय समाधान और मुक्त सल्फर ट्राइऑक्साइड द्वारा हमला किया जाता है।
- इसका गलनांक अत्यंत उच्च होता है, जो केवल टंगस्टन और रेनियम से अधिक होता है।
- जब इसे अम्लों के बीच में रखा जाता है, तो यह उनमें से किसी को भी ग्रहण करने में असमर्थ होता है।

84.वज्र प्रहार

- यह भारतीय सेना और अमेरिकी सेना के विशेष बलों के बीच आयोजित एक संयुक्त अभ्यास है।
- इसका उद्देश्य संयुक्त मिशन योजना और परिचालन रणनीति जैसे क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करना है।
- यह भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास "वज्र प्रहार 2023" का 14वां संस्करण है, जो संयुक्त प्रशिक्षण नोड, उमरोई में शुरू हुआ।
- अमेरिकी दल का प्रतिनिधित्व अमेरिकी विशेष बलों के प्रथम विशेष बल समूह (SFG) के कर्मियों द्वारा किया जाता है। भारतीय सेना दल का नेतृत्व पूर्वी कमान के विशेष बल के कर्मियों द्वारा किया जाता है।
- पहला संस्करण 2010 में भारत में आयोजित किया गया था, और भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास का 13 वां संस्करण विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल (एसएफटीएस), बकलोह (एचपी) में आयोजित किया गया था।
- वर्तमान संस्करण 21 नवंबर से 11 दिसंबर 2023 तक उमरोई छावनी, मेघालय में आयोजित किया जा रहा है।
- यह भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाने और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक मंच भी है।

85.गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC)

- एनबीएफसी कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत एक कंपनी है जो ऋण और अग्रिम, सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा जारी शेयरों/स्टॉक/बॉन्ड/डिबेंचर/प्रतिभूतियों के अधिग्रहण या समान प्रकृति की अन्य विपणन योग्य प्रतिभूतियों के व्यवसाय में लगी हुई है।
- वे विभिन्न बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करते हैं लेकिन उनके पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं है।
- वे ऋण, क्रेडिट सुविधाएं, टीएफसी, सेवानिवृत्ति योजना, निवेश और मुद्रा बाजार में स्टॉकिंग जैसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।
- आम तौर पर, इन संस्थानों को जनता से पारंपरिक मांग जमा, जैसे चेकिंग या बचत खाते, लेने की अनुमति नहीं है।
- एनबीएफसी चिट-रिजर्व और अग्रिम जैसी व्यापक मौद्रिक सलाह भी प्रदान करते हैं।
- भारत के केंद्रीय बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा विनियमित।
- आरबीआई के पास एनबीएफसी को लाइसेंस जारी करने, उनके संचालन को विनियमित करने और यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि वे स्थापित मानदंडों और विनियमों का पालन करें।
- एनबीएफसी उधार देते हैं और निवेश करते हैं, इसलिए उनकी गतिविधियां बैंकों के समान हैं, हालांकि,
  - एनबीएफसी मांग जमा स्वीकार नहीं कर सकता;
  - एनबीएफसी भुगतान और निपटान प्रणाली का हिस्सा नहीं बनते हैं और स्वयं आहरित चेक जारी नहीं कर सकते हैं;
  - बैंकों के विपरीत, जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम की जमा बीमा सुविधा एनबीएफसी के जमाकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है।
  - बैंकों के विपरीत, एनबीएफसी पर कड़े और पर्याप्त नियमों का पालन नहीं किया जाता है।
- एनबीएफसी के उदाहरणों में निवेश बैंक, बंधक ऋणदाता, मुद्रा बाजार फंड, बीमा कंपनियां, उपकरण पट्टे पर देने वाली कंपनियां, बुनियादी ढांचा वित्त कंपनियां, हेज फंड, निजी इक्विटी फंड और P2P ऋणदाता शामिल हैं।

86.राजद्रोह कानून (धारा 124A आईपीसी)

- यह राजद्रोह को उस अपराध के रूप में परिभाषित करता है जो तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति शब्दों के माध्यम से, चाहे मौखिक रूप से या लिखित रूप से, या संकेतों द्वारा या दृश्य प्रतिनिधित्व द्वारा, या अन्यथा घृणा या अवमानना लाने या उकसाने का प्रयास करता है या भारत में कानून द्वारा स्थापित सरकार के प्रति असंतोष पैदा करने का प्रयास करता है।
- राजद्रोह के अपराध के लिए सज़ा
  - यह एक गैर जमानती अपराध है
  - इस कानून के तहत आरोपित व्यक्ति को सरकारी नौकरी से रोक दिया जाता है
  - उन्हें अपने पासपोर्ट के बिना रहना होगा और आवश्यकता पड़ने पर हर समय अदालत में उपस्थित होना होगा।
  - सज़ा तीन साल तक की कैद से लेकर आजीवन कारावास तक है, जिसमें जुर्माना भी जोड़ा जा सकता है।

87.एयरग्लो

- एयरग्लो पृथ्वी के वायुमंडल की प्राकृतिक "चमक" है जो हर समय और पूरे विश्व में होती है।
- यह घटना ऑरोरा के समान है, लेकिन एयरग्लो सामान्य, दिन-प्रतिदिन के सौर विकिरण से सक्रिय होता है।
  - अरोरा सौर पवन से उत्पन्न होने वाले उच्च-ऊर्जा कणों द्वारा संचालित होते हैं,
- अरोरा के विपरीत, एयरग्लो चाप जैसी संरचनाओं का प्रदर्शन नहीं करता है और हर समय सभी अक्षांशों पर पूरे आकाश से उत्सर्जित होता है।
- एयरग्लो तीन प्रकार के होते हैं: डेग्लो, ट्वाइलाइटग्लो और नाइटग्लो।
- प्रत्येक वायुमंडल में अणुओं के साथ सूर्य के प्रकाश की परस्पर क्रिया का परिणाम है, लेकिन उनके बनने का अपना विशेष तरीका है।
- सबसे आम एयरग्लो रंग हरा, लाल और नीला हैं।
  - हालाँकि, अन्य रंग भी होते हैं।

88.वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES)

- यह सुनिश्चित करने के लिए सरकारों के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता कि जंगली जानवरों और पौधों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उनके अस्तित्व को खतरा न हो।
- इसमें 184 सदस्य दल हैं, और 38,000 से अधिक प्रजातियों में व्यापार विनियमित है।
- हालाँकि CITES पार्टियों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है, लेकिन यह राष्ट्रीय कानूनों की जगह नहीं लेता है।
- CITES सचिवालय संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा प्रशासित है और जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- CITES देशों के प्रतिनिधि हर दो से तीन साल में पार्टियों के सम्मेलन (या COP) में प्रगति की समीक्षा करने और संरक्षित प्रजातियों की सूचियों को समायोजित करने के लिए मिलते हैं, जिन्हें सुरक्षा के विभिन्न स्तरों के साथ तीन श्रेणियों में बांटा गया है:
  - परिशिष्ट I: इसमें विलुप्त होने के खतरे वाली प्रजातियाँ शामिल हैं और यह वाणिज्यिक व्यापार पर प्रतिबंध सहित सुरक्षा का सबसे बड़ा स्तर प्रदान करता है।
  - परिशिष्ट II: इसमें ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जिन्हें वर्तमान में विलुप्त होने का खतरा नहीं है, लेकिन व्यापार नियंत्रण के बिना ऐसा हो सकता है। विनियमित व्यापार की अनुमति तब दी जाती है जब निर्यातक देश इस निष्कर्ष के आधार पर परमिट जारी करता है कि नमूने कानूनी रूप से प्राप्त किए गए थे।
    - व्यापार प्रजातियों के अस्तित्व या पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी भूमिका के लिए हानिकारक नहीं होगा।
  - परिशिष्ट III: इसमें वे प्रजातियाँ शामिल हैं जिनके लिए एक देश ने अन्य CITES पार्टियों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए कहा है।

89.जोखिम भार

- भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और एनबीएफसी द्वारा उपभोक्ता ऋण पर जोखिम भार को बढ़ाकर 125% कर दिया है, जो पहले 100% था।
- बैंक द्वारा उधार दिया गया प्रत्येक रुपया एक लागत है या उसकी पूंजी स्थिति पर प्रभाव डालता है।
- जोखिम-भारित परिसंपत्तियाँ: इनका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि बैंक को अपनी उधार गतिविधियों और अन्य परिसंपत्तियों के जोखिम प्रोफ़ाइल के संबंध में न्यूनतम पूंजी कितनी रखनी चाहिए।
- भारतीय रिज़र्व बैंक ने अप्रैल 1992 में बेसल समिति द्वारा निर्धारित पूंजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुरूप पूंजी पर्याप्तता उपाय के रूप में भारत में बैंकों (विदेशी बैंकों सहित) के लिए जोखिम-परिसंपत्ति अनुपात प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया।
- जोखिम भार उधारकर्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालता है और ऋण के मूल्य निर्धारण के माध्यम से महसूस किया जाता है।
  - जोखिम भार कम करें, ब्याज दर कम करें।
- आरबीआई द्वारा जोखिम भार में वृद्धि से एनबीएफसी के लिए फंडिंग लागत बढ़ जाएगी और पूंजी आवश्यकताओं पर असर पड़ेगा।

90.घोल मछली

- दुनिया के कई हिस्सों में इसे ब्लैक स्पॉटेड क्रोकर मछली के नाम से भी जाना जाता है।
- घोल मछली को न केवल स्वादिष्ट माना जाता है बल्कि कई देशों में इसके औषधीय गुणों के लिए भी इसकी सराहना की जाती है।
- इसका ब्लैडर गुजरात के उच्च मूल्य वाले निर्यातों में से एक है।
- इसमें आयोडीन, ओमेगा-3, डीएचए, ईपीए, आयरन, टॉरिन, मैग्नीशियम, फ्लोराइड से लेकर सेलेनियम तक विभिन्न पोषक तत्व हैं, यह समृद्ध पोषक तत्वों से भरपूर है।
- यह मछली भारत-प्रशांत क्षेत्र में फारस की खाड़ी से लेकर प्रशांत महासागर तक व्यापक रूप से वितरित की जाती है।
- प्रदूषण के स्तर ने इन मछलियों को किनारे से गहरे समुद्र में स्थानांतरित कर दिया है।

91.हलाल प्रमाणीकरण

- यह गारंटी देता है कि भोजन इस्लामी कानून के अनुसार तैयार किया गया है और मिलावट रहित है।
- यह यह भी सुनिश्चित करता है कि उत्पाद में कोई भी "निषिद्ध" घटक शामिल नहीं है, और यह "अशुद्ध" माने जाने वाले किसी भी पदार्थ या वस्तु के संपर्क में नहीं आया है।
- यह मुख्य रूप से मांस उत्पादों और अन्य खाद्य उत्पादों जैसे दूध, डिब्बाबंद भोजन और एडिटिव्स पर लागू होता है।
- भारत में, हलाल प्रमाणीकरण आमतौर पर तीसरे पक्ष की संस्था द्वारा प्रदान किया जाता है।
- भारत में हलाल प्रमाणन प्रदान करने वाली कुछ निजी कंपनियों में एमटीआर, वेंकीज़, सूफ़ी और मैकडॉनल्ड्स शामिल हैं।

92.एशियाई विकास बैंक (ADB)

- हाल ही में, L&T फाइनेंस ने ग्रामीण उधारकर्ताओं को समर्थन देने के लिए ADB के साथ $125 मिलियन के वित्तपोषण समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1966 में स्थापित एडीबी का स्वामित्व 68 सदस्यों के पास है, जिनमें से 49 इस क्षेत्र से हैं।
- यह अत्यधिक गरीबी उन्मूलन के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए एक समृद्ध, समावेशी, लचीला और टिकाऊ एशिया और प्रशांत क्षेत्र प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- इसके अलावा, यह सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्विटी निवेश प्रदान करके सदस्यों और भागीदारों की सहायता करता है।
- इसका उद्देश्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस.

93.अंगकोरवाट

- अंगकोर वाट एक विशाल मंदिर परिसर और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- यह स्थान दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है जो हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है।
- 12वीं शताब्दी में राजा सूर्यवर्मन द्वितीय द्वारा निर्मित, अंगकोर वाट मूल रूप से हिंदू देवता विष्णु को समर्पित था।
  - हालाँकि, समय के साथ, यह एक बौद्ध मंदिर में बदल गया।
- हिंदू धर्म से बौद्ध धर्म में परिवर्तन मंदिर की दीवारों पर सजी जटिल नक्काशी में स्पष्ट है, जिसमें हिंदू और बौद्ध पौराणिक कथाओं के दृश्य दर्शाए गए हैं।
- अंगकोर वाट मंदिर पर्वत (साम्राज्य के राज्य मंदिरों के लिए मानक डिजाइन) और संकेंद्रित दीर्घाओं की बाद की योजना का एक अनूठा संयोजन है, जिनमें से अधिकांश मूल रूप से हिंदू धर्म की धार्मिक मान्यताओं से प्राप्त हुए थे।

- अंगकोरवाट के निर्माण से पता चलता है कि मंदिर की कुछ विशेषताओं के साथ इसका दिव्य महत्व भी था।
- केंद्रीय मंदिर परिसर समरूपता और सटीकता का चमत्कार है, जिसमें पांच कमल के आकार के टावर हैं जो माउंट मेरु का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हिंदू और बौद्ध ब्रह्मांड विज्ञान में देवताओं का पौराणिक निवास है।
- अंगकोर वाट की दीवारों पर सजी जटिल आधार-राहतें एक प्राचीन दृश्य विश्वकोश की तरह हैं, जो हिंदू महाकाव्यों, ऐतिहासिक घटनाओं और खमेर लोगों के दैनिक जीवन के दृश्यों को दर्शाती हैं।

94.भारत में 4 दुर्लभ बीमारियों के लिए जेनेरिक दवाएं उपलब्ध

- जेनेरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं के किफायती संस्करण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिन्हें मूल दवा निर्माता का पेटेंट समाप्त होने के बाद बाजार में लाया जाता है।
- इन दवाओं की क्षमता, गुणवत्ता और प्रभाव समान हैं और ब्रांडेड दवा के समान ही काम करती हैं।
- भारत में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चार दुर्लभ बीमारियों के लिए जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई हैं।
- इनमें टायरोसिनेमिया-टाइप 1, गौचर्स रोग, विल्सन रोग और ड्रेवेट-लेनोक्स गैस्टॉट सिंड्रोम शामिल हैं।
- उद्देश्य: इन दवाओं की लागत को उनके मौजूदा बाजार मूल्य से 60 से 100 गुना तक कम करना।
- फेनिलकेटोनुरिया और हाइपरअमोनमिया सहित अतिरिक्त दुर्लभ बीमारियों के लिए दवाएं अनुमोदन प्रक्रिया में हैं और आने वाले महीनों में उपलब्ध होने की उम्मीद है।
- विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकता को संबोधित करते हुए, बच्चों में सिकल सेल रोग के लिए एक दवा फॉर्मूलेशन भी उपलब्ध कराया जाएगा।
- भारत में, दुर्लभ बीमारियाँ सामूहिक रूप से 6-8% आबादी को प्रभावित करती हैं, संभावित रूप से 8.4 से 10 करोड़ लोगों को प्रभावित करती हैं।

95.मिथिम्ना पृथक्करण

- लंबे समय तक लगातार गर्म तापमान के कारण असम में गंभीर मिथिम्ना सेपरेटा कीट का संक्रमण हो सकता है, जिसने कम से कम 15 जिलों में धान की फसलों को नुकसान पहुंचाया है।
- यह एक विशिष्ट लंबी दूरी का प्रवासी कीट है जो चीन और अन्य एशियाई देशों में अनाज की फसलों का एक प्रमुख, बहुभक्षी कीट है।
- इस कीट को कान-सिर काटने वाली इल्ली, धान की बाली काटने वाली इल्ली या आर्मीवर्म के नाम से जाना जाता है।
- यह पत्तियों को खाता है और फसल के पौधे के आधार से पुष्पगुच्छों को काट सकता है।
- प्रकोप के दौरान, कीट बड़ी संख्या में बढ़ जाते हैं और फसलों को खाने और उन पर हमला करने के लिए एक खेत से दूसरे खेत में झुंड में घूमते हैं।
- शुष्कता के साथ तापमान में वृद्धि कीटों की आबादी बढ़ने के लिए अनुकूल स्थिति पैदा करती है।

96.AGNI पहल

- हाल ही में, आयुष मंत्रालय ने "आयुर्वेद ज्ञान नैपुण्य पहल" (AGNI) लॉन्च की है।
- आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए एक मंच प्रदान करना
  - विभिन्न रोग स्थितियों में उनकी नवीन प्रथाओं और अनुभवों की रिपोर्ट करें
  - आयुर्वेद चिकित्सकों के बीच साक्ष्य-आधारित प्रथाओं की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- उद्देश्य
  - आयुर्वेद चिकित्सकों के बीच साक्ष्य-आधारित प्रथाओं की रिपोर्टिंग की संस्कृति को बढ़ावा देना।
  - शिक्षा और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एकल दवा/फॉर्मूलेशन/प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न रोग स्थितियों के लिए रिपोर्ट किए गए सफल चिकित्सीय आहार का दस्तावेजीकरण करना।

- अनुसंधान विधियों और अच्छी नैदानिक प्रथाओं में प्रशिक्षण के माध्यम से अनुप्रयोगों और क्षमता निर्माण के माध्यम से डेटाबेस के निर्माण में सहयोग के लिए इच्छुक आयुर्वेद चिकित्सकों की पहचान करना।
- वैज्ञानिक सत्यापन और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के माध्यम से व्यावहारिक प्रथाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए अनुसंधान करना

97.ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (PSLV)

- यह भारत का तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान है।
- यह पहला भारतीय प्रक्षेपण यान है जो तरल चरणों से सुसज्जित है।
- यह चार चरणों वाला प्रक्षेपण यान है।
  - पहला चरण बनाने वाली एक बड़ी ठोस रॉकेट मोटर
  - दूसरे चरण के रूप में एक पृथ्वी संग्रहित द्रव्य चरण
  - तीसरे चरण के रूप में एक उच्च निष्पादन वाली ठोस रॉकेट मोटर,
  - चौथे चरण के रूप में इंजनों के साथ एक तरल चरण
- अक्टूबर 1994 में अपने पहले सफल प्रक्षेपण के बाद, पीएसएलवी भारत के विश्वसनीय और बहुमुखी लॉन्च वाहन के रूप में उभरा।
- वाहन ने 2008 में चंद्रयान 1 और 2013 में मार्स ऑर्बिटर अंतरिक्ष यान नामक दो अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक लॉन्च किए।

98.क्यासनूर वन रोग

- हाल ही में, इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के एक अध्ययन ने पहली बार कर्नाटक के दो और जिलों में क्यासानूर वन रोग (KFD) वायरस की उपस्थिति की पुष्टि की है।
- क्यासनूर वन रोग एक जूनोटिक रोग है।
- यह पहली बार 1957 में कर्नाटक के क्यासानूर वन में रिपोर्ट किया गया था, इसलिए इसे क्यासानूर वन रोग (KFD) के रूप में जाना जाता है।
- बंदरों की मौत से जुड़े होने के कारण इसे "बंदर रोग/बंदर बुखार" के रूप में भी जाना जाता है।
- यह वायरस पूरे पश्चिमी घाट क्षेत्र में फैल गया है, जिसमें महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और गोवा भी शामिल हैं।
- लक्षण: अचानक उच्च श्रेणी का बुखार, साष्टांग प्रणाम, मतली, उल्टी, दस्त और कभी-कभी न्यूरोलॉजिकल और रक्तस्रावी अभिव्यक्तियाँ।
- संचरण: टिक्स और बोनट के काटने से काले चेहरे वाले लंगूर बंदर संक्रमण के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं।
  - वे मानव आबादी में वायरस के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- उपचार: हालाँकि, कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है, शीघ्र रोगसूचक और सहायक चिकित्सा से रुग्णता और मृत्यु दर में कमी आती है।

99. H9N2

- H9N2 इन्फ्लूएंजा ए वायरस का एक उपप्रकार है, जो बर्ड फ्लू और मानव इन्फ्लूएंजा का कारण बनता है।
- H9N2 वायरस दुनिया भर में जंगली पक्षियों में पाए जाते हैं और कई क्षेत्रों में पोल्ट्री में स्थानिक हैं।
- मनुष्यों में H9N2 वायरस संक्रमण दुर्लभ है, लेकिन आमतौर पर संक्रमण के हल्के लक्षणों के कारण इसकी कम रिपोर्ट की जाती है।
- WHO का समग्र जोखिम मूल्यांकन H9N2 के मानव से मानव प्रसार की कम संभावना और मानव मामलों में कम मृत्यु दर का संकेत देता है।
- मानव संक्रमण के मामले हांगकांग, चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और मिस्र में देखे गए हैं।

- संक्रमण का फैलाव
  - मनुष्य आमतौर पर संक्रमित पक्षियों, शारीरिक द्रव की बूंदों या अन्य दूषित सामग्री के निकट संपर्क से संक्रमित होते हैं।
  - पक्षी अपने मल में इन्फ्लूएंजा वायरस छोड़ते हैं, इसलिए पक्षियों की बीट के साथ संपर्क भी एक संभावित संचरण मार्ग है।

100.कंबाला

- हाल ही में, बेंगलुरु के सिटी पैलेस मैदान में आयोजित कंबाला दौड़ के लिए विशेष रूप से बनाए गए कीचड़ वाले ट्रैक में 160 जोड़ी भैंसों और उनके जॉकी ने भाग लिया।
- यह तटीय कर्नाटक जिलों में प्रचलित एक लोक खेल है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां तुलु भाषी बहुसंख्यक हैं।
- पहले, फसल के बाद के दिनों में कीचड़युक्त धान के खेतों में विभिन्न परिवारों और समूहों द्वारा दौड़ का आयोजन किया जाता था।
- यह कई परिवारों के लिए एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है, खासकर तटीय क्षेत्रों में बंट समुदाय के लिए।
- प्रमुख कंबाला प्रतियोगिता या अन्य दौड़ जीतने की उम्मीद में उनके द्वारा साल भर भैंसों के जोड़े को तैयार किया जाता है।
- कंबाला को आम तौर पर चार श्रेणियों में आयोजित किया जाता है, जैसे नेगीलू (हल), हग्गा (रस्सी), अड्डा हलेज और केन हलेज।

101. एमिलॉयडोसिस

- यह एक दुर्लभ बीमारी है जो तब होती है जब एक असामान्य प्रोटीन, जिसे अमाइलॉइड कहा जाता है, किसी के अंगों में जमा हो जाता है, जो उनके आकार और कार्यप्रणाली को प्रभावित करता है।
- हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे, प्लीहा और शरीर के अन्य हिस्सों में अमाइलॉइड जमा हो सकता है, जिससे अंग विफलता जैसी जीवन-घातक स्थिति पैदा हो सकती है।
- एमिलॉयडोसिस की कुछ किस्में अन्य बीमारियों के साथ मिलकर उत्पन्न होती हैं।
- लक्षण: गंभीर थकान; वजन में कमी; पेट, टांगों, टखनों या पैरों में सूजन; हाथों या पैरों में सुन्नता, दर्द या झुनझुनी और त्वचा के रंग में बदलाव।
- विभिन्न एमिलॉयडोसिस जो प्रचलित हैं, वे हैं लाइट-चेन (AL) एमिलॉयडोसिस और AA एमिलॉयडोसिस

102. बुकर पुरस्कार

- हाल ही में, आयरिश लेखक पॉल लिंच ने अपने उपन्यास प्रोफेट सॉन्ग के लिए फिक्शन के लिए बुकर पुरस्कार जीता।
- यह किसी एक कथा कृति के लिए विश्व का अग्रणी साहित्यिक पुरस्कार है।
- वर्ष 1969 में यूके में स्थापित, बुकर पुरस्कार शुरू में राष्ट्रमंडल लेखकों को दिया जाता था और अब मूल की परवाह किए बिना किसी के लिए भी खुला है।
- इसका उद्देश्य अंग्रेजी में लिखे गए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उपन्यास को पुरस्कृत करके बेहतरीन कथा साहित्य को बढ़ावा देना है।
- पात्रता
  - बुकर पुरस्कार मूल रूप से अंग्रेजी में लिखे गए और पुरस्कार के वर्ष में यूके और आयरलैंड में प्रकाशित किसी भी उपन्यास को पुरस्कार देता है, चाहे लेखक की राष्ट्रीयता कुछ भी हो।
  - उपन्यास अंग्रेजी में एक मौलिक रचना होनी चाहिए (अनुवाद नहीं)।

- इसे किसी पंजीकृत यूके या आयरिश छाप द्वारा प्रकाशित किया जाना चाहिए; स्व-प्रकाशित उपन्यास पात्र नहीं हैं।

- विजेता को £50,000 मिलते हैं, और प्रत्येक शॉर्टलिस्ट किए गए लेखक को £2,500 दिए जाएंगे।

103. e-SCR पोर्टल

- हाल ही में संविधान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में e-SCR पोर्टल का हिंदी संस्करण लॉन्च किया गया था।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय (SC) द्वारा शीर्ष अदालत के निर्णयों का उसी तरह डिजिटल संस्करण प्रदान करने की पहल, जिस तरह से वे आधिकारिक कानून रिपोर्ट में रिपोर्ट किए गए हैं।
- यह वकीलों, कानून के छात्रों और आम जनता को SC के लगभग 34,000 निर्णयों तक मुफ्त पहुंच प्रदान करता है।
- ये फैसले शीर्ष अदालत की वेबसाइट, उसके मोबाइल ऐप और राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (NJDG) के निर्णय पोर्टल पर उपलब्ध होंगे।
- यह देश भर के वकीलों के लिए एक निःशुल्क सेवा है।
- सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की मदद से ई-एससीआर के डेटाबेस में इलास्टिक खोज तकनीकों को शामिल करते हुए एक खोज इंजन विकसित किया है।
- e-SCR में खोज सुविधा मुफ्त पाठ खोज, खोज के भीतर खोज, केस प्रकार और केस वर्ष खोज, जज खोज, वर्ष और वॉल्यूम खोज, और बेंच स्ट्रेंथ खोज विकल्प प्रदान करती है।

104.हॉरिजॉन्टल ऑगर मशीन

- यह सतह को परेशान किए बिना क्षैतिज बोर या भूमिगत सुरंग बनाने के लिए एक विशेष उपकरण है।
- इसे अक्सर क्षैतिज बोरिंग मशीन या दिशात्मक ड्रिल कहा जाता है।
- इसमें आमतौर पर एक घूमने वाला पेचदार स्क्रू ब्लेड होता है जिसे बरमा कहा जाता है, जो एक केंद्रीय शाफ्ट या ड्रिल से जुड़ा होता है, जो घूमते हुए सामग्री में प्रवेश करता है।
- इन मशीनों का उपयोग आमतौर पर निर्माण, उपयोगिता प्रतिष्ठानों जैसे पाइप या केबल बिछाने और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किया जाता है।

105.फाइबर ऑप्टिक केबल

- ऑप्टिकल फाइबर कांच के पतले, बेलनाकार धागों से बने होते हैं।
- एक सामान्य रेशे का व्यास मानव बाल के व्यास के करीब होता है।
- ये फ़ाइबर सूचना, जैसे पाठ, चित्र, आवाज़, वीडियो, टेलीफ़ोन कॉल और कुछ भी जिसे डिजिटल सूचना के रूप में एन्कोड किया जा सकता है, लगभग प्रकाश की गति से बड़ी दूरी तक ले जा सकते हैं।
- वे मजबूत, हल्के और लचीले हैं, और भूमिगत दफनाने, पानी के नीचे खींचने या स्पूल के चारों ओर मोड़ने के लिए आदर्श हैं।

106.पूँजी पर्याप्तता अनुपात

- यह किसी बैंक की जोखिम भारित परिसंपत्तियों और वर्तमान देनदारियों के संबंध में उसकी पूंजी का अनुपात है।
- वाणिज्यिक बैंकों को अतिरिक्त उत्तोलन लेने और इस प्रक्रिया में दिवालिया होने से रोकने के लिए केंद्रीय बैंकों और बैंक नियामकों द्वारा यह निर्णय लिया जाता है।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात = (टियर I + टियर II + टियर III (पूंजी निधि)) / जोखिम भारित संपत्ति
- जोखिम भारित संपत्तियां क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम को ध्यान में रखती हैं।
- बेसल III मानदंडों ने 8% परिसंपत्तियों के जोखिम भारित पूंजी को निर्धारित किया है।

- हालाँकि, RBI के मानदंडों के अनुसार, भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को 9% की CAR बनाए रखने की आवश्यकता होती है, जबकि भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 12% की CAR बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

107.ज़ोजिला दर्रा

- ज़ोजिला दर्रा, जिसे 'द माउंटेन पास ऑफ़ ब्लिज़ार्ड्स' के नाम से भी जाना जाता है, लद्दाख के कारगिल जिले में स्थित एक ऊँचा पहाड़ी दर्रा है।
- यह श्रीनगर-कारगिल-लेह राजमार्ग (NH-1), ग्रेटर हिमालय रेंज पर स्थित है।
- भारी बर्फबारी के कारण दर्रा साल के लगभग आधे समय बंद रहता है।
- यह वर्ष 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का स्थल था।
- वर्ष 1948 में लद्दाख पर कब्ज़ा करने के अंतिम उद्देश्य से, पाकिस्तानी सेना की सहायता से मिलिशिया द्वारा इस पर कब्ज़ा कर लिया गया था।
- हालाँकि, 1 नवंबर 1948 को ऑपरेशन बाइसन नामक हमले में भारतीय सेना ने इस दर्रे पर कब्ज़ा कर लिया था।

108.ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से निपटना

- हाल ही में वित्त मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी.
- सिफ़ारिशें एवं चर्चाएँ
  - साइबर सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति।
  - धोखेबाजों द्वारा उपयोग किए गए 'खच्चर' बैंक खातों को बंद करना।
  - अचानक गतिविधि के साथ निष्क्रिय खातों की बढ़ी निगरानी।
  - सरकारी एजेंसियों के बीच सूचना साझाकरण बढ़ाया जाएगा।
  - निर्बाध डेटा विनिमय के लिए एक साझा मंच की आवश्यकता।
  - 'सिटीजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (CFCFRMS)' प्लेटफॉर्म पर वित्तीय संस्थानों को शामिल करना।

109.ग्रीन लीफ वोलेटाइल्स (जीएलवी)

- हाल ही में, पहली बार, वैज्ञानिक अन्य पौधों द्वारा छोड़े गए ग्रीन लीफ वोलेटाइल्स (जीएलवी) नामक यौगिकों को खतरे में महसूस करने वाले पौधों की कल्पना करने में सक्षम हुए।
- ग्रीन लीफ वोलेटाइल्स पौधों के वाष्पशील पदार्थों के एक महत्वपूर्ण समूह का प्रतिनिधित्व करता है।
- इनमें अल्कोहल, एल्डिहाइड और एस्टर सहित छह कार्बन (C6) यौगिक शामिल हैं, और लगभग हर पौधे से निकलते हैं।
- जीएलवी की रिहाई यांत्रिक क्षति या फंगल या जीवाणु संक्रमण से जड़ी-बूटियों के कारण होती है।
- इनमें शाकाहारी जीवों और उनके प्राकृतिक शत्रुओं को विकर्षित करने या आकर्षित करने के लिए बताई गई अंतःक्रियाओं की व्यापक श्रृंखला शामिल है।
- पौधों में दो प्रमुख रक्षा तंत्र होते हैं, जिनमें आणविक प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला शामिल होती है।
- जब कोई संयंत्र क्षतिग्रस्त हो जाता है तो प्रतिक्रियाएं शुरू हो जाती हैं और जीएलवी उप-उत्पाद के रूप में जारी होते हैं।
- आणविक कैस्केड की मध्यस्थता कैल्शियम द्वारा की जाती है, जो पूरे जीव विज्ञान में पाए जाने वाले रासायनिक और विद्युत संकेतों का एक सामान्य मध्यस्थ है।

110.सैगिटेरियस C (SGR C)

- यह तारा बनाने वाला क्षेत्र है जो मिल्की वे के केंद्रीय सुपरमैसिव ब्लैक होल, सैजिटेरियस A* से लगभग 300 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।
- यह एक अवरक्त-काले बादल के भीतर प्रोटोस्टार के एक हलचल भरे समूह को प्रकट कर रहा है।
- ये उभरते तारे द्रव्यमान संचय करने की प्रक्रिया में हैं, उनके बहिर्वाह इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रम में तीव्रता से चमक रहे हैं, जो किसी ब्रह्मांडीय अलाव में अंगारों के समान हैं।
- प्रोटोस्टार जिस बादल से निकल रहे हैं वह इतना घना है कि उसके पीछे के तारों से प्रकाश वेब तक नहीं पहुंच सकता है।
- चारों ओर छोटे-छोटे अवरक्त-काले बादल बिखरे हुए हैं, जो तारों की पृष्ठभूमि में आकाशीय शून्यता के समान हैं, जो भविष्य के सितारों के जन्मस्थान का संकेत दे रहे हैं।
- वेब के नियर-इन्फ्रारेड कैमरा (NIRCam) ने काले बादल की परिधि पर आयनित हाइड्रोजन से व्यापक उत्सर्जन का पता लगाया है, जो एक आकर्षक सियान रंग में उजागर हुआ है।

111.शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर

- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार, भारत में शहरी बेरोजगारी दर 7.2% (जुलाई-सितंबर 2022) से घटकर 6.6% (जुलाई-सितंबर 2023) हो गई है।
- 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए, इसी तिमाही के दौरान कुल बेरोजगारी दर 6.6% थी, जिसमें पुरुषों के लिए 6% और महिलाओं के लिए 8.6% थी।
- शहरी क्षेत्रों में श्रमिक जनसंख्या अनुपात 44.5% (जुलाई-सितंबर 2022) से बढ़कर 46% (जुलाई-सितंबर 2023) हो गया।
- पुरुषों के लिए, यह 68.6% से बढ़कर 69.4% हो गया, जबकि महिलाओं के लिए, इसमें 19.7% से 21.9% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए एलएफपीआर 47.9% (जुलाई-सितंबर 2022) से बढ़कर 49.3% (जुलाई-सितंबर 2023) हो गया।
- विशेष रूप से, महिलाओं के लिए, एलएफपीआर इसी अवधि के दौरान 21.7% से बढ़कर 24.0% हो गया।

112.फतह 2

- फ़तह, जिसका फ़ारसी में अर्थ होता है विजेता, ईरान द्वारा विकसित एक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह उसकी पहली घरेलू निर्मित हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल 'फत्ताह' का नया संस्करण है।
- यह एक हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (HGV) वॉरहेड से लैस है जो हाइपरसोनिक गति से पैंतरेबाज़ी और ग्लाइड कर सकता है।
- इसमें तरल-ईंधन रॉकेट प्रणोदक का उपयोग किया जाता है।
- सटीक-निर्देशित दो-चरण वाली मिसाइल 15 मैक (ध्वनि की गति से पंद्रह गुना यानी 18522 किमी/घंटा) के वेग के साथ 1500 किलोमीटर की दूरी के भीतर लक्ष्य को मार सकती है।
- यह रक्षा प्रणालियों से बचने के लिए त्वरित मोड़ ले सकता है।
- यह एक वॉरहेड से सुसज्जित है जिसमें ठोस ईंधन और चलने योग्य नोजल पर चलने वाला एक गोलाकार इंजन होता है जो इसे वायुमंडल के बाहर वायु-रक्षा प्रणालियों से बचने में मदद करने के लिए पाठ्यक्रम बदलने की अनुमति देता है।

113.अंतर्राष्ट्रीय चीनी संगठन (आईएसओ)

- आईएसओ एक अंतर-सरकारी निकाय है जो विश्व चीनी बाजार में स्थितियों में सुधार के लिए पूरी तरह समर्पित है।
- इसके 87 सदस्य देश वैश्विक उत्पादन का 87%, खपत का 64%, चीनी निर्यात का 92% और चीनी आयात का 34% प्रतिनिधित्व करते हैं।
- आईएसओ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बातचीत के जरिए 1992 के अंतर्राष्ट्रीय चीनी समझौते (आईएसए) को प्रशासित करने के लिए मौजूद है।
- उद्देश्य
  - विश्व चीनी मामलों और संबंधित मुद्दों के संबंध में उन्नत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सुनिश्चित करना।
  - चीनी पर और विश्व चीनी अर्थव्यवस्था में सुधार के तरीकों पर अंतर-सरकारी परामर्श के लिए एक मंच प्रदान करना।
  - विश्व चीनी बाजार और अन्य मिठासों के बारे में जानकारी एकत्र करके और प्रदान करके व्यापार को सुविधाजनक बनाना।
  - विशेष रूप से गैर-पारंपरिक उपयोगों के लिए चीनी की बढ़ती मांग को प्रोत्साहित करना।
- इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, आईएसओ कार्यशालाओं, सेमिनारों, सांख्यिकीय और विश्लेषणात्मक कार्यों सहित कई विशिष्ट गतिविधियाँ करता है।

114.धूमकेतु P12/पोंस-ब्रूक्स

- खगोलविदों ने हानले, लद्दाख में भारतीय खगोलीय वेधशाला से हिमालय चंद्र टेलीस्कोप (एचसीटी) का उपयोग करके धूमकेतु पी 12/पोंस-ब्रूक्स की तस्वीर ली है।
- यह एक खगोलीय वस्तु है जिसे अपनी विशिष्ट उपस्थिति के लिए चंचलतापूर्वक 'डेविल धूमकेतु' का उपनाम दिया गया है या 'मिलेनियम फाल्कन' से तुलना की गई है।
- वर्ष 1812 में पहली बार खोजा गया यह धूमकेतु हर 71 साल में सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करता है।
- इसकी हालिया गतिविधि विशेष रूप से प्रभावशाली रही है, जिसमें गैस और धूल के कई विस्फोटों ने नाटकीय रूप से इसकी चमक बढ़ा दी है।
- गोलाकार प्रभामंडल के रूप में दिखाई देने वाला धूमकेतु का वातावरण प्रभावशाली 3,50,000 किलोमीटर व्यास में फैला हुआ है

115.राष्ट्रीय कैडेट कोर

- यह एक त्रि-सेवा संगठन है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल हैं, जो युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करने में लगा हुआ है।
- यह रक्षा मंत्रालय (MoD) के तहत 1948 के राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम XXXI के तहत अस्तित्व में आया।
- यह एक स्वैच्छिक संगठन है जो पूरे भारत में हाई स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करता है।
- कैडेटों को छोटे हथियारों और परेड में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है।
- चयन के दौरान उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तुलना में सैन्य सेवा में प्राथमिकता दी जाती है।
- इसका नेतृत्व महानिदेशक (डीजी) करता है, जो लेफ्टिनेंट जनरल रैंक का एक सेना अधिकारी होता है।
- मुख्यालय: नई दिल्ली.

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA